



भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-16122024-259435
CG-DL-E-16122024-259435

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग 1—खण्ड III
PART 1—Section III

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 4] नई दिल्ली, बुधवार, दिसम्बर 11, 2024/ अग्रहायण 20, 1946
No. 4] NEW DELHI, WEDNESDAY, DECEMBER 11, 2024/ AGRAHAYANA 20, 1946

रक्षा मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 11 दिसम्बर, 2024

नियम

सं.बी/155/आरटीजी(एनडीए प्रवेश)17(2)/2024-डीएमए(एजी-II)—दिनांक 01 जनवरी, 2026 से प्रारंभ होने वाले राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के सेना, नौसेना तथा वायुसेना स्कंधों के 155वें पाठ्यक्रम तथा 117वें भारतीय नौसेना अकादमी पाठ्यक्रम (आईएनएसी) में प्रवेश हेतु संघ लोक सेवा आयोग द्वारा दिनांक 13 अप्रैल, 2025 को आयोजित की जाने वाली प्रतियोगी परीक्षा, अर्थात् राष्ट्रीय रक्षा अकादमी एवं नौसेना अकादमी परीक्षा(I), 2025 के नियम प्रकाशित किए जाते हैं।

आयोग यदि चाहे तो उपर्युक्त परीक्षा की तारीख में परिवर्तन कर सकता है।

इस परीक्षा के परिणामों के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की आसन्न संख्या निम्नलिखित तरह से हैं:-

राष्ट्रीय रक्षा अकादमी :	थल सेना	-	208 (इसमें महिला उम्मीदवारों के लिए 10 रिक्तियाँ शामिल हैं।)
	नौसेना	-	42 (इसमें महिला उम्मीदवारों के लिए 06 रिक्तियाँ शामिल हैं।)
	वायुसेना	-	(i) फ्लाइटिंग - 92 (इसमें महिला उम्मीदवारों के लिए 02 रिक्तियाँ शामिल हैं) (ii) ग्राउंड ज्युटियाँ(तकनीकी) - 18 (इसमें महिला उम्मीदवारों के लिये 02 रिक्तियाँ शामिल हैं।)

		(iii) ग्राउंड ड्यूटियाँ (गैर तकनीकी) – 10 (इसमें महिला उम्मीदवारों के लिए 02 रिक्तियाँ शामिल हैं।)
भारतीय नौसेना अकादमी (10+2 कैडेट प्रवेश योजना) :		36 (इसमें महिला उम्मीदवारों के लिये 05 रिक्तियाँ शामिल हैं।)

योग : 406 (इसमें महिला उम्मीदवारों के लिए 27 रिक्तियाँ शामिल हैं।)

आयोग के परीक्षा नोटिस में दी गई रिक्तियों की संख्या अनंतिम है और राष्ट्रीय रक्षा अकादमी तथा भारतीय नौसेना अकादमी की प्रशिक्षण क्षमतानुसार इनमें परिवर्तन किया जा सकता है।

एक उम्मीदवार से ऑन-लाइन आवेदन में केवल उन सेवाओं के लिए वरीयता क्रम को अनिवार्य रूप से इंगित करने की अपेक्षा रहेगी जिसके लिए वह आवंटित होने के लिए इच्छुक है। किसी उम्मीदवार द्वारा ऑन-लाइन आवेदन में एक समय अवधि की समाप्ति के बाद, यदि कोई हो, जैसा कि आयोग द्वारा अपने विवेक से, परीक्षा के लिए अपने नोटिस में इंगित किया गया है, एक बार प्रस्तुत किए जाने के बाद वरीयता क्रम/वरीयता के क्रम में जोड़ने/बदलने के किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

2. पात्रता की शर्तें:

(क) राष्ट्रीयता: उम्मीदवार अविवाहित पुरुष/महिला हो और :

- (i) भारत का नागरिक हो, या
- (ii) नेपाल की प्रजा हो, या
- (iii) भारतीय मूल का व्यक्ति जो भारत में स्थायी रूप से रहने के उद्देश्य से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, पूर्वी अफ्रीकी देशों जैसे कीनिया, युगाण्डा तथा तंजानिया संयुक्त गणराज्य, जांबिया, मलावी ज़ायरे तथा इथियोपिया या वियतनाम से आकर भारत में बस गया हो।

परन्तु उपर्युक्त वर्ग (ii) और (iii) के अंतर्गत आने वाला उम्मीदवार ऐसा व्यक्ति हो जिसे भारत सरकार ने पात्रता प्रमाणपत्र प्रदान किया हो।

हालांकि नेपाल के गोरखा अभ्यर्थियों के मामले में यह पात्रता प्रमाणपत्र आवश्यक नहीं होगा।

(ख) आयु-सीमाएं, लिंग और वैवाहिक स्थिति:

केवल ऐसे अविवाहित पुरुष/महिला उम्मीदवार जिनका जन्म 02 जुलाई, 2006 से पहले न हुआ हो तथा 01 जुलाई, 2009 के बाद न हुआ हो, पात्र हैं।

आयोग जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण पत्र या किसी विश्वविद्यालय द्वारा अनुरक्षित मैट्रिकुलेट्स के रजिस्टर से लिए गए उद्धरण में दर्ज की गई हो और यह उद्धरण विश्वविद्यालय के सक्षम प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हो या माध्यमिक स्कूल परीक्षा या समकक्ष परीक्षा प्रमाण पत्रों में हो। ये प्रमाण पत्र लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा के बाद ही प्रस्तुत करने होंगे। आयु के संबंध में कोई अन्य दस्तावेज जैसे जन्म कुंडली, शपथपत्र, नगर निगम से और सेवा अभिलेख से प्राप्त जन्म संबंधी उद्धरण तथा अन्य ऐसे ही प्रमाण पत्र स्वीकार नहीं किए जाएंगे। अनुदेश के इस भाग में आए हुए मैट्रिकुलेशन/ माध्यमिक स्कूल परीक्षा प्रमाणपत्र वाक्यांश में उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाणपत्र सम्मिलित हैं।

टिप्पणी-1: उम्मीदवार यह ध्यान रखें कि आयोग उम्मीदवार की जन्म की उसी तारीख को स्वीकार करेगा जो कि आवेदन-प्रपत्र प्रस्तुत करने की तारीख को मैट्रिकुलेशन/ माध्यमिक स्कूल परीक्षा प्रमाणपत्र या समकक्ष

प्रमाणपत्र में दर्ज है और इसके बाद उसमें परिवर्तन के किसी अनुरोध पर न तो विचार किया जाएगा और न उसे स्वीकार किया जाएगा।

टिप्पणी-2: उम्मीदवार यह भी नोट कर लें कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए पंजीकरण और ऑनलाइन आवेदन प्रपत्र में जन्म की तारीख एक बार घोषित कर देने और आयोग द्वारा उसे अपने अभिलेख में दर्ज कर लेने के बाद उसमें बाद में या बाद की किसी अन्य परीक्षा में परिवर्तन करने की अनुमति किसी भी आधार पर नहीं दी जाएगी।

टिप्पणी-3: उम्मीदवारों को परीक्षा के लिए पंजीकरण और ऑन-लाइन आवेदन-प्रपत्र के संबंधित कॉलम में जन्म तिथि भरते समय उचित सावधानी बरतनी चाहिए। यदि बाद की किसी अवस्था में, जांच के दौरान उनके द्वारा भरी गई जन्म तिथि की उनके मैट्रिक या समकक्ष परीक्षा के प्रमाणपत्र में दी गई जन्म तिथि से कोई भिन्नता पाई जाती है तो आयोग द्वारा नियमों के अधीन उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

टिप्पणी-4: उम्मीदवार यह भी नोट कर लें कि राष्ट्रीय रक्षा अकादमी एवं नौसेना अकादमी परीक्षा में, पंजीकरण और ऑनलाइन आवेदन पत्र जमा कर लेने के पश्चात और एक समयावधि की समाप्ति के बाद, यदि कोई हो, जैसा कि आयोग द्वारा अपने विवेक से, परीक्षा के लिए अपने नोटिस में इंगित किया गया है, कोई भी जानकारी जोड़ने/हटाने/उसमें परिवर्तन करने की अनुमति, किसी भी परिस्थिति में नहीं होगी।

टिप्पणी-5: उम्मीदवारों को इस बात का वचन देना है कि जब तक उनका प्रशिक्षण पूरा नहीं होगा तब तक वे विवाह नहीं करेंगे। जो उम्मीदवार अपने आवेदन की तारीख के बाद विवाह कर लेता है, उसे प्रशिक्षण के लिए चुना नहीं जाएगा, चाहे वह उस परीक्षा में या अगली किसी परीक्षा में सफल हुआ हो। जो उम्मीदवार प्रशिक्षण काल में विवाह करता है उसे वापस भेज दिया जाएगा और सरकार ने उस पर जो पैसे खर्च किए हैं वह सब उसे वापस करना होगा।

(ग) शैक्षिक योग्यताएं:

(i) राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के थलसेना स्कंध के लिए: स्कूल शिक्षा के 10+2 पैटर्न की 12वीं कक्षा उत्तीर्ण की हो अथवा किसी राज्य शिक्षा बोर्ड अथवा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण की हो।

(ii) राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के वायुसेना और नौसेना स्कंधों के लिए तथा भारतीय नौसेना अकादमी की 10+2 कैडेट प्रवेश योजना के लिए:— स्कूल शिक्षा के 10 + 2 पैटर्न के भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित के साथ 12वीं कक्षा उत्तीर्ण अथवा किसी राज्य शिक्षा बोर्ड अथवा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित समकक्ष परीक्षा।

जो उम्मीदवार स्कूल शिक्षा के 10+2 पैटर्न के अन्तर्गत 12वीं कक्षा अथवा समकक्ष परीक्षा में बैठ रहे हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं।

ऐसे उम्मीदवार जो एसएसबी साक्षात्कार में अर्हता प्राप्त कर लेते हैं लेकिन एसएसबी साक्षात्कार के समय मैट्रिक/10 + 2 या समकक्ष प्रमाणपत्र मूल रूप से प्रस्तुत नहीं कर पाते, उन्हें विधिवत स्वअनुप्रमाणित फोटोप्रति “भर्ती महानिदेशालय, सेना मुख्यालय, वेस्ट ब्लॉक-III, आर. के. पुरम, नई दिल्ली-110066 को तथा नौसेना अकादमी के अभ्यर्थियों के मामले में “नौसेना मुख्यालय, डीएमपीआर, ओआई एण्ड आर अनुभाग, कमरा सं. 204, ‘सी’ स्कंध, सेना भवन, नई दिल्ली- 110011” को 15 दिसंबर 2025 तक अग्रेषित करना होगा। ऐसा न करने पर उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी। वे अन्य सभी उम्मीदवार जो मूल रूप में अपने मैट्रिक और 10+2 उत्तीर्ण या समकक्ष प्रमाणपत्र मूल रूप में एसएसबी साक्षात्कार के समय प्रस्तुत कर चुके हैं तथा एसएसबी प्राधिकारियों द्वारा उनका सत्यापन करवा चुके हैं, उन्हें सेना मुख्यालय या नौसेना मुख्यालय, जैसा भी मामला हो, में इन्हें फिर से प्रस्तुत करना अपेक्षित नहीं है। ऐसे मामलों में जहां बोर्ड/विश्वविद्यालय के द्वारा अभी तक प्रमाणपत्र जारी नहीं किए गए हों, शिक्षा संस्थाओं के प्राचार्य द्वारा दिये गये मूल प्रमाणपत्र भी स्वीकार्य होंगे, लेकिन ऐसे प्रमाणपत्रों की प्रमाणित की गई सही प्रतिलिपियां/फोटोस्टेट प्रतियां स्वीकार नहीं की जाएंगी।

आपवादिक मामलों में आयोग किसी ऐसे उम्मीदवार को इस नियम में निर्धारित योग्यताओं से युक्त न होने पर भी शैक्षिक रूप से योग्य मान सकता है बशर्ते कि उम्मीदवार के पास ऐसी योग्यताएं हों, जिनका स्तर आयोग के विचार से, उसे इस परीक्षा में प्रवेश देना उचित ठहराता हो।

टिप्पणी-1: जो उम्मीदवार 11वीं कक्षा की परीक्षा दे रहे हैं, इस परीक्षा में बैठने के पात्र नहीं हैं।

टिप्पणी-2: वे उम्मीदवार, जिन्हें अभी 12वीं कक्षा या समकक्ष परीक्षा में अर्हता प्राप्त करनी है और जिन्हें संघ लोक सेवा आयोग ने परीक्षा में बैठने की अनुमति दे दी है, नोट कर लें कि उनको दी गई यह केवल एक विशेष छूट है। उन्हें 12वीं कक्षा या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण निर्धारित तारीख (यानी 15 दिसंबर 2025) तक प्रस्तुत करना होगा और बोर्ड/ विश्वविद्यालय द्वारा परीक्षा के देर से आयोजित किये जाने, परिणाम घोषणा में विलंब या अन्य किसी कारण से इस तारीख को और आगे बढ़ाने से संबंधित किसी भी अनुरोध पर विचार नहीं किया जायेगा।

टिप्पणी-3: पंजीकरण तथा ऑनलाइन आवेदन प्रपत्र (ओ ए एफ):

वह उम्मीदवार जो कि राष्ट्रीय रक्षा अकादमी और नौसेना अकादमी परीक्षा के लिए आवेदन करने का इच्छुक है, को ऑन-लाइन आवेदन करने तथा ऑनलाइन आवेदन प्रपत्र के साथ आयोग द्वारा यथावांछित विभिन्न दावों जैसे कि जन्म तिथि, शैक्षिक योग्यता आदि से संबंधित अपेक्षित जानकारी तथा समर्थित दस्तावेज जमा करने होंगे। आवेदन प्रपत्र भरने के विस्तृत अनुदेशों के लिए राष्ट्रीय रक्षा अकादमी एवं नौसेना अकादमी परीक्षा (I), 2025 के नोटिस का सन्दर्भ लें। ऑनलाइन आवेदन प्रपत्र के साथ या आयोग द्वारा प्रदान की गई करेक्शन-विंडो, यदि कोई है, के भीतर अपेक्षित जानकारी/ दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने पर परीक्षा के लिए उम्मीदवारी निरस्त कर दी जाएगी।

टिप्पणी-4: जिनपर रक्षा मंत्रालय द्वारा रक्षा सेवाओं में किसी प्रकार के कमीशन के संबंध में रोक लगाई गई हो, वे इस परीक्षा में प्रवेश के पात्र नहीं होंगे, यदि प्रवेश दे दिया गया हो तो भी उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

टिप्पणी-5: जो उम्मीदवार सीपीएसएस/पीएबीटी में पहले असफल हो चुके हैं, वे अब वायुसेना में ग्राउंड ड्यूटी शाखाओं के लिए पात्र होंगे यदि वे इस संबंध में आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध ऑनलाइन आवेदन पत्र में अपनी इच्छुकता (Willingness) भरते हैं।

(घ) शारीरिक मानदंड:

राष्ट्रीय रक्षा अकादमी तथा नौसेना अकादमी परीक्षा (I), 2025 में प्रवेश पाने हेतु परिशिष्ट-II में दिए गए शारीरिक मानदंडों से संबंधित दिशा-निर्देशों के अनुरूप उम्मीदवार को शारीरिक रूप से स्वस्थ होना चाहिए।

(च) सशस्त्र सेनाओं के किसी भी प्रशिक्षण संस्थान से अनुशासनात्मक कार्रवाई के तहत यदि किसी उम्मीदवार ने इस्तीफा दे दिया है या उसे निकाल दिया गया हो, आवेदन करने के लिए पात्र नहीं होगा।

3. शुल्क:

उम्मीदवारों को (अ.जा./अ.ज.जा./महिला अभ्यर्थियों/ जे.सी.ओ./ एन.सी.ओ./कमीशन के नोटिस में विनिर्दिष्ट/ओ आर के बच्चों को छोड़कर) आयोग के परीक्षा नोटिस में विनिर्दिष्ट शुल्क का भुगतान करना होगा।

आयोग के परीक्षा नोटिस में विनिर्दिष्ट शुल्क का थलसेना में सेवारत/भूतपूर्व जूनियर कमीशन प्राप्त अफसरों/गैर कमीशन प्राप्त अफसरों/अन्य रैंकों तथा भारतीय नौसेना/ भारतीय वायुसेना के समकक्ष रैंकों के अफसरों के बच्चों को भी निर्धारित शुल्क देने की जरूरत नहीं होगी यदि वे मिलिट्री स्कूल (जिसे पहले किंग जार्ज स्कूल के नाम से जाना जाता था)/सैनिक स्कूलों की सोसायटी द्वारा चलाए जाने वाले सैनिक स्कूलों में शिक्षा पा रहे हैं।

ऐसे सभी उम्मीदवारों को स्वयं अपने संबद्ध प्रधानाचार्यों से शुल्क में छूट हेतु उनकी पात्रता का प्रमाण-पत्र प्राप्त करना होगा और एस.एस.बी. परीक्षा/साक्षात्कार के लिए अर्हक घोषित किए गए उम्मीदवारों द्वारा एस. एस. बी. परीक्षा/साक्षात्कार के समय इसे सत्यापन हेतु प्रस्तुत करना होगा।

4: सभी उम्मीदवारों को चाहे वे पहले से सरकारी सेवा में हों, जिनमें सशस्त्र सेना बलों के उम्मीदवार भी शामिल हैं और भारतीय नौसेना के नौसैनिक (बॉयज (Boys) व आर्टिफिसर अप्रेंटिस सहित), राष्ट्रीय इंडियन मिलिट्री कॉलेज (जिसे पहले सैनिक स्कूल, देहरादून कहा जाता था) के कैडेट्स, राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल (जिन्हें पहले मिलिट्री स्कूल कहा जाता था) और सैनिक स्कूलों की सोसायटी द्वारा चलाए जाने वाले सैनिक स्कूलों के छात्रों, सरकारी स्वामित्व वाले औद्योगिक उपक्रम अथवा इसी प्रकार के अन्य संगठनों अथवा निजी रोजगार में कार्यरत अभ्यर्थियों को आयोग को सीधे ऑनलाइन आवेदन करना होगा।

5: जो व्यक्ति पहले से ही स्थायी या अस्थायी हैसियत से सरकारी सेवा में हों या अनियत या दैनिक दर पर नियुक्त व्यक्तियों को छोड़कर कार्य प्रभारित कर्मचारी या जो लोक उद्यमों में सेवारत हैं, (ख) सशस्त्र सेनाओं में कार्यरत उम्मीदवार, भारतीय नौसेना के नौसैनिक (बॉयज (Boys) व आर्टिफिसर अप्रेंटिस सहित); और (ग) राष्ट्रीय इंडियन मिलिट्री कॉलेज (जिसे पहले सैनिक स्कूल, देहरादून कहा जाता था) के कैडेट्स, मिलिट्री स्कूलों (जिन्हें पहले किंग जार्ज स्कूल कहा जाता था) और सैनिक स्कूलों की सोसायटी द्वारा चलाए जाने वाले सैनिक स्कूलों के छात्रों को अपने कार्यालय/विभाग अध्यक्ष, कमांडिंग ऑफिसर, संबंधित कॉलेज/स्कूल के प्रिंसिपल, जैसा भी मामला हो, को लिखित रूप में सूचित करना होगा कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

नोट: उम्मीदवार नोट करें कि यदि आयोग को उनके नियोक्ता/संबंधित प्राधिकारी से इस परीक्षा के लिए आवेदन करने वाले/बैठने वाले अभ्यर्थियों की अनुमति रोकने संबंधी कोई पत्राचार प्राप्त होता है तो उनके आवेदन पत्र अस्वीकृत कर दिए जाएंगे/उम्मीदवारी निरस्त कर दी जाएगी।

6: परीक्षा में प्रवेश हेतु उम्मीदवार की पात्रता व अपात्रता के संबंध में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा।

परीक्षा के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों को यह सुनिश्चित करना होगा कि वे परीक्षा में प्रवेश पाने की पात्रता से संबंधित सभी शर्तें पूरी करते हों। परीक्षा के सभी स्तरों पर उनका प्रवेश अनंतिम ही माना जाएगा जब तक वे निर्धारित पात्रता शर्तें पूरी न कर लें। परीक्षा के किसी भी चरण से पहले या बाद में सत्यापन के समय यदि यह पाया जाता है कि वे पात्रता की कोई शर्त पूरी नहीं करते हैं तो आयोग द्वारा उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

7: किसी भी उम्मीदवार को परीक्षा के लिए प्रवेश प्रमाण पत्र के बिना परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं होगी।

8: लिखित परीक्षा में सफल हुए उम्मीदवारों को भर्ती महानिदेशालय की वेबसाइट www.joinindianarmy.nic.in पर ऑनलाइन पंजीकरण करना होगा। www.joinindianarmy.nic.in पर पंजीकरण करते हुए अनिवार्यतः उसी ई-मेल आईडी का इस्तेमाल किया जाएगा, जो आईडी संघ लोक सेवा आयोग का ऑनलाइन आवेदन भरते समय संघ लोक सेवा आयोग को दी गई थी। उम्मीदवारों को आवश्यक रूप से यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके ऑनलाइन आवेदन में दी गई ई-मेल आई डी सही है और चालू है। इसके बाद इन उम्मीदवारों को पूर्वोक्त वेबसाइट के माध्यम से चयन केन्द्रों का आबंटन किया जाएगा। किसी समस्या/स्पष्टीकरण के मामले में उम्मीदवार, भर्ती महानिदेशालय की वेबसाइट पर दिए गए टेलीफोन नंबरों पर या अपने प्रोफाइल पर लॉगइन करके फीडबैक/क्वेरी मॉड्यूल के जरिए भर्ती महानिदेशक से संपर्क कर सकते हैं।

जिन उम्मीदवारों ने लिखित परीक्षा में अर्हता प्राप्त कर ली है, उन्हें आयु और शैक्षिक योग्यता संबंधी अपने मूल प्रमाणपत्र भर्ती महानिदेशालय, सेना मुख्यालय, वेस्ट ब्लॉक-III, आर.के. पुरम, नई दिल्ली-110066 अथवा नौसेना मुख्यालय, डीएमपीआर, ओआईएंडआर अनुभाग, 'सी' विंग, सेना भवन, नई दिल्ली-110011 में जमा करने की आवश्यकता नहीं है।

साक्षात्कार के लिये बुलाये गये सभी उम्मीदवारों को सेना चयन बोर्ड (एसएसबी) के समक्ष मैट्रिक अथवा समकक्ष परीक्षा के मूल प्रमाण-पत्र अवश्य अपने साथ लाने हैं। जो अभ्यर्थी सेना चयन बोर्ड के साक्षात्कार में

अर्हता प्राप्त कर लेंगे उन्हें साक्षात्कार के तुरंत बाद मूल प्रमाणपत्रों को प्रस्तुत करना होगा। सत्यापन के बाद मूल प्रमाणपत्र लौटा दिए जाएंगे। जो अभ्यर्थी पहले ही 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके हैं वे सेना चयन बोर्ड में साक्षात्कार हेतु अपना 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण करने का मूल प्रमाणपत्र या अंक सूची अवश्य लाएं।

यदि उनका कोई भी दावा असत्य पाया जाता है तो उनके विरुद्ध आयोग द्वारा निम्नलिखित उपबंधों के साथ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है।

9.(1) यदि इनका कोई भी दावा गलत/असत्य/कपटपूर्ण/जाली पाया जाता है तो उनके विरुद्ध आयोग द्वारा निम्नलिखित उपबंधों के साथ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है। जो उम्मीदवार निम्नांकित कदाचार का दोषी है या आयोग या संबंधित सेना मुख्यालय द्वारा दोषी घोषित किया जा चुका है-

(क) निम्नलिखित तरीकों से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अर्थात् :

(i) गैर कानूनी रूप से परितोषण की पेशकश करना, या

(ii) दबाव डालना, या

(iii) परीक्षा आयोजित करने से संबंधित किसी व्यक्ति को ब्लैकमेल करना अथवा उसे ब्लैकमेल करने की धमकी देना, अथवा

(ख) नाम बदलकर परीक्षा दी है, अथवा

(ग) किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप से कार्यसाधन कराया है, अथवा

(घ) जाली प्रमाण-पत्र/गलत प्रमाण -पत्र या ऐसे प्रमाणपत्र प्रस्तुत किए हैं जिसमें तथ्य को बिगाड़ा गया हो, अथवा

(च) आवेदन प्रपत्र में वास्तविक फोटो/हस्ताक्षर के स्थान पर असंगत या गलत फोटो/ हस्ताक्षर अपलोड करना।

(छ) गलत या झूठे वक्तव्य दिए हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा

(ज) परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी के संबंध में निम्नलिखित साधनों का उपयोग किया है, अर्थात्:

(i) परीक्षा के दौरान गलत तरीके से प्रश्न-पत्र की प्रति प्राप्त करना;

(ii) परीक्षा से संबंधित गोपनीय कार्य से जुड़े व्यक्ति के बारे में पूरी जानकारी प्राप्त करना;

(iii) परीक्षकों को प्रभावित करना; या

(झ) परीक्षा के दौरान उम्मीदवार के पास अनुचित साधनों का पाया जाना अथवा उपयोग किया जाना; अथवा

(ट) उत्तर पुस्तिकाओं पर भद्दी बातें लिखना या भद्दे रेखाचित्र बनाना अथवा असंगत सामग्री देना; अथवा

(ठ) परीक्षा भवन में दुर्व्यवहार करना जिसमें उत्तर पुस्तिकाओं को फाड़ना, साथी परिक्षार्थियों को परीक्षा का बहिष्कार करने के लिए उकसाना अथवा अव्यवस्था तथा ऐसी ही अन्य स्थिति पैदा करना शामिल है; अथवा

(ड) परीक्षा के संचालन के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान करना या धमकी देना या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुँचाना; अथवा

(ढ) परीक्षा के दौरान मोबाइल फोन (चाहे वह स्विच ऑफ ही क्यों ना हो), पेजर या कोई अन्य आपत्तिजनक सामग्री (ई प्रवेश पत्र, पत्र, रबर आदि परलेख) या किसी प्रकार का इलैक्ट्रॉनिक उपकरण या प्रोग्राम किए जा सकने वाला डिवाइस या पेन ड्राइव जैसा कोई स्टोरेज मीडिया, स्मार्ट वॉच/ डिजिटल घड़ी इत्यादि या

कैमरा या ब्लूटूथ उपकरण या आई टी उपकरण या कोई अन्य उपकरण या संचार यंत्र के रूप में प्रयोग किए जा सकने वाला कोई अन्य संबंधित उपकरण, चाहे वह बंद हो या चालू, प्रयोग करते हुए या आपके पास पाया जाना; अथवा

(त) परीक्षा की अनुमति देते हुए उम्मीदवार को भेजे गए प्रवेश प्रमाण-पत्रों के साथ जारी आदेशों का उल्लंघन करना; अथवा

(थ) उपर्युक्त खंडों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य के द्वारा, जैसा भी मामला हो, अवप्रेरित करने का प्रयत्न किया हो, तो उस पर आपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रासिक्यूशन) चलाया जा सकता है और साथ ही उसे आयोग द्वारा इन नियमों के अन्तर्गत परीक्षा जिसका वह उम्मीदवार है, में बैठने के लिए अयोग्य ठहराया जाएगा और/अथवा उसे स्थायी रूप से अथवा विनिर्दिष्ट अवधि के लिए:

(i) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन के लिए विवर्जित किया जाएगा।

(ii) केन्द्रीय सरकार द्वारा उसके अधीन किसी भी नौकरी से विवर्जित किया जाएगा।

यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में है तो उसके विरुद्ध उपर्युक्त नियमों के अधीन अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है।

(द) किन्तु शर्त यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्ति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक:

(i) उम्मीदवार को इस संबंध में लिखित अभ्यावेदन जो वह देना चाहे प्रस्तुत करने का अवसर न दिया जाए, और

(ii) उम्मीदवार द्वारा अनुमत समय में प्रस्तुत अभ्यावेदन पर यदि कोई हो विचार न कर लिया जाए।

9.(2) कोई भी व्यक्ति, जो आयोग द्वारा उक्त खंड (क) से (ड) में उल्लिखित कुकृत्यों में से किसी कुकृत्य को करने में किसी अन्य उम्मीदवार के साथ मिलीभगत या सहयोग का दोषी पाया जाता है, उसके विरुद्ध उक्त खंड (ढ) के प्रावधानों के अनुसार कार्रवाई की जा सकती है।

10. यात्रा भत्ता:

किसी विशेष प्रकार के कमीशन अर्थात् स्थायी अथवा अल्पकालिक सेवा के लिए एसएसबी साक्षात्कार हेतु प्रथम बार उपस्थित होने वाले उम्मीदवार भारतीय सीमाओं के अंदर आरक्षण एवं स्लीपर प्रभारों सहित एसी-3 टीयर से आने-जाने के रेल के किराए अथवा बस के किराए के हकदार होंगे। जो उम्मीदवार उसी कमीशन के लिए पुनः आवेदन करते हैं, वे बाद में यात्रा भत्ता के हकदार नहीं होंगे।

11. थलसेना/नौसेना/वायुसेना मुख्यालय के साथ पत्र-व्यवहार: थलसेना/नौसेना/वायुसेना मुख्यालय के साथ किए गए किसी भी पत्र-व्यवहार में निम्नलिखित विवरण अवश्य होने चाहिए:-

1. परीक्षा का नाम और वर्ष
2. पंजीकरण आई डी (आर आई डी)
3. अनुक्रमांक (यदि मिला हो)
4. उम्मीदवार का नाम (पूरा और स्पष्ट)
5. पत्र व्यवहार का पता, जो आवेदन पत्र में दिया है।

विशेष ध्यान दें (i): जिन पत्रों में ऊपर का ब्यौरा नहीं होगा, उन पर कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

विशेष ध्यान दें (ii): यदि परीक्षा हो जाने के बाद किसी उम्मीदवार का पत्र/पत्रादि प्राप्त होता है, जिसमें उसका पूरा नाम और अनुक्रमांक नहीं दिया गया है तो उस पर ध्यान नहीं दिया जाएगा और न ही उस पर कोई कार्रवाई की जाएगी। सेना चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए आयोग द्वारा अनुशंसित उम्मीदवारों ने परीक्षा के लिए आवेदन करने के बाद, यदि अपना पता बदल लिया है तो उनको चाहिए कि परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम घोषित होते ही अपने नये पते की सूचना तत्काल निम्नलिखित को भी दें-

थलसेना को प्रथम वरीयता देने वाले उम्मीदवारों के लिए-सेना मुख्यालय, ए.जी. ब्रांच, आरटीजी (एन डी ए प्रवेश), पश्चिमी खंड III, स्कंध-1, आर. के. पुरम, नई दिल्ली-110066, दूरभाष सं. 20862673।

नौसेना/नौसेना अकादमी को प्रथम वरीयता देने वाले उम्मीदवारों के लिये - नौसेना मुख्यालय, जनशक्ति एवं भर्ती निदेशालय, ओ आई एण्ड आर अनुभाग, कमरा नं. 204, 'सी' स्कंध, सेना भवन, नई दिल्ली-110011, दूरभाष सं. 23010097/23011282।

वायुसेना को प्रथम वरीयता देने वाले उम्मीदवारों के लिए वायुसेना मुख्यालय, कार्मिक (अधिकारी) निदेशालय, वायुसेना मुख्यालय (वायु भवन) कमरा नं. 838, ए ब्लॉकरक्षा कार्यालय परिसर, कस्तूरबा गाँधी मार्ग, नई दिल्ली-110001, दूरभाष सं. 23010231 एक्सटेंशन 7645/7646/7610

जो उम्मीदवार इन अनुदेशों का पालन नहीं करेगा वह सेना चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिये बुलावा-पत्र न मिलने पर अपने मामले में विचार किए जाने के किसी भी प्रकार के दावे से वंचित रह जाएगा।

लिखित परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात् उम्मीदवारों को अपने एसएसबी केन्द्र और साक्षात्कार की तारीख के लिए निम्नलिखित वेबसाइट पर लॉग-ऑन करना चाहिए:-

www.joinindianarmy.nic.in

www.joinindiannavy.gov.in

वायुसेना को प्रथम वरीयता देने वाले उम्मीदवारों को भी ए एफ एस बी और तिथि के चयन के लिए www.joinindianarmy.nic.in पर ऑनलाइन पंजीकरण करना होगा।

सेना चयन बोर्ड द्वारा जिन उम्मीदवारों के नाम साक्षात्कार के लिए अनुशंसित हैं वह अपने साक्षात्कार के संबंध में सभी पूछताछ और अनुरोध के लिए लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा से 20 दिन के पश्चात् सम्बन्धित सेना मुख्यालय के निम्नलिखित पते पर सम्पर्क करें या वेबसाइट को देखें:-

सेना को प्रथम वरीयता देने वाले उम्मीदवारों के लिए-सेना मुख्यालय, ए. जी. ब्रांच, आरटीजी (एन डी ए प्रवेश), पश्चिमी खण्ड-III, स्कंध-I, आर. के. पुरम, नई दिल्ली-110066, दूरभाष सं. 20862673, या www.joinindianarmy.nic.in

नौसेना/नौसेना अकादमी को प्रथम वरीयता देने वाले उम्मीदवारों के लिए-नौसेना मुख्यालय, जनशक्ति एवं भर्ती निदेशालय, ओ.आई. एण्ड आर. अनुभाग, कमरा नं. 204, 'सी' स्कंध, सेना भवन, नई दिल्ली-110011, दूरभाष सं. 23011282/23010151 या ईमेल: officer@navy.gov.in या www.joinindiannavy.gov.in

वायुसेना को प्रथम वरीयता देने वाले उम्मीदवारों के लिए-वायुसेना मुख्यालय, कार्मिक (अधिकारी) निदेशालय, वायुसेना मुख्यालय (वायुसेना भवन) कमरा नं. 838, ए ब्लॉक रक्षा कार्यालय कॉम्प्लेक्स, कस्तूरबा गाँधी मार्ग, नई दिल्ली-110001, दूरभाष सं. 23010231 एक्सटेंशन 7645/7646/7610.

उम्मीदवार को भेजे गए कॉल-अप लेटर द्वारा सूचित तारीख को सेना चयन बोर्ड के समक्ष साक्षात्कार के लिए पहुंचना होगा। साक्षात्कार को स्थगित करने से संबंधित अनुरोध पर केवल अपवादात्मक परिस्थितियों में और प्रशासनिक सुविधा को ध्यान में रखकर ही विचार किया जायेगा जिसके लिए निर्णय लेने का प्राधिकार केवल सेना मुख्यालय का होगा। इस प्रकार के अनुरोध उस चयन केन्द्र के प्रशासनिक अधिकारी को संबोधित होने चाहिए जहां से साक्षात्कार हेतु कॉल-अप लेटर प्राप्त हुआ है। सेना/नौसेना/वायुसेना मुख्यालय में प्राप्त पत्रों पर कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। लिखित परीक्षा में अर्हता प्राप्त उम्मीदवारों के सेना चयन बोर्ड के साक्षात्कार जुलाई 2025 से सितम्बर 2025 में अथवा भर्ती निदेशालय की सुविधानुसार लिए जाएंगे। योग्यताक्रम सूची कार्यभार ग्रहण अनुदेशों और चयन प्रक्रिया से संबंधित किसी भी जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.joinindianarmy.nic.in देखें।

12. लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा, अर्हता प्राप्त उम्मीदवारों का साक्षात्कार, अन्तिम परिणामों की घोषणा और अन्तिम रूप से अर्हता प्राप्त उम्मीदवारों का प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में प्रवेश:-

संघ लोक सेवा आयोग लिखित परीक्षा में आयोग द्वारा अपने विवेकाधिकार के आधार पर निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों की एक सूची तैयार करेगा। उम्मीदवार बुद्धिमत्तापरीक्षा तथा व्यक्तित्व परीक्षा के लिए सेना चयन बोर्ड के समक्ष उपस्थित होंगे, जहां राष्ट्रीय रक्षा अकादमी की थलसेना/नौसेना शाखाओं और भारतीय नौसेना अकादमी की 10+2 कैडेट प्रवेश योजना के उम्मीदवारों की अधिकारी क्षमता का मूल्यांकन होगा। वायुसेना के उम्मीदवारों को उपरोक्त के अतिरिक्त कंप्यूटरीकृत पायलट चयन प्रणाली (सीपीएसएस) में भी अर्हता प्राप्त करनी होगी। वायुसेना को एक विकल्प के रूप में चुनने वाले उम्मीदवारों को भी सीपीएसएस परीक्षा देनी होगी, यदि वे एस एस बी उत्तीर्ण करते हैं और इसके इच्छुक हों।

13. दो चरणों की चयन प्रक्रिया

मनोवैज्ञानिक अभिरुचि परीक्षा और बुद्धिमत्ता परीक्षा पर आधारित दो चरणों की चयन-प्रक्रिया चयन केन्द्रों/वायुसेना चयन बोर्डों/नौसेना चयन बोर्डों में आरंभ की गई है। सभी उम्मीदवारों की चयन केन्द्रों/वायुसेना चयन बोर्ड/नौसेना चयन बोर्ड में पहुंचने के पहले दिन प्रथम चरण परीक्षा ली जाएगी। केवल उन्हीं उम्मीदवारों को द्वितीय चरण/शेष परीक्षाओं के लिए प्रवेश दिया जाएगा जो पहले चरण की परीक्षा उत्तीर्ण कर लेंगे। वे उम्मीदवार जो चरण-II की परीक्षा उत्तीर्ण कर लेंगे उन्हें (i) अपनी जन्मतिथि के प्रमाण के लिए मैट्रिक या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाणपत्र; और (ii) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण के लिए 10+2 या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण करने के प्रमाण पत्र की मूल प्रति के साथ-साथ इनकी एक-एक फोटो प्रति भी जमा करनी होगी।

जो उम्मीदवार सेना चयन बोर्ड के सामने हाजिर होकर वहां परीक्षा देंगे वे अपने ही जोखिम पर इस परीक्षा में शामिल होंगे और सेना चयन बोर्ड में उनकी जो परीक्षा होती है, उसके दौरान या उसके फलस्वरूप अगर उनको किसी व्यक्ति की लापरवाही से या अन्यथा कोई चोट पहुंचती है उसके लिए वे सरकार की ओर से कोई क्षतिपूर्ति या सहायता पाने के हकदार नहीं होंगे। उम्मीदवारों के माता-पिता या अभिभावकों को इस आशय के एक प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे।

स्वीकार्यता हेतु थलसेना/नौसेना/नौसेना अकादमी और वायुसेना के उम्मीदवारों को (i) लिखित परीक्षा तथा (ii) अधिकारी क्षमता परीक्षा में अलग-अलग न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने होंगे, जो क्रमशः आयोग तथा सेना चयन बोर्ड द्वारा उनके विवेक के अनुसार निर्धारित किए जाएंगे। वायुसेना के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों के अतिरिक्त सेना चयन बोर्ड में अर्हता प्राप्त सभी उम्मीदवारों को उनकी इच्छा (Willingness), पात्रता और वायुसेना की उड़ान शाखा वरीयता के रूप में देने पर सीपीएसएस में अलग अर्हता प्राप्त करनी होगी।

इन शर्तों को पूरा करने पर अर्हता प्राप्त उम्मीदवारों को लिखित परीक्षा तथा सेना चयन बोर्ड की परीक्षाओं में उनके द्वारा प्राप्त कुल अंकों के आधार पर एकल संयुक्त सूची में रखा जाएगा। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी की थलसेना, नौसेना, वायुसेना में और भारतीय नौसेना अकादमी की 10+2 कैडेट प्रवेश योजना में प्रवेश के लिए अंतिम रूप से नियतन/चयन, उपलब्ध रिक्तियों की संख्या को देखते हुए उम्मीदवारों की पात्रता, शारीरिक स्वस्थता और योग्यता- सह-वरीयता के अनुसार होगा। वे उम्मीदवार जो एक से अधिक सेनाओं/ पाठ्यक्रमों में प्रवेश पाने के पात्र हैं, उनके नियतन/चयन पर, उनके द्वारा दिए गए वरीयता-क्रम के संदर्भ में विचार किया जाएगा और किसी एक सेना/ पाठ्यक्रम में उनके अंतिम रूप से नियतन/चयन होने पर, अन्यशेष सेनाओं/पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए उनके नाम पर विचार नहीं किया जाएगा।

विशेष टिप्पणी : वायुसेना की उड़ान शाखा के लिए प्रत्येक उम्मीदवार कंप्यूटरीकृत पायलट चयन प्रणाली (सीपीएसएस)(पायलट अभिरुचि परीक्षा) में केवल एक बार शामिल हो सकेगा। अतः उसके द्वारा प्रथम परीक्षा में प्राप्त ग्रेड ही उसके द्वारा बाद में दिए जाने वाले वायुसेना चयन बोर्ड के प्रत्येक साक्षात्कार में लागू होंगे। सीपीएसएस में अनुत्तीर्ण होने वाला उम्मीदवार राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा की वायुसेना की उड़ान शाखा या जनरल ड्यूटी (पायलट) शाखा या नौसेना वायु आयुध शाखा (नेवल एयर आर्मामेंट) में प्रवेश के लिए आवेदन नहीं कर सकता।

जिन उम्मीदवारों की किसी पिछले राष्ट्रीय रक्षा अकादमी पाठ्यक्रम में कंप्यूटरीकृत पायलट चयन प्रणाली (सीपीएसएस) की परीक्षा हो चुकी है, उन्हें इस परीक्षा में वायुसेना विंग के लिए केवल तभी आवेदन करना चाहिए, यदि उन्हें सीपीएसएस में अर्हक घोषित कर दिया गया हो। यदि कोई उम्मीदवार सीपीएसएस में

अनुत्तीर्ण हो गया है या एच डब्लू जी होने के कारण उसकी सीपीएसएस के लिए परीक्षा नहीं ली गई है तो उस उम्मीदवार पर उसके द्वारा दिए गए विकल्पों के अनुसार भारतीय वायुसेना, नौसेना, थलसेना व एनएवीएसी की ग्रांडड झूटी शाखा के लिए विचार किया जाएगा।

अलग-अलग उम्मीदवारों को परीक्षा के परिणाम किस रूप में और किस प्रकार सूचित किए जाएं इस बात का निर्णय आयोग अपने विवेक पर करेगा और परिणाम के संबंध में उम्मीदवारों से कोई पत्र-व्यवहार नहीं करेगा।

परीक्षा में सफल होने मात्र से अकादमी में प्रवेश पाने का कोई अधिकार नहीं मिलेगा। उम्मीदवार को नियुक्ति प्राधिकारी को संतुष्ट करना होगा कि वह अकादमी में प्रवेश पाने के लिए सभी तरह से उपयुक्त है।

14. प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए अनर्हताएं:

जो उम्मीदवार राष्ट्रीय रक्षा अकादमी अथवा भारतीय नौसेना अकादमी की 10+2 कैडेट प्रवेश योजना के किसी पूर्व पाठ्यक्रम में प्रवेश पा चुके थे परंतु अधिकारी सुलभ विशेषताओं की कमी के कारण या अनुशासनिक आधार पर वहां से निकाल दिये गये थे, उनको अकादमी में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

हालांकि जिन उम्मीदवारों को अस्वस्थता के आधार पर पहले राष्ट्रीय रक्षा अकादमी या भारतीय नौसेना अकादमी से निकाल दिया गया था या जिन्होंने अपनी इच्छा से उक्त अकादमी छोड़ दी थी उन्हें अकादमी में प्रवेश के लिए पात्र माना जाएगा बशर्ते कि वे स्वास्थ्य संबंधी तथा अन्य निर्धारित शर्तें पूरी करते हों।

15. (क) परीक्षा की योजना और पाठ्यक्रम (ख) राष्ट्रीय रक्षा अकादमी व नौसेना अकादमी में प्रवेश हेतु शारीरिक मानदंड और (ग) राष्ट्रीय रक्षा अकादमी और नौसेना अकादमी में प्रवेश पाने वाले उम्मीदवारों की सेवा आदि का संक्षिप्त विवरण क्रमशः परिशिष्ट I, II और III में दिया गया है।

मेजर जनरल जी. एस. चौधरी, संयुक्त सचिव (सेना एवं प्रादेशिक सेना)

परिशिष्ट-I

(परीक्षा की योजना और पाठ्यक्रम)

(क) परीक्षा की योजना:

1. लिखित परीक्षा के विषय, निर्धारित समय तथा प्रत्येक विषय के अधिकतम अंक निम्न प्रकार से होंगे:--

विषय	कोड	अवधि	अधिकतम अंक
गणित	01	2-1/2 घंटे	300
सामान्य योग्यता परीक्षा	02	2-1/2 घंटे	600
		कुल	900
सेना चयन बोर्ड परीक्षा / साक्षात्कार			900

2. सभी विषयों के प्रश्न-पत्रों में केवल वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न ही होंगे। गणित और सामान्य योग्यता परीक्षा के भाग-ख के प्रश्न-पत्र (परीक्षा पुस्तिकाएं) द्विभाषी रूप में हिन्दी और अंग्रेजी में तैयार किए जाएंगे।

3. प्रश्न-पत्रों में, जहां भी आवश्यक होगा, केवल तोल और माप की मीटरी पद्धति से संबंधित प्रश्नों को ही पूछा जाएगा।

4. उम्मीदवारों को प्रश्न-पत्रों के उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे। किसी भी परिस्थिति में उन्हें प्रश्न पत्र के उत्तर लिखने के लिए स्क्राइब की मदद लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

5. परीक्षा के किसी भी अथवा सभी विषयों के अर्हक अंकों का निर्धारण आयोग के विवेक के अनुसार होगा।
6. उम्मीदवारों को वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न-पत्रों (प्रश्न-पुस्तिकाओं) के उत्तर लिखने के लिये कैलकुलेटर अथवा गणितीय अथवा लघुगणकीय सारणियां प्रयोग करने की अनुमति नहीं है। अतः वे उन्हें परीक्षा भवन में नहीं लाएं।

(ख) परीक्षा का पाठ्यक्रम :

प्रश्न-पत्र-I
गणित
(कोड संख्या 01)
(अधिकतम अंक 300)

1. बीजगणित:

समुच्चय की अवधारणा, समुच्चयों पर संक्रिया, वेन आरेख। द-मारगन नियम, कार्तीय गुणन, संबंध, तुल्यता-संबंध।

वास्तविक संख्याओं का एक रेखा पर निरूपण। सम्मिश्र संख्याएं- आधारभूत गुणधर्म, मापक, कोणांक, इकाई का घनमूल। संख्याओं की द्विआधारी प्रणाली। दशमलव प्रणाली की एक संख्या का द्विआधारी प्रणाली में परिवर्तन तथा विलोमतः परिवर्तन। अंकगणितीय, ज्यामितीय तथा हरात्मक श्रेणी। वास्तविक गुणांकों सहित द्विघात समीकरण। आरेखों द्वारा दो चरों वाले रैखिक असमिका का हल। क्रमचय तथा संचय। द्विपद प्रमेय तथा इसके अनुप्रयोग। लघुगणक तथा उनके अनुप्रयोग।

2. आव्यूह तथा सारणिक:

आव्यूहों के प्रकार, आव्यूहों पर संक्रिया। आव्यूह के सारणिक, सारणिकों के आधारभूत गुणधर्म, वर्ग आव्यूह के सहखंडन तथा व्युत्क्रम, अनुप्रयोग-दो या तीन अज्ञातों में रैखिक समीकरणों के तंत्र का क्रैमर के नियम तथा आव्यूह पद्धति द्वारा हल।

3. त्रिकोणमिति:

कोण तथा डिग्रियों तथा रेडियन में उनका मापन। त्रिकोणमितीय अनुपात। त्रिकोणमितीय सर्वसमिका योग तथा अंतर सूत्र। बहुल तथा अपवर्तक कोण। व्युत्क्रम त्रिकोणमितीय फलन। अनुप्रयोग-ऊंचाई तथा दूरी, त्रिकोणों के गुणधर्म।

4. दो तथा तीन विमाओं की विश्लेषिक ज्यामिति:

आयतीय कार्तीय निर्देशक पद्धति। दूरी सूत्र। एक रेखा का विभिन्न प्रकारों में समीकरण। दो रेखाओं के मध्य कोण। एक रेखा से एक बिन्दु की दूरी। मानक तथा सामान्य प्रकार में एक वृत्त का समीकरण। परवलय, दीर्घवृत्त तथा अतिपरवलय के मानक प्रकार। एक शांकव की उत्केन्द्रता तथा अक्ष त्रिविम आकाश में बिन्दु, दो बिन्दुओं के मध्य दूरी। दिक्-को साइन तथा दिक्-अनुपात। समतल तथा रेखा के विभिन्न प्रकारों में समीकरण। दो रेखाओं के मध्य कोण तथा दो तलों के मध्य कोण। गोले का समीकरण।

5. अवकल गणित:

वास्तविक मान फलन की अवधारणा-फलन का प्रांत, रेंज व ग्राफ। संयुक्त फलन, एकैकी, आच्छादक तथा व्युत्क्रम फलन, सीमांत की धारणा, मानक सीमांत-उदाहरण। फलनों के सांतत्य-उदाहरण, सांतत्य फलनों पर बीज गणितीय संक्रिया। एक बिन्दु पर एक फलन का अवकलन एक अवकलन के ज्यामितीय तथा भौतिक निर्वचन-अनुप्रयोग। योग के अवकलज, गुणनफल और फलनों के भागफल, एक फलन का दूसरे फलन के साथ अवकलज, संयुक्त फलन का अवकलज। द्वितीय श्रेणी अवकलज, वर्धमान तथा ह्रास फलन। उच्चिष्ठ तथा अल्पिष्ठ की समस्याओं में अवकलजों का अनुप्रयोग।

6. समाकलन गणित तथा अवकलन समीकरण:

अवकलन के प्रतिलोम के रूप में समाकलन, प्रतिस्थापन द्वारा समाकलन तथा खंडशः समाकलन, बीजीय व्यंजकों सहित मानक समाकल, त्रिकोणमितीय, चरघातांकी तथा अतिपरवलयिक फलन निश्चित समाकलनों का मानांकन वक्ररेखाओं द्वारा घिरे समतल क्षेत्रों के क्षेत्रफलों का निर्धारण -अनुप्रयोग।

अवकलन समीकरण की डिग्री तथा कोटि की परिभाषा, उदाहरणों द्वारा अवकलन समीकरण की रचना। अवकलन समीकरण का सामान्य तथा विशेषहल, विभिन्न प्रकार की प्रथम कोटि तथा प्रथम डिग्री अवकलन समीकरणों का हल-उदाहरण। वृद्धि तथा क्षय की समस्याओं में अनुप्रयोग।

7. सदिश बीजगणित:

दो तथा तीन विमाओं में सदिश, सदिश का परिमाण तथा दिशा, इकाई तथा शून्य सदिश, सदिशों का योग, एक सदिश का अदिश गुणन, दो सदिशों का अदिश गुणनफल या बिन्दुगुणनफल। दो सदिशों का सदिश गुणनफल या क्रॉस गुणनफल। अनुप्रयोग-बल तथा बल के आघूर्ण तथा किया गया कार्य तथा ज्यामितीय समस्याओं में अनुप्रयोग।

8. सांख्यिकी तथा प्रायिकता:

सांख्यिकी: आंकड़ों का वर्गीकरण, बारंबारता-बंटन, संचयी बारंबारता-बंटन-उदाहरण। ग्राफीय निरूपण-आयत चित्र, पाई चार्ट, बारंबारता बहुभुज-उदाहरण। केन्द्रीय प्रवृत्ति का मापन-माध्य, माध्यिका तथा बहुलक। प्रसरण तथा मानक विचलन-निर्धारण तथा तुलना। सहसंबंध तथा समाश्रयण।

प्रायिकता: यादृच्छिक प्रयोग, परिणाम तथा सहचारी प्रतिदर्श समष्टि घटना, परस्पर परवर्जित तथानिर्णय घटनाएं-असंभव तथा निश्चित घटनाएं, घटनाओं का सम्मिलन तथा सर्वनिष्ठ, पूरक, प्रारंभिक तथा संयुक्त घटनाएं। प्रायिकता पर प्रारंभिक प्रमेय-साधारण प्रश्न। प्रतिदर्श समाविष्ट पर फलन के रूप में यादृच्छिक चर बंटन, द्विआधारी बंटन को उत्पन्न करने वाले यादृच्छिक प्रयोगों के उदाहरण।

प्रश्न पत्र-II
सामान्य योग्यता परीक्षा
(कोड संख्या 02)
(अधिकतम अंक-600)

भाग (क) अंग्रेजी:

(अधिकतम अंक 200)

अंग्रेजी का प्रश्न-पत्र इस प्रकार का होगा जिससे उम्मीदवार की अंग्रेजी भाषा की समझ और शब्दों के कुशल प्रयोग की जांच हो सके। पाठ्यक्रम में विभिन्न पहलू समाहित हैं जैसे व्याकरण और उसका प्रयोग, शब्दावली तथा अंग्रेजी में उम्मीदवार की प्रवीणता की परख हेतु विस्तारित पाठ की समझ तथा उसमें संबद्धता।

भाग (ख) सामान्य ज्ञान

(अधिकतम अंक 400)

सामान्य ज्ञान के प्रश्न-पत्रों में मुख्य रूप से भौतिकी, रसायन शास्त्र, सामान्य विज्ञान, सामाजिक अध्ययन, भूगोल तथा सम-सामायिक घटनाक्रम शामिल होंगे।

इस प्रश्न-पत्र में शामिल किए गए विषयों का क्षेत्र दर्शाने के लिए निम्न पाठ्यक्रम तैयार किया गया है। उल्लिखित विषयों को सर्वांश पूर्ण नहीं मान लेना चाहिए तथा इसी प्रकार के उन उप-विषयों पर भी प्रश्न पूछे जा सकते हैं जिनका इस पाठ्यक्रम में उल्लेख नहीं किया गया है। उम्मीदवार द्वारा दिये गये उत्तरों से यह पता चलना चाहिए कि उसे संबंधित विषय की जानकारी है और वह इसे पूरी तरह समझता है।

खंड-क (भौतिकी):

द्रव्य के भौतिक गुणधर्म तथा स्थितियां, संहति, भार, आयतन, घनत्व तथा विशिष्ट घनत्व, आर्कमिडिज का सिद्धांत, वायुदाब मापी।

बिम्ब की गति, वेग और त्वरण, न्यूटन के गति नियम, बल और संवेग, बल समान्तर चतुर्भुज, पिण्ड का स्थायित्व और संतुलन, गुरुत्वाकर्षण, कार्य, शक्ति और ऊर्जा का प्रारंभिक ज्ञान।

ऊष्मा का प्रभाव, तापमान की माप और ऊष्मा, स्थिति परिवर्तन और गुप्त ऊष्मा, ऊष्मा अभिगमन की विधियां।

ध्वनि तरंग और उनके गुण-धर्म, सरल वाद्य यंत्र।

प्रकाश का ऋतुरेखीय चरण, परावर्तन और अपवर्तन, गोलीय दर्पण और लेन्सेस, मानव नेत्र।

प्राकृतिक तथा कृत्रिम चुम्बक, चुम्बक के गुण धर्म। चुम्बक के रूप में पृथ्वी

स्थैतिक तथा धारा विद्युत। चालक और अचालक, ओहम नियम, साधारण विद्युत परिपथ। धारा के मापन, प्रकाश तथा चुम्बकीय प्रभाव, वैद्युत शक्ति का माप। प्राथमिक और गौण सेल। एक्स-रे के उपयोग।

निम्नलिखित के कार्य के संचालन के सिद्धान्त:

सरल लोलक, सरल घिरनी, साइफन, उत्तोलक, गुब्बारा, पंप, हाइड्रोमीटर, प्रेशर कुकर, थर्मस फ्लास्क, ग्रामोफोन, टेलीग्राफ, टेलीफोन, पेरिस्कोप, टेलिस्कोप, माइक्रोस्कोप, नाविक दिक्सूचक, तडित चालक, सुरक्षा फ्यूज।

खंड-ख (रसायन शास्त्र):

भौतिक तथा रासायनिक परिवर्तन, तत्व मिश्रण तथा यौगिक, प्रतीक सूत्र और सरल रासायनिक समीकरण रासायनिक संयोग के नियम (समस्याओं को छोड़कर)। वायु तथा जल के गुण-धर्म।

हाइड्रोजन, आक्सीजन, नाइट्रोजन तथा कार्बन-डाई-आक्साइड की रचना और गुण धर्म, आक्सीकरण और अपचयन।

अम्ल, क्षार और लवण।

कार्बन-भिन्न रूप

उर्वरक-प्राकृतिक और कृत्रिम।

साबुन, कांच, स्याही, कागज, सीमेंट, पेंट, दियासलाई और गनपाउडर जैसे पदार्थों को तैयार करने के लिए आवश्यक सामग्री।

परमाणु की रचना, परमाणु तुल्यमान और अणुभार, संयोजकता का प्रारंभिक ज्ञान।

खंड-ग (सामान्य विज्ञान):

जड़ और चेतन में अंतर।

जीव कोशिकाओं, जीवद्रव्य और ऊतकों का आधार।

वनस्पति और प्राणियों में वृद्धि और जनन।

मानव शरीर और उसके महत्वपूर्ण अंगों का प्रारंभिक ज्ञान।

सामान्य महामारियां और उनके कारण तथा रोकने के उपाय।

भोजन-मनुष्य के लिए ऊर्जा का स्रोत। भोजन के अवयव। संतुलित आहार। सौर परिवार, उल्का और धूमकेतु, ग्रहण।

प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों की उपलब्धियां

खंड-घ (इतिहास, स्वतंत्रता आंदोलन आदि.)

भारतीय इतिहास का व्यापक सर्वेक्षण जिसमें संस्कृति और सभ्यता पर विशेष बल हो।

भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन।

भारतीय संविधान और प्रशासन का बुनियादी अध्ययन।

भारत की पंचवर्षीय योजनाओं का प्रारंभिक ज्ञान।

पंचायती राज, सहकारी समितियां और सामुदायिक विकास।

भूदान, सर्वोदय, राष्ट्रीय एकता और कल्याणकारी राज्य, महात्मा गांधी के मूल उपदेश।

आधुनिक विश्व निर्माण करने वाली ताकतें, पुनर्जागरण, अन्वेषण और खोज, अमेरिका का स्वाधीनता संग्राम। फ्रांसीसी क्रांति, औद्योगिक क्रांति और रूसी क्रांति। समाज पर विज्ञान और प्रौद्योगिकी का प्रभाव। एक विश्व की संकल्पना, संयुक्तराष्ट्र, पंचशील, लोकतंत्र, समाजवाद तथा साम्यवाद। वर्तमान विश्व में भारत का योगदान।

खंड-ङ (भूगोल):

पृथ्वी, इसकी आकृति और आकार, अक्षांश और देशांतर, समय संकल्पना, अंतर्राष्ट्रीय तिथि रेखा, पृथ्वी की गतियां और उनके प्रभाव।

पृथ्वी का उद्भव, चट्टानें और उनका वर्गीकरण, अपक्षय-यांत्रिक और रासायनिक, भूकंप तथा ज्वालामुखी।

महासागर धाराएं और ज्वार भाटे।

वायुमण्डल और इसकी संरचना, तापमान और वायुमण्डलीय दाब, भूमण्डलीय पवन, चक्रवात और प्रति चक्रवात, आर्द्रता, संघनन और वर्षण। जलवायु के प्रकार, विश्व के प्राकृतिक क्षेत्र।

भारत का क्षेत्रीय भूगोल-जलवायु, प्राकृतिक वनस्पति, खनिज और शक्ति संसाधन, कृषि और औद्योगिक कार्यकलापों के स्थान और वितरण।

भारत के महत्वपूर्ण समुद्र पत्तन तथा मुख्य समुद्री, भू और वायु मार्ग, उनके लिए स्थान। भारत के आयात और निर्यात की मुख्य मर्दे।

खंड-छ (समसामयिक घटनाएं):

हाल ही के वर्षों में भारत में हुई महत्वपूर्ण घटनाओं की जानकारी। पूरे विश्व में होने वाली समसामयिक महत्वपूर्ण घटनाएं।

प्रतिष्ठित व्यक्ति-भारतीय और अन्तर्राष्ट्रीय, इनमें सांस्कृतिक क्रियाकलापों और खेलकूद से संबंधित व्यक्ति भी शामिल हैं।

टिप्पणी: इस प्रश्न-पत्र के भाग (ख) के लिए निर्धारित अधिकतम अंकों में से खण्ड क, ख, ग, घ, च तथा छ प्रश्नों के क्रमशः लगभग 25%, 15%, 10%, 20%, 20% तथा 10% अंक होंगे।

बुद्धि तथा व्यक्तित्व संबंधी परीक्षा:

सेना चयन बोर्ड (एसएसबी) प्रक्रिया के अंतर्गत चयन प्रक्रिया के दो चरण होते हैं चरण-I व चरण-II। चरण-II में केवल उन्हीं उम्मीदवारों को बैठने की अनुमति दी जाती है जो चरण-I में सफल रहते हैं। इसका विवरण निम्नानुसार है:

(क) चरण-I के अंतर्गत अधिकारी बुद्धिमत्ता रेटिंग (ओआईआर) परीक्षा व चित्र बोध (पिक्चर परसेप्शन)* व विवरण परीक्षा (पीपी एवं डीटी) होते हैं। उम्मीदवारों को ओआईआर परीक्षा तथा पीपी एवं डीटी दोनों में संयुक्त रूप से उनकी क्षमता प्रदर्शन के आधार पर शार्टलिस्ट किया जाएगा।

(ख) चरण-II के अंतर्गत साक्षात्कार, ग्रुप टेस्टिंग अधिकारी टास्क, मनोविज्ञान परीक्षा तथा कांफ्रेंस शामिल होता है। ये परीक्षाएं 4 दिनों तक लिए जाते हैं। इन परीक्षाओं का विवरण वेबसाइट www.joinindianarmy.nic.in पर उपलब्ध है।

किसी उम्मीदवार के व्यक्तित्व का आकलन तीन विभिन्न आकलनकर्ताओं नामतः साक्षात्कार अधिकारी (आईओ), ग्रुप टेस्टिंग अधिकारी (जीटीओ) तथा मनोवैज्ञानिक द्वारा किया जाता है। प्रत्येक परीक्षा के लिए अलग-अलग अंक (वेटेज) नहीं हैं। आकलनकर्ताओं द्वारा उम्मीदवारों को अंकों का आबंटन सभी परीक्षाओं में उनके समग्र कार्यनिष्पादन पर विचार करने के पश्चात् ही किया जाता है। इसके अतिरिक्त, कांफ्रेंस हेतु अंकों का आबंटन भी तीनों तकनीकों में उम्मीदवार के आरंभिक क्षमता प्रदर्शन तथा बोर्ड के निर्णय के आधार पर किया जाता है। इन सभी के अंक (वेटेज) समान हैं।

आईओ, जीटीओ तथा मनोविज्ञान की विभिन्न परीक्षाएं इस प्रकार तैयार की गई हैं जिससे उम्मीदवार में अधिकारीसम्मत गुणों (आफिसर लाइक क्वालिटीज) के होने / नहीं होने तथा प्रशिक्षित किए जाने की उसकी क्षमता के बारे में जानकारी प्राप्त हो सके। तदनुसार, एसएसबी में उम्मीदवारों की अनुशंसा की जाती है।

परिशिष्ट-II

राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रवेश के लिए उम्मीदवारों के शारीरिक मानदंडों से संबंधित दिशा निर्देश

टिप्पणी: उम्मीदवारों को निर्धारित शारीरिक मानदंडों के अनुसार शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ होना आवश्यक है। नीचे दिए गए चिकित्सा स्वस्थता मानदंड प्रकाशन की तारीख पर विद्यमान दिशा-निर्देशों के अनुरूप हैं और इन दिशा-निर्देशों में संशोधन किया जा सकता है।

बाद में परीक्षा में अर्हता प्राप्त कई उम्मीदवारों को चिकित्सा आधार पर अयोग्य घोषित कर दिया जाता है। अतः उम्मीदवारों को यह सलाह दी जाती है कि आवेदन प्रस्तुत करने से पहले अपनी चिकित्सा जांच करवाना उनके हित में होगा जिससे परीक्षा के अंतिम चरण में पहुँच कर उन्हें निराशा न हो।

1. उम्मीदवारों को यह भी परामर्श दिया जाता है कि सेना चयन बोर्ड द्वारा उनके नाम की सिफारिश किए जाने के बाद चिकित्सा संबंधी अपने छोटे मोटे दोष/बीमारियों का इलाज करवा लें ताकि सैनिक अस्पताल में की जाने वाली चिकित्सा जांच का निर्णय शीघ्र हो सके।

2. ऐसे कुछ दोष/बीमारियां नीचे दर्शाई गई हैं:--

- (क) कान की मैल
- (ख) डेवियेटिड नेजल सेप्टम
- (ग) हाइड्रोसिल/फीमोसिस
- (घ) अधिक वजन/कम वजन
- (ङ) छाती कम चौड़ी होना
- (च) बवासीर
- (छ) गाइनि कोमेस्टिया
- (ज) टांसिल
- (झ) वेरिकोसिल

नोट: केवल अग्र बाजू के भीतर की तरफ अर्थात् कुहनी के भीतर से कलाई तक और हथेली के ऊपरी भाग/हाथ के पिछले हिस्से की तरफ स्थायी बाँड़ी टैटू बनवाने की अनुमति है। शरीर के किसी अन्य हिस्से पर स्थायी बाँड़ी टैटू स्वीकार्य नहीं है अन्यथा उम्मीदवार को आगे की चयन प्रक्रिया से बाहर कर दिया जाएगा। जनजातियों को उनके मौजूदा रीति रिवाजों एवं परंपराओं के अनुसार मामला दर मामला के आधार पर उनके चेहरे या शरीर पर टैटू के निशान की अनुमति होगी। ऐसे मामलों में मंजूरी प्रदान करने के लिए कमांडेंट चयन केन्द्र सक्षम प्राधिकारी होगा।

3. सशस्त्र सेना में सभी प्रकार के कमीशन के लिए परीक्षा देने वाले असैनिक उम्मीदवार चयन बोर्ड द्वारा अपनी जांच के दौरान किसी प्रकार की चोट या संक्रमित रोग होने पर सेना के स्रोतों से सरकारी खर्च पर बाह्य-रोगी चिकित्सा के हकदार होंगे। वे अस्पताल के अफसर-वार्ड में सरकारी खर्च पर अंतरंग रोगीचिकित्सा के भी हकदार होंगे, बशर्ते कि—

(क) चोट परीक्षाके दौरान लगी हो, अथवा

(ख) चयन बोर्ड द्वारा की गई जांच के दौरान रोग का संक्रमण हुआ हो और स्थानीय सिविल अस्पताल में उपयुक्त जगह नहीं हो या रोगी को सिविल अस्पताल में ले जाना मुश्किल हो; अथवा

(ग) यदि चिकित्सा बोर्ड ऑब्जर्वेशन के लिए उम्मीदवार को भर्ती करना अपेक्षित समझे।

नोट: वे विशेष सेवा के लिए प्राधिकृत नहीं हैं।

4. **चिकित्सा प्रक्रिया:** सेना चयन बोर्ड द्वारा अनुशंसित उम्मीदवार को सेना चिकित्सा अफसर बोर्ड द्वारा स्वास्थ्य जांच करानी होगी। अकादमी में केवल उन्हीं उम्मीदवारों को प्रवेश दिया जाएगा जो चिकित्सा बोर्ड द्वारा स्वस्थ घोषित किए जाएंगे। चिकित्सा बोर्ड की कार्यवाही गोपनीय होती है, जिसके बारे में किसी को नहीं बताया जाएगा। किन्तु चिकित्सीयरूप से अयोग्य घोषित उम्मीदवारों को उनके परिणाम की जानकारी चिकित्सा बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा दी जाएगी तथा उम्मीदवारों को अपील चिकित्सा बोर्ड से अनुरोध करने की प्रक्रिया भी बता दी जाएगी।

5. अपील चिकित्सा बोर्ड द्वारा की गई जांचके दौरान अयोग्य घोषित उम्मीदवारों को समीक्षा चिकित्सा बोर्ड संबंधी प्रावधान के बारे में सूचित किया जायेगा।

6. थलसेना, वायुसेना (उडान और ग्राउंड ड्यूटी शाखाओं) 1½ एवम नौसेना के लिए चिकित्सा मानक और चिकित्सा परीक्षा की प्रक्रिया क्रमशः परिशिष्ट 'क', 'ख', 'ग' में दी गई है जो कि निम्नलिखित वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।

- (क) सेना में अधिकारियों के प्रवेश के लिए : चिकित्सा मानकों और चिकित्सा प्रक्रिया के लिए www.joinindianarmy.nic.in पर
- (ख) वायुसेना (उडान और ग्राउंड ड्यूटी शाखाओं) में अधिकारियों के प्रवेश के लिए: चिकित्सा मानकों और चिकित्सा प्रक्रिया के लिए www.careerindianairforce.cdac.in पर
- (ग) नौसेना में अधिकारियों के प्रवेश के लिए : चिकित्सा मानकों और चिकित्सा प्रक्रिया के लिए www.joinindiannavy.gov.in

नोट : मेडिकल बोर्ड की कार्यवाही गोपनीय है, किसी को भी नहीं दी जाएगी। भर्ती महानिदेशक की किसी मेडिकल बोर्ड में भूमिका नहीं है और सक्षम चिकित्सा प्राधिकारियों द्वारा सलाह दी गई प्रक्रिया का सख्ती से पालन किया जाएगा।

महिला उम्मीदवारों का चिकित्सकीय परीक्षण

1. महिला उम्मीदवारों के चिकित्सकीय परीक्षण की सामान्य विधि और सिद्धांत, पुरुष उम्मीदवारों के जैसे ही होंगे, तथापि महिला उम्मीदवारों के चिकित्सकीय परीक्षण से संबंधित विशेष बिंदु अगले पैराग्राफ में दिए गए हैं।
2. उम्मीदवार से मासिक धर्म, स्त्रीरोगों और प्रसूति के बारे में विस्तृत जानकारी प्रश्नावली के रूप में प्राप्त की जाए।
3. उम्मीदवार का विस्तृत शारीरिक और प्रणालीगत परीक्षण केवल महिला चिकित्सा अधिकारी अथवा महिला स्त्रीरोग विशेषज्ञ के द्वारा ही किया जाएगा।
4. परीक्षण में निम्न निरीक्षण शामिल होंगे:-
 - (क) बाह्य जननांग (External genitalia)
 - (ख) हेर्नियल छिद्र और मूलाधार (Hernial orifices and the perineum)
 - (ग) तनाव संबंधी मूत्र अनियमितता (Stress urinary incontinence) अथवा बाहर की तरफ गर्भाशय भ्रंश (Genital prolapsed) के प्रमाण
 - (घ) स्तन में गांठ और अतिस्तन्यावण (Lump breast and galactorrhoea) के प्रमाण
5. सभी अविवाहित महिला उम्मीदवारों में, वीक्षण (speculum) अथवा प्रति योनि परीक्षण नहीं किया जाएगा।
6. प्रारम्भिक चिकित्सकीय परीक्षण के दौरान सभी महिला उम्मीदवारों के पेट और पेल्विस (abdomen and pelvis) का अल्ट्रासाउंड स्कैन अनिवार्य है।
7. बाह्य जननांग में कोई भी असामान्यता पर हर मामले में विचार किया जाएगा। अतिरोमता या विशेष रूप से पुरुष प्रतिरूप में बालों का बढ़ना (hirsutism) साथ ही PCOS के रेडियोलॉजिकल प्रमाण अस्वीकृति (अयोग्यता) का कारण होगा।
8. निम्नलिखित स्थितियों में महिला उम्मीदवारों को अयोग्य घोषित किया जाएगा:-
 - (क) प्राथमिक अथवा द्वितीयक ऋतुरोध (Amenorrhoea)
 - (ख) गंभीर अतिरज (Menorrhagia) अथवा/और गंभीर डिस्मेनोरिया (Dysmenorrhea)
 - (ग) तनाव के कारण मूत्र अनियमितता (Stress urinary incontinence)

- (घ) गर्भाशय ग्रीवा का जन्मजात बढ़ाव (Congenital elongation of cervix) अथवा सुधारात्मक शल्य चिकित्सा के बाद भी गर्भाशय का बाहर खिसकना।
- (च) गर्भावस्था. राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रवेश हेतु गर्भावस्था अयोग्यता का एक कारण है।
- (छ) किसी भी आकार की जटिल गर्भाशय सिस्ट (Cyst)
- (ज) 6 सेमी से बड़ी साधारण गर्भाशय सिस्ट (Cyst)
- (झ) एंडोमेट्रियोसिस और अडोनोमायोसिस (Endometriosis and Adenomyosis)
- (ट) किसी भी आकार की सबम्यूकस फ्राइब्रोइड (Submucous fibroid)
- (ठ) ब्रॉड लिगामेंट अथवा मूत्रवाहिनी पर दबाव डालने वाली किसी भी आकार की सरवाइकल फाईब्रॉयड (cervical fibroid)
- (ड) 3 सेमी. से अधिक व्यास का एकल फाइब्रायड गर्भाशय; दो से अधिक फाइब्रायड (प्रत्येक फाइब्रॉयड 15 mm व्यास से अधिक नहीं) अथवा फाइब्रॉयड्स जिसके कारण एंडोमेट्रियल केविटी (endometrial cavity) का विरूपण हो गया हो।
- (ढ) धनुषाकार गर्भाशय (arcuate uterus) के अलावा जन्मजात गर्भाशय विसंगति।
- (त) तीव्र अथवा दीर्घकालिक पेलविक संक्रमण।
- (थ) यौन विकार
- (द) प्रत्येक मामले के आधार पर अन्य कोई स्थिति में स्त्रीरोग विशेषज्ञ द्वारा विचार किया जाएगा।

9. निम्नलिखित स्थितियों में फिट घोषित किया जाएगा:-

- (क) 6 सेमी. तक स्पष्ट एक कोशिकीय अंडाशय सिस्ट (Ovarian cyst)
- (ख) डग्लास (Douglas) की थैली में न्यूनतम तरल

10. लेप्रोस्कोपिक सर्जरी (laproscopic surgery) अथवा लेप्रोटॉमी (laprotomy) के पश्चात् मेडिकल फिटनेस. उम्मीदवार सिस्टेक्टॉमी (cystectomy) अथवा म्योमेक्टॉमी (myomectomy) करवाने के पश्चात् फिट स्वीकार्य होंगे, यदि वे लक्षणहीन पाये जाते हैं, अल्ट्रासाउंड पेलविस (Pelvis) सामान्य हो, टिशुज के हिस्टोपैथॉलॉजी (histopathology), सौम्य (Benign) और एंडोमेट्रियोसिस (endometriosis) की ऑपरेटिव जांच नहीं सुझायी गई हो। लेप्रोस्कोपिक सर्जरी के 12 सप्ताह के पश्चात् जब घाव पूर्णरूप से ठीक हो गया हो तो उम्मीदवार को फिट घोषित किया जाएगा। लेप्रोटॉमी की शल्य प्रक्रिया के एक वर्ष पश्चात् उम्मीदवार को फिट मान लिया जाएगा।

अनुबंध- क

थलसेना में अफसर पदों पर भर्ती के लिए चिकित्सा मानक और मेडिकल परीक्षा की प्रक्रिया

1. परिचय

(क) सशस्त्र सेनाओं का प्रमुख जिम्मेदारी देश की सीमाओं की सुरक्षा करना है और इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए सशस्त्र सेनाओं को हमेशा युद्ध के लिए तैयार रखा जाता है। युद्ध की तैयारी के लिए सैन्य कर्मियों को कठोर प्रशिक्षण से गुजरना पड़ता है। इसके साथ-साथ जब भी जरूरत हो जैसे कि आपदाओं के समय, सशस्त्र सेनाएं सिविल प्राधिकारियों की सहायता के लिए भी उपलब्ध रहती हैं। इस प्रकार के कार्यों को पूरा करने के लिए सशस्त्र सेनाओं में शारीरिक स्वास्थ्य और सुदृढ़ मानसिक संतुलनवाले जवानों की जरूरत होती है। ऐसे उम्मीदवार समुद्र, दुर्गम क्षेत्रों और विषम परिस्थितियों में बगैर

चिकित्सीय सुविधाओं के भी अपने सैन्य दायित्वों के निर्वाह में सक्षम होने चाहिए जो उनपरिस्थितियों में कठोर तनाव को झेल सकें। किसी रोग/अपंगता के कारण चिकित्सीय रूप से अयोग्य कार्मिक न केवल कीमती संसाधनों की बरबादी करेगा बल्कि सैन्य ऑपरेशनों के दौरान अपने दल के अन्य सदस्यों के लिए भी मुसीबत और खतरे का सबब बन सकता है। इसलिए केवल चिकित्सीय रूप से योग्य अथवा फिट उम्मीदवारों का ही चयन किया जाता है जो युद्ध प्रशिक्षण के लिए योग्य हों।

(ख) सशस्त्र सेनाओं में 'चिकित्सीय रूप से योग्य' कार्मिकों का चयन सुनिश्चित करने का उत्तरदायित्व सशस्त्र सेना मेडिकल सर्विस का होता है।

(ग) अपनी पेशेवर विशिष्टता यूनिट में सौंपा गया कार्य, आयु अथवा लिंग से परे हटकर हर सशस्त्र सेना कार्मिक के लिए सेना में शामिल होने के समय आधारभूत 'मेडिकल फिटनेस' होना अनिवार्य है। फिटनेस के इसी आधारभूत स्तर को उनकी भावी पेशेवर विशिष्टताओं अथवा यूनिट कार्यों के लिए प्रशिक्षण के बेंचमार्क के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है। इससे युद्ध में उनकी तैनाती की तत्परता में भी वृद्धि होगी।

(घ) सशस्त्र सेना मेडिकल सर्विस के मेडिकल अफसरों द्वारा चिकित्सा जांच का कार्य अत्यंत सावधानीपूर्वक किया जाता है। बुनियादी सैन्य प्रशिक्षण के बाद ये मेडिकल अफसर सशस्त्र सेनाओं की विशिष्ट कार्य परिस्थितियों में काम करने के लिए भली-भांति तैयार होते हैं। एकमेडिकल अफसर बोर्ड द्वारा इन चिकित्सा जांचों पर अंतिम निर्णय लिया जाता है। गौरतलब है कि मेडिकल बोर्ड का निर्णय अंतिम होता है। उम्मीदवार के नामांकन/कमीशन के दौरान किसी रोग/अपंगता/चोट/आनुवांशिक रोग अथवा विकार के संबंध में यदि कोई संदेह उत्पन्न हो तो संदेह का लाभ राज्य को दिया जाएगा।

चिकित्सा मानक

2. निम्नलिखित पैराग्राफों में वर्णित चिकित्सा मानक सामान्य दिशानिर्देश हैं जो रोगों से संबंधित अथाह ज्ञान के संदर्भ में संपूर्ण नहीं हैं। वैज्ञानिक ज्ञान में प्रगति और नए उपकरणों/ट्रेड के प्रवेश के साथ सशस्त्र सेनाओं में काम करने के तरीकों में परिवर्तनों के चलते यह मानक भी परिवर्तनशील होते हैं। ये परिवर्तन समय-समय पर सक्षम प्राधिकारी के नीति पत्रों द्वारा लागू किए जाते हैं। इन दिशानिर्देशों व सिद्धांतों के आधार पर मेडिकल अफसरों, विशेष मेडिकल अफसरों तथा मेडिकल बोर्ड द्वारा उपयुक्त निर्णय लिए जाते हैं।

3. 'चिकित्सीय रूप से फिट' अथवा योग्य करार दिए जाने के लिए यह आवश्यक है कि उम्मीदवार की शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य सही हो तथा वह ऐसे किसी भी रोग/अपंगता/लक्षणों से मुक्त हो जो समुद्र वहवाई भूभागों सहित दुर्गम क्षेत्रों में तथा विषम परिस्थितियों में मेडिकल सुविधाओं की उपलब्धता के बगैर उसके सैन्य दायित्वों के निर्वहन में बाधक न हों। उम्मीदवार ऐसी किसी भी चिकित्सीय परिस्थितियों से मुक्त होना चाहिए जिस में नियमित रूप से दवाओं अथवा चिकित्सा सुविधाओं के उपयोग की जरूरत हो।

- (क) यह सुनिश्चित किया जाएगा कि उम्मीदवार स्वस्थ हो तथा उसके शरीर के किसी अंग अथवा प्रणाली में खराबी, जन्मजात विकृति/बीमारी के लक्षण न हों।
- (ख) ट्यूमर/सिस्ट/लिम्फ नोड्स में सूजन सहित शरीर के किसी भी भाग में कोई सूजन न हो तथा शरीर में कहीं साइनस अथवा नासूर की शिकायत न हो।
- (ग) शरीर की त्वचा पर कहीं हाइपर या हाइपो पिगमेंटेशन अथवा किसी अन्य प्रकार की बीमारी के लक्षण/अपंगता न हो।
- (घ) शरीर में हर्निया की शिकायत न हो।
- (च) शरीर पर ऐसे कोई निशान न हो, जो कामकाज को बाधित करते हों या दिव्यांगता अथवा अक्षमता उत्पन्न करते हों।
- (छ) शरीर में कहीं भी धमनी व शिराओं से संबंधित खराबी न हो।
- (ज) सिर और चेहरे में किसी प्रकार की खराबी जिसमें एकरूपता न हो, अस्थि भंग अथवा खोपड़ी की हड्डियों के दबाव से बनी विकृतियां, अथवा पूर्व में किए गए किसी मेडिकल ऑपरेशन के निशान तथा साइनस व नासूर इत्यादि जैसी खराबियां शामिल हैं, न हों।

- (झ) रंगो की पहचान करने में खराबी तथा दृष्टि क्षेत्र में खराबी सहित किसी प्रकार की दृष्टि बाधिता न हो।
- (ट) सुनने में किसी प्रकार की अक्षमता, कानों के प्रकोष्ठ-कर्णावर्त प्रणाली में किसी प्रकार की खराबी/अक्षमता न हो।
- (ठ) किसी बीमारी के कारणवश बोलने में किसी प्रकार की बाधा न हो।
- (ड) नाक अथवा जिह्वा की हड्डियों अथवा उपास्थिति में किसी प्रकार की बीमारी/अक्षमता/जन्मजात विकृति/लक्षण न हों अथवा तालू, नाक में पॉलिप्स अथवा नाक व गले की कोई बीमारी न हो। नाक में कोई विकृति अथवा क्रोनिक टॉन्सिलाइटिस की शिकायत न हो।
- (ढ) गले, तालू टॉन्सिल अथवा मसूड़ों की कोई बीमारी/लक्षण/अक्षमता न हो अथवा दोनों जबड़ों के जोड़ों के काम को बाधित करने वाली कोई बीमारी अथवा चोट न हो।
- (त) जन्मजात, आनुवांशिक, रक्तचाप और चालन विकारों सहित दिल तथा रक्तवाहिकाओं संबंधी कोई रोग/लक्षण/अक्षमता न हो।
- (थ) पल्मनरी टीबी अथवा इस रोग से संबंधित पुराने लक्षण अथवा फेफड़ों व छाती संबंधी कोई अन्य बीमारी/लक्षण/अक्षमता जिसमें किसी प्रकार की एलर्जी/प्रतिरक्षा स्थितियां, संयोजी उत्तक विकार तथा छाती के मस्क्यूलो-स्केलेटल विकार शामिल हैं, न हों।
- (द) पाचनतंत्र संबंधी कोई बीमारी जिसमें असामान्य लिवर तथा लिवर रोग तथा अग्न्याशय की अंतस्त्रवी, जन्मजात, आनुवांशिक बीमारियाँ/लक्षण तथा अक्षमताएं शामिल हैं, न हों।
- (ध) एंडोक्राइन प्रणाली तथा रेटिक्यूलोएंडोथीलियल प्रणाली संबंधी किसी प्रकार का रोग/लक्षण /अक्षमता न हो।
- (न) जेनिटो-यूरीनरी प्रणाली संबंधी कोई रोग/लक्षण /अक्षमता जिसमें किसी अंग अथवा ग्रंथि की दिव्यांगता, एट्रॉफी/हाइपरट्रॉफी शामिल हैं, न हो।
- (प) किसी प्रकार का सक्रिय, अव्यक्त या छिपा हुआ अथवा जन्मजात यौन रोग न हो।
- (फ) किसी प्रकार के मानसिक रोग, मिर्गी, मूत्र नियंत्रण संबंधी अक्षमता न हो अथवा उसका इतिहास न हो।
- (ब) मस्क्यूलोस्केलेटल सिस्टम तथा खोपड़ी, रीढ़ की हड्डी व अन्य अंगों सहित जोड़ों से संबंधित किसी प्रकार की बीमारी/अक्षमता/लक्षण न हों।
- (भ) कोई जन्मजात अथवा आनुवांशिक रोग/लक्षण /अक्षमता न हों।

4. एसएसबी चयन प्रक्रिया के दौरान मनोवैज्ञानिक परीक्षा आयोजित की जाएगी मगर चिकित्सीय जांच के दौरान यदि किसी प्रकार की अनियमितता पायी जाती है तो वह उम्मीदवार के चयन की अस्वीकृति का कारण हो सकता है।

5. उपर्युक्त दिशानिर्देशों के आधार पर सामान्यतः जिन चिकित्सीय जांच अनियमितताओं, कमियों या अक्षमताओं के कारण किसी उम्मीदवार की उम्मीदवारी को अस्वीकृत किया जाता है, वे अधोलिखित हैं :-

- (क) रीढ़ की हड्डी, छाती व कूल्हे तथा अन्य अंगों से संबंधित मस्क्यूलो-स्केलेटल विकलांगता जैसे, स्कोलियोसिस, टॉरटीकॉलिस, कायफॉसिस, मेरूदण्ड, पसलियों, वक्ष-अस्थि तथा अस्थिपिंजर की अन्य विकलांगताएं, विकृत अंग, उंगलियां, पैरों की उंगलियां तथा रीढ़ की हड्डी के जन्मजात विकार।
- (ख) अंगों की विकलांगता: विकृत अंग, हाथों व पैरों की उंगलियां, विकृत जोड़ जैसे किक्यूबिटसवलगस, क्यूबिटस, वॉरस, नॉकनीज, बोलेग, हाइपरमोबाइलजोइंट, हाथ व पैरों की विच्छेदित उंगलियां तथा शरीर के अंग, जो वास्तविक आकार से छोटे हों।
- (ग) नेत्र व नेत्रज्योति : मायोपिया, हाइपरमेट्रोपिया, एस्टिगमेटिसम, कॉर्निया, लेंस, रेटिना में चोट, आँखों में भ्रंशपन एवं टॉसिस।
- (घ) सुनने की क्षमता, कान, नाक व गला : सुनने की क्षमता अथवा श्रवणशक्ति कम होना, बाह्यकर्ण, कान की पट्टी की झिल्लियों, कान का भीतरी हिस्सा, नाक का सेप्टम मुड़ा हुआ होना एवं होंठ, तालू, पेरी-

ऑरिक्युलरसाइनस तथा गर्दन की लिम्फेडिनाइटिस/एडीनोपैथी। दानों कानों के लिए बातचीत तथा फुसफुसाहट को सुनने की क्षमता 610 सेंटी मीटर होनी चाहिए।

(च) **दंत चिकित्साकी स्थिति :**

- (i) जबड़ों की प्रारंभिक रोगात्मक स्थिति जो बड़ भी सकता है और बार-बार भी हो सकता है।
 - (ii) ऊपरी और निचले जबड़े के बीच विसंगति होना जिस से खाना चबाने में और बोलने में दिक्कत होती है जो उम्मीदवारी रद्द करता है।
 - (iii) रोग सूचक टेम्पोरो-मैंडीबुलरजोइंट क्लिकिंग एवं उसमें सूजन होना। मुंह का किनारों पर 30 सेंटीमीटर से कम खुलना तथा मुंह ज्यादा खोलने पर टेम्पोरो-मैंडीबुलर जोइंट का अपने स्थान से हटना।
 - (iv) कैंसर की सभी संभावित स्थितियां।
 - (v) मुंह खोलने के प्रतिबंध के साथ तथा उसके बगैर सब-म्यूकस फाइब्रोसिस की नैदानिकपहचान।
 - (vi) पूरी तरह फैला कैलक्यूलसदंत संरचना में खराबी तथा/अथवा मसूड़ों से खून निकलना जिसके कारण दंत-स्वास्थ्य प्रतिकूल रूप से प्रभावित होता है।
 - (vii) दांत ढीले होना, दो से अधिक दाँत हिलने पर या कमजोर होने पर उम्मीदवार की उम्मीदवारी रद्द होगी।
 - (viii) कॉस्मेटिक अथवा पोस्ट-ट्रामेटिक मैक्सिलोफैथियल सर्जरी/ट्रॉमा के बाद उम्मीदवार सर्जरी/चोट लगने की तारीख से, जो भी बाद में हो, कम से कम 24 सप्ताह तक उम्मीदवार अपनी उम्मीदवारी के अयोग्य ठहराया जाएगा।
 - (ix) यदि दाँतों के रखरखाव में कमी के कारण भोजन चबाने, दंत-स्वास्थ्य एवं मुंह की स्वस्थता को बनाए रखने अथवा सामान्य पोषण को कायम रखने में दिक्कत हो अथवा उम्मीदवार के कर्तव्यों के निर्वहन में दिक्कत होतो उम्मीदवार की उम्मीदवारी रद्द होजाएगी।
- (छ) **छाती :** तपेदिक रोग अथवा तपेदिक होने के प्रमाण हों , दिल या फेफड़ों में घाव, छाती की दीवार पर मस्क्यूलो-स्केलेटल घाव हों।
- (ज) **पेट तथा जेनिटर-मूत्र प्रणाली :** हर्निया, अन-डिसेंडेडटेस्टीस, वेरिकोसील, ऑर्गेनोमिगैली, सॉलिटीरिक्डनी, हॉर्सशूकिडनी, तथा किडनी/लिवरमेंसिस्ट होना, गॉलब्लेडरमेंपथरी, रीनलएवंयूरेट्रिकपथरी, यूरोजिनाइटल अंगों में अपंगता अथवा घाव होना, बवासीर रोग तथा साइनस एवं लिम्फेडिनाइटिस रोग होना।
- (झ) **तंत्रिकातंत्र :** झटके/दौरेप डना, बोलनेमें दिक्कत होना या असंतुलन होना।
- (ट) **त्वचा:** विटिलिगो, हीमैजियोमास, मस्सेहोना, कॉर्न की समस्या होना, त्वचारोग, त्वचासंक्रमण, त्वचापरक ही वृद्धि तथा हाइपरहाइड्रोसिस होना।

6. **राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में शामिल होने वाली महिला केडेट्स के कद-भार मानक (सेना):**

आयु (वर्षों में)	सभी आयु वर्ग के लिए न्यूनतम वजन	आयु: 17 वर्ष से 20 वर्ष	आयु: 20 वर्ष+01 दिन -30 वर्ष	आयु: 30 वर्ष+01 दिन -40 वर्ष	आयु: 40 वर्ष से ऊपर
लंबाई (सेमी)	वजन (कि.ग्रा.)	वजन (कि.ग्रा.)	वजन(कि.ग्रा.)	वजन(कि.ग्रा.)	वजन(कि.ग्रा.)
140	35.3	43.1	45.1	47.0	49.0
141	35.8	43.7	45.7	47.7	49.7

142	36.3	44.4	46.4	48.4	50.4
143	36.8	45.0	47.0	49.1	51.1
144	37.3	45.6	47.7	49.8	51.8
145	37.8	46.3	48.4	50.5	52.6
146	38.4	46.9	49.0	51.2	53.3
147	38.9	47.5	49.7	51.9	54.0
148	39.4	48.2	50.4	52.6	54.8
149	40.0	48.8	51.1	53.3	55.5
150	40.5	49.5	51.8	54.0	56.3
151	41.0	50.2	52.4	54.7	57.0
152	41.6	50.8	53.1	55.4	57.8
153	42.1	51.5	53.8	56.2	58.5
154	42.7	52.2	54.5	56.9	59.3
155	43.2	52.9	55.3	57.7	60.1
156	43.8	53.5	56.0	58.4	60.8
157	44.4	54.2	56.7	59.2	61.6
158	44.9	54.9	57.4	59.9	62.4
159	45.5	55.6	58.1	60.7	63.2
160	46.1	56.3	58.9	61.4	64.0
161	46.7	57.0	59.6	62.2	64.8
162	47.2	57.7	60.4	63.0	65.6
163	47.8	58.5	61.1	63.8	66.4

(क) सशस्त्र सेनाओं में प्रवेश हेतु महिला कैडेट्स का न्यूनतम कद 152 से.मी. होना अनिवार्य है। गोरखा और पूर्वोत्तर भारत के पहाड़ी क्षेत्र, गढ़वाल और कुमाऊँ क्षेत्र से संबंधित उम्मीदवारों का न्यूनतम कद 148 सेमी. स्वीकार्य होगा। परीक्षा के समय 18 वर्ष से कम आयु के उम्मीदवारों को कद में 2 सेमी. की छूट दी जाएगी। फ्लाईंग शाखा के लिए न्यूनतम कद 163 सेमी. अनिवार्य है। फ्लाईंग शाखा के लिए अन्य मानवशास्त्रीय (Anthropometric) मानक जैसे बैठने की उँचाई, टांगों की लंबाई और जाँघों की लंबाई अनिवार्य है।

(ख) सभी वर्गों के कार्मिकों का कद के अनुसार भार का चार्ट नीचे दिया गया है। यह चार्ट BMI के आधार पर तैयार किया गया है। यह चार्ट उम्मीदवारों की विशिष्ट उँचाई के अनुरूप न्यूनतम स्वीकार्य भार को दर्शाता है। किसी भी स्थिति में न्यूनतम दर्शाए वजन से कम वजन स्वीकार्य नहीं होगा। अधिकतम स्वीकार्य भार आयु वर्ग एवं उँचाई के अनुसार दर्शाया गया है। स्वीकार्य सीमा से अधिक वजन उसी स्थिति में स्वीकार किया जाएगा यदि उम्मीदवार के पास शारीरिक सौष्ठव, कुशती और मुक्केबाजी के राष्ट्रीय स्तर का दस्तावेज़ साक्ष्य के रूप में हो। ऐसे मामलों में निम्नलिखित मापदंड पूरे किए जाने चाहिए:-

- (i) शरीर द्रव्यमान सूचकांक (Body Mass Index) 25 से कम होना चाहिए
- (ii) कमर और कूल्हे (Waist Hip) का अनुपात पुरुषों के लिए 0.9 से कम तथा महिलाओं के लिए 0.8 से कम होना चाहिए।
- (iii) कमर का घेराव (Waist Circumference) पुरुषों के लिए 90 सेमी से कम और महिलाओं के लिए 80 सेमी से कम होना चाहिए।

(iv) सभी जैवरासायनिक चयापचयी (Biochemical Metabolic) मापदंड सामान्य सीमा में होने चाहिए।

नोट: 17 वर्ष से कम आयु के उम्मीदवारों की ऊँचाई और भार का आंकलन भारतीय शिशु अकादमी द्वारा 5 से 16 वर्ष के बच्चों के लिए ऊँचाई, भार एवं BMI (शरीर द्रव्यमान सूचकांक) संबंधित दिशा-निर्देश जोकि समय-समय पर संशोधित किए जाते हैं, के अनुसार किया जाएगा।

7. राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में शामिल होने वाले पुरुष कैडेट्स के कद-भार मानक(सेना)

सेना में प्रवेश की शाखा के आधार पर वांछित लम्बाई भिन्न-भिन्न होती है। शरीर का वजन शरीर की लंबाई के अनुपात में होना चाहिए जैसा कि निम्नलिखित चार्ट के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है:-

आयु (वर्ष में)	सभी आयु के लिए न्यूनतम वजन	आयुवर्ग: 17 से 20 वर्ष	आयुवर्ग: 20+01 दिन 30 वर्ष	आयुवर्ग: 30+01 दिन से 40 वर्ष	आयु 40 वर्ष से अधिक
लंबाई (से.मी.)	वजन (कि.ग्रा.)	वजन (कि.ग्रा.)	वजन (कि.ग्रा.)	वजन (कि.ग्रा.)	वजन (कि.ग्रा.)
140	35.3	43.1	45.1	47.0	49.0
141	35.8	43.7	45.7	47.7	49.7
142	36.3	44.4	46.4	48.4	50.4
143	36.8	45.0	47.0	49.1	51.1
144	37.3	45.6	47.7	49.8	51.8
145	37.8	46.3	48.4	50.5	52.6
146	38.4	46.9	49.0	51.2	53.3
147	38.9	47.5	49.7	51.9	54.0
148	39.4	48.2	50.4	52.6	54.8
149	40.0	48.8	51.1	53.3	55.5
150	40.5	49.5	51.8	54.0	56.3
151	41.0	50.2	52.4	54.7	57.0
152	41.6	50.8	53.1	55.4	57.8
153	42.1	51.5	53.8	56.2	58.5
154	42.7	52.2	54.5	56.9	59.3
155	43.2	52.9	55.3	57.7	60.1
156	43.8	53.5	56.0	58.4	60.8
157	44.4	54.2	56.7	59.2	61.6
158	44.9	54.9	57.4	59.9	62.4
159	45.5	55.6	58.1	60.7	63.2
160	46.1	56.3	58.9	61.4	64.0

161	46.7	57.0	59.6	62.2	64.8
162	47.2	57.7	60.4	63.0	65.6
163	47.8	58.5	61.1	63.8	66.4
164	48.4	59.2	61.9	64.6	67.2
165	49.0	59.9	62.6	65.3	68.1
166	49.6	60.6	63.4	66.1	68.9
167	50.2	61.4	64.1	66.9	69.7
168	50.8	62.1	64.9	67.7	70.6
169	51.4	62.8	65.7	68.5	71.4
170	52.0	63.6	66.5	69.4	72.3
171	52.6	64.3	67.3	70.2	73.1
172	53.3	65.1	68.0	71.0	74.0
173	53.9	65.8	68.8	71.8	74.8
174	54.5	66.6	69.6	72.7	75.7
175	55.1	67.4	70.4	73.5	76.6
176	55.8	68.1	71.2	74.3	77.4
177	56.4	68.9	72.1	75.2	78.3
178	57.0	69.7	72.9	76.0	79.2
179	57.7	70.5	73.7	76.9	80.1
180	58.3	71.3	74.5	77.8	81.0
181	59.0	72.1	75.4	78.6	81.9
182	59.6	72.9	76.2	79.5	82.8
183	60.3	73.7	77.0	80.4	83.7
184	60.9	74.5	77.9	81.3	84.6
185	61.6	75.3	78.7	82.1	85.6
186	62.3	76.1	79.6	83.0	86.5
187	62.9	76.9	80.4	83.9	87.4
188	63.6	77.8	81.3	84.8	88.4
189	64.3	78.6	82.2	85.7	89.3
190	65.0	79.4	83.0	86.6	90.3
191	65.7	80.3	83.9	87.6	91.2
192	66.4	81.1	84.8	88.5	92.2
193	67.0	81.9	85.7	89.4	93.1

194	67.7	82.8	86.6	90.3	94.1
195	68.4	83.7	87.5	91.3	95.1
196	69.1	84.5	88.4	92.2	96.0
197	69.9	85.4	89.3	93.1	97.0
198	70.6	86.2	90.2	94.1	98.0
199	71.3	87.1	91.1	95.0	99.0
200	72.0	88.0	92.0	96.0	100.0
201	72.7	88.9	92.9	97.0	101.0
202	73.4	89.8	93.8	97.9	102.0
203	74.2	90.7	94.8	98.9	103.0
204	74.9	91.6	95.7	99.9	104.0
205	75.6	92.5	96.7	100.9	105.1
206	76.4	93.4	97.6	101.8	106.1
207	77.1	94.3	98.6	102.8	107.1
208	77.9	95.2	99.5	103.8	108.2
209	78.6	96.1	100.5	104.8	109.2
210	79.4	97.0	101.4	105.8	110.3

(क) ऊपर दिया गया लंबाई-वजन चार्ट सभी वर्गों के कार्मिकों के लिए है। यह चार्ट बीएमआई के आधार पर बनाया गया है। इस चार्ट में किसी लंबाई विशेष के उम्मीदवार का न्यूनतम स्वीकृत वजन दिया गया है। किसी भी मामले में न्यूनतम स्वीकृत वजन से कम वजन को स्वीकार नहीं किया जाएगा। दी गई लंबाई के अनुसार अधिकतम स्वीकृत वजन को विभिन्न आयु-वर्ग में विभाजित किया गया है। अधिकतम स्वीकृत वजन सीमा से अधिक वजन वाले उम्मीदवारों को केवल उन मामलों में स्वीकार किया जाएगा। जहाँ वे राष्ट्रीय स्तर पर कुश्ती, बॉडी-बिल्डिंग एवं बॉक्सिंग खेलों में शामिल होने का दस्तावेजी प्रमाण प्रस्तुत करेंगे। ऐसे मामलों में अधोलिखित मानक होंगे :-

- (i) बॉडीमास इंडेक्स 25 से कम होना चाहिए।
- (ii) कमर और कूल्हे का अनुपात पुरुषों के लिए 0.9 तथा महिलाओं के लिए 0.8 होगा।
- (iii) कमर का घेरा पुरुषों के लिए 90 सेंटीमीटर तथा महिलाओं के लिए 80 सेंटीमीटर से कम होगा।
- (iv) सभी बायोकेमिकल मेटाबॉलिक मानक सामान्य सीमाओं में होंगे।

नोट : 17 वर्ष से कम आयु के उम्मीदवारों के लिए लंबाई तथा वजन कामापदंड '05 वर्ष से 16 वर्ष के बच्चों के लिए भारतीय शिशु अकादमी के लंबाई, वजन बीएमआई विकासचार्ट के दिशानिर्देशानुसार होगा जिसका समय-समय पर संशोधन किया जाएगा।

(ख) सशस्त्र बलों में प्रवेश के लिए पुरुष/महिला उम्मीदवारों के लिए आवश्यक न्यूनतम लंबाई 157 सेमी या संबंधित भर्ती एजेंसी द्वारा तय की गई है। गोरखा और भारत के उत्तर पूर्वी क्षेत्र की पहाड़ियों से संबंधित उम्मीदवार गढ़वाल और कुमाऊं, न्यूनतम 152 सेमी की लंबाई के साथ स्वीकार किए जाएंगे।

नोट: परीक्षा के समय 18 वर्ष से कम आयु के पुरुष और महिला दोनों उम्मीदवारों के लिए 02 सेमी की वृद्धि की गुंजाइश दी जाएगी। फ्लाईंग ब्रांच के लिए न्यूनतम लंबाई की आवश्यकता 163 सेमी है। फ्लाईंग ब्रांच को बैठने की ऊंचाई, पैर की लंबाई और जांघ की लंबाई जैसे एंथ्रोपोमेट्रिक मानकों की भी आवश्यकता होती है।

8. सभी अफसर एंट्री और प्री-कमीशन प्रशिक्षण अकादमियों में निम्नलिखित जाँच की जाएंगी परंतु यदि मेडिकल अफसर/मेडिकल बोर्ड चाहे या ठीक समझे तो इसके अलावा अन्य किसी बिन्दु पर भी जाँच कर सकते हैं।

- (क) संपूर्ण हीमोग्राम
- (ख) यूरिन आरई
- (ग) चेस्ट एक्सरे
- (घ) यूएसजी एब्डॉमिन एवं पेल्विस

9. आयुवर्ग एवं भर्ती या प्रवेश के प्रकार के आधार पर नेत्र ज्योति संबंधी कुछ मानक भिन्न हो सकते हैं जैसाकि अधोलिखित है :-

मानदण्ड	स्टैंडर्ड : 10+2 प्रवेश एनडीए ए(सेना), टीईएस एवं समकक्ष	स्नातक एवं समकक्ष प्रवेश सीडीएसई, आईएमए, ओटीए, यूईएस, एनसीसी, टीजीसी एवं समकक्ष	स्नातकोत्तर एवं समकक्ष प्रवेश : जैग, आईसी, एपीएस, आरवीसीटीए, एमसी, एडीसी, एसएल एवं समकक्ष
असंशोधित दृष्टि (अधिकतम स्वीकृत)	6/36 एवं 6/36	6/60 एवं 6/60	3/60 एवं 3/60
बीसीवीए	दायां 6/6 तथा बायां 6/6	दायां 6/6 तथा बायां 6/6	दायां 6/6 तथा बायां 6/6
मायोपिया	≤ -2.5 डी एसपीएच(अधिकतम द्रष्टि वैषम्य सहित $\leq \pm 2.0$ डी सीवीईएल)	≤ -3.50 डी एसपीएच(अधिकतम द्रष्टि वैषम्य सहित $\leq \pm 2.0$ डी सीवीईएल)	≤ -5.50 डी एसपीएच(अधिकतम द्रष्टि वैषम्य सहित $\leq \pm 2.0$ डी सीवीईएल)
हाइपरमेट्रोपिया	$\leq +2.5$ डी एसपीएच(अधिकतम द्रष्टि वैषम्य सहित $\leq \pm 2.0$ डी सीवीईएल)	$\leq +3.50$ डी एसपीएच(अधिकतम द्रष्टि वैषम्य सहित $\leq \pm 2.0$ डी सीवीईएल)	$\leq +3.50$ डी एसपीएच(अधिकतम द्रष्टि वैषम्य सहित $\leq \pm 2.0$ डी सीवीईएल)
लौसिक/समकक्ष सर्जरी	अनुमति नहीं है	अनुमति*	अनुमति*
रंग धारणा	सी पी - II	सी पी - II	सी पी - II

*लेसिक अथवा समकक्ष केराटो-रिफ्रेक्टिव प्रक्रिया

(क) यदि कोई उम्मीदवार केराटो-रिफ्रेक्टिव प्रक्रिया करवाता है तो उसे प्रक्रिया तारीख व सर्जरी किस प्रकार की है, इस बात का उल्लेख करते हुए उस मेडिकल सेंटर से इस आशय का एक प्रमाणपत्र/ऑपरेटिव नोट्स प्रस्तुत करने होंगे जहां यह काम किया गया है।

नोट: इस तरह के प्रमाण पत्र की अनुपस्थिति के लिये नेत्र रोग विशेषज्ञ को “अप्रतिबंधित दृश्य तीक्ष्णता सुधारात्मक प्रक्रिया के कारण अनफिट” के विशिष्ट समर्थन के साथ उम्मीदवार को अस्वीकार करने का निर्णय लेने की आवश्यकता होगी।

(ख) इस संबंध में ‘योग्य’ अथवा ‘फिट’ करार देने के लिए अधोलिखित का ध्यान रखा जाएगा।

(i) सर्जरी के समय उम्मीदवार की आयु 20 वर्ष से अधिक हो।

(ii) लासिक सर्जरी के बाद न्यूनतम 12 माह का समय हो गया हो।

- (iii) केन्द्र में कॉर्निया की मोटाई 450 μ के बराबर या उससे अधिक हो।
- (iv) आईओएल मास्टर द्वारा अक्षीय लंबाई 26मिमी के बराबर या उससे अधिक हो।
- (v) ± 1.0 डी एवं सिलिंडर से कम या उसके बराबर अवशिष्ट अपवर्तन न हो, बशर्ते वह उस वर्ग में मान्य हो जिसमें उम्मीदवार द्वारा आवेदन किया गया हो।
- (vi) सामान्य स्वस्थ रेटिना।
- (vii) अतिरिक्त मापदंड के रूप में कॉर्निया की स्थलाकृति और एक्टेथिया मार्कर को भी शामिल किया जा सकता है।

वे उम्मीदवार जिन्होंने रेडियल केराटोमी करवा रखी है, वे स्थायी रूप से अयोग्य माने जाएंगे।

10. मेडिकल बोर्ड की कार्यवाही के लिए प्रयुक्त फॉर्म एएफएमएसएफ-2 ए है।

11. **चिकित्सा जांच बोर्ड की कार्यवाही** : अफसरों के चयन और प्री-कमीशनिंग प्रशिक्षण अकादमियों के लिए चिकित्सा जांच बोर्ड का आयोजन सर्विस चयन बोर्ड (एसएसबी) के निकट नियत सशस्त्र सेना मेडिकल सर्विस अस्पतालों में किया जाता है। इन मेडिकल बोर्ड को 'विशेष मेडिकल बोर्ड' (एसएमबी) कहा जाता है। एसएसबी साक्षात्कार में उत्तीर्ण होनेवाले उम्मीदवारों को पहचान दस्तावेजों सहित सशस्त्र सेना मेडिकल सर्विस अस्पताल के पास भेजा जाता है। अस्पताल केस्टॉफ सर्जन उम्मीदवार की पहचान कर उसे एएफएमएसएफ-2 में संबंधित भाग भरने के लिए मार्ग दर्शन देते हैं, मेडिकल, सर्जिकल, नेत्ररोग, ईएनटी तथा डेंटल विशेषज्ञों द्वारा चिकित्सा जांच आयोजित करवाते हैं। स्त्री-रोग विशेषज्ञ भी महिला उम्मीदवारों की जांच करते हैं। इन विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा जांच के बाद उम्मीदवार मेडिकल बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत होते हैं। विशेषज्ञ डॉक्टरों की जांच से संतुष्ट होने के बाद मेडिकल बोर्ड द्वारा उम्मीदवारों की मेडिकल फिटनेस संबंधी घोषणा की जाती है। यदि विशेष मेडिकल बोर्ड (एसएमबी) द्वारा किसी उम्मीदवार को 'अयोग्य' या 'अनफिट' घोषित किया जाता है, तो उसे उम्मीदवार 'अपील मेडिकल बोर्ड' (एएमबी) के लिए अनुरोध कर सकते हैं। एएमबी से संबंधित विस्तृत प्रक्रियाका उल्लेख अध्यक्ष एसएमबी द्वारा किया जाएगा।

12. **विविध पहलू :**

- (क) परीक्षण अथवा जांच के नैदानिक तरीके से डीजीएफएमएस कार्यालय द्वारा स्थापित किए जाते हैं।
- (ख) महिला उम्मीदवारों की मेडिकल जांच महिला मेडिकल अफसरों द्वारा की जाएगी परंतु यदि महिला डॉक्टर मौजूद न हों तो यह काम महिला परिचारिकाओं की उपस्थिति में पुरुष डॉक्टरों द्वारा किया जाएगा।
- (ग) सर्जरी के बाद फिटनेस देना :

सर्जरी के बाद उम्मीदवार को फिट घोषित किया जाएगा परंतु सर्जरी में किसी प्रकार की जटिलता यदि वक्त नहीं होनी चाहिए, घाव भर गए हों और उस अंग विशेष की शक्ति पर्याप्त रूप से मिल गई हो, यह आवश्यक होगा। हर्निया की ओपन/लैप्रोस्कोपिक सर्जरी के 01 वर्ष बाद तथा कॉलसिस्टेक्टमी की लैप्रोस्कोपिक सर्जरी के 12 सप्ताह बाद किसी उम्मीदवार को फिट घोषित किया जाएगा। किसी अन्य सर्जरी के मामले में भी लैप्रोस्कोपिक सर्जरी के 12 सप्ताह बाद और ओपन सर्जरी के 12 माह बाद ही फिटनेस दी जाएगी। चोट लगने, मांसफटने और जोड़ों में किसी प्रकार की चोट लगने पर सर्जरी की अवधि को ध्यान में न रखते हुए उम्मीदवार को 'अयोग्य' घोषित किया जाएगा।

अनुबंध 'ख'

नौसेना में अफसरों के प्रवेश के लिए चिकित्सा जांच के चिकित्सा मानक और प्रक्रिया

मेडिकल बोर्ड के संचालन की प्रक्रिया

1. सैन्य सेवा चयन बोर्ड (एस एस बी) द्वारा संस्तुत उम्मीदवार को सेना मेडिकल अफसरों के एक बोर्ड द्वारा संचालित चिकित्सीय जांच (स्पेशल मेडिकल बोर्ड) से होकर गुजरना होगा। केवल मेडिकल बोर्ड द्वारा योग्य (फिट) घोषित उम्मीदवारों को ही अकादमी में प्रवेश दिया जाएगा। तथापि मेडिकल बोर्ड के अध्यक्ष अनफिट घोषित हुए उम्मीदवार को उनके परिणामों की जानकारी देंगे और अपील मेडिकल बोर्ड की प्रक्रिया बताएंगे जिसे विशेष मेडिकल बोर्ड के 42 दिनों के भीतर कमान अस्पताल या समकक्ष में उम्मीदवार द्वारा पूरा करना होगा।
2. ऐसे उम्मीदवार जिन्हें अपील मेडिकल बोर्ड (ए एम बी) द्वारा अनफिट घोषित किया जाता है, वे अपील मेडिकल बोर्ड पूरा होने के एक दिन के भीतर रीव्यू मेडिकल बोर्ड के लिए अनुरोध कर सकते हैं। ए एम बी के अध्यक्ष उम्मीदवारों को ए एमबी के जांच-परिणामों को चुनौती देने की प्रक्रिया की जानकारी देंगे। उम्मीदवारों को यह भी सूचित किया जाएगा कि रीव्यू मेडिकल बोर्ड (आर एम बी) के संचालन के लिए मंजूरी डी जी ए एफ एम एस द्वारा मामले की मेरिट के आधार पर ही प्रदान की जाएगी इसे उम्मीदवार का अधिकार नहीं माना जाएगा। यदि उम्मीदवार आर एम बी के लिए अनुरोध करना चाहता/चाहती है तो उसे डी एम पी आर, एकीकृत मुख्यालय रक्षा मंत्रालय (नौसेना), सेना भवन, राजाजी मार्ग, नई दिल्ली-110011- को लिखना होगा एवं उसकी एक प्रति ए एम बी के अध्यक्ष को सौंपी जाएगी। डी जी ए एफ एम एस का कार्यालय उम्मीदवार को आर एम बी के लिए उपस्थित होने की तारीख एवं स्थान (केवल दिल्ली और पूना) के विषय में सूचित करेगा।
3. स्पेशल मेडिकल बोर्ड के दौरान, निम्नलिखित जांच अनिवार्य रूप से की जाएंगी। तथापि उम्मीदवार की जांच करने वाले मेडिकल अफसर/मेडिकल बोर्ड आवश्यकता पड़ने पर या सूचित किए जाने पर कोई अन्य जांच करवाने को कह सकते हैं:-

- (क) कम्प्लीट हीमोग्राम
- (ख) यूरिन आर ई/एम ई
- (ग) एक्स-रे चेस्ट पी ए व्यू
- (घ) यू एस जी एब्डोमन और पेल्विस
- (च) लीवर फंक्शन टेस्ट्स
- (छ) रीनल फंक्शन टेस्ट्स
- (ज) एक्स रे लंबोसैक्रल स्पाइन, एंटीरियर-पोस्टीरियर एंड लैटरल व्यूज़
- (झ) एलेक्ट्रोकार्डियोग्राम (ECG)

एंट्री के समय अफसरों (पुरुष/महिला) के लिए शारीरिक मानदंड

4. उम्मीदवार को विनिर्दिष्ट शारीरिक मानदंडों के अनुसार शारीरिक रूप से स्वस्थ (फिट) होना चाहिए:-
 - (क) उम्मीदवार शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ होना चाहिए और ऐसी किसी भी बीमारी/अक्षमता से मुक्त होना चाहिए जो तट और समुद्री जूटी पर विश्व के किसी भी हिस्से में शांति एवं युद्ध परिस्थितियों में सक्षम कार्य निष्पादन में बाधा डाल सकती है, ।
 - (ख) उम्मीदवार में किसी भी तरह की शारीरिक कमजोरी, शारीरिक दोष अथवा कम वजन के लक्षण नहीं होने चाहिए। उम्मीदवार को अधिक वजन का या मोटा नहीं होना चाहिए।

5. वजन

कद-वजन तालिका: नौसेना

कद	17 वर्ष तक	17 वर्ष + 1 दिन 18	18 वर्ष + 1 दिन 20	20 वर्ष + 1 दिन 30	30 वर्ष से ऊपर
----	------------	--------------------	--------------------	--------------------	----------------

मीटर में			वर्ष तक		वर्ष तक		वर्ष तक			
	न्यूनतम वजन किलोग्राम में	अधिकतम वजन किलोग्राम में	न्यूनतम वजन किलोग्राम में	अधिकतम वजन किलोग्राम में	न्यूनतम वजन किलोग्राम में	अधिकतम वजन किलोग्राम में	न्यूनतम वजन किलोग्राम में	अधिकतम वजन किलोग्राम में	न्यूनतम वजन किलोग्राम में	अधिकतम वजन किलोग्राम में
1.47	37	45	40	45	40	48	40	50	40	52
1.48	37	46	41	46	41	48	41	50	41	53
1.49	38	47	41	47	41	49	41	51	41	53
1.50	38	47	42	47	42	50	42	52	42	54
1.51	39	48	42	48	42	50	42	52	42	55
1.52	39	49	43	49	43	51	43	53	43	55
1.53	40	49	43	49	43	51	43	54	43	56
1.54	40	50	44	50	44	52	44	55	44	57
1.55	41	50	44	50	44	53	44	55	44	58
1.56	41	51	45	51	45	54	45	56	45	58
1.57	42	52	46	52	46	54	46	57	46	59
1.58	42	52	46	52	46	55	46	57	46	60
1.59	43	53	47	53	47	56	47	58	47	61
1.6	44	54	47	54	47	56	47	59	47	61
1.61	44	54	48	54	48	57	48	60	48	62
1.62	45	55	49	55	49	58	49	60	49	63
1.63	45	56	49	56	49	58	49	61	49	64
1.64	46	56	50	56	50	59	50	62	50	65
1.65	46	57	50	57	50	60	50	63	50	65
1.66	47	58	51	58	51	61	51	63	51	66
1.67	47	59	52	59	52	61	52	64	52	67
1.68	48	59	52	59	52	62	52	65	52	68
1.69	49	60	53	60	53	63	53	66	53	69
1.7	49	61	53	61	53	64	53	66	53	69
1.71	50	61	54	61	54	64	54	67	54	70
1.72	50	62	55	62	55	65	55	68	55	71
1.73	51	63	55	63	55	66	55	69	55	72
1.74	51	64	56	64	56	67	56	70	56	73

1.75	52	64	57	64	57	67	57	70	57	74
1.76	53	65	57	65	57	68	57	71	57	74
1.77	53	66	58	66	58	69	58	72	58	75
1.78	54	67	59	67	59	70	59	73	59	76
1.79	54	67	59	67	59	70	59	74	59	77
1.8	55	68	60	68	60	71	60	75	60	78
1.81	56	69	61	69	61	72	61	75	61	79
1.82	56	70	61	70	61	73	61	76	61	79
1.83	57	70	62	70	62	74	62	77	62	80
1.84	58	71	63	71	63	74	63	78	63	81
1.85	58	72	63	72	63	75	63	79	63	82
1.86	59	73	64	73	64	76	64	80	64	83
1.87	59	73	65	73	65	77	65	80	65	84
1.88	60	74	65	74	65	78	65	81	65	85
1.89	61	75	66	75	66	79	66	82	66	86
1.9	61	76	67	76	67	79	67	83	67	87
1.91	62	77	67	77	67	80	67	84	67	88
1.92	63	77	68	77	68	81	68	85	68	88
1.93	63	78	69	78	69	82	69	86	69	89
1.94	64	79	70	79	70	83	70	87	70	90
1.95	65	80	70	80	70	84	70	87	70	91

नोट :पुरुष उम्मीदवारों के लिए

- (क) कद के अनुसार न्यूनतम और अधिकतम वजन सभी वर्गों के कार्मिकों के लिए एक समान होगा। निर्धारित न्यूनतम वजन से कम वजन वाले उम्मीदवारों को स्वीकृत नहीं किया जाएगा।
- (ख) निर्धारित वजन से अधिक वजन वाले पुरुष उम्मीदवार आपवादिक स्थिति में केवल तभी स्वीकार्य होंगे जब वे बाँड़ी बिल्डिंग, कुश्ती, मुक्केबाजी अथवा मसक्यूलर बिल्ड के संबंध में दस्तावेजी प्रमाण प्रस्तुत करेंगे। ऐसे मामलों में, निम्नलिखित मानदंड का पालन किया जाता है।
- शरीर द्रव्यमान सूचकांक 25 से अधिक नहीं होना चाहिए।
 - कमर तथा कूल्हे का अनुपात 0.9 से कम हो।
 - ब्लड शुगर फास्टिंग और पोस्ट प्रांडियल, ब्लड यूरिया, क्रिटिनाइन, कोलेस्ट्रॉल, HbA1C% आदि जैसे सभी बायोकेमिकल पैरामीटर सामान्य रेंज में हों।
- (ग) केवल चिकित्सा विशेषज्ञ ही किसी उम्मीदवार को स्वस्थ (फिट) घोषित कर सकते हैं।
- (घ) न्यूनतम स्वीकार्य ऊंचाई 157 सेमी है। तथापि ऐसे उम्मीदवारों को जो नीचे वर्णित क्षेत्रों के स्थाई निवासी हों, तथा प्रतिभाशाली पुरुष खिलाड़ी उम्मीदवार को लंबाई में छूट दी जाएगी:

क्रम संख्या	श्रेणी	पुरुष उम्मीदवारों के लिए न्यूनतम ऊँचाई
(i)	लद्दाख क्षेत्र से आदिवासी	155 से०मी०
(ii)	अंडमान और निकोबार, लक्षद्वीप और मिनिक्काय द्वीप	155 से०मी०
(iii)	गोरखा, नेपाली, असमिया, गढ़वाली, कुमाऊँनी और उत्तराखंड	152 से०मी०
(iv)	भूटान, सिक्किम और उत्तर पूर्व क्षेत्र	152 से०मी०
(v)	अति प्रतिभाशाली खिलाड़ी उम्मीदवार	155 से०मी०

नोट : महिला उम्मीदवारों के लिये

(क) सभी वर्गों के कार्मिकों का ऊँचाई के अनुसार न्यूनतम और अधिकतम भार तय मानकों के अनुसार होगा। न्यूनतम निर्दिष्ट वजन से कम वजन वाले उम्मीदवार स्वीकार्य नहीं होंगे।

(ख) निर्धारित सीमा से अधिक वजन केवल अपवाद स्वरूप परिस्थितियों में ही मान्य होगा। यदि कोई उम्मीदवार जिनके पास शारीरिक शौष्ठव, कुशती और मुक्केबाजी और मांसलदेह के दस्तावेज़ साक्ष्य हों, ऐसे मामलों में निम्नलिखित मापदंड पूरे किए जाने चाहिए:-

(i) शरीर द्रव्यमान सूचकांक (BMI) 25 से अधिक नहीं होना चाहिए

(ii) कमर और कूल्हे (Waist Hip) का अनुपात महिलाओं के लिए 0.8 से कम होना चाहिए।

(iii) सभी जैवरासायनिक (Biochemical) मापदंड जैसे रक्त शर्करा खाली पेट और पोस्ट प्रांडियल (Sugarfasting and PP), रक्तयूरिया (Blood urea), क्रियेटीनाइन (Creatinine), कोलेस्ट्रॉल (Cholesterol), HBA 1C% इत्यादि सामान्य सीमा में होने चाहिए।

(ग) फिटनेस केवल विशेषज्ञ चिकित्सक द्वारा ही दी जा सकती है।

(घ) महिला के डेट्स के लिए न्यूनतम स्वीकार्य ऊँचाई 152 सेमी. है। यद्यपि निम्नांकित क्षेत्रों के मूल निवासी उम्मीदवारों को ऊँचाई में छूट मान्य है।

क्रम सं.	वर्ग	महिला उम्मीदवारों की न्यूनतम ऊँचाई
(i)	लद्दाख क्षेत्र के आदिवासी	150 सेमी.
(ii)	अंडमान एवं निकोबार, लक्षद्वीप और मिनिक्काय द्वीप	150 सेमी.
(iii)	गोरखा, नेपाली, असमिया, गढ़वाली, कुमाऊँनी और उत्तराखंड	147 सेमी.
(iv)	भूटान, सिक्किम और पूर्वोत्तर क्षेत्र	147 सेमी.

(च) नौसेना में कार्यकारी शाखा (Executive branch) के पायलट/प्रेक्षकविशेषज्ञ (Observer Specialisations) अधिकारी के रूप में प्रवेश के इच्छुक उम्मीदवारों को ऊँचाई में उपर्युक्त छूट मान्य नहीं होगी।

6. उम्मीदवार की चिकित्सीय जांच के दौरान, निम्नलिखित प्रमुख बिंदुओं को सुनिश्चित किया जाएगा:-

- (क) उम्मीदवार पर्याप्त रूप से बुद्धिमान हो। हालाँकि इस संबंध में जिम्मेदारी एनरोलिंग अफसर (Enrolling Officer) की होगी। चिकित्सा अधिकारी जाँच के दौरान उसके द्वारा पाई गई किसी भी कमी को एनरोलिंग अफसर के ध्यान में लाएगा।
- (ख) श्रवण-शक्ति अच्छी हो और कान, नाक अथवा गले की किसी भी बीमारी के लक्षण न हों।
- (ग) दोनों नेत्रों की दृष्टि क्षमता अपेक्षित मानदंडों के अनुरूप हो। उनके नेत्र चमकदार, स्पष्ट हों और भेंगापन अथवा असामान्यता से रहित हो। आंखों की पुतलियों की गति सभी दिशाओं में पूरी और निर्बाध हों।
- (घ) बोलने की क्षमता बाधा रहित हो।
- (च) ग्रन्थियों में किसी प्रकार की सूजन न हो।
- (छ) वक्ष की बनावट अच्छी हो और हृदय एवं फेफड़े स्वस्थ हों।
- (ज) उम्मीदवारों के सभी अंग सुगठित एवं सुविकसित हों।
- (झ) किसी भी प्रकार की हर्निया के लक्षण न हों।
- (ट) सभी जोड़ों के कार्य निर्बाध एवं त्रुटि रहित हों।
- (ठ) पैर एवं पंजे सुविकसित हों।
- (ड) किसी भी प्रकार की जन्मजात विकृति अथवा गड़बड़ी न हो।
- (ढ) किसी भी प्रकार के पूर्व काल की गंभीर एवं लंबी बीमारी के लक्षण जो कि शारीरिक अपंगता को दर्शाता/दर्शाते हों, न हों।
- (त) भली-भांति चबाने के लिए पर्याप्त संख्या में मजबूत दांत हों।
- (थ) जेनिटो-यूरिनरी ट्रैक्ट से संबंधित कोई भी बीमारी न हो।

उम्मीदवार अक्सर अज्ञानतावश बीमारी का पारिवारिक इतिहास नहीं देते हैं। कभी-कभी अस्वीकृति (rejection) के डर से जानबूझकर बीमारी को छिपाने का प्रयास किया जाता है। ऐसे सभी मामलों में भर्ती चिकित्सा अधिकारी को एएफएमएसएफ -2 ए(AFMSF-2A) के संबंधित पैरा में बताना चाहिए, यदि किसी प्रकार के दौरे, कुष्ठ, मिर्गीयातपेदिक का कोई प्रासंगिक इतिहास है। हालांकि, जैविक रोग/शारीरिक विकृति के किसी भी लक्षण के लिए उम्मीदवारों की गहन नैदानिक जाँच करना आवश्यक है। भर्ती चिकित्सा अधिकारी को या तो उम्मीदवार को अस्वीकार करना चाहिए या संबंधित कॉलम में बीमारी का समर्थन पृष्ठांकन करना चाहिए, यदि यह स्वीकार्य प्रकृति का है।

7. उम्मीदवार को अयोग्य घोषित करने के प्रमुख कारण निम्नलिखित हैं:-

- (क) कमजोर शारीरिक रचना, अपूर्ण विकास, जन्मजात विकृति, मांसपेशी क्षय।
नोट: पेशीय विकृति को पूरी तरह से, कार्यों पर पड़ने वाले इसके प्रभाव से आंका जाना चाहिए।
- (ख) सिर की विकृति जिसमें फ्रैक्चर से उत्पन्न विकृति अथवा खोपड़ी की हड्डियों के संकुचन से उत्पन्न विकृति शामिल है।
- (ग) स्कोलिओसिस का निर्धारण। लंबर स्पाइन के लिए 10 डिग्री और डोर्सल स्पाइन के लिए 15 डिग्री तक का इंडियोपैथिक स्कोलिओसिस स्वीकार्य होगा बशर्ते।
- (i) व्यक्ति लक्षणहीन हो
- (ii) स्पाइन में ट्रॉमा को कोई इतिहास न हो
- (iii) छाती में कोई असममिति /कंधा असंतुलन अथवा अथवा लंबर स्पाइन में पेल्विक ऑब्लिक्विटी न हो
- (iv) तंत्रिका (न्यूरोलॉजिकल) संबंधी कमी न हो।

- (v) रीढ़ की हड्डी (स्पाइन) में जन्मजात विकृति न हो।
- (vi) सिनड्रोमिक लक्षण नहीं हो।
- (vii) ईसीजी सामान्य हो।
- (viii) रीढ़ की हड्डी के पूर्ण लचीलेपन पर कोई विकृति नहीं हो।
- (ix) चलन गतिविधि के रेज में कोई प्रतिबंध नहीं हो
- (x) संरचनात्मक असामान्यताएं का कारण बनने वाली ऑरगेनिक कमी न हो।

(घ) आनुवांशिक अथवा गैर-आनुवांशिक अस्थि पंजर संबंधी विकृति और अस्थियों या संधियों की बीमारी या अक्षमता।

नोट:- रूडीमेंटरी सरवाइकल रिब जिसमें कोई भी संकेत या लक्षण न दिखाई देते हो, स्वीकार्य है।

(च) धड़ एवं अंगों की असममिति, अंग-छेदन सहित गतिशीलता में असामान्यता।

(छ) पैरों एवं पंजों की विकृति।

(i) **हाइपरएक्स्टेंसिबल फिंगर ज्वाइंट्स.** हाइपर-एक्स्टेंसिबल फिंगर ज्वाइंट्स के लिए सभी उम्मीदवारों की भली-भांति जांच की जाएगी। 90 डिग्री के परे पीछे की तरफ झुकी उँगलियों का बढ़ाव हाइपर एक्स्टेंसिबल माना जाएगा और अनफ्रिट समझा जाएगा। हाइपर लैक्सिटी/ हाइपरमोबिलिटी के लक्षणों के लिए अन्य जोड़ों जैसे घुटना, कोहनी, रीढ़ और अंगूठे की भी सावधानीपूर्वक जांच की जाएगी। यद्यपि मुमकिन है कि व्यक्ति के दूसरे जोड़ों में हाइपर लैक्सिटी के लक्षण ना दिखें, लेकिन उँगलियों के जोड़ों की हाइपर एक्स्टेंसिबिलिटी के अलग से दिखने को भी अनफ्रिट समझा जाएगा क्योंकि यदि उम्मीदवार को ऊपर बताए गए कठोर शारीरिक प्रशिक्षण से गुज़रना पड़े तो बाद में विभिन्न प्रकार की दिक्कतें उभर सकती हैं।

(ii) **मालेट फिंगर.** डिस्टल इंटर-फेलेंजीयल ज्वाइंट पर एक्सटेंसर मेकेनिज़्म ना हो पाने से मालेट फिंगर होता है। क्रोनिक मालेट डीफार्मिटी PIP और MCP ज्वाइंट में सेकंडरी परिवर्तनों की वजह बन सकता है जिसके परिणामस्वरूप हाथ के कार्य में बाधा आ सकती है। फ्लेक्सन और एक्स्टेंसन दोनों में DIP जोड़ों में मूवमेंट की सामान्य रेंज 0-80 डिग्री है और PIP ज्वाइंट 0-90 डिग्री है। मालेट फिंगर में, उम्मीदवार उँगलियों के distal phalanx को पूरी तरह फैलाने/ सीधा करने में असमर्थ रहता है।

(कक) हल्के लक्षणों वाले उम्मीदवार जैसे- बिना किसी ट्रामा, प्रेशर मटम्स और फंक्शनल डेफिसिट के जिनका एक्सटेंशन लैंग 10 डिग्री से कम है, फ्रिट घोषित किए जाने चाहिए।

(कख) उँगलियों की फिक्स्ड डीफार्मिटी वाले उम्मीदवार अनफ्रिट घोषित किए जाएंगे।

(iii) **Polydactyly.** ऑपरेशन के 12 सप्ताह के उपरांत फिटनेस की जांच की जा सकती है। यदि हड्डी की कोई असामान्यता (X-Ray) नहीं हो, घाव भर गया हो और निशान हल्का पड़ने लगा हो तो फ्रिट घोषित किया जा सकता है।

(iv) **Simple Syndactyly.** ऑपरेशन के 12 सप्ताह के उपरांत फिटनेस की जांच की जा सकती है। यदि हड्डी की कोई असामान्यता नहीं है, घाव भर गया हो और निशान हल्का पड़ने लगा हो तो फ्रिट घोषित किया जा सकता है।

(v) **Complex Syndactyly.** अनफ्रिट

(vi) **पोलीमाजिया (Polymazia).** उम्मीदवारों को ऑपरेशन के 12 सप्ताह के अवधि के उपरांत यदि ऑपरेशन के बाद कोई कठिनाई न हो और शल्यक्रिया के घाव सही से स्वस्थ हुआ हो तथा कोई अन्य रोग नहीं हो तो फिट माना जाएगा

(vii) **Hyperostosis Frontalis Interna.** कोई अन्य मेटाबोलिक असामान्यता ना होने की स्थिति में फिट माना जाएगा।

(ज) **Healed Fractures.**

(i) सभी intra-articular fractures को विशेषतः major joints (कंधा, कोहनी, कलाई, कूल्हा, घुटना और टखना) सर्जरी के साथ अथवा सर्जरी के बगैर, implant के साथ अथवा implant के बगैर, अनफिट माना जाएगा।

(ii) शल्यक्रिया के बाद के सभी extra-articular implant को अनफिट माना जाएगा और इंप्लांट निकालने के न्यूनतम 12 सप्ताह के बाद फिटनेस पर विचार किया जाएगा।

(iii) लंबी हड्डियों (दोनों ऊपरी और नीचे के लिंब्स) का extra-articular चोटों के जिनका चोट होने के बाद परंपरागत ढंग से देखा गया हो उनका मूल्यांकन का न्यूनतम अवधि नौ (09) महीना होगा। उम्मीदवार को तभी फिट माना जाएगा यदि:-

(कक) माल-एलाइमेंट/माल-यूनियन का कोई साक्ष्य न हो।

(कख) तंत्रिका वाहिका (न्यूरो-वास्कुलर) का कोई कमी न हो।

(कग) कोमल ऊतक (साफ्ट टिश्यू) का हानि न हो।

(कघ) गतिविधियों में कोई कमी न हो।

(कड) ऑस्टियोमेलिटिस/सीक्वेस्ट्रा फारमेशन का कोई साक्ष्य न हो।

(झ) **क्यूबिटर रेकरवेटम Cubitus Recurvatum.** >10 डिग्री अनफिट है।

(ट) **क्यूबिटस वेलगस Cubitus Valgus.**

(i) **केरियिंग एंगल (Carrying Angle) मापना.** आर्म और फोरआर्म के सरफेस मार्जिन से axes को मापने के लिए protractor goniometer का प्रयोग करते हुए कोहनी को पूरा फैलाकर कोहनी के carrying angle का पारंपरिक तरीके से निर्धारण किया जाता है। यद्यपि, आर्म और फोरआर्म में मुलायम ऊतकों के विकास में विविधताओं के कारण मापे गए परिणामों में असंगति आ जाती है। अभी तक कोहनी के carrying angle को मापने की कोई एकसमान विधि नहीं है। यद्यपि acromion, humerus के medial और lateral epicondyles पर bony landmarks की पहचान distal radial और ulnar styloid प्रक्रिया के माध्यम से कोहनी के carrying angle को मापने की संस्तुति की जाती है। आर्म और फोरआर्म के दो drawing axes के साथ carrying angle को एक manual goniometer के द्वारा मापा जाता है। आर्म का axis acromion के cranial surface के lateral border के humerus के lateral और medial epicondyles के midpoint तक निर्धारित है। फोरआर्म का axis humerus के lateral और medial epicondyles के midpoint से distal radial और ulnar styloid processes के midpoint द्वारा निर्धारित होता है।

(ii) Cubitus valgus मुख्य रूप से चिकित्सीय निदान होना चाहिए। रेडिओग्राफिक जांच करने के लिए सुझाए गए निर्देशों में निम्नलिखित शामिल है:-

(कक) Trauma का इतिहास

(कख) कोहनी के आसपास निशान

(कग) कोणों की असमानता

(कघ) Distal neurovascular deficit

(कच) हिलने-डुलने की सीमित रेंज

(कछ) यदि ओर्थोपीडिक सर्जन द्वारा ज़रूरी समझा जाता है

(ठ) **कोहनी के जोड़ पर हायपरएक्स्टेंशन (Hyperextension).** किसी व्यक्ति की प्राकृतिक रूप से hyperextended कोहनी हो सकती है। यह कोई चिकित्सीय समस्या नहीं है, लेकिन सैन्य आबादी जिस तरह

की तनावपूर्ण और थकाने वाली परिस्थितियों का सामना करती है उसमें यह फ्रैक्चर अथवा लंबे समय तक रहने वाले दर्द की वजह बन सकती है। कोहनी कोन्यूट्रल पोजिशन के 10 डिग्री के भीतर वापस लाने में असमर्थता भी रोज़मर्रा की गतिविधियों में बाधा है।

(i) Measurement modality. Goniometer का प्रयोग करके मापा जाता है।

(ii) सामान्य कोहनी प्रसार 0 डिग्री है। यदि मरीज का जोड़ों के ट्रामा का कोई इतिहास नहीं है तो 10 डिग्री तक hyperextension सामान्य सीमा के भीतर है। यदि किसी को 10 डिग्री से ज़्यादा का hyperextension है तो उसे अनफ़िट माना जाएगा।

8. आंख

(क) आंख या पलकों की विकृति या रोग ग्रस्त स्थिति जिसके अधिक बढ़ने या दुबारा होने की संभावना हो।

(ख) किसी भी स्तर का प्रत्यक्ष दिखाने वाला भेंगापन।

(ग) सक्रिय ट्रेकोमा या उसकी पेचीदगी या रोगोत्तर लक्षण।

(घ) निर्धारित मानदंडों से कम दृष्टि तीक्ष्णता।

नोट:-

1. एनडीए/एनए अफसरों की एंट्री हेतु दृष्टि संबंधी मानदंड निम्नलिखित हैं:-

मानदंड	सी डी एस ई/एन सी सी
असंशोधित दृष्टि	6/12 6/12
संशोधित दृष्टि	6/6 6/6
निकट दृष्टि संबंधी सीमाएं	-1.0D Sph
दीर्घ दृष्टि संबंधी (hypermetropia) सीमाएं	+2.0 D Sph
अबिंदुकता (निकट दृष्टि तथा दीर्घ दृष्टि से सीमाओं के भीतर)	±1.0 D Cyl
दोनों आंखों की दृष्टि	III
रंगों की समझ	सीपी पास*

* सीपी कमी का मूल्यांकन एसएमबी के दौरान इशियारा परीक्षण द्वारा ही किया जाएगा। तथापि, एएमबी/आरएमबी के दौरान स्पष्टीकरण हेतु एनोमलोस्कोप का प्रयोग किया जाएगा, जहां जरूरत हो।

2. कैराटो रिफ्रेक्टिव सर्जरी एसएमबी के दौरान उम्मीदवारों के लिए कैराटोमेट्री अघोषित रिफ़्रैक्टो - करक्टीव प्रक्रिया यथा पीआरके/लैसिक/SMILE आदि का पता लगाने के लिए किया जाएगा। इनके अंक एसएमबी में संलग्न किया जाएगा। जिन उम्मीदवारों ने किसी भी प्रकार की कैराटो रिफ़्रेक्ट्री सर्जरी (पीआरके, लैसिक, स्माइल) करवाई हो उन्हें सभी शाखाओं में एंट्री के लिए फिट माना जाएगा (सबमरीन, डाइविंग और मारको काडर को छोड़कर) और उन पर निम्नलिखित शर्तें लागू होंगी:-

(क) 20 वर्ष की आयु से पहले कोई शल्यचिकित्सा न हुई हो।

(ख) जांच के कम से कम 12 महीने पूर्व हुई अनकॉम्प्लीकेटेड सर्जरी। (उम्मीदवार इस आशय का एक सर्टिफिकेट जिसमें सर्जरी की तारीख तथा ऑपरेशन पूर्वसंबंधित नेत्र में रिफ़्रेक्टिव दोष में कितना था इसका उल्लेख किया गया हो, उम्मीदवार यह सर्टिफिकेट रिफ़्रैक्टमेंट मेडिकल एक्जामिनेशन के समय प्रस्तुत करेगा)।

(ग) पोस्ट लैसिक स्टैंडर्ड्स. उम्मीदवार को फिट तब माना जाएगा जब IOL मास्टर या ए स्कान द्वारा मापित एक्सियल लेंथ 26 mm के बराबर अथवा इससे कम हो तथा पेचिमीटर द्वारा सेंट्रल कार्निअल थिकनेस 450 माइक्रोन के बराबर या इससे अधिक हो।

- (घ) रेजिडुअल रिफ्रैक्शन ± 1.0 डी स्फैरिकल या सिलिंड्रिकल (Sph or Cyl) से कम हो या बराबर हो बशर्ते जिस वर्ग (केटेगरी) के लिए आवेदन किया गया हो यह उसकी अनुज्ञेय सीमा के अंदर हो। लेकिन पायलट तथा ऑब्जर्वर एंट्री के लिए यह शून्य (Nil) होना चाहिए।
- (च) प्री-ऑपरेटिव एरर ± 6.0 डी से अधिन नहीं होना चाहिए।
- (छ) रेटिना संबंधी सामान्य जांच।
3. सबमरीन, डाइविंग एवं MARCO जैसे विशिष्ट संवर्गों के लिए कैराटो रिफ्रैक्ट्री सर्जरी (PRK, LASIK, SMILE) स्वीकार्य नहीं है। रेडियल केराटोटॉमी कराने वाले उम्मीदवार सभी शाखाओं के लिए स्थायी रूप से अनफिट हैं।
4. पिटोसिस (Ptosis). उम्मीदवार को पोस्ट-ऑपरेटिव फिट माना जाएगा यदि सर्जरी के एक साल बाद कोई पुनरावृत्ति न हुई हो, सामान्य visual fields के साथ visual axis स्पष्ट हो और upper eyelid, superior limbus के 02 mm नीचे हो। जो उम्मीदवार इस दशा के लिए सर्जरी से नहीं गुजरे हैं, उन्हें फिट माना जाएगा यदि वे निम्नलिखित मानदंडों में से किसी एक पर खरा उतरते हैं:-
- (क) मैल्ड पिटोसिस (Mild ptosis)
 - (ख) क्लियर दृश्य एक्सिस (Clear visual axis)
 - (ग) सामान्य दृश्य क्षेत्र (Normal visual field)
 - (घ) Aberrant degeneration/ head tilt के कोई लक्षण नहीं हों
5. एक्सोट्रोपिया (Exotropia). अनफिट
6. एनिसोकोरिया (Anisocoria). यदि pupils के बीच आकार का अंतर $>01\text{mm}$ हो, तो उम्मीदवार को अनफिट समझा जाएगा।
7. हेटिरोक्रोमिया इरिडम (Heterochromia Iridum). अनफिट
8. स्पिनस्टर टीयर्स (Sphincter Tears). यदि pupils के बीच साइज़ में $<01\text{mm}$ का अंतर हो, cornea, lens और retina में बिना किसी observed pathology के pupillary reflexes तेज़ हों तो फिट माना जाएगा।
9. स्यूडोफाकिया (Pseudophakia). अनफिट
10. लेंटिकुलर ओपासिटीस (Lenticular Opacities). Lenticular opacity की वजह से कोई Visual deterioration, अथवा visual axis में हो अथवा pupils के आसपास 07mm तक हो, जो glare Phenomenon का कारण बन सकती है, को अनफिट माना जाना चाहिए। आँखें फूलने की प्रवृत्ति (opacities) जो संख्या अथवा आकार में ना बढ़े, को भी फिटनेस का निर्णय करते हुए ध्यान में रखना चाहिए। Periphery में small stationary lenticular opacities जैसे congenital blue dot cataract, जिससे visual axis/visual field प्रभावित ना होता हो, पर स्पेशलिस्ट द्वारा विचार किया जा सकता है (संख्या में 10 से कम होना चाहिए और 04mm का सेंट्रल एरिया सुस्पष्ट होना चाहिए)।
11. ऑप्टिक नर्व ड्रूसन (Optic Nerve Drusen). अनफिट
12. हायकप डिस्क अनुपात (High Cup Disc Ratio). निम्नलिखित स्थिति होने पर उम्मीदवारों को अनफिट घोषित किया जाएगा:-
- (i) भीतरी आंख समानता का कप डिस्क अनुपात >0.2 है
 - (ii) ओसीटी के आरएनएफएल विश्लेषण में रेटिनल तंत्र फाइबर लेयर कमी दर्शाई है
 - (iii) दृष्टि क्षेत्र विश्लेषण द्वारा दृष्टि क्षेत्र अभाव
13. केराटोकोकस (Keratoconus). अनफिट
14. लेटिस (Lattice).

(क) निम्नलिखित lattice degenerations होने पर उम्मीदवार को अनफिट समझा जाएगा:-

- (i) एक या दोनों आँखों में दो क्लॉक ऑवर्स से अधिक तक रहने वाले Single circumferential lattice.
- (ii) एक अथवा दोनों आँखों में एक क्लॉक ऑवर से अधिक प्रत्येक Two circumferential lattices.
- (iii) Radial lattices.
- (iv) Atrophic hole/flap tears (Unlasered) के साथ कोई lattice.
- (v) posterior से equator तक Lattice degenerations.

(ख) निम्नलिखित स्थितियों के अंतर्गत lattice degeneration के साथ उम्मीदवारों को फिट माना जाएगा:-

- (i) एक अथवा दोनों आँखों में दो क्लॉक ऑवर्स से कम बिना holes के Single circumferential lattice.
- (ii) एक अथवा दोनों आँखों में एक क्लॉक ऑवर से कम बिना holes के Two circumferential lattices.
- (iii) एक अथवा दोनों आँखों में दो क्लॉक ऑवर से कम, बिना holes/flap tear, Post Laser delimitation single circumferential lattice.
- (iv) एक अथवा दोनों आँखों में प्रत्येक एक क्लॉक ऑवर से कम, बिना holes/flap tear, Post Laser delimitation two circumferential lattices.

9. कान, नाक तथा गला

(क) **कान** बार-बार कान में दर्द होना या इसका कोई इतिहास हो, कम सुनाई देना, टिनीटस हो या चक्कर आते हों। ट्रेथिया, एक्सोस्टोसिस या नियोप्लाज्म सहित बाह्य मीटस के रोग जो ड्रम की पूर्ण जांच को रोकते हैं। टिम्पैनिक मैम्ब्रेन के असाध्य छिद्रण, कान का बहना, अक्यूट या क्रोनिक सुपरेटिव ऑटिटिस मीडिया के लक्षण, रेडिकल या मोडिफाइड रेडिकल मैस्टॉयड ऑपरेशन के प्रमाण।

टिप्पणी:-

- (1) उम्मीदवार अलग-अलग दोनों कानों से 610 से मी की दूरी सेफोर्ड फुसफुसाहट (हिवस्पर) सुन पाता हो। सुनने के समय उसकी पीठ परीक्षक की तरफ होनी चाहिए।
- (2) **Otitis Media** किसी भी प्रकार का वर्तमान Otitis Media अस्वीकृति का कारण बनेगा। टिम्पैनिक मेंब्रेन के 50% Pars Tensa को प्रभावित करने वाला tympano sclerosis/scarred tympanic मेंब्रेन के रूप में रोगमुक्त किए गए पुरानी Otitis Media के लक्षणों का मूल्यांकन ENT स्पेशलिस्ट करेंगे तथा यह Pure Tone Audiometry (PTA) तथा Tympanometry के सामान्य होने पर स्वीकार्य होगा। कोरोनिक ओटिटिस मीडिया के लिए टाइम्पेनोप्लास्टी और मायरिंगोप्लास्टी / मायरिंगोटॉमी के सभी मामलों में स्थायी अस्वीकृति होगी

(i) निम्नलिखित दशाओं के कारण एक उम्मीदवार अनफिट घोषित कर दिया जाएगा:-

- (कक) Residual Perforation
- (कख) Free Field Hearing हियरिंग तथा/या PTA पर Residual Hearing Loss

- (कग) किसी भी प्रकार का tympanoplasty (type 1 tympanoplasty को छोड़कर) या मिडल ईयर सर्जरी (Ossiculoplasty, Stapedotomy, canal wall down mastoidectomy, atticotomy, atticostomy आदि)
- (कघ) कोई भी इम्प्लांटेड डिवाइस (यथा, cochlear implant, bone conduction implant, middle ear implants सहित आदि)

(ख) एक्स्टर्नल ऑडिटरी कनाल की Bony Growth

कोई भी उम्मीदवार जिसके exostosis, osteoma, fibrous dysplasia आदि जैसे एक्स्टर्नल ऑडिटरी कनाल में क्लिनिकली बॉनी ग्रोथ पाया जाता है तो उसे अनफिट घोषित किया जाता है। ऑपरेट किए गए मामलों का मूल्यांकन कम से कम 4 हफ्तों की अवधि के बाद किया जाता है। पोस्ट सर्जरी histopathology रिपोर्ट और HRCT temporal bone अत्यावश्यक है। यदि histo-pathological रिपोर्ट में neoplasia दर्शाया गया है या HRCT temporal bone में पार्श्वीय रिमूवल या डीप एक्स्टेंशन बताया गया है तो ऐसे उम्मीदवार को अस्वीकार कर दिया जाएगा।

(ख) नाक नाक की उपास्थि या अस्थि के रोग, मार्कड नेजल एलर्जी, नेजल पोलिप्स, एट्रोफिक रायनाइटिस, एक्सेसरी साइनस के रोग तथा नैसोफैरिक्स।

नोट:- Septal छिद्र. Nasal septal perforation, anterior cartilaginous या posterior bony perforation हो सकता है। कोई भी septal perforation जिसकी ग्रेपरीक्षा डायमेंशन 01 सेमी से अधिक है, अस्वीकृति का एक कारण बनती है। एक septal perforation जो चाहे किसी भी आकार की हो nasal deformity, nasal crusting epistaxis और granulation से संबंधित हो, अस्वीकृति का एक कारण बनती है।

(i) नेसल पोलिपोसिस (Nasal polyposis). इसे polyposis (CRSWNP) सहित Chronic Rhinosinusitis भी कहा जाता है। Nasal polyposis ज्यादातर allergy asthma NSAID से सेंसिटिव है और इन्फेक्शन से जुड़ा है अर्थात् बैक्टीरियल और फंगल। इन रोगियों में रोग के दुबारा होने की संभावना अधिक होती है और nasal/oral steroids से लंबे समय के लिए management की जाती है और प्रतिकूल मौसम और तापमान वाली परिस्थितियों के लिए ये अनफिट हैं। किसी भी व्यक्ति में जांच के दौरान nasal polyposis यदि पाया गया हो या कभी भी nasal polyposis के लिए उनकी सर्जरी हुई हो तो उनकी अभ्यर्थिता अस्वीकार कर दी जाएगी।

(ग) गला थ्रोत पैलेट, जीभ, टॉन्सिल, मसूड़े के रोग या दोनों मेंडिब्यूलर के सामान्य क्रिया को प्रभावित करने वाले रोग।

नोट:- टॉन्सिलाइटिस के दौरों से जुड़े इतिहास के बिना टॉन्सिल की सामान्य अतिवृद्धि (Hypertrophy) स्वीकार्य है।

(घ) लैरिंग्स के रोग वाक् अवरोध (बोलने में कठिनाई)- आवाज सामान्य होनी चाहिए। स्पष्ट रूप से हकलाने वाले उम्मीदवार को भर्ती नहीं किया जाएगा।

10. दांतों की स्थिति:- यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि चबाने के लिए पर्याप्त संख्या में स्वस्थ दांत हों।

(क) एक उम्मीदवार के 14 डेंटल प्वाइंट्स (Points) होने चाहिए ताकि उस व्यक्ति के दांतों की स्थिति का मूल्यांकन किया जा सके। 14 से कम डेंटल प्वाइंट्स वाले उम्मीदवार की भर्ती नहीं की जाएगी। दूसरे जबड़े में संगत दांतों के साथ अच्छी अवस्था वाले दांतों के प्वाइंट के बारे में नीचे बताया जा रहा है:-

- (i) सेंट्रल इनसाइजर, लेटरल इनसाइजर, केनाइन, प्रथम प्रीमोलर, द्वितीय प्रीमोलर तथा प्रत्येक के लिए 1 प्वाइंट के साथ अल्प विकसित (under developed) तृतीय मोलर।
 - (ii) प्रथम मोलर, द्वितीय मोलर तथा पूरी तरह विकसित तृतीय मोलर। प्रत्येक में दो प्वाइंट होंगे।
 - (iii) जब सभी 32 दांत मौजूद हों तो 22 या 20 प्वाइंट की कुल गिनती होगी और उसके अनुसार यह कहा जाएगा कि तीसरे मोलर विकसित हैं या नहीं।
 - (ख) प्रत्येक जबड़े में सही ढंग से काम करने वाले दांत होने चाहिए।
 - (i) 6 एंटेरियर में से कोई 4
 - (ii) 10 पोस्टरियर में कोई 6
- ये सभी दांत स्वस्थ/दुरुस्त करने योग्य होने चाहिए।
- (ग) गंभीर रूप से पायरिया ग्रस्त उम्मीदवारों की भर्ती नहीं की जाएगी। यदि डेंटल अफसर की राय हो कि पायरिया को बिना दांत निकाले ही ठीक किया जा सकता है तो उम्मीदवार की भर्ती कर ली जाएगी। इस बाबते मेडिकल/डेंटल अफसर चिकित्सकीय दस्तावेज में टिप्पणी लिखेंगे।
- (घ) डेंटल प्वाइंट की गिनती करते समय कृत्रिम दांतों को शामिल नहीं किया जाएगा।

11. गर्दन

- (क) बड़े हुए ग्लैंड, थायरॉयड या गर्दन या शरीर के अन्य भाग में अन्य रोगों के कारण।
टिप्पणी:- थायरॉयड ग्लैंड को हटाने के लिए किए गए ऑपरेशन के कारण आए दागों के कारण उम्मीदवारी समाप्त नहीं की जाएगी बशर्ते पिछले पांच वर्षों के अंदर कोई सक्रिय रोग न हो तथा सीना नैदानिक (Clinically) दृष्टि से तथा रेडियोलॉजी के हिसाब से दोषरहित हो।
- (ख) थायराइड ग्लैंड के रोग।
- (ग) छाती. अस्वीकृति के मानदंड निम्नलिखित हैं:-
 - (कक) छाती की विकृति, जन्मजात या अर्जित
 - (कख) 5 सेंमी से कम विस्तार
 - (कग) पुरुषों में सुस्पष्ट रूप से bilateral/unilateral gynaecomastia ऑपरेशन के 12 हफ्तों के पश्चात फिटनेस का मूल्यांकन किया जा सकता है। 12 सप्ताह की शल्य चिकित्सा अवधि के बाद उम्मीदवारों को फिट माना जाएगा यदि:
 - (कघ) सर्जिकल घाव पूर्णतः ठीक हो चुका है, जिसमें कोई अवशिष्ट रोग नहीं है।
 - (कड) ऑपरेशन के बाद कोई उपद्रव नहीं है
 - (कच) सर्जिकल निशान पर्याप्त रूप से परिपक्व होना चाहिए और सैन्य प्रशिक्षण के दौरान किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न करने की संभावना नहीं होनी चाहिए।
 - (कछ) सामान्य शारीरिक परीक्षा
 - (कज) एंडोक्राइन सामान्य रूप से कार्यरत है

12. त्वचा तथा यौन संक्रमण (एस टी आई)

- (क) त्वचा रोग जब तक अस्थायी या मामूली न हो।
- (ख) अपने आकार या अपनी सीमा के कारण ऐसे दाग जो बड़ी विकृति उत्पन्न कर रहे हों या भविष्य में उत्पन्न कर देंगे।

(ग) हाइपरहाइड्रोसिस-पैल्मर, प्लांटर या एक्सीलेरी।

(घ) जन्मजात, सक्रिय या गुप्त, यौन-संचारित रोग (Sexually transmitted disease)।

नोट:- उसन्धि (ग्रोइन) या पुरुष जननांग/स्त्री जननांग के ऊपर अतीत के यौन संचारित संक्रमण के कारण पुराने घाव का निशान होने की स्थिति में, गुप्त यौन संचारित रोग को वर्जित करने के लिए यौन संचारित संक्रमण (जिसमें एच आई वी भी शामिल है) हेतु रक्त की जांच की जाएगी।

13. श्वसन तंत्र

(क) चिरकालिक खांसी या श्वास दमा का इतिहास।

(ख) फेफड़े के क्षयरोग का प्रमाण।

(ग) छाती की रेडियोलॉजिकल जांच किए जाने पर ब्रांकाई, फेफड़े या फुफ्फुस आवरणों जैसी बीमारियों के प्रमाण पाए जाने की स्थिति में उम्मीदवार अयोग्य होंगे।

नोट:- छाती की एक्स-रे (X-Ray) जांचनिम्नलिखित परिस्थितियों में की जाएगी:-

(i) सेवा में एक कैडेट के रूप में प्रवेश या सीधे प्रवेश पर।

(ii) शॉर्ट सर्विस कमीशन अधिकारी के मामले में स्थायी कमीशन प्रदान करते समय।

14. हृदय तंत्र हृदय-वाहिका तंत्र (कार्डियो-वस्कुलर सिस्टम)

(क) हृदय या धमनियों का कार्यात्मक या जैविक रोग, वक्ष परीक्षण (धड़कन) में सरसराहट या क्लिक की उपस्थिति।

(ख) क्षिप्रहृदयता (विश्रामावस्था में स्पंदन दर हमेशा 96 प्रति मिनट से अधिक रहना), मंदस्पंदन (विश्रामावस्था में स्पंदन दर हमेशा 40 प्रति मिनट से कम रहना), कोई असामान्य परिधीय स्पंदन (नाड़ी)।

(ग) रक्त दाब (ब्लड प्रेशर). उम्मीदवार जिनका रक्त दाब लगातार 140/90mm Hg से अधिक होता है, उन्हें अस्वीकार किया जाएगा। ऐसे उम्मीदवारों को White coat hypertension और persistent hypertension के बीच के अंतर को देखने हेतु 24 घंटे की Ambulatory Blood pressure Monitoring (24 h ABPM) से होकर गुजरना होता है। जब भी मुमकिन हो, उम्मीदवारों को ए एम बी पर कार्डियोलॉजिस्ट द्वारा मूल्यांकन किया जाएगा। वे जिनका (24 h ABPM) सामान्य है और कोई टारगेट ऑर्गेन डैमेज नहीं है, को कार्डियोलॉजिस्ट द्वारा मूल्यांकन के बाद फिट माना जा सकता है।

(घ) इलैक्ट्रोकार्डियोग्राम (ECG). SMB में पता लगाई गई ECG असामान्यता अस्वीकरण का कारण बन सकती है। ऐसे उम्मीदवारों की जांच AMB के दौरान कार्डियोलॉजिस्ट द्वारा संरचनात्मक असामान्यता होने पर इकोकार्डियोग्राफी की मदद से की जाएगी और आवश्यक होने पर स्ट्रेस (तनाव) परीक्षा भी करवाया जा सकता है। अपूर्ण RBBB, इंफीरियर लीड्स में T वेब इन्वर्शन, V₁-V₃ में T इन्वर्शन (पर्सिस्टेंट जुवेनाइल पैटर्न), वोल्टेज क्राइटेरिया (थिन चेस्ट वॉल के कारण) द्वारा LVH जैसी हलकी ECG असामान्यता बिना किसी संरचनात्मक रोग के विद्यमान हो सकती हैं। ऐसे सभी मामलों में इकोकार्डियोग्राफी की जानी चाहिए ताकि छिपे हुए संरचनात्मक हृदय रोग की संभावना को खारिज किया जा सके तथा सीनियर एडवाइजर (मेडिसिन)/कार्डियोलॉजिस्ट की सलाह ली जानी चाहिए। यदि इकोकार्डियोग्राफी तथा स्ट्रेस परीक्षा (यदि डॉक्टर द्वारा निदेशित हो) सामान्य हैं तो उम्मीदवार को फिट घोषित कर दिया जाएगा।

15. उदर

(क) गैस्ट्रोइंटेस्टिनल ट्रैक्ट संबंधी किसी रोग का प्रमाण, यकृत, पित्ताशय या तिल्ली में वृद्धि, उदर परिस्पर्शन कोमलता, पेटिक अल्सर का इतिहास/प्रमाण या बड़ी उदर शल्य चिकित्सा का पूर्व

विवरण। सभी अफसर एंट्री उम्मीदवार आंतरिक अंगों में किसी प्रकार की असामान्यता का पता लगाने के लिए उदर तथा श्रेणी की अल्ट्रा साउंड जांच करवाएंगे।

(ख) असंयुग्मित हाइपरबिलिरुबिनेमिया के अतिरिक्त किसी भी प्रकार का हाइपरबिलिरुबिनेमिया अनुपयुक्त है, जहां आनुवंशिक अध्ययन गिल्बर्ट सिंड्रोम को एटिऑलॉजिकल कारक के रूप में पुष्टि करते हैं, जो नीचे दिए गए मानदंडों को पूरा करता है:-

- (i) कुल सीरम बिली रुबिन $< 3\text{mg/dl}$, सामान्य ट्रांसएमिनेस, PT/INR और एल्ब्यूमिन के साथ असंयुग्मित हाइपरबिलिरुबिनेमिया।
- (ii) एचबीएस एजी और एंटी एचसीए नकारात्मक होना चाहिए।
- (iii) पीबीएस, रेटिकुलोसाइट गिनती, लैकटेट डिहाइड्रोजनेज स्तर, (एलडीएच), विट बी 12 और एचबी वैद्युतकणसंचलन पर कोई असामान्यता नहीं।
- (iv) लीवर का सामान्य अल्ट्रासोनोग्राफी और फाइब्रोस्कैन।
- (v) UGT1A1 जीन के आनुवंशिक विश्लेषण द्वारा गिल्बर्ट सिंड्रोम का निदान।

(ग) ऑपरेशन पश्चात् मूल्यांकन. सामान्य दशाओं में फिटनेस के मूल्यांकन के लिए पोस्ट-ऑप अवधि :-

(i) हर्निया. जिनका हर्निया का ऑपरेशन हुआ हो उन्हें फिट घोषित किया जा सकता है (बशर्ते)

(कक) एनटेरियर एब्डोमिनल वॉल हर्निया के ऑपरेशन के 24 सप्ताह गुजर चुके हों। उम्मीदवार को इस संबंध में दस्तावेजी प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा।

(कख) एब्डोमिनल मसक्यूलेचर का जेनरल टोन उत्तम हो।

(कग) हर्निया या इससे संबंधित ऑपरेशन की जटिलता की पुनरावृत्ति न हुई हो।

(ii) अन्य दशाएं. जिनका निम्नलिखित कारणों से ऑपरेशन हुआ हो उन्हें फिट घोषित किया जा सकता है, बशर्ते

(कक) ओपन कॉलिसिसटेक्टॉमी 24 सप्ताह (इनसीजनल हर्निया न होने के मामले में)

(कख) लैप्रोस्कोपिक कॉलिसिसटेक्टॉमी 08 सप्ताह (सामान्य LFT, सामान्य हिस्टोपैथोलॉजी)

(कग) Appendicectomy.

(i) लेप्रोस्कोपिक एपेंडेक्टोमी के पश्चात् न्यूनतम 04 सप्ताह की अवधि के पश्चात् पोस्ट ऑपरेटिव फिटनेस का मूल्यांकन किया जाएगा। उम्मीदवारों को फिट माना जाएगा यदि:-

(कक) घाव के निशान अब अच्छी तरह से ठीक हो गए हैं।

(कख) निशान कोमल होते हैं।

(कग) एक्यूट अपेन्डिसाइटिस की हिस्टो-पैथोलॉजिकल रिपोर्ट उपलब्ध है।

(कघ) पोर्ट साइट इंसीजनल हर्निया ना होने के संबंध में यूएसजी द्वारा पुष्टि।

(ii) न्यूनतम 12 सप्ताह की अवधि के बाद पोस्ट ऑप फिटनेस के लिए मांसपेशी विभाजन दृष्टिकोण के साथ ओपन एपेंडेक्टोमी का मूल्यांकन किया जाएगा। उम्मीदवारों को फिट माना जाएगा यदि:-

(कक) घाव अच्छे से ठीक हो गया है।

(कख) निशान कोमल और नॉन-टेंडर है।

(कग) एक्यूट अपेन्डिसाइटिस की हिस्टो-पैथोलॉजिकल रिपोर्ट उपलब्ध है।

(कघ) सर्जिकल साइट इंसीजनल हर्निया ना होने के संबंध में यूएसजी द्वारा पुष्टि।

(iii) न्यूनतम 06 महीने की अवधि के बाद पोस्ट ऑप फिटनेस के लिए मांसपेशी कटौती दृष्टिकोण के साथ ओपन एपेंडेक्टोमी का मूल्यांकन किया जाएगा। उम्मीदवारों को फिट माना जाएगा यदि:-

(कक) घाव अच्छे से ठीक हो गया है।

(कख) निशान कोमल और नॉन-टेंडर है। एपेंडिसाइटिस उपलब्ध है।

(कघ) सर्जिकल साइट इंसीजनल हर्निया ना होने के संबंध में यूएसजी द्वारा पुष्टि।

(कग) एक्यूट की हिस्टो-पैथोलॉजिकल रिपोर्ट

(कघ) Pilonidal sinus 12 सप्ताह

(कच) एनो में फिस्ट्यूला, एनल फिशर तथा ग्रेड हीमोरवाइड्स। संतोषजनक उपचार तथा रिकवरी के साथ ऑपरेशन के बाद 12 सप्ताह

(कछ) हाईड्रोसील तथा वैरीकोसील ऑपरेशन के 8 सप्ताह के बाद संतोषजनक उपचार तथा रिकवरी सहित।

(कज) यूराकल सिस्ट ऑपरेशन के 08 सप्ताह बाद संतोषजनक उपचार और किसी भी प्रकार के अवशेष का अभाव।

(घ) गॉल ब्लैडर की अजेनेसिस. बाइलेरी ट्रैक्ट की अन्य किसी असामान्यता की अनुपस्थिति में उम्मीदवार को फिट घोषित किया जाएगा। ऐसे सभी मामलों के लिए MRCP की जाएगी।

16. मूत्र-तंत्र (जेनिटो-न्यूरिनरी सिस्टम)

(क) जननांगों संबंधी रोग का कोई प्रमाण।

(ख) द्विपक्षीय अनवतीर्ण वृषण (बाइलाटरल अनडिसेंडड टेस्टिस), एकपक्षीय अनवतीर्ण (यूनीलाटरल अनडिसेंडड टेस्टिस), वृषण का वंक्षण नाल (इनग्विनाल केनाल) में या बाह्य उदर (अबडोमिनल) रिंग में होना, जब तक कि ऑपरेशन से सही किया जाए।

नोट:- एक वृषण (टेस्टिस) की अनुपस्थिति तब तक अस्वीकृति का कारण नहीं है जब तक कि किसी रोग के कारण वृषण (टेस्टिस) को निकाल दिया गया हो या इसकी अनुपस्थिति उम्मीदवार के शारीरिक या मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित नहीं करती हो।

(ग) किडनी या मूत्रमार्ग (यूरेथ्रा) का रोग या इसकी बनावट में विकार।

(घ) मूत्र या रात्रि की शय्या मूत्रण असंयतता।

(च) मूत्र की जांच करने पर कोई अन्य असामान्यता जिसमें पेशाब में अन्नसार जाना या पेशाब में शर्करा शामिल है।

(छ) अस्वीकृति के लिए निम्नलिखित मानदंड हैं

(i) रीनल कैलक्यूली। आकार, संख्या, बाधा सहित या बाधा रहित- चाहे जो भी हो। रीनल कैलक्यूली का इतिहास (इतिहास अथवा रेडियोलॉजिकल लक्षण) होने पर उम्मीदवार को अनफिट घोषित कर दिया जाएगा।

(ii) Calycecdasis

(iii) Bladder Diverticulum

(iv) सामान्य रीनल सिस्ट > 1.5 सेमी

17. केन्द्रीय स्नायुतंत्र

(क) केन्द्रीय स्नायुतंत्र का जैविक रोग।

(ख) स्पंदन

(ग) दौरा (मिरगी) तथा सिर दर्द/माइग्रेन का बार-बार दौरा पड़ने वाले उम्मीदवार स्वीकार्य नहीं होंगे।

18. **मानसिक विकार** उम्मीदवार अथवा उसके परिवार में मानसिक रोग या तंत्रिकात्मक अस्थिरता (नरवस इनस्टेबिलिटी) का इतिहास या प्रमाण।

19. **लैब जांच (Hematology)**

(क) **Polycythemia**. पुरुषों में 16.5g/dl से अधिक तथा महिलाओं में 16 g/dl से हीमोग्लोबिन रहने पर Polycythemia का रोग मानकर अनफिट घोषित कर दिया जाएगा।

(ख) **Monocytosis**. 1000/cu mm से अधिक ऐब्सल्यूट मोनोसाइट काउंट्स या कुल WBC काउंट से 10% से अधिक या बराबर काउंट्स रहने पर उम्मीदवार को अनफिट मान लिया जाएगा।

(ग) **Eosinophilia**. 500/cumm से अधिक या बराबर ऐब्सल्यूट eosinophilia काउंट्स रहने पर उम्मीदवार को अनफिट माना जाएगा।

20. **महिला उम्मीदवार** उन्हें गर्भवती नहीं होना चाहिए और उन्हें प्राथमिक या सेकेंडरी एमेनोरिया / डिसमेनोरिया / मेनोरेजिया आदि जैसे स्त्रीरोग संबंधी विकारों से भी मुक्त होना चाहिए। सभी महिला उम्मीदवारों को आंतरिक अंगों की किसी भी असामान्यता का पता लगाने के लिए पेट और श्रोणि अंगों की अल्ट्रा साउंड जांच से गुजरना होगा।

21. **प्रवेश पर स्वीकार्य दोष** निम्नलिखित मामूली दोषों के साथ नौसेना के लिए उम्मीदवारों को स्वीकार किया जा सकता है। हालांकि इन दोषों को प्रवेश पर चिकित्सा प्रपत्रों में नोट किया जाना है।

(क) आंतरिक मैलेओली (Malleoli) में 5 सेंटीमीटर से कम विच्छेद वाले नोक नीज (knock knees)।

(ख) पैरों की हल्की वक्रता जो चलने या दौड़ने को प्रभावित नहीं करती है, इंटरकॉन्डाइलर दूरी 7 सेंटीमीटर से अधिक नहीं होनी चाहिए।

(ग) हल्का हकलाना जो अभिव्यक्ति को प्रभावित नहीं करता हो।

(घ) वैरिकाज़ (varicose) नसों की हल्की डिग्री।

(च) शिरागुच्छ (varicocele) की हल्की डिग्री।

नोट:- जहां कहीं भी आवश्यक हो उपचारात्मक आप्रेशन प्रवेश से पहले करवा लिए जाएँ। अंतिम स्वीकृति के बारे में निश्चित रूप से कोई गारंटी नहीं दी जा सकती है और एक उम्मीदवार को यह स्पष्ट रूप से समझलेना चाहिए कि एक ऑपरेशन वांछनीय है या आवश्यक इसका निर्णय उनके निजी चिकित्सा सलाहकार द्वारा किया जाना है। आप्रेशन के परिणाम अथवा किए गए किसी भी खर्च के संबंध में सरकार जिम्मेदार नहीं होगी।

(ज) इसके अतिरिक्त कोई अन्य मामूली दोष जो कोई कार्यात्मक अक्षमता पैदा नहीं करता है और जो चिकित्सा अधिकारी / चिकित्सा बोर्ड की राय में एक अधिकारी या नौसैनिक के रूप में उम्मीदवार की दक्षता को प्रभावित न करता हो।

अनुबंध 'ग'एनडीए (वायु सेना) के लिए चिकित्सा मानक
(उड़ान और ग्राउंड ड्यूटी शाखाएं)सामान्य अनुदेश

1. इस खंड में एनडीए के माध्यम से भारतीय वायु सेना की उड़ान और ग्राउंड ड्यूटी शाखाओं में कमीशन प्रदान किए जाने के लिए उम्मीदवारों का शारीरिक मूल्यांकन करने के लिए मानकीकृत दिशानिर्देशों का वर्णन किया गया है। इन दिशानिर्देशों का प्रयोजन एक समान शारीरिक मानकों को निर्धारित करना और यह सुनिश्चित करना है कि उम्मीदवार स्वास्थ्य संबंधी वैसी स्थितियों से मुक्त हैं जो संबंधित शाखा में उनके कार्य-प्रदर्शन को बाधित या सीमित कर सकते हैं। इस खण्ड में वर्णित दिशानिर्देश नैदानिक परीक्षण के मानक तौर-तरीकों के साथ लागू किए जाने के लिए निर्धारित किए गए हैं।

2. अपने प्रवेशन के दौरान सभी उम्मीदवारों को बुनियादी शारीरिक फिटनेस मानक स्तर पूरे करने चाहिए जो उन्हें योग्यता के साथ प्रशिक्षण प्राप्त करने और बाद में अलग-अलग तरह की जलवायु परिस्थितियों और कार्य परिवेशों में सेवा करने में समर्थ बनाएगा। एक उम्मीदवार तब तक शारीरिक रूप से फिट मूल्यांकित नहीं किया जाएगा / जाएगी जब तक कि संपूर्ण परीक्षण यह नहीं दिखाता कि वह लंबी अवधि तक कठोर शारीरिक और मानसिक दबाव सहन करने के लिए शारीरिक और मानसिक तौर पर सक्षम है। चिकित्सा फिटनेस की अपेक्षाएं अनिवार्य रूप से सभी शाखाओं के लिए समान हैं, सिवाय उन वायुकर्मीदल के जिनके लिए पैनी नज़र एंथ्रोपोमीट्री और कुछ अन्य शारीरिक मानक स्तर के पैरामीटर और अधिक सख्त हैं।

3. उल्लिखित चिकित्सा मानक प्रारंभिक प्रवेश चिकित्सा मानकों से संबंधित हैं। प्रशिक्षण के दौरान चिकित्सा फिटनेस की निरंतरता का मूल्यांकन कमीशनिंग से पहले एनडीए/एएफए में आयोजित चिकित्सा परीक्षाओं की अवधि के दौरान किया जाएगा। बीमारियों के व्यापक स्पेक्ट्रम को देखते हुए वे संपूर्ण नहीं हैं। ये मानक वैज्ञानिक ज्ञान में उन्नति और सशस्त्र बलों की कार्य स्थितियों में बदलाव के साथ परिवर्तन के अधीन हैं।

4. **विशेष चिकित्सा बोर्ड के लिए प्रयोगशाला और रेडियोलॉजिकल जांच**

(क) **रुधिरविज्ञान:** पूर्ण हेमोग्राम (ह्यूमोग्लोबिन आकलन, विभेदक ल्यूकोसाइट गणना के साथ कुल ल्यूकोसाइट गणना, प्लेटलेट गणना)।

(ख) **हीमोग्लोबिनोपैथी** को बाहर करने के लिए कमीशन के लिए उम्मीदवारों में एचबी इलेक्ट्रोफोरेसिस किया जाएगा।

(ग) **जैव-रसायन:** यकृत कार्य परीक्षण (एलएफटी), वृक्क कार्य परीक्षण (आरएफटी), रक्त ग्लूकोज आकलन (75 ग्राम निर्जल ग्लूकोज / 82.5 ग्राम ग्लूकोज मोनोहाइड्रेट लोडिंग के बाद उपवास और दो घंटे), लिपिड प्रोफाइल।

(घ) **मूत्र नियमित परीक्षण** (आरई) और सूक्ष्म परीक्षण (एमई)।

(च) **ईसीजी**

(छ) **रेडियोलॉजी:-**

(i) सभी उम्मीदवारों में रेडियोग्राफ चेस्ट पीए दृश्य।

(ii) रेडियोग्राफ लिम्बोसैक्रल स्पाइन: सभी उम्मीदवारों में एपी और पार्श्व दृश्य।

- (iii) उपरोक्त रेडियोग्राफ के अतिरिक्त, उड़ान ड्यूटी के लिए मूल्यांकन किए जा रहे सभी उम्मीदवारों में ग्रीवा रीढ़ - एपी और पार्श्व दृश्य, पृष्ठीय रीढ़ - एपी और पार्श्व दृश्य भी किए जाएंगे।
- (iv) यूएसजी पेट और श्रोणि।
- (v) आवश्यक समझी जाने वाली कोई भी अन्य अतिरिक्त जांच अपील चरण के दौरान की जाएगी।

सामान्य शारीरिक मूल्यांकन

5. वायु सेना के लिए फिट होने के लिए प्रत्येक उम्मीदवार को आगे के पैराओं में निर्धारित न्यूनतम मानक स्तरों के अनुरूप होना अनिवार्य है। शारीरिक पैरामीटर स्वीकार्य रेंज के भीतर और समानुपातिक होने चाहिए।

6. पुराने फ्रैक्चर/चोटों के बाद के असर का मूल्यांकन किसी क्रियात्मक सीमाओं के लिए किया जाएगा। यदि कार्य पर कोई असर नहीं पड़ता तो उम्मीदवार को फिट मूल्यांकित किया जा सकता है। निम्नलिखित श्रेणियों का बारीकी से मूल्यांकन किया जाना चाहिए-

(क) रीढ़ की चोट रीढ़ के पुराने फ्रैक्चर के मामले अनफिट होने का कारण होते हैं। रीढ़ में आई कोई बाद की विकृति अथवा किसी कशेरूका (बर्टेब्रा) का दबा होना उम्मीदवार को अस्वीकृत किए जाने का एक कारण होगा।

(ख) नस की चोट अधिक बड़ी नसों के स्कंध में आई चोट जिससे कार्य प्रदर्शन में कमी आती हो अथवा न्यूरोमा (गांठ) बनना जिससे दर्द, काफी झुझुनी होती हो, उड़ान ड्यूटी में नियोजित किए जाने के लिए अनुपयुक्त होने के कारण होंगे।

(ग) केलॉइड बड़े या कई केलॉइड होने का मामला उम्मीदवार को अस्वीकृत किए जाने का एक कारण होगा।

(घ) शल्य क्रिया के निशान मामूली और अच्छी तरह भर चुके निशान जैसे कि किसी कृत्रिम शल्य क्रिया से बने निशान नियोजन के लिए अनुपयुक्त होने के कारण नहीं हैं। हाथ-पैर या धड़ पर घाव के बड़े निशान जिससे कार्य प्रदर्शन में बाधा आ सकती हो अथवा जो भेदे दिखते हों उन्हें अनफिट माने जाने का कारण मानना चाहिए।

(च) जन्मजात निशान हाइपो या हाइपर पिगमेंटेशन के रूप में असामान्य पिगमेंटेशन (झाइयां) स्वीकार्य नहीं है। तथापि स्थानिक जन्मजात तिल / नेवस स्वीकार्य है बशर्ते कि इसका आकार 10 से.मी. से छोटा हो। जन्मजात एकाधिक तिल (नेवस) या वाहिकीय रसौली (वैस्कुलर ट्यूमर) जिससे काम-काज में बाधा आती हो या जिसमें लगातार जलन होती हो, स्वीकार्य नहीं है।

(छ) त्वचा के नीचे सूजन लिपोमा (चर्बी की गांठ) फिट मानी जाएगी जब तक यह आकार/अवस्थिति की वजह से अधिक विरूपण/कार्य संबंधी नुकसान उत्पन्न न कर रही हो। न्यूरोफाइब्रोमा, यदि एक हो, तो फिट मानी जाएगी। बड़े कैफ्रे-ऑ-ले धब्बों (1.5 से.मी. आकार से बड़े या संख्या में एक से ज्यादा) से जुड़े एकाधिक न्यूरोफाइब्रोमा के मामले को अनफिट माना जाएगा।

(ज) ग्रीवा (गर्दन) की पसली (सर्वाइकल रिब) किसी न्यूरो-वैस्कुलर समस्या से रहित सर्वाइकल रिब स्वीकार्य होगी। ऐसे मामलों में कोई न्यूरो-वैस्कुलर की आशंका न होने के लिए बारीकी से नैदानिक परीक्षण किया जाना चाहिए। इसे चिकित्सा बोर्ड की कार्यवाही में प्रलेखित (दर्ज) किया जाना चाहिए।

(झ) खोपड़ी-चेहरे की (क्रानियो-फेशियल) विरूपता चेहरे और सिर का टेढ़ा-मेढ़ा होना अथवा खोपड़ी, चेहरे या जबड़े की ठीक न कराई गई विरूपताएं, जिनसे ऑक्सीजन मास्क, हेलमेट या सैन्य हेडगियरा सही तरीके से पहन पाने में दिक्कत आएगी, अनफिट होने का कारण मानी जाएंगी। ठीक करने के

लिए कराई शल्य-क्रिया (सर्जरी) के बाद भी रह गई बड़ी विरूपताओं को अनफिट होने का कारण माना जाएगा।

(ट) ऑपरेशनों से संबंधित इतिहास ऐसा उम्मीदवार, जिसका उदर (पेट) का ऑपरेशन हुआ हो, जिसमें बड़ी शल्य-क्रिया (सर्जरी) की गई हो अथवा कोई अंग अंशतः / पूरा निकाल दिया गया हो, एक नियम के रूप में, सेवा के लिए अनफिट है। खोपड़ी (क्रानियल वॉल्व) से जुड़ा ऑपरेशन, जिससे हड्डी का कोई दोष आ गया हो, अनफिट होने का कारण होगा। छाती के बड़े ऑपरेशन हुए होने पर उम्मीदवार अनफिट होगा।

माप और शारीरिक गठन

7. छाती का आकार और परिमाण छाती भली-भांति विकसित और समानुपातिक होनी चाहिए। छाती की कोई भी विकृति, जिससे प्रशिक्षण और सैन्य ड्यूटी के निष्पादन के दौरान शारीरिक परिश्रम में दिक्कत आने की आशंका हो अथवा जो सैन्य प्रभाव धारण करने में प्रतिकूल असर डालती हो अथवा हृदय-फेफड़ों या पेशी-कंकाल की किसी विसंगति से जुड़ी हो, अनफिट होने का कारण मानी जाएगी। उम्मीदवारों के कमीशन के लिए पुरुष उम्मीदवारों का न्यूनतम मान्य छाती का परिमाण 77 से.मी. है। सभी उम्मीदवारों के लिए छाती का फुलाव कम से कम 05 से.मी. होना चाहिए। प्रल्लेखन के प्रयोजनार्थ 0.5 से.मी. से कम कोई भी दशमलव अंश अनदेखा किया जाएगा, 0.5 को ऐसा ही दर्ज किया जाएगा और 0.6 से.मी. तथा इससे अधिक को 1 से.मी. के रूप में दर्ज किया जाएगा।

8. ऊंचाई

(क) ग्राउंड ड्यूटी शाखा- ग्राउंड ड्यूटी शाखाओं में प्रवेश के लिए न्यूनतम ऊंचाई इस प्रकार है-

- (i) पुरुष - 157 सें.मी.
- (ii) महिलाएं - 152 सें.मी.

नोट 1- लक्षद्वीप नृजातीय के उम्मीदवारों के लिए मान्य न्यूनतम ऊंचाई 02 सें.मी. (पुरुषों के लिए 155 सें.मी. तथा महिलाओं के लिए 150 सें.मी.) कम की जाती है। गोरखा तथा भारत के उत्तरी-पूर्वी क्षेत्र तथा उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों से संबंध रखने वाले उम्मीदवारों की न्यूनतम मान्य ऊंचाई 05 सें.मी. कम रहेगी। (पुरुषों के लिए 152 सें.मी. तथा महिलाओं के लिए 147 सें.मी.)

नोट 2- उत्तर-पूर्व तथा पहाड़ी राज्यों की नृजातियों जिनमें गोरखा, कुमाउनी, गढवाली, असामी तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा, सिक्किम तथा उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्र शामिल हैं।

(ख) उड़ान ड्यूटी शाखाएं उड़ान ड्यूटी शाखाओं में प्रवेश के लिए न्यूनतम ऊंचाई (पुरुष एवं महिला दोनों के लिए) इस प्रकार है:-

- (i) पायलट, उड़ान परीक्षण इंजीनीयर (एफटीई) तथा एसयू 30 एमकेआई के डब्ल्यू एस ओ के लिए -162 सें.मी.
- (ii) एफ (पी), एफटीई ड्यूटियां तथा एसयू 30 एमकेआई को छोड़ कर वायुकर्मी दल की ड्यूटियों के लिए आवेदन करने वाले अफसर तथा वायुसैनिक - 157 से.मी.

9. बैठे होने पर लंबाई, टांग की लंबाई और जांघ की लंबाई- ऐसे वायुकर्मीदल (एयरक्रू) के लिए टांग की लंबाई, जांघ की लंबाई और बैठे होने पर लंबाई इस प्रकार होगी :-

- (क) बैठे होने पर लंबाई न्यूनतम - 81.5 से.मी.
अधिकतम - 96.0 से.मी.
- (ख) टांग की लंबाई न्यूनतम - 99.0 से.मी.
अधिकतम - 120.0 से.मी.
- (ग) जांघ की लंबाई अधिकतम - 64.0 से.मी.

10. शरीर के वजन के पैरामीटर

(क) उम्मीदवारों के लिए स्वीकार्य वजन सीमा इस अध्याय के परिशिष्ट 'क' (पुरुष उम्मीदवारों के लिए) तथा परिशिष्ट 'ख' (महिला उम्मीदवारों के लिए) में उल्लिखित है। उम्मीदवार जिनकी आयु तथा ऊंचाई, दी गई वजन सीमा के बाहर है उनको स्वीकार नहीं किया जाएगा।

परिशिष्ट 'क'

(पैरा 8 एवं 10 देखें)

ऊंचाई चार्ट के लिए वजन : पुरुष (प्रवेश के समय)

ऊंचाई (से.मीटर)	न्यूनतम वजन (केजी)	अधिकतम वजन (कि.ग्रा. में)		
		पिछली जन्मतिथि पर आयु 20 वर्ष से कम	पिछली जन्मतिथि पर आयु 20 से 25 वर्ष	पिछली जन्मतिथि पर आयु 25 से अधिक
152	40	53	55	58
153	40	54	56	59
154	40	55	57	59
155	41	55	58	60
156	41	56	58	61
157	42	57	59	62
158	42	57	60	62
159	43	58	61	63
160	44	59	61	64
161	44	60	62	65
162	45	60	63	66
163	45	61	64	66
164	46	62	65	67
165	46	63	65	68
166	47	63	66	69
167	47	64	67	70
168	48	65	68	71
169	49	66	69	71
170	49	66	69	72
171	50	67	70	73
172	50	68	71	74

173	51	69	72	75
174	51	70	73	76
175	52	70	74	77
176	53	71	74	77
177	53	72	75	78
178	54	73	76	79
179	54	74	77	80
180	55	75	78	81
181	56	75	79	82
182	56	76	79	83
183	57	77	80	84
184	58	78	81	85
185	58	79	82	86
186	59	80	83	86
187	59	80	84	87
188	60	81	85	88
189	61	82	86	89
190	61	83	87	90
191	62	84	88	91
192	63	85	88	92
193	63	86	89	93
194	64	87	90	94
195	65	87	91	95
196	65	88	92	96
197	66	89	93	97
198	67	90	94	98
199	67	91	95	99
200	68	92	96	100

परिशिष्ट 'ख'
(पैरा 8 और 10 देखें)

ऊंचाई के लिए वजन चार्ट : महिला (प्रवेश के समय)

ऊंचाई (से.मीटर)	न्यूनतम वजन (केजी)	अधिकतम वजन (कि.ग्रा.)		
		पिछली जन्मतिथि पर जिनकी आयु 20 वर्ष से कम है	पिछली जन्मतिथि पर जिनकी आयु 20 से 25 के बीच है	पिछली जन्मतिथि पर जिनकी आयु 25 वर्ष से ऊपर का हो
147	37	45	48	51
148	37	46	48	51
149	37	47	49	52
150	37	47	50	53
151	37	48	50	54

152	37	49	51	54
153	37	49	51	55
154	38	50	52	56
155	38	50	53	56
156	39	51	54	57
157	39	52	54	58
158	40	52	55	59
159	40	53	56	59
160	41	54	56	60
161	41	54	57	61
162	42	55	58	62
163	43	56	58	62
164	43	56	59	63
165	44	57	60	64
166	44	58	61	65
167	45	59	61	66
168	45	59	62	66
169	46	60	63	67
170	46	61	64	68
171	47	61	64	69
172	47	62	65	70
173	48	63	66	70
174	48	64	67	71
175	49	64	67	72
176	50	65	68	73
177	50	66	69	74
178	51	67	70	74
179	51	67	70	75
180	52	68	71	76
181	52	69	72	77
182	53	70	73	78
183	54	70	74	79
184	54	71	74	80
185	55	72	75	80
186	55	73	76	81
187	56	73	77	82
188	57	74	78	83
189	57	75	79	84
190	58	76	79	85
191	58	77	80	86
192	59	77	81	87
193	60	78	82	88
194	60	79	83	88
195	61	80	84	89

कार्डियो वास्कुलर सिस्टम

11. नाड़ी (पल्स) लगातार साइनस टैकिकॉर्डिया (>100बीपीएम) तथा लगातार होने वाले साइनस ब्रेडिकार्डिया (<60 बीपीएम) को अनफिट माना जाएगा। यदि ब्रेडिकार्डिया शारीरिक मानी जाती है तो उम्मीदवार को चिकित्सा विशेषज्ञ / हृदय रोग विशेषज्ञ द्वारा जांच के उपरांत फिट घोषित किया जा सकता है।
12. रक्त चाप कोई व्यक्ति जिसका सिस्टोलिक रक्तचाप 140एमएमएचजी से अधिक या उसके बराबर रहता है और/या जिसका डायस्टोलिक रक्तचाप 90 एमएमएचजी से अधिक या उसके बराबर रहता है को अस्वीकृत किया जाएगा।
13. हृदय मर्मर आंगिक (ऑर्गेनिक) हृदय रोग का साक्ष्य अस्वीकार का कारण होगा। डायस्टोलिक मर्मर अपरिवर्तनीय रूप से आंगिक है। इजेक्शन सिस्टोलिक प्रकृति की छोटी सिस्टोलिक मर्मर और जो थ्रिल से जुड़ी नहीं है और जो खड़े होने पर समाप्त हो जाती है, विशेष तौर पर यदि वह सामान्य ईसीजी और छाती के रेडियोग्राफ से जुड़ा हो, ये अधिकतर कार्यात्मक होते हैं।
14. ईसीजी एसएमबी/भर्ती चिकित्सा जांच में पाई गई कोई भी ईसीजी संबंधी असामान्यता अस्वीकृति का कारण होगी। अपूर्ण आरबीबीबी, इनफिरियर लीड में टी वेब इनवर्जन, वी1 से वी3 में टी इनवर्जन (निरंतर जुवेनाइल पैटर्न), वोल्टेज मानदंड द्वारा एलवीएच (थिन चेस्ट वॉल के कारण) जैसी हल्की ईसीजी संबंधी असामान्यताएं बिना किसी संरचनात्मक हृदय रोग के विद्यमान होंगी। अंतर्निहित संरचनात्मक हृदय रोग को खारिज करने के लिए ऐसे सभी मामलों में इकोकार्डियोग्राफी की जानी चाहिए और वरिष्ठ परामर्शदाता (मेडिसिन) या हृदयरोग विशेषज्ञ की राय ली जानी चाहिए।
15. जन्मजात हृदय संबंधी असामान्यताएं सभी जन्मजात हृदय संबंधी असामान्यताएं को अनफिट घोषित किया जाएगा।
16. हृदय संबंधी सर्जरी तथा हस्तक्षेप विगत में किए गए हृदय संबंधी सर्जरी/हस्तक्षेप के इतिहास रखने वाले उम्मीदवार को अनफिट माना जाएगा।

श्वसन तंत्र

17. पल्मोनरी ट्यूबरक्यूलोसिस चेस्ट रेडियोग्राम में किसी प्रमाण्य अपारदर्शिता के रूप में दिए गए साक्ष्य, पल्मोनरी पैरेनकीमा या प्लेयूरा में कोई भी अवशिष्ट स्कारिंग अस्वीकार किए जाने का कारण होगा। पूर्व में इलाज किए गए मामले जिनमें कोई महत्वपूर्ण अवशिष्ट असामान्यता नहीं होती उसे तब स्वीकार किया जा सकता है जब निदान और इलाज दो वर्ष से भी अधिक पहले पूरा किया जा चुका हो।
18. एफ्यूज़न सहित प्लूरिसी प्लूरल स्थूलता का कोई भी साक्ष्य अस्वीकृति का कारण बनेगा। अपील के समय इन मामलों को पल्मोनोलॉजिस्ट/चिकित्सा विशेषज्ञ द्वारा उचित जांच के साथ विस्तृत मूल्यांकन किया जाएगा।
19. ब्रांकाइटिस खांसी /सांस लेने में घरघराहट/ ब्रांकाइटिस के बार-बार होने वाले रोगाक्रमण का इतिहास श्वसन पथ के क्रोनिक ब्रांकाइटिस या अन्य क्रोनिक पैथोलॉजी का लक्षण हो सकता है। ऐसे

मामलों को अनफिट घोषित किया जाएगा तथा पल्मोनोलॉजिस्ट/चिकित्सा विशेषज्ञ द्वारा अपील के समय उचित जांच के साथ विस्तृत मूल्यांकन किया जाएगा।

20. ब्रोंकियल अस्थमा ब्रोंकियल अस्थमा /सांस लेने में घबराहट /एलर्जिक राइनइटिस के बार-बार होने वाले रोगाक्रमण का इतिहास अस्वीकृति का कारण होगा।
21. चेस्ट का रेडियोग्राफ करना फेफड़ों, मीडिया स्टिनम और प्लूरा संबंधी रोगों के सुनिश्चित रेडियोलॉजिकल साक्ष्य उम्मीदवार को अनफिट घोषित करने का मापदंड होगा।
22. वक्षीय सर्जरी वक्ष के किसी बड़े भाग की सर्जरी का इतिहास रखने वाले उम्मीदवार को अनफिट माना जाएगा।

जठरांत्र (गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल) तंत्र

23. सिर से लेकर पांव तक की जांच लिवर कोशिका के खराबी के किसी लक्षण की मौजूदगी (अर्थात् बालों का झड़ना, पैरोटिडोमेगली, स्पाइडर नैवी, गाइनोकोमास्टिया, टेस्टीकुलर एट्रॉफी, फ्लैपिंग ट्रेमर आदि) तथा मालाब्सपर्शन का कोई भी साक्ष्य (पैलर, नाखून तथा त्वचा में बदलाव, एंगुलर चेलिटीस, पेडल एडेमा) अस्वीकार करने का आधार होगा।
24. गैस्ट्रो इओडेनल दिव्यांगता पहले हुई किसी सर्जिकल प्रक्रिया जिसमें किसी अंग (अवशेषांगों/पित्ताशय के अतिरिक्त)की आंशिक या कुल क्षति शामिल हो, तो उसे अस्वीकार कर दिया जाएगा।
25. लीवर के रोग यदि पूर्व में पीलिया (जॉण्डिस) होने का पता चलता है या यकृत (लीवर) के काम करने में किसी प्रकार की असामान्यता का संदेह होता है, तो मूल्यांकन के लिए पूरी जांच करना अपेक्षित है। वायरल यकृत-शोथ (हेपाटाइटिस)या पीलिया के किसी अन्य रूप से ग्रस्त उम्मीदवारों को अस्वीकृत कर दिया जाएगा। ऐसे उम्मीदवारों को 06 माह की न्यूनतम अवधि बीत जाने के बाद फिट घोषित किया जा सकता है बशर्ते उसकी नैदानिक रिकवरी (स्वास्थ्य लाभ) हो गई हो, एच बी वी और एच सी वी – दोनों स्थिति निगेटिव हो और यकृत (लिवर)सामान्य रूप से काम कर रहा हो। बार-बार पीलिया होने पर और किसी भी प्रकार की हाइपरबिलिरुबिनेमिया उम्मीदवार को अनफिट माना जाएगा।
26. प्लीहा (स्प्लीन) का रोग जिन उम्मीदवारों का आंशिक/पूर्ण प्लीहोच्छेदन (स्प्लीनेक्टोमी) हुआ हो, वे अनफिट होंगे चाहे ऑपरेशन का कारण कुछ भी रहा हो।
27. हर्निया कोई भी उदरीय भित्ति हर्निया अनफिट होने का कारण होगा। चाहे ओपन अथवा लैपरोस्कोपिक सुधार के 24 सप्ताह के बाद बाद शल्य-क्रिया (सर्जरी) के घाव के निशान जिस उम्मीदवार में अच्छी तरह भर चुके हों, उसे फिट माना जाएगा बशर्ते इसके दोबारा न होने का साक्ष्य हो और उदरीय भित्ति पेशी-विन्यास ठीक हो।
28. उदरीय शल्य-क्रिया (सर्जरी) प्रचलित उदरीय शल्य-क्रिया (सर्जरी) (दाहिने श्रोणी खात छेदन को छोड़कर पैरा 3.5.9 (ख) देखें) के बाद इसके घाव के निशान जिस उम्मीदवार में अच्छी तरह भर चुके हों, उसे 24

सप्ताह के बाद फिट माना जाएगा, बशर्ते किसी छुपी हुई विकृति के दोबारा उभरने की आशंका न हो, हर्निया में कोई चीरा न लगने का साक्ष्य हो और उदरीय भित्ति पेशी-विन्यास ठीक हो।

29. गुदा-मलाशय (एनोरेक्टल) स्थितियां जांच करने वाले को डिजिटल रेक्टल से जांच करनी चाहिए और बवासीर, बाहरी बवासीर, गुदा के त्वचा टैग, विदर, विवर, नालव्रण, भ्रंश, मलाशय पुंज या पॉलिप के न होने की बात सुनिश्चित करनी चाहिए।

(क) फिट

- (i) पॉलिप, बवासीर, विदर, नालव्रण या व्रण (अल्सर) के लिए मलाशय की शल्य-क्रिया (सर्जरी) के बाद बशर्ते बीमारी बची न होने/दोबारा न होने का प्रमाण हो।
- (कक) गुदा संबंधी फिशर, बवासीर : सर्जरी के 12 सप्ताह के बाद
- (कख) पाइलोनिडल साइनस : सर्जरी के 12 सप्ताह के बाद

(ख) अनफिट

- (i) सुधार के लिए शल्य-क्रिया (सर्जरी) के बाद भी मलाशय भ्रंश।
- (ii) सक्रिय गुदा संबंधी फिशर/बाहरी त्वचा संबंधी पट्टी
- (iii) बवासीर (बाहरी या भीतरी)
- (iv) गुदा संबंधी फिशटुला
- (v) गुदा या मलाशय का पॉलिप
- (vi) गुदा का निकुंचन
- (vii) मल असंयति

30. उदर की अल्ट्रासोनोग्राफी

(क) यकृत (लिवर)

फिट

- (i) यकृत (लीवर), सी बी डी, आई एच बी आर, पोर्टल तथा यकृत शिराओं की सामान्य ईको-एनाटोमी के साथ मध्य-जत्रुकी रेखा में यकृत का विस्तार 15 सेमी से अधिक न हो।
- (ii) 2.5 सेमी व्यास तक की एक अकेली साधारण रसौली (पुतली भित्ति, ऐनईकोइक) बशर्ते एल एफ टी सामान्य और हाइड्रेटिड सीरम नेगेटिव हो।
- (iii) यकृति कैल्सीकरण को फिट माना जाएगा यदि एक अकेला तथा 1 सेमी से कम आकार का हो और संगत नैदानिक परीक्षणों तथा उपयुक्त जांच के आधार पर तपेदिक, सार्काइडोसित, हाइड्रेटिड रोग या यकृत फोर्ड के सक्रिय न होने का प्रमाण हो।

अनफिट

- (i) मध्य-जत्रुकी रेखा में 15 सेमी से बड़ी यकृतिवृद्धि।
- (ii) फैटी लीवर
 - (कक) असामान्य एल एफ टी के होने पर ग्रेड 1 फैटी लीवर
 - (कख) ग्रेड 2 और ग्रेड 3 फैटी लीवर
- (iii) एकल रसौली • 2.5 सेमी।

- (iv) मोटी भित्ति, पटभवन (सेप्टेशन), अंकुरक प्रक्षेप, कैल्सीकरण और कचरे के साथ किसी भी आकार की एकल रसौली।
- (v) एकाधिक यकृति कैल्सीकरण या गुच्छ जो 1 सेमी से अधिक हो।
- (vi) किसी भी आकार की एकाधिक यकृति रसौली।
- (vii) आकार और अवस्थिति से अनपेक्षा कोई भी हीमेंजियोमा (रक्तवाहिकाबुर्द)।
- (viii) पोर्टल वेन थ्रम्बोसिस।
- (ix) प्रवेशद्वार पर अतिरिक्तदाब का प्रमाण (पी वी • 13 मिमी., समपार्श्वी, जलोदर)।

31. पित्ताशय (गॉल ब्लैडर)

(क) फिट

- (i) पित्ताशय (गॉल ब्लैडर) की सामान्य ईको-एनाटोमी।
- (ii) पोस्ट लेपरोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी आठ सप्ताह के बाद, बशर्ते कि एलएफटी और हिस्टोपैथोलॉजी सामान्य सीमा में हो।
- (iii) पोस्ट ओपन कोलेसिस्टेक्टोमी 24 सप्ताह के बाद, बशर्ते कि एलएफटी और हिस्टोपैथोलॉजी अल्ट्रासाउंडद्वारा उदर में पुष्टि की गई चीरा लगा हुआ हर्निया की मौजूदगी सामान्य स्थिति में है।

(2) अनफिट

- (i) कोलेलिथिआसिस या बिलिअरी स्लज।
- (ii) कोलेडोकोलिथिआसिस।
- (iii) किसी भी आकार की और किसी भी संख्या में पॉलिप।
- (iv) कोलेडॉकल रसौली।
- (v) गॉल ब्लैडर (पित्ताशय) समूह।
- (iv) पित्ताशय गॉल ब्लैडर भित्ति की मोटाई • 05 मिमी.
- (vii) सेप्टेट गॉल ब्लैडर।
- (viii) यू एस जी दोहराने पर लगातार सिकुड़ता पित्ताशय (गॉल ब्लैडर)।
- (ix) अधूरी कोलेसिस्टेक्टोमी।

- (ग) अल्ट्रासाउंड में न दिखने वाला पित्ताशय (गॉल ब्लैडर) अनफिट माना जाएगा। पित्त संबंधी ट्रैक्ट के किसी अन्य असामान्यता की मौजूदगी में अगर गॉल ब्लैडर के निकास की मैग्नेटिक रेसोनैन्स कॉलेनगिओ-पैनक्रिअटोग्राफी (एमआरसीपी) में पुष्टि करती है तो अपील के दौरान उन्हें फिट माना जाएगा।

32. प्लीहा (स्प्लीन)

(क) अनफिट

- (i) अनुदैर्घ्य अक्ष में 13 सेमी. से बड़ा प्लीहा (अथवा यदि नैदानिक रूप से सुस्पष्ट हो)।
- (ii) प्लीहा में जगह घेरने वाली कोई विक्षति।
- (iii) प्लीहाभाव
- (iv) ऐसे उम्मीदवार जिनकी आंशिक/पूर्ण स्प्लेक्टॉमी हुई है, ऑपरेशन का कारण कुछ भी हो, वे अफिट माने जाएंगे।

33. अग्न्याशय (पैंक्रियाज़)(क) अफिट

- (i) अक्षांशीय धुरी (लांगिट्यूडिनल एक्सिस) में प्लीहा 13 सेमी से अधिक हो (अथवा यदि चिकित्सीय रूप से सुस्पष्ट हो)
- (ii) प्लीहा में विक्षति को घेरने वाला कोई स्थान
- (iii) एस्प्लेनिया
- (iv) ऐसे उम्मीदवार जिनकी आंशिक/पूर्ण स्प्लेनेक्टॉमी हुई है, ऑपरेशन का कारण कुछ भी हो वे अफिट माने जाएंगे।

34. उदर आवरण गुहिका (पेरीटोनियल कैविटी)(क) अफिट

- (i) जलोदर
- (ii) सोलिटरी मेसेन्ट्रिक अथवा रेट्रोपेरीटोनियल लिंफ नोड 01 सेमी से बड़ा हो। (सिंगल रेट्रोपेरीटोनियल लिंफ नोड 01 सेमी से कम एवं बनावट में सामान्य होने पर फिट माना जाएगा)।
- (iii) किसी भी आकार के दो या अधिक लिंफ नोड
- (iv) कोई भी मास या सिस्ट

35. मेजर एब्डोमिनल वैस्क्युलेचर (आईवीसी)। कोई संरचनात्मक असामान्यता, फोकल एक्टेसिया, एन्यूरिज़्म एवं कैल्सिफिकेशन होने पर अफिट माना जाएगा।

36. एपेन्डीसेक्टॉमी

(क) न्यूनतम 04 सप्ताह की अवधि के पश्चात लेप्रोस्कोपिक एपेन्डीसेक्टॉमी की पोस्ट-ऑपरेटिव फिटनेस के लिए जांच की जाएगी। उम्मीदवार को फिट (फिट) समझा जाएगा, यदि:-

- (i) उसके शरीर की ऑपरेशन के बाद उस जगह के निशान (स्कार) अच्छे से भर गए हों।
- (ii) निशान (स्कार) सुनम्य हों।
- (iii) एक्यूट एपेंडिसाइटिस की हिस्टो-पैथोलॉजिकल रिपोर्ट उपलब्ध हो।
- (iv) यूएसजी के द्वारा पोर्ट साइट इनसिश्जनल हर्निया न होने की पुष्टि हो।

(ख) मांसपेशियों को अलग करके ओपन एपेंडिसेक्टॉमी (केवल दाहिने श्रोणिखात छेदन के द्वारा एपेंडिसेक्टॉमी) को न्यूनतम 12 सप्ताह की अवधि के पश्चात पोस्ट ऑपरेटिव फिटनेस के लिए मूल्यांकन किया जाएगा। उम्मीदवार को फिट (फिट) समझा जाएगा, यदि:-

- (i) घाव अच्छी तरह से भर गया हो।
- (ii) निशान (स्कार) सुनम्य और कमजोर (नॉन टेंडर) न हों।
- (iii) एपेंडिक्स की हिस्टो-पैथोलॉजिकल रिपोर्ट उपलब्ध हो।
- (iv) यूएसजी के द्वारा सर्जिकल साइट इनसिश्जनल हर्निया न होने की पुष्टि हो।

मूत्र-प्रजनन प्रणाली

निम्नलिखित फिटता मानदंडों का पालन किया जाएगा:-

37. अनडिसेंडेड टेस्टिस (यूडीटी) ऑर्किडेक्टॉमी**(क) अफिट**

(i) स्क्वेटिंग पोजीशन में उम्मीदवार की जांच हो जाने के बाद भी यदि टेस्टिस (एक पार्श्वी अथवा द्विपार्श्वी) स्पर्श न हो या छुआ न जा सकता हो।

(ii) ट्रॉमा, टॉर्शन अथवा इन्फेक्शन जैसे किसी भी कारण से द्विपार्श्वी ऑर्किडेक्टॉमी को अफिट माना जाएगा।

(ख) फिट

(i) सर्जरी के कम से कम 04 सप्ताह बाद प्रवर्ती अथवा प्रभावी रूप से ठीक हो चुका यूडीटी, बशर्ते कि शल्यचिकित्सा सुधार (सर्जिकल करेक्शन) के बाद टेस्टिस सामान्य स्थान पर हो एवं घाव अच्छी तरह से भर चुका हो।

(ii) सुसाध्य कारणों के लिए एकपार्श्वी ऑर्किडेक्टॉमी, बशर्ते कि दूसरा टेस्टिस आकार, स्थिरिकरण एवं स्थान की स्थिति में सामान्य हो।

38. एट्रोफिक टेस्टिस**(क) अफिट द्विपार्श्वी एट्रोफाइट टेस्टिस**

(ख) फिट सुसाध्य कारणों के लिए एकपार्श्वी एट्रोफिक टेस्टिस, बशर्ते कि दूसरा टेस्टिस आकार, स्थिरिकरण एवं स्थान की स्थिति में सामान्य हो।

39. वैरिकोसील**(क) अनफिट वर्तमान वैरिकोसील के सभी ग्रेड**

(ख) फिट ऑपरेशन के बाद वाले मामले जिनमें वैरिकोसील का कोई भी अवशेष न हो एवं सर्जरी के 08 सप्ताह बाद कोई ऑपरेशन पश्चात् समस्या अथवा टेस्टिक्युलर एट्रोफी न हो।

40. हाइड्रोसील

अनफिट किसी भी तरफ वर्तमान हाइड्रोसील

फिट सर्जरी के 08 सप्ताह बाद हाइड्रोसील के ऑपरेशन किए जा चुके मामले, यदि ऑपरेशन के बाद कोई भी समस्या न हो एवं घाव अच्छी तरह से भर गया हो।

41. एपिडिडायमल सिस्ट/मास, स्पर्मेटोसील**(क) अनफिट सिस्ट/ मास की वर्तमान उपस्थिति**

(ख) फिट ऑपरेशन के बाद के मामले जहां घाव ठीक तरह से भर गया है, जहां पुनरावृत्ति नहीं है और केवल तब जब हिस्टोपैथोलौजी रिपोर्ट सुसाध्य हो।

42. एपिडिडीइमाइटिस/ऑर्काइटिस**(क) अनफिट वर्तमान अथवा ऑर्काइटिस/ट्यूबरकुलोसिस की उपस्थिति।**

(ख) फिट उपचार के बाद, बशर्ते कि स्थिति पूर्ण रूप से सुधर गई हो।

43. एपिस्पैडियास/हाइपोस्पैडियास

अनफिट हाइपोस्पैडियास एवं एपिस्पैडियास के ग्लैनुलर प्रकार को छोड़कर जो कि स्वीकार्य है, सभी अफिट हैं।

फिट सफल सर्जरी के कम से 08 सप्ताह बाद के ऑपरेशन के बाद वाले मामले, बशर्ते स्वास्थ्य सुधार पूरा हो चुका हो एवं कोई भी समस्या न हो।

44. पेनाइल एम्प्युटेशन किसी भी प्रकार का अंग विच्छेदन उम्मीदवार को अफिट बना देगा।45. फिमोसिस

(क) अनफिट मौजूदा फिमोसिस, यदि स्थानीय स्वच्छता के साथ हस्तक्षेप के लिए पर्याप्त तनाव में हैं और बैलानाइटिस जिरोटिका ऑब्लिटरेस के साथ जुड़े या बचे हुए हैं।

(ख) फिट ऑपरेशन हो चुके मामलों को सर्जरी के 04 सप्ताह बाद फिट माना जाएगा, बशर्ते कि घाव अच्छी तरह से भर गए हों एवं ऑपरेशन के बाद किसी भी प्रकार की समस्या न देखी गई हो।

46. मीटल स्टेनोसिस

(क) अनफिट वर्तमान बीमारी, यदि वॉइडिंग में हस्तक्षेप करने के लिए पर्याप्त रूप से मामूली हो।

(ख) फिट वॉइडिंग में हस्तक्षेप न करने वाले सामान्य रोग एवं पर्याप्त रूप से भर चुके घाव एवं ऑपरेशन के बाद कोई समस्या न होने वाले सर्जरी के 04 सप्ताह की अवधि के बाद वाले मामले

47. स्ट्रिक्चर यूरेथ्रा, यूरेथ्रल फिस्टुला वर्तमान मामलों अथवा ऑपरेशन के बाद वाले मामलों का कोई भी इतिहास होने पर उम्मीदवार अफिट माना जाएगा।48. सेक्स रिसाइनमेंट सर्जरी/इंटरसेक्स स्थिति अफिट होंगे49. नेफ्रेक्टॉमी चाहे सर्जरी का प्रकार कुछ भी क्यों न हो, (सामान्य/उग्र/दाता/आंशिक/आरएफए/कायरो-ऐब्लेशन) चाहे कुछ भी हो, अफिट माने जाएंगे।50. रीनल ट्रांसप्लांट ग्राही अफिट होंगे51. यूरैकल सिस्ट: 08 सप्ताह (किसी भी अवशेष के न होने पर में फिट माने जाएंगे।52. ब्लैडर डायवर्टिक्युलम के मामलों को अनफिट माना जाएगा।53. पेशाब की जांच

(क) प्रोटीन्यूरिया प्रोटीन्यूरिया अस्वीकृति का एक कारण होगा, जब तक कि यह ऑर्थोस्टेटिक प्रमाणित न हो जाए।

(ख) ग्लाइकोसूरिया जब ग्लाइकोसूरिया का पता चलता है, एक ब्लड शुगर जांच (खाली पेट और 75 ग्राम ग्लूकोस के बाद) और ग्लाइको साइलेटिड हीमोग्लोबीन परीक्षण किया जाएगा, और परिणामों के आधार पर फिट (फिट) होने का निर्धारण होता है। रीनल ग्लाइकोसूरिया अस्वीकृति का कारण नहीं है।

(ग) मूत्र संक्रमण जब उम्मीदवार का मूत्र संक्रमण का इतिहास है या कोई प्रमाण है तब उसकी पूर्ण रीनल जांच की जाएगी। मूत्र संक्रमण का सतत प्रमाण अस्वीकृति का कारण होगा।

(घ) रक्तमेह (हेमेच्यूरिया) हेमेच्यूरिया के इतिहास वाले उम्मीदवार की पूर्ण रीनल जांच की जाएगी।

54. ग्लोमेरुलोनेफ्राइटिस

(क) एक्यूट – इस परिस्थिति में एक्यूट चरण में ठीक होने की उच्च दर होती है, विशेषकर बचपन में। कोई उम्मीदवार जो पूरी तरह ठीक हो चुका है और जिसे प्रोटीन्यूरिया नहीं है, को पूरी तरह ठीक होने के न्यूनतम एक वर्ष की अवधि के बाद फिट माना जाएगा।

(ख) पुराना (क्रोनिक)- क्रोनिक ग्लोमेरुलोनेफ्राइटिस वाले उम्मीदवार को अस्वीकार कर दिया जाएगा।

55. रीनल कैल्कुली- आकार, संख्या, अवरोधी अथवा गैर-अवरोधी के निरपेक्ष रीनल कैल्कुली का इतिहास (इतिहास अथवा रेडियोलॉजिकल प्रमाण) किसी उम्मीदवार को अनफिट बना देगा।

56. यौन संचारित रोग और ह्यूमन इम्युनो डेफिशिएंसी वायरस (एच आई वी) सीरोपॉजिटिव एच आई वी स्थिति और/या एस टी डी के प्रमाण वालों को अस्वीकार किया जाएगा।

57. पेट – यूरोजेनितल प्रणाली की अल्ट्रासोनोग्राफी

58. गुरदा, यूरेटर और यूरिनरी ब्लैडर

(क) अनफिट

(i) गुरदों या यूरिनरी ट्रैक्ट की जन्मजात ढांचागत असामान्यताएं

(कक) एक-पार्श्वी रीनल एगनेसिस

(कख) 08 से.मी. से कम आकार के एकपार्श्वी या द्विपार्श्वी हाइपोप्लास्टिक/ कॉन्ट्रैक्टेड गुरदा।

(कग) गुरदे का मालरोटेशन

(कघ) हॉर्सशू गुरदा (किडनी)

(कच) टॉस्ड गुरदा (किडनी)

(कछ) क्रॉस्ड फ्यूज्ड/एक्टोपिक गुरदा।

(ii) एक गुरदे में 1.5 से.मी. से अधिक आकार का सामान्य एकल रीनल सिस्ट।

(iii) जटिल सिस्ट/पॉलीसिस्टिक रोग/बहु या द्विपार्श्व सिस्ट।

(iv) रीनल/यूरेटरिक/वेसिकल मास।

(v) हाइड्रोनेफ्रोसिस या हाइड्रोयूरेटेरोनेफ्रोसिस।

(vi) कैल्कुली- रीनल/यूरेट्रिक/वेसिकल।

(vii) कैल्किटासिस

(ख) फिट

(i) एकल, एकपार्श्वी सामान्य रीनल सिस्ट <1.5 से.मी. बशर्ते सिस्ट बाहर स्थित है जो गोल/अंडाकार है जिसकी पतली चिकनी सतह है और कोई लोकल्यूकेशन नहीं है, पार्श्व भाग बढ़ा हुआ है, डिबरिस, सेप्टा और कोई ठोस घटक नहीं है।

अन्तःस्त्रावी (एंडोक्राइन) प्रणाली

59. एंडोक्राइन विकार संबंधी किसी भी प्रकार का सुझाया गया इतिहास न हो।

60. चिकित्सीय परीक्षण- एंडोक्राइन रोग के किसी भी चिकित्सीय प्रमाण वाला व्यक्ति अनफिट होगा।

61. थायरॉइड सूजन वाले सभी मामले अनफिट हैं। ऐसे मामलों की आरोग्यता संबंधी अपील मेडिकल बोर्ड में उपयुक्त जांच पड़ताल के साथ मूल्यांकन करने के बाद निर्धारित की जाएगी।

62. मधुमेह मैलिटस वाले उम्मीदवारों को अस्वीकार कर दिया जाएगा। मधुमेह के पारिवारिक इतिहास वाले उम्मीदवार के ब्लड शुगर (खाली पेट और 75ग्राम एनहाइड्रस/ 82.5 ग्राम मोनोहाइड्रेट ग्लूकोज ग्रहण के बाद) और एचबीए1सी की जांच की जाएगी, जिसका रिकॉर्ड रखा जाएगा।

त्वचाविज्ञान (डर्मेटोलॉजिकल) प्रणाली

63. संबद्ध इतिहास और परीक्षण - ऐसे उम्मीदवार जिनमें व्यावसायिक यौन कार्यकर्ता (सी एस डब्ल्यू) के साथ यौन संपर्क का इतिहास पता चलता है और एक निशान के रूप में लिंग पर चोट, जो भर गई है, का प्रमाण होता है, को स्थायी रूप से अनफिट घोषित किया जाएगा चाहे प्रत्यक्ष यौन संबंध नहीं हुए हों, क्योंकि ये उम्मीदवार समान संलिस संभोग व्यवहार के साथ संभावित 'पुनरावृत्ति' वाले हैं।
64. त्वचा रोगों का मूल्यांकन एक्यूट नॉन-एक्जैन्थिमेटस और विसंक्रामक रोग जो आमतौर पर अस्थायी समय के लिए होते हैं, अस्वीकृति का कारण नहीं होंगे। हल्की प्रकृति के रोग और जो सामान्य स्वास्थ्य के साथ हस्तक्षेप नहीं करते या अक्षमता पैदा नहीं करते, वे अस्वीकृति का कारण नहीं होते हैं।
65. ट्रॉपिकल परिस्थितियों में कुछ निश्चित त्वचा स्थितियों के सक्रिय और अयोग्यता वाले बनने की संभावना है। कोई व्यक्ति सेवा के लिए अनफिट है यदि उसमें क्रॉनिक या पुनरावृत्ति वाले त्वचा रोग का निश्चित इतिहास या लक्षण हैं। ऐसी कुछ परिस्थितियों का वर्णन नीचे किया गया है:-
66. पल्मोप्लांटर हाइपरहाइड्रोसिस पल्मोप्लांटर हाइपरहाइड्रोसिस की कुछ मात्रा शारीरिक है जिसमें उस परिस्थिति पर विचार किया जाता है जिसका सामना चिकित्सा जांच के दौरान भर्ती होने वाला व्यक्ति करता है। हालांकि विशिष्ट पल्मोप्लांटर हाइपरहाइड्रोसिस वाले उम्मीदवारों को अनफिट समझा जाना चाहिए।
67. एक्ले वल्गारिस- हल्के (ग्रेड-I) मुहांसे जिसमें कुछ कोमिडोन या पाप्यूलस जो केवल चेहरे तक सीमित होता है, स्वीकार्य हो सकता है। हालांकि, सामान्य से गंभीर डिग्री के मुहांसे (नोज्जूलोसिस्टिक प्रकार के या कीलोइडल दाग-धब्बों के साथ या बिना) या जिसमें पीछे का हिस्सा शामिल हो, को अनफिट माना जाएगा।
68. पल्मोप्लांटर केराटोडर्मा- हाइपरकेराटोइक हथेलियों, तलवों और एड़ियों पर फटी त्वचा के साथ जुड़ी पल्मोप्लांटर केराटोडर्मा की किसी डिग्री वाले को अनफिट समझा जाएगा।
69. इक्थियोसिस वल्गारिस- प्रमाणित सूखी, धारीधार, फटी त्वचा वाले ऊपरी और निचले अंगों की इक्थियोसिस वालों को अनफिट समझा जाएगा। हल्के जेरोसिस (सूखी त्वचा) वालों को फिट समझा जा सकता है।
70. केलॉइड वाले उम्मीदवारों को अनफिट समझा जाना चाहिए।
71. उंगलियों और पैरों के नाखूनों की क्लिनिकल प्रमाणित ओनिकोमाइकोसिस वालों को अनफिट घोषित किया जाएगा, विशेषकर यदि वे नाखून डिस्ट्रॉफी से जुड़े हैं। डिस्टल रंगहीनता वाले हल्के डिग्री के जिसमें एक नाखून जिसमें कोई डिस्ट्रॉफी नहीं है, को स्वीकार किया जा सकता है।
72. जाइंट कॉनजेनिटल मेलानोसाइटिक नीवी, जो 10 से.मी. से अधिक हैं को अनफिट समझा जाना चाहिए क्योंकि ऐसे विशाल आकार के नेवी में असाध्य क्षमता है।
73. एकल कॉर्न /वार्ट / कैलोसिटीज वालों को सफल उपचार के तीन माह बाद और पुनरावृत्ति न होने पर फिट समझा जाएगा। हालांकि हथेलियों और तलवों पर अनेक वार्ट/ कॉर्न/ कैलोसिटीज वाले उम्मीदवार अथवा हथेलियों और तलवों के दबाव वाले क्षेत्रों पर डिफ्यूस पल्मोप्लांटर मोसाइक बार्ट, विशाल कैलोसाइट्स वाले उम्मीदवारों को अस्वीकृत किया जाएगा।
74. सोरायसिस एक दीर्घकालिक त्वचा रोग है जो बार-बार हो जाता हो और या पुनः हो जाता है और इसलिए इसे अयोग्य(अयोग्य) समझा जाना चाहिए।
75. विटिलिगो - जिन व्यक्तियों को विटिलिगो होता है उन्हें अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए। अपील पर शरीर के ढके रहने वाले किसी-किसी हिस्से पर जहां विटिलिगो हो, तो उसे स्वीकार किया जा सकता है।
76. त्वचा संक्रमण के पुराने या पुनरावृत्ति प्रकरणों का इतिहास अस्वीकृति का कारण होगा। फॉलिकुलिटिस या सायकोसिस बारबे, जिससे पूरी तरह ठीक हो गया हो, को फिट माना जा सकता है।
77. ऐसे व्यक्ति जिनमें गंभीर या अक्षम करने वाली प्रकृति का त्वचा रोग जैसे एक्जिमा लगातार या बार-बार होता रहता है, उन्हें स्थायी रूप से अयोग्य माना जाएगा और अस्वीकृत किया जाएगा।

78. कुष्ठ रोग का कोई भी लक्षण अस्वीकृति का कारण होगा। सभी परिसरीय नसों की मोटाई के लिए जांच की जानी चाहिए और कुष्ठ रोग का संकेत देने वाला कोई भी नैदानिक साक्ष्य अस्वीकृति का आधार है।
79. नीवस डेपिगमेनटोसस और बेकर्स नीवस को फिट माना जा सकता है। इन्ट्राडर्मल नीवस, मांसपेशीय नीवी को अयोग्य समझा जाना चाहिए।
80. पिटिरियारिसस वर्निकलर को अयोग्य माना जाएगा पूरा तरह से उपचार किए जाने पर इन्हें अपील पर फिट समझा जा सकता है।
81. शरीर के किसी भी हिस्से में किसी भी प्रकार का फंगल इंफेक्शन होने पर अयोग्य समझा जाएगा। पूरी तरह उपचार किए जाने पर इन्हें अपील किए जाने पर फिट समझा जा सकता है।
82. स्क्रोटल एग्जिमा को ठीक होने पर फिट समझा जा सकता है।
83. कैनीटीस (असमय बालों का सफेद होना) को फिट समझा जाएगा यदि इसकी प्रकृति मध्यम है और इसमें कोई क्रमबद्ध संबंध देखने में न आए।
84. इंटरट्राइगो को स्वास्थ्यलाभ के बाद फिट समझा जाएगा।
85. सभी एसटीडी रोगों को अयोग्य समझा जाएगा।
86. खुजली(स्केबीज) को केवल स्वास्थ्यलाभ के उपरांत ही फिट समझा जाएगा।
87. त्वचा पर एलोपीसिया एरियाटा एकल और छोटा(2 से मी व्यास वाला) को स्वीकार किया जा सकता है। हालांकि यदि बहुल है जिसमें अन्य क्षेत्र भी शामिल हैं या स्केरिंग है तो आवेदक को अस्वीकार किया जाए।
88. गाइनेकोमेस्टिया: ऑपरेशन के बाद की अवधि के 12 सप्ताह बाद उम्मीदवारों को फिट माना जाएगा यदि:-
- (क) सर्जरी के घाव अच्छी तरह से ठीक हो गए हों और कोई बीमारी शेष न हो।
 - (ख) ऑपरेशन के बाद कोई समस्या न हो।
 - (ग) सर्जरी के निशान पर्याप्त रूप से ठीक हो जाने चाहिए और सैन्य प्रशिक्षण के दौरान कोई समस्या उत्पन्न होने की संभावना नहीं होनी चाहिए।
 - (घ) सामान्य व्यापक शारीरिक जांच।
 - (च) अंतस्त्रावी कार्यप्रणाली सामान्य हो।
89. पॉलीमेजिया- यदि सर्जरी के बाद कोई दिक्कत नहीं है और सर्जरी के घाव पूर्णतः ठीक हो गए हों और कोई बीमारी न हो तो उम्मीदवारों को ऑपरेशन की 12 सप्ताह की अवधि के बाद फिट माना जाएगा।

मास्क्युलोस्केलेटल प्रणाली और शारीरिक क्षमता

90. स्पाइनल परिस्थितियां : बीमारी का पिछला चिकित्सा संबंधी विवरण या सैक्रोइलियक जोड़ों या रीढ़ की जोड़ जो अदृश्य अथवा दिखाई देने वाले लक्षणों से युक्त हो, जिससे उम्मीदवार शारीरिक रूप से सफलतापूर्वक सक्रिय जीवन नहीं बिता पा रहा हो, को कमीशन के लिए निरस्त किया जाएगा। रीढ़ की हड्डी में फ्रेक्चर/ प्रोलेप्सड इंटरवर्टिब्रल डिस्क/रिकरेंट लंबेगो प्रोलेप्सड और इन परिस्थितियों के लिए शल्य चिकित्सा को अस्वीकार किए जाने के लिए आधार माना जाएगा।
91. क्लीनिकल जांच - सामान्य थोरेसिक काईफोसिस और सर्वाइकल/ लुम्बर लोर्डोसिस को कम आंका जाता है और दर्द में चलने में परेशानी से संबोधित नहीं होते।
- (क) यदि क्लीनिकल जांच पर स्पाइन संचालन में परेशानी विकृति स्पाइन में जकड़न या कोई चलने में असामान्यता पाई जाती है तो वह अयोग्य समझा जाएगा।

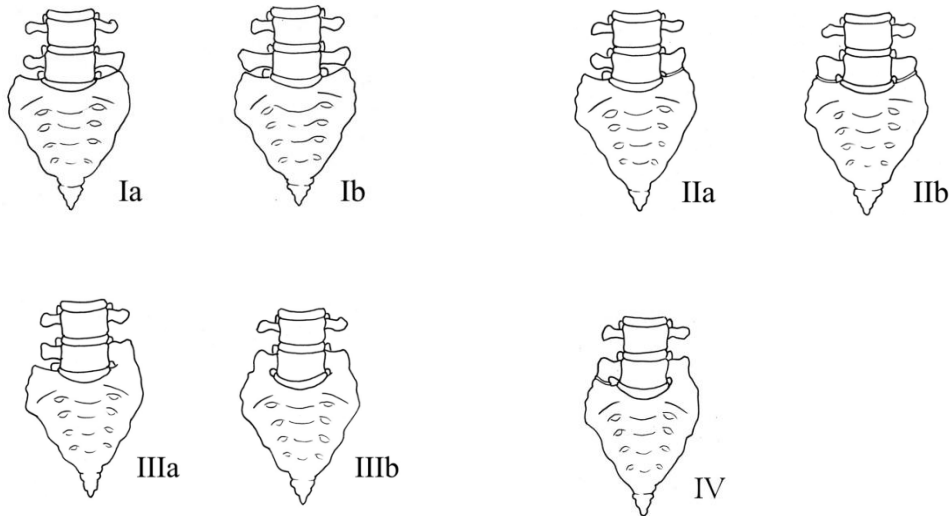
(ख) कुल काइफोसिस, जो मिलिट्री बियरिंग को प्रभावित करता है। स्पाइनल संचलन की पूर्ण रेंज को रोकता है और/या छाती के फुलाव को रोकता है, अयोग्य है।

(ग) जब स्कोलियोसिस का पता चलता है तब स्पाइन के उपर्युक्त भाग की रेडियोग्राफी जांच किए जाने की आवश्यकता है। स्कोलियोसिस वाला अयोग्य है यदि विकृति पूरे स्पाइन पर है जब यह स्पाइन संचलन की प्रतिबंधित रेंज से संबद्ध हो अथवा जोड़ा जाता है या जब यह एक आबद्ध पैथालॉजिकल कारण से होता है।

(घ) **स्पाइन बिफिडा**- क्लीनिकल जांच करने पर निम्नलिखित मार्करों पर विचार करना चाहिए और रेडियोलॉजिकल मूल्यांकन से संपुष्ट करना चाहिए:-

- (i) स्पाइन के ऊपर जन्मजात कमियां जैसे हाइपरट्राइकोसिस त्वचा के रंग में हल्कापन, हिमेनजिओमा, पिग्मेन्टिड नेवस या डर्मल साइनस।
- (ii) स्पाइन पर लिपोमा की मौजूदगी।
- (iii) पैलपेबल स्पाइना बिफिडा।
- (iv) न्यूरोलौजिकल जांच करने पर असामान्य निष्कर्ष।

92. लम्बोसैक्रल ट्रांजिशनल वर्टेब्रा के लिए कास्टेलवी वर्गीकरण(एलएसटीवी)।



लम्बोसैक्रल ट्रांजिशनल वर्टेब्रा के लिए कास्टेलवी वर्गीकरण एलएसटीवी

(क) **टाइप I** - बड़ी हुई और डिस्प्लास्टिक अनुप्रस्थ प्रक्रिया (क्रैनियोकांडल आयाम में कम से कम 19 मिमी चौड़ाई)।

1. I.(क) एकपक्षीय
2. I.(ख) द्विपक्षीय

(ख) **टाइप II** - अपूर्ण लम्बरिजेशन/सैक्रालिस्टियन के साथ अनुप्रस्थ प्रक्रिया और त्रिकास्थि का छद्म संधिकरण(स्यूडोआर्थ्रोसिस के साथ अनुप्रस्थ प्रक्रिया का विस्तार)

1. II (क) एकपक्षीय
2. II (ख) द्विपक्षीय

(ग) **टाइप III** - अनुप्रस्थ प्रक्रिया त्रिकास्थि के साथ जुड़ जाती है और पूर्ण कटिबंधन या त्रिकास्थि (पूर्ण संचलन के साथ बड़ी हुई अनुप्रस्थ प्रक्रिया) होती है।

1. III.(क) एकपक्षीय
2. III.(ख) द्विपक्षीय

(घ) **टाइप IV** - एक तरफ पर टाइप II और प्रतिपार्श्विक तरफ पर टाइप III

93. एयर फोर्स ड्यूटीज़ (फ्लाईंग और ग्राउंड ड्यूटी दोनों) के लिए स्पाइन सुबंधी दशाएं अनफिट:-

(क) कॉन्जेटिल/विकासात्मक कमियां

(i) वेज वर्टिब्रा

(ii) हेमिवर्टिब्रा

(iii) एन्टीरीयर सेंट्रल डिफेक्ट

(iv) सर्वाइकल रिब्स (एक पार्श्वी/द्वि पार्श्वी) डेमोन्स्ट्रेबल न्यूरोलॉजिकल या सर्कुलेटरी डेफिसिट सहित

(v) स्पाइना बिफिडा:- सेक्रम और एल वी 5 को छोड़कर (यदि पूर्णतः सैक्रलाइज़्ड है) सभी अयोग्य हैं।

(vi) सर्वाइकल लोर्डोसिस की क्षति के साथ तंत्रिका तंत्र संबंधी कमी

(vii) स्कॉलिओसिस का आंकलन. लंबर स्पाइन के लिए 10 डिग्री और डॉर्सल स्पाइन के लिए 15 डिग्री तक ईडियोपैथिक स्कॉलिओसिस स्वीकार्य होगा, बशर्ते कि:-

(क क) व्यक्ति में लक्षण न हों।

(क ख) रीढ़(स्पाइन) में चोट का कोई इतिहास न हो।

(क ग) लंबर स्पाइन में छाती की विषमता/कंधे का असंतुलन या पेल्विक तिरछापन न हो।

(क घ) कोई तंत्रिका तंत्र संबंधी कमी न हो।

(क च) रीढ़ में कोई जन्मजात असंगति न हो।

(क छ) सिंड्रोमिक विशेषताएं न हों।

(क ज) ई सी जी सामान्य हो।

(क झ) रीढ़ के पूर्ण लचीलेपन पर कोई विकृति विद्यमान न हो।

(क ट) गति संबंधी कोई निर्बन्धन न हो।

(क ठ) संरचनात्मक असामान्यता उत्पन्न करने वाला कोई अंग संबंधी दोष न हो।

(viii) एटलांटो-ओसीपिटल और एटलांटो-एक्शियल विसंगतियां।

(ix) किसी भी स्तर पर अपूर्ण खंड केशेरूका।

(x) एक से अधिक स्तर पर पूर्ण खंड केशेरूका। (एकल स्तर स्वीकार्य है। ए एफ एम एस एफ-2 में व्याख्या की जाएगी)।

(xi) लंबोसेकरल ट्रांजिशनल वर्टिब्रा/केशेरूका(एलएसटीवी) : एकतरफा सैक्रलाइजेशन या लम्बराइजेशन (पूर्ण या अपूर्ण) और दोतरफा अधूरा सैक्रलाइजेशन या लम्बराइजेशन (एल एस टी वी- कास्टेवली टाइप II (ए) और (बी), III ए और IV) एल वी 5 का दोतरफा पूर्ण सैक्रलाइजेशन और एस वी 1, कास्टेवली टाइप III बी और टाइप I ए और बी दोतरफा पूर्ण लम्बराइजेशन स्वीकार्य है (ए एफ एं एस एफ-2 में व्याख्या की जाएगी)।

(xii) स्पोंडिलोलिसिस/ स्पोंडिलोलिस्थिसिस

(xiii) केशेरूकाओं की भीतरी डिस्क का आगे खिसकना

(xiv) शमोरल नोड्स एक से अधिक स्तर पर

(ख) दर्दनाक स्थितियां

(i) स्पोंडिलोलिसिस/ स्पोंडिलोलिस्थिसिस

(ii) केशेरूकाओं का संपीडित होकर टूटना

(iii) केशेरूकाओं की भीतरी डिस्क का आगे खिसकना

(iv) एक से अधिक स्तर पर शमोरल नोड्स

(ग) संक्रामक

(i) तपेदिक और रीढ़ की अन्य ग्रेनुलोमेटस बीमारी (पुरानी या सक्रिय)

(ii) संक्रामक स्पॉन्डिलाइटिस

(घ) स्व प्रतिरक्षक (ऑटो इम्यून)

(i) संधिशोथ और संबद्ध विकार

(ii) एंकीलोसिंग स्पॉन्डिलाइटिस

(iii) रीढ़ के अन्य संधिशोथ संबंधी विकार जैसे पॉलीमायोसाइटिस, एस एल ई. और वास्कुलिटिस।

(च) अपक्षीय

(i) स्पोंडिलोसिस

(ii) अपक्षीय जोड़ के विकार

(iii) अपकर्षक कुंडल (डिस्क) रोग

(iv) ऑस्टियोआर्थ्रोसिस/ ऑस्टियोआर्थराइटिस

(v) श्यूरमेन की बीमारी (किशोरावस्था काइफोसिस)

(छ) कोई अन्य रीढ़ की हड्डी की असामान्यता, यदि विशेषज्ञ द्वारा ऐसा माना जाता है।

ऊपरी अंगों के आकलन को प्रभावित करने वाली शर्तें

94. ऊपरी अंगों का विच्छेद एवं विकृतियां- ऊपरी अंगों या उनके अंगों की विकृति अस्वीकृति का कारण होगी। जिन उम्मीदवारों के अंगों अथवा अंगुलियों सहित शारीरिक अंगों के किन्हीं हिस्सों में विच्छेदन होगा उनको प्रवेश के लिए स्वीकार नहीं किया जाएगा।

95. उंगलियां और हाथ - विकृतियों और मूवमेंट की सीमा को अनुपयुक्त माना जाएगा।

(क) पोलीडैक्टिली - ऑपरेशन होने के 12 सप्ताह बाद फिट घोषित किया जा सकता है जबकि रेडियोग्राफ पर हड्डी में कोई असामान्यता नहीं है (एक्स रे), घाव पूरी तरह से भर गया है, निशान या दाग हल्के पड़ गए हैं तथा चिकित्सीय जांच करने पर न्यूरोमा का कोई सबूत नहीं मिलता हो।

(ख) सिम्पल सिन्डैक्टिली - ऑपरेशन होने के 12 सप्ताह बाद फिट घोषित किया जा सकता है जबकि रेडियोग्राफ पर हड्डी में कोई अपसामान्यता नहीं है, घाव पूरी तरह भर गया है, निशान या दाग हल्के पड़ गए हैं तथा पर्याप्त वेबस्पेस है।

(ग) जटिल (काम्पलेक्स) सिन्डैक्टिली - अयोग्य।

(घ) हाइपरएक्सटेन्सिबल फिंगर ज्वाइंट- सभी उम्मीदवारों की हाइपरएक्सटेन्सिबल फिंगर ज्वाइंट के लिए भली प्रकार से जांच की जानी चाहिए। अंगुलियों के 90 डिग्री से अधिक पीछे की ओर मुड़ने के किसी भी विकार को

हाइपरएक्सटेन्सिबल समझा जाएगा और अयोग्य माना जाएगा। अन्य जोड़ों जैसे घुटना, कुहनी, रीढ़ (मेरुदण्ड) और अंगूठे की भी हाइपरलैक्सिटी/हाइपरमोबिलिटी के लक्षणों के लिए सावधानीपूर्वक जांच की जानी चाहिए। यद्यपि हो सकता है कि व्यक्ति में अन्य जोड़ों में हाइपरलैक्सिटी के लक्षण दिखाई नहीं दें, तथापि अंगुलियों के जोड़ों के हाइपर एक्सटेन्सिविलिटी के आईसोलेटिड प्रेजेन्टेशन को अयोग्य समझा जाएगा क्योंकि बाद में विभिन्न बीमारियां प्रकट हो सकती हैं जबकि ऐसे उम्मीदवारों को कड़ा शारीरिक प्रशिक्षण दिया जाता है।

(च) **मैलेट फिंगर (अंगुली)**- डिस्टल इंटरफैलेन्जियल जोड़ पर एक्सटेन्सर मैकेनिज्म के न होने से मैलेट फिंगर (अंगुली) होता है। क्रोनिक मैलेट विकृति के कारण प्रॉक्सिमल इंटर-फैलेन्जियल (पी आई पी) और मेटाकार्पो-फैलेन्जियल (एम सी पी) में गौण बदलाव हो सकते हैं जिसके फलस्वरूप कॉम्प्रोमाइज्ड हैन्ड फंक्शन हो सकता है। डिस्टल इंटर-फैलेन्जल (डीआईपी) जोड़ी में गति की सामान्य सीमा 0-80 डिग्री होती है और पी आई जी जोड़ फ्लेक्शन और एक्सटेंशन दोनों में 0-90 डिग्री होता है। मैलेट फिंगर में उम्मीदवार अंगुलियों के डिस्टल फैलॉन्स को पूरी तरह फैलाने/सीधा करने में असमर्थ होता है।

(i) माइल्ड अवस्था वाले उम्मीदवार अर्थात् बिना किसी आघात, दबाव के लक्षण और किसी भी कार्यात्मक, किसी भी सबूत के बिना 10 डिग्री से कम एक्सटेंशन लैग योग्य घोषित किया जाएगा।

(ii) अंगुलियों में स्थाई विकृति वाले उम्मीदवारों को अयोग्य घोषित किया जाएगा।

96. कलाई- कलाई की दर्दरहित सीमा का आकलन कठोरता की डिग्री के अनुसार किया जाएगा। डोर्सिफ्लेक्शन का नुकसान पामर फ्लेक्शन के नुकसान से ज्यादा गंभीर है।

97. कोहनी- हरकत की थोड़ी सी सीमा स्वीकृति में बाधा नहीं डालती, बशर्ते कि कार्यात्मक क्षमता पर्याप्त हो। एंक्लोसिस अस्वीकृति का कारण होगा। क्यूबिट्स वैल्गस तब मौजूद होता है जब कैरिंग एंगल (शारीरिक मुद्रा में बांह और अग्रबाहु के बीच का कोण) धिक होता है। कार्यात्मक अक्षमता और फ्रैक्चर मैल न्यूनियन, फाइब्रोसिस या इसी तरह के स्पष्ट कारण की अनुपस्थिति में, पुरुष में 15 डिग्री और महिला उम्मीदवारों में 18 डिग्री तक का कैरिंग एंगल फिर किया जाएगा।

98. कोहनी के जोड़ पर हाइपरएक्सटेंशन: व्यक्तियों में स्वाभाविक रूप से हाइपरएक्सटेंडिड कोहनी हो सकती है। यह स्थिति कोई मेडिकल समस्या हो सकती है, लेकिन यह फ्रैक्चर या क्रोनिक दर्द का कारण हो सकता है, खासकर सैन्य आबादी में दबाव और तनाव को देखते हुए। इसके अलावा कोहनी को तटस्थ स्थिति के 10 डिग्री के भीतर वापस लाने में असमर्थता दैनिक जीवन में गतिविधियों में बाधा डालती है।

क) मापन पद्धति - गोनियोमीटर का उपयोग करके मापा जाता है।

ख) संस्तुति - सामान्य कोहनी विस्तार 0 डिग्री है। यदि रोगी के जोड़ों में चोट का कोई इतिहास नहीं है तो 10 डिग्री तक हाइपरएक्सटेंशन सामान्य सीमा के भीतर है। 10 डिग्री से अधिक हाइपरएक्सटेंशन वाले किसी भी व्यक्ति को अयोग्य माना जाना चाहिए।

99. पांच (5) डिग्री से अधिक का क्यूबिट्स वेरस अनफिट होगा।

100. क्यूबिट्स रिकवैटिम/मुड़ी हुई कोहनी > 10 डिग्री से अधिक मुड़ी हुई कोहनी अनफिट है।

101. कंधे की पट्टी- सुधारात्मक सर्जरी सहित या उसके बिना कंधे के बार-बार डिस्लोकेशन का इतिहास होना अनफिट होगा।

102. क्लेवीकल- पुराने फ्रैक्चर का न जुड़ना अस्वीकृति का कारण होगा। बिना किसी कार्य की असमर्थता और स्पष्टविकृति के क्लेविकल का गलत तरह से जुड़ा फ्रैक्चर स्वीकार्य है।

निचले अंगों के मूल्यांकन को प्रभावित करने वाली स्थितियां

103. > 20 डिग्री से अधिक कोण और बिना किसी डिग्री के पहले-दूसरे मेटाटार्सल कोण के साथ हॉलक्स वैल्गस अनुपयुक्त है। बूनियन, कॉन्स या कैलिओसिटी के साथ किसी भी डिग्री का हॉलक्स अनफिट है।

104. हॉलक्स रिजिडस सेवा के लिए अनफिट है।

105. लक्षण सहित पृथक् एकल फ्लेक्सिबल माइल्ड हैमर हो स्वीकार किया जा सकता है। कॉर्न्स, कॉलोसिटीज, मैलेज टोप या मेटा-टार्सो फैलेजियल जोड़ पर पाइपर एक्सटेंशन (पंजा पैर की विकृति) से जुड़ी फिक्स्ड (रिजिड) विकृति या हैमर टो को अस्वीकार किया जाना चाहिए।

106. किसी भी अंगुली/अंगूठे की क्षति अस्वीकृति मानी जाएगी।

107. निचले अंगों या उनके भागों की विकृति अस्वीकृति का कारण होगी। अंग या पैर की अंगुलियों सहित अंग के किसी भी हिस्से के विच्छेदन वाले उम्मीदवार प्रवेश हेतु स्वीकार्य नहीं होंगे।

108. पेस प्लेनस (चपटे पैर)

(क) यदि पंजों पर खड़े होने पर पैरों की ऑर्क पुनः दिखने लगती है, यदि उम्मीदवार पंजों पर उछल सकता हो और अच्छी तरह से दौड़ सकता हो और यदि पैर लचीले, गतिशील और दर्दरहित हों तो उम्मीदवार स्वीकार्य है।

(ख) कठोर या स्थिर फ्लैट फीट, ग्रॉस फ्लैट फीट, प्लेनोवेलगास के साथ, एडी का बाहर की ओर मुड़ा होना, पैरों की अंगुलियों पर खुद को संतुलित न कर पाना, पंजों के बल कूद न सकना, दर्दनाक टर्सल जोड़, टैल्स का प्रोमिनेंट हैड अनफिट माना जाएगा। पैर की हरकतों की असमर्थता भी अस्वीकृति का कारण होगा। पैर की कठोरता चाहे पैर का आकार कैसा भी हो, अस्वीकृति का कारण होगा।

109. पेस कैवस और टेलीपेस (क्लब फुट) बिना किसी कार्यात्मक सीमा के कम डिग्री वाला इंडियोपैथिक पेस कैवस स्वीकार्य है। मध्यम और गंभीर पेस कैवस और जैविक बीमारी के कारण पेस कैवस अस्वीकार्य होगा। टेलीपेस (क्लब फुट) के सभी मामलों को अस्वीकार्य कर दिया जाएगा।

110. टखने के जोड़- पिछली चोटों के कारण किसी गतिशीलता की कोई भी महत्वपूर्ण असमर्थता स्वीकार्य नहीं होगी। जहां भी आवश्यक हो इमेजिंग के साथ कार्यात्मक मूल्यांकन किया जाना चाहिए।

111. घुटने का जोड़- किसी भी प्रकार की लिगामेंट संबंधी शिथिलता स्वीकार्य नहीं है। जिन उम्मीदवारों ने ए सी एल पुनर्निर्माण सर्जरी करवाई हो वे अनफिट माने जाएंगे।

112. जेनु वेलगम (घुटने का मुड़ना). इंटरमैलेओलर दूरी पुरुषों में पांच सेंटीमीटर से अधिक और महिलाओं में आठ सेंटीमीटर से अधिक होने पर अनफिट माना जाएगा।

113. जेनु वेलगम बो लेग्स. इंटरकांडाइलर दूरी सात से. मी. से भी अधिक को अनफिट माना जाएगा।

114. जेनु रिकरवेट्स यदि घुटने का हाइपर एक्सटेंशन 10 डिग्री के भीतर है और कोई अन्य विकृति नहीं है तो उम्मीदवार को फिट माना जाएगा।

115. कूल्हे के जोड़ में वास्तविक घाव या गठिया के प्रारंभिक लक्षण अस्वीकृति को दर्शाते हैं।

ठीक हुए फ्रैक्चर.

116. इंट्रा-आर्टिकुलर फ्रैक्चर. सभी इंट्राआर्टिकुलर फ्रैक्चर विशेष रूप से प्रमुख जोड़ों (कंधा, कोहनी, कलाई, कूल्हे, घुटने और टखने) सर्जरी सहित या सर्जरी के बिना, प्रत्यारोपण सहित या प्रत्यारोपण के बिना अनफिट माने जाएंगे।

117. एक्स-ट्राआर्टिकुलर फ्रैक्चर.

(क) पोस्ट-ऑपरेटिव इम्प्लांट इन-सिटु के साथ सभी अतिरिक्त आर्टिकुलर फ्रैक्चर को अनफिट माना जाएगा और इम्प्लांट हटाने के कम से कम बारह सप्ताह के बाद फिटनेस के लिए विचार किया जाएगा।

(ख) चोट के बाद सभी लंबी हड्डियों (ऊपरी और निचले दोनों अंग) की अतिरिक्त आर्टिकुलर चोटों के बाद मूल्यांकन पर विचार करने के लिए नौ महीने की न्यूनतम अवधि होगी जिसका परंपरागत तरीके से प्रबंधन किया गया है। उम्मीदवार को फिट माना जाएगा यदि:

(i) मॉल अलाइनमेंट(कुसंरेखण)/ मॉल यूनियन (कुसंयोजन) का कोई साक्ष्य न हो।

(ii) कोई न्यूरो वासकुलर कमी न हो।

(iii) कोई सॉफ्ट टिशू क्षति न हो।

(iv) कोई कार्यात्मक कमी न हो।

(v) ऑस्टियोमाइलाइटिस/ सेक्वेस्ट्रा बनावट के कोई साक्ष्य न हो।

118. परिधीय संवहन प्रणाली

119. वेरिकोज वेन्स – सक्रिय वेरिकोज वेन्स वाले सभी मामलों को अनफिट घोषित किया जाएगा। वेरिकोज वेन्स के ऑपरेशन के बाद के मामले भी अनफिट समझे जाएंगे।

120. धमनी प्रणाली- धमनियों और रक्त वाहिकाओं की असामान्यताओं का वर्तमान या इतिहास उदाहरणार्थ धमनी विकार, धमनीशोथ और परिधीय धमनी रोग को अनफिट माना जाएगा।

121. लिम्फोएडेमा- किसी पुरानी/वर्तमान बीमारी का इतिहास किसी उम्मीदवार को अनफिट कर देता है।

केंद्रीय तंत्रिका प्रणाली

122. मानसिक बीमारी का इतिहास. मानसिक बीमारी/मनोवैज्ञानिक रोग का इतिहास प्रस्तुत करने वाले उम्मीदवार को अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

123. मनोवैज्ञानिक रोग का पारिवारिक इतिहास- जब पारिवारिक इतिहास में मनोवैज्ञानिक रोगों जैसे नर्वस ब्रेक डाउन, मानसिक बीमारी या करीबी रिश्तेदार की आत्महत्या का पता चलता है तो मनोवैज्ञानिक दृष्टि से व्यक्तिगत पूर्व इतिहास की सावधानीपूर्वक जांच प्राप्त की जानी चाहिए। व्यक्तिगत इतिहास या वर्तमान स्थिति में थोड़ी सी मनोवैज्ञानिक अस्थिरता का प्रमाण अस्वीकृति का कारण होगा।

124. एपिलेप्सी का पारिवारिक इतिहास- अगर किसी करीबी रिश्तेदार में एपिलेप्सी का इतिहास प्राप्त होता है, तब उम्मीदवार को अनफिट ठहराया जाएगा और अपील के समय यथोचित जांच के साथ विस्तृत मूल्यांकन किया जाएगा।

125. प्रचंड अथवा 'स्पंदित' सिरदर्द और माइग्रेन- किसी उम्मीदवार को इतना प्रचंड माइग्रेन हो कि उसे डॉक्टर से परामर्श लेना पड़ा हो, अस्वीकृति का कारण हो सकता है। माइग्रेन का साधारण सा दौरा जिसमें देखने में समस्या आई हो अथवा माइग्रेनयुक्त मिरगी हो, अनफिट करार दिया जाएगा।

126. दौरे और ऐंठन- किसी उम्मीदवार में मिर्गी (एपिलेप्सी) का इतिहास अस्वीकृति का कारण हो सकता है। दौरे बेहोशी का रूप ले सकते हैं और इसलिए 'बेहोशी' की आवृत्ति और जिन परिस्थितियों में बेहोशी हुई हो, उसका उल्लेख किया जाना चाहिए। ऐसे दौरे उम्मीदवार को अनफिट घोषित करेंगे, उनकी आवृत्ति चाहे जो भी हो। किसी भी आइसोलेटेड बेहोशी के दौरे के लिए कारकों की जांच की जरूरत होती है ताकि बेहोशी और दौरे के बीच फर्क किया जा सके। जटिल आंशिक दौरे उम्मीदवार को अनफिट ठहराए जाने के मानदंड हैं।

127. हीट स्ट्रोक (लू लगना)- हीट स्ट्रोक को बार-बार होने वाले दौरों का इतिहास, हाइपरपाइरेक्सिया अथवा लू लगने पर होने वाली थकान वायु सेना कार्य में नियोजन में बाधा उत्पन्न करता है, क्योंकि यह दोषपूर्ण विनियमन तंत्र का एक प्रमाण है। लू लगने का कोई भी गंभीर हमला/ अटैक प्रभाव डालता है बशर्ते कि एक्सपोजर का इतिहास गंभीर रहा हो और कोई स्थायी परिणाम के साक्ष्य न हों, अपने आप में उम्मीदवार को अयोग्य ठहराए जाने की वजह नहीं है।

128. सिर में चोट या आघात- सिर में गंभीर चोट/ खोपड़ी का फ्रैक्चर/ अंतर-कपालीय क्षति का इतिहास या कैल्वेरिया में कोई अवशिष्ट हड्डी दोष अस्वीकृति का कारण है। बर होल्स की उपस्थिति अस्वीकृति का कारण होगी।

129. मनोविकृति- मनोविकृति से पीड़ित सभी उम्मीदवारों को अस्वीकृत कर दिया जाएगा। किसी भी रूप में दवाओं पर निर्भरता भी अस्वीकृति का एक कारण होगा।

130. साइकोन्यूरोसिस- मानसिक रूप से अस्थिर और विक्षिप्त व्यक्ति कमीशन प्रदान किए जाने के लिए अनफिट है। किशोर और वयस्क अपराध, तंत्रिका संबंधी विकार (नर्वस ब्रेक डाउन) अथवा लंबी बीमारी का इतिहास भी अस्वीकृति का कारण है।

131. जैविक तंत्रिका संबंधी स्थितियां- तंत्रिका संबंधी कोई भी कमी अस्वीकृति का कारण होगी।

132. कंपन - पुनर्मूल्यांकन के उपरांत भी निरंतर कंपन होते रहने पर उम्मीदवार को अनफिट ठहराया जाएगा। अपील किए जाने पर केवल पैथोलॉजिकल कंपन उम्मीदवार को अनफिट ठहराएंगे।

133. हकलाना - हकलाने वाले उम्मीदवारों को अनफिट घोषित किया जाएगा। हकलाना अनफिट घोषित किया जाएगा भले ही पहली बार अपील के दौरान मेडिकल बोर्ड द्वारा इसका पता चले।

134. परिवार अथवा स्वयं उम्मीदवार में मानसिक विकार का कोई इतिहास होना या बौद्धिक, भावनात्मक या आचरण संबंधी विकार या मनःशारीरिक विकारों को अनफिट घोषित किया जाएगा और अपील के दौरान मनोरोग चिकित्सक द्वारा विस्तृत मूल्यांकन और उपयुक्त जांच के अधीन होगा।

135. हाइपरस्टोसिस फ्रंटेलिस इंटरना को किसी अन्य मेटाबॉलिक असामान्यता के न होने पर फिट माना जाएगा।

कान, नाक और गला

136. नाक और पैरा-नेसल साइनस

क) नाक की बाह्य विकृति या नेसल सेप्टम की विसामान्यता

(i) अनफिट- नाक की सकल बाह्य विकृति जो चिह्नित सेप्टल विसामान्यता के परिणामस्वरूप कॉस्मेटिक विकृति अथवा मुक्त श्वसन में बाधक होती है।

(ii) अपील करने पर- पर्याप्त खुले वायुमार्ग के साथ हल्की विसामान्यता/ विचलन के साथ पोस्ट सुधारात्मक सर्जरी, सर्जरी के 4 सप्ताह बाद स्वीकार्य होगी।

(ख) सेप्टल छिद्रण- अनफिट।

(i) अपील पर- कोई भी पूर्ववर्ती सेप्टल छिद्रण/ पश्चवर्ती सेप्टल छिद्रण सबसे बड़े आयाम में 01 से.मी. से अधिक होने पर अस्वीकृति का आधार है। कोई सेप्टल छिद्रण जो नाक की विकृति, नाक की पपड़ी, एपिस्टेक्सिस अस्वीकृति का आधार हो सकती है।

(ग) एट्रोफिक राइनाइटिस- अनफिट।

(घ) अलर्जिक राइनाइटिस/ वासोमोटर राइनाइटिस का संकेत देने वाले किसी भी इतिहास/ क्लिनिकल साक्ष्य को अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए।

(च) पैरा-नेसल साइनस के किसी भी संक्रमण को अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए। अपील मेडिकल बोर्ड में सफल उपचार के बाद ऐसे मामलों को स्वीकार किया जा सकता है।

(छ) नेसल पोलिपोसिस- अनफिट (उपचारित या अनुपचारित)

137. मौखिक गुहिका/ कैविटी-

(क) अनफिट:

(i) ल्यूकोप्लाकिया, एरिथ्रोप्लाकिया, सबम्यूकोस, फाइब्रोसिस, एंजिलोग्लोसिया और ओरल कार्सिनोमा के वर्तमान/ ऑपरेशन किए मामले।

(ii) वर्तमान मुंह के अल्सर/ वृद्धि और श्लेष्म प्रतिधारण सिस्ट।

(iii) किसी भी कारण ट्रिस्मस।

(iv) शल्य चिकित्सा सुधार के बाद क्लेफ्ट पैलेट।

(ख) फिट

(i) सर्जरी के चार सप्ताह बाद मुंह का अल्सर पूरी तरह ठीक हो गया हो, जिसमें हिस्टोपैथोलॉजी साबित हो।

(ii) म्यूकस रिटेंशन सिस्ट के ऑपरेट किए मामले जिनमें पुनरावृत्ति और प्रमाणित सौम्य हिस्टोपैथोलॉजी न हो। ऐसे मामलों में सर्जरी के कम से कम चार सप्ताह बाद मूल्यांकन किया जाना चाहिए।

(iii) तालू की उप-क्षेप्य झिल्ली में सूजन जिसमें बिफिड खुला हो या न हो, जिससे यूस्टेशियन ट्यूब में शिथिलता न आए, ई एन टी द्वारा स्वीकार किया जा सकता है बशर्ते कि पी टी ए टिम्पेनोमेट्री और स्पीच/ वाणी सामान्य हो।

138. ग्रसनी और स्वर यंत्र- निम्नलिखित स्थितियां अनफिट हैं:-

(क) ग्रसनी का कोई अल्सर/ बड़ा घाव।

(ख) वे उम्मीदवार जिनमें टॉन्सिलेक्टोमी के लक्षण हों। ऐसे उम्मीदवारों को सफल सर्जरी के कम से कम दो सप्ताह बाद स्वीकार किया जा सकता है बशर्ते कि कोई सिक्कल और सुसाध्य हिस्टोलॉजी हो।

(ग) क्लेफ्ट तालू।

(घ) ग्रसनी या स्वरयंत्र की कोई अक्षम करने वाली स्थिति जिसके कारण लगातार स्वर फट/ बैठ रहा हो या डिस्फोनिया हो।

(च) क्रोनिक लेरेनजाइटिस, वोकल कॉर्ड पाल्सी, लैरेन्जील पॉलिप्स और वृद्धि।

139. यूस्टेशियन ट्यूब डिस्फंक्शन- यूस्टेशियन ट्यूब के कार्य में रुकावट या कमी अस्वीकृति का कारण होगी। सेवारत उम्मीदवारों में स्वीकृति से पहले एल्टीट्यूड चैंबर कान क्लीयरेंस परीक्षण किया जाएगा।

140. टिनिटस- अनफिट।

141. मोशन सिकनेस के प्रति संवेदनशीलता- मोशन सिकनेस के प्रति किसी भी संवेदनशीलता के लिए विशेष जांच की जानी चाहिए। इसके लिए एएफएमएसएफ-2 में पृष्ठांकन किया जाना चाहिए। ऐसे मामलों का पूर्ण मूल्यांकन किया जाएगा और मोशन सिकनेस के प्रति संवेदनशीलता पाई गई तो उन्हें उड़ान ड्यूटियों के लिए अस्वीकृत कर दिया जाएगा। किसी भी कारण से परिधीय वेस्टीबुलर डिस्फंक्शन का कोई भी प्रमाण अस्वीकृति का कारण होगा।

142. श्रवण क्षति- निम्नलिखित स्वीकार्य नहीं हैं-

(क) सीवी या एफडब्ल्यू में श्रवण तीक्ष्णता 600 से.मी. से कम।

(ख) पीटीए पर 250 और 8000 हर्टज के बीच आवृत्तियों में 20 डीबी से अधिक श्रव्यतामितीय/ ऑडियामेट्रिक क्षति।

143. बाह्य कान- बाह्य कान के निम्नलिखित दोषों को अनफिट घोषित किया जाना चाहिए :-

(क) पिन्ना की गंभीर विकृति जो वर्दी/ व्यक्तिगत किट/ सुरक्षात्मक उपकरण पहनने में बाधा उत्पन्न करती है, अथवा जो सैन्य आचरण पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है।

(ख) क्रोनिक ओटिस एक्सटर्ना के मामले।

(ग) कोई भी स्थिति (कान का मैल, बाह्य श्रवण का अट्रेसिया/ संकीर्ण होना या रसौली, नलिका कनाल की अतिरंजित टेढ़ी-मेढ़ी बनावट, बाह्य श्रवण कनाल की हड्डीदार वृद्धि) जो टिम्पेनिक झिल्ली के उचित दृश्य को रोकती हो।

(घ) बाह्य श्रवण कनाल में ग्रेनुलेशन या पॉलिप।

144. **मध्य कान**— मध्य कान की निम्नलिखित दशाएं अस्वीकृति का कारण होंगी :-

(क) **ओटिटिस मीडिया**— वर्तमान में किसी भी प्रकार का ओटिटिस मीडिया अस्वीकृति का कारण होगा। यदि किसी पुरानी ओटिटिस मीडिया के हील होने के साक्ष्य मिलते हैं (टिम्पेनोसिलेरिओसिस के रूप में/स्कार्ड टिम्पेनिक मेम्ब्रेन केवल टिम्पेनिक मेम्ब्रेन के पार्स टेन्सा को प्रभावित कर रहा हो) तथा टिम्पेनोप्लास्टी/मिरिंगोटमी के सभी ऑपरेशन के मामलों की जाँच ईएनटी विशेषज्ञ द्वारा की जाएगी। वे सभी तब स्वीकृत किए जाएंगे जब प्योर टोन ऑडियोमेट्री (पी टी ए) और टिम्पेनोमेट्री सामान्य होंगे। अपील करने पर, यदि एयर क्रू, ए टी सी/ एफ सी , सबमैरिन/ डाइवर्स के लिए सूचित किया गया हो, डिक्म्पेशन चेंबर का ट्रायल किया जाएगा।

(ख) किसी भी प्रकार की टीएम परफोरेशन या टिम्पेनिक मेम्ब्रेन के पार्स फ्लेसिडा में ठीक हुआ परफोरेशन/ रिट्रैक्शन अनफिट माना जाएगा।

(ग) न्यूमेटिक ऑटोस्कोपी पर टीएम मोबिलिटी में माकर्ड रिट्रैक्शन में बाधा।

(घ) टाइप 'ए' टिम्पेनोग्राम के अलावा कोई दूसरा पैटर्न दिखाने वाली टिम्पेनोमेट्री।

(च) किसी भी प्रकार का श्रवण यंत्र जैसे कि कॉकलीयर इम्प्लांट, बोन एंकर हियरिंग ऐड इत्यादि।

(छ) मध्य कान की सर्जरी के बाद जैसे कि स्टेपिडक्टमी, ओसिकुलोप्लास्टी या किसी भी प्रकार की मास्टोइडक्टमी।

145. **कान की विविध दशाएं** – कान की निम्नलिखित दशाएं अस्वीकृति का कारण होंगी:-

- (1) ओटोसकेलेरोसिस
- (2) मिनियर्स डिज़ीज़
- (3) वेस्टीबुलर ओरिजिन के निस्टेगमस सहित वेस्टीबुलर डिसफंक्शन
- (4) कान के संक्रमण के बाद होने वाली बेल्स पाल्सी

ऑपथेलमिक सिस्टम

146. **क्लीनिकल एकजामिनेशन फाइंडिंग्स**

(क) जो उम्मीदवार चश्मा पहनते हैं या जिन्हें दृष्टि दोष है, उनकी जांच उचित तरीके से की जानी चाहिए। भेंगेपन(स्किन्ट) के सभी मामले अनफिट माने जाएंगे।

(ख) **टोसिस**

(i) जो उम्मीदवार निम्नलिखित मापदंडों को पूरा करते हैं वे फिट हैं।

(कक) माइल्ड टोसिस

(कख) क्लीयर विजुअल एक्सिस

(कग) नॉर्मल विजुअल फील्ड

(कघ) अबेरेंट डीजनरेशन/हेड टिल्ट/हॉर्नर सिन्ड्रोम के कोई लक्षण न हो।

(ii) अन्य सभी मामले – अनफिट।

(iii) अपील करने पर- वे उम्मीदवार जिन्होंने सर्जिकल करेक्शन किया है, को फिटमाना जा सकता है बशर्त कि सर्जरी के बाद एक वर्ष बीत गया हो और कोई पुनरावृत्ति न हुई हो, उपरिलिखित मापदंड पूरे हो रहे हों और ऊपरी पलक सुपीरियर लिंबस से 02 मि.मि से अधिक नीचे न हो।

(ग) एक्सट्रोपिया- अनफिट।

(घ) एनिसोकोरिया- यदि पुतलियों के बीच का अंतर 01 मि.मि से कम है, तो उम्मीदवार को अनफिट माना जाएगा।

(च) हेटेरोक्रोमिया इरिडीस- अनफिट।

(छ) स्फिन्सटर टीयर्स - यदि पुतलियों के बीच का अंतर 01 मि.मि से अधिक है, तो उम्मीदवार को फिटमाना जा सकता है, प्यूपिलरी रिफ्लेक्सेस कॉर्निया, लेंस या रेटिना में कोई पथोलोजी नहीं हो और ब्रिस्क हो।

(ज) सूडोफेकिया- अनफिट

(झ) ब्लेफेराइटिस- ब्लेफेराइटिस वाले उम्मीदवार, विशेषतः जिनकी पलकें न हों, को अस्वीकृत किया जाए।

(ट) इक्ट्रोपियन/एनट्रोपियन - इन मामलों को अनफिट किया जाए। अपील करने पर, माइल्ड इक्ट्रोपियन और एनट्रोपियन जो नेत्र रोग विशेषज्ञ के मतानुसार दैनिक कार्यों में बाधा उत्पन्न नहीं करेगा, को फिटकिया जा सकता है।

(ठ) टेरिजियम- टेरिजियम के सभी मामलों को अनफिट किया जाए। अपील करने पर, रिग्रेसिव नॉन-वेस्कूलराइज्ड टेरिजियम जो पेरिफेरल कॉर्निया पर 1.5 मि.मि के बराबर या उससे अधिक जगह ले रहा हो, को नेत्र रोग विशेषज्ञ द्वारा स्लिट लैंप पर जांचने के बाद फिटकिया जा सकता है।

(ड) निस्टेगमस- निस्टेगमस के सभी मामले केवल फिजियोलॉजिकल निस्टेगमस को छोड़ कर अनफिट माने जाएं।

(त) नेसो-लेक्रिमल डक्ट ओकल्शन जो इपिफोरा या म्यूकोसील निर्मित करते हैं अस्वीकृति का कारण होगा।

(थ) सक्रिय यूवेइटिस (इरिटिस, साइक्लीटिस एवं कोरोडिटिस) अयोग्यता का कारण होंगे। इस स्थिति के पूर्व में होने के कारण भी उम्मीदवार को अनफिट ठहराया जा सकता है।

(द) कॉर्निया

(i) अनफिट

(कक) कॉर्नियल स्कार्स/ओपैसिटिज़

(कख) कोई भी उम्मीदवार जिसे प्रोग्रेसिव कॉर्नियल डिस्ऑर्डर हो जैसे कि कॉर्नियल डाइस्ट्रोफिस, केराटोकोनस, केराटोग्लोबस, कोई भी कॉर्नियल डिजनरेशन हो।

(कग) कोई सक्रिय कॉर्नियल डिस्ऑर्डर

(ii) अपील करने पर, कॉर्नियल स्कार स्वीकार्य है यदि वह देखने में बाधा उत्पन्न न करें।

(ध) लेंटिकुलर अपारदर्शिता- अनफिट

अपील करने पर

(i) अनफिट - कोई भी लेंटिकुलर अपारदर्शिता, जिससे दृश्य/विजुयल क्षति उत्पन्न होती है, अथवा जो विजुअल एक्सिस या सेंट्रल एरिया में पुतलियों के आसपास 04 मि.मि के क्षेत्र में है वह अनफिट है। अपारदर्शिता की प्रवृत्ति आकार और संख्या में न बढ़े इसका भी ध्यान रखा जाना चाहिए।

- (ii) **फिट-** जन्मजात नीले बिंदु मोतियाबिंद के समान आंखों की छोटी स्टेनरी (स्थिर) लेंटिकुलर अपारदर्शिता जो विजुअल अक्ष/विजुअल एक्सिस/विजुअल क्षेत्र को प्रभावित न करती हो (संख्या 10 से कम हो और 04 मि.मि का केन्द्रीय क्षेत्र स्पष्ट होना चाहिए)।

(प) **ऑप्टिक नर्व ड्यूसेन** – अनफिट

(फ) **हाई-कप-डिस्क अनुपात:** यदि निम्नलिखित में से कोई स्थिति विद्यमान हो तो उम्मीदवार को अनफिट घोषित किया जाएगा-

- (i) कप डिस्क अनुपात में >0.2 इंटर-आई एसिमेट्री (विषमता)
- (ii) ऑप्टिकल कोहेयरेंस टोमोग्राफी (ओ सी टी) पर आर एफ एन एल विश्लेषण द्वारा दिखाई देने वाला रेटिनल नर्व फाइबर लेयर (आर एफ एन एल) दोष।
- (iii) विजुअल फील्ड विश्लेषक द्वारा विजुअल फील्ड दोष का पता लगाया गया।

(ब) विजुअल सिम्प्टम के साथ माइग्रेन कोई गंभीर ऑक्यूलर समस्या नहीं है और इसे पैरा 124 के अनुसार जांचा जाना चाहिए।

(भ) चूंकि रतौंधी का टेस्ट नियमित रूप से नहीं किया जाता है इसलिए प्रत्येक मामले में उम्मीदवार को रतौंधी नहीं होने का प्रमाणपत्र देना होगा। प्रमाणपत्र इस अध्याय के **परिशिष्ट ग** के अनुसार होना चाहिए। रतौंधी होने का प्रमाणित मामला अनफिट है।

(म) किसी भी दिशा में आंखों की पुतली की गति का प्रतिबंध तथा आंखों की पुतली का अनुचित संकुचन/फैलाव, अनफिट होने का कारण है।

(य) **रेटिनल घाव-** रेटिना परिधि में एक छोटा ठीक हो चुका कोरियो-रेटिनल निशान जो दृष्टि को प्रभावित नहीं करता तथा किसी अन्य जटिलता से संबंधित नहीं है, फिट माना जाएगा। इसी प्रकार, परिधि में कोई छोटा जालीदार निशान जिसमें कोई अन्य जटिलता नहीं है उसे फिटमाना जाएगा। सेंट्रल फंडूस में कोई घाव होने पर अनफिट माना जाएगा।

(र) **लैटिस डिजनरेशन**

(i) निम्नांकित लैटिस अपविकास (लैटिस डिजनरेशन) होने पर उम्मीदवार को अनफिट ठहराया जाएगा:-

- (कक) किसी एक या दोनों आँखों में एकल परिधिक/वृत्ताकार लैटिस का विस्तार 2 घंटे से अधिक तक होना।
- (कख) किसी एक या दोनों आँखों में दो परिधिक/वृत्तकार लैटिस में से प्रत्येक का विस्तार 1 घंटे से अधिक होना।
- (कग) रेडियल लैटिसिज़।
- (कघ) एट्रोफिक होल/फ्लैप टियर्स (अनलेज़र्ड) के साथ कोई लैटिस।
- (कच) इक्वेटर के पीछे लैटिस अपविकास (डिजनरेशन)।

(ii) लैटिस अपविकास (लैटिस डिजनरेशन) से प्रभावित उम्मीदवार निम्नलिखित अवस्थाओं में फिटमाने जाएंगे :-

- (कक) एक या दोनों आँखों में दो घंटे से कम समय तक की छिद्र रहित एकल सर्कमफेरेंशियल लैटिस।
- (कख) दो छिद्र रहित सर्कमफेरेंशियल लैटिस, जिनमें प्रत्येक का विस्तार एक या दोनों आँखों में दो घण्टे से कम समय तक हो।
- (कग) पोस्ट-लेजर डिलिमिटेशन, एकल सर्कमफेरेंशियल लैटिस का बिना छिद्र/फ्लैप टीयर के एक या दोनों आँखों में दो घंटे से कम समय तक विस्तार।
- (कघ) पोस्ट लेजर डिलिमिटेशन, दो सर्कमफेरेंशियल लैटिस बिना छिद्र/फ्लैप टीयर के प्रत्येक का एक या दोनों आँखों में एक घंटे से कम समय में विस्तार होता हो।

(ल) **केराटोकोनस** - केराटोकोनस अनफिट है।

147. दृश्य तीक्ष्णता/वर्णांधता— इस अध्याय के परिशिष्ट 'घ' में दृश्य तीक्ष्णता और वर्णांधता आवश्यकताओं का विवरण दिया गया है। जो इन अपेक्षाओं के पूरा नहीं करते, उन्हें अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

148. मायोपिया (दूर दृष्टि दोष)

(क) यदि निर्धारित दृश्य सीमा से बाहर हो तो अनफिट।

(ख) यदि उपयुक्त दृश्य तीक्ष्णता स्वीकार्य सीमा के भीतर भी हो तो अनफिट अगर-

- (i) उच्च मायोपिया का पिछला पारिवारिक इतिहास है, विशेष रूप से जब यह दृष्टि दोष हाल में ही हुआ है।
- (ii) यदि शारीरिक विकास अभी भी प्रत्याशित है।
- (iii) यदि फंडुस की उपस्थिति प्रोग्रेसिव मायोपिया का सूचक है।

149. रिफ्रेक्टिव सर्जरी- वायुसेना की सभी शाखाओं में कमीशन प्रदान करने के लिए जिन उम्मीदवारों ने केरेटोरिफ्रेक्टिव सर्जरी (पी आर के, लेसिक, फेमटो लेसिक, स्माइल अथवा समतुल्य प्रक्रियाएं) करवाई हैं उनका निपटान इस प्रकार है-

(क) फिट

- (i) पैरा 146 के परिशिष्ट 'घ' में शाखा के लिए निर्धारित की गई दृश्य आवश्यकताओं को पूरा करने वाले भा वा से के उम्मीदवार। उन शाखाओं के लिए जहां सुधारात्मक अपवर्तक त्रुटियों की अनुमति है वहां ऐसी प्रक्रिया के बाद अवशिष्ट अपवर्तक ± 1.0 डी एसपीएच या सी वाई एल से अधिक नहीं होना चाहिए।
- (ii) केरेटोरिफ्रेक्टिव सर्जरी 20 वर्ष की आयु से पहले नहीं होनी चाहिए।
- (iii) अनकॉम्प्लिकेटेड स्टेबल केरेटोरिफ्रेक्टिव सर्जरी के बाद जिसमें पूर्व में यह न हुई हो अथवा जटिलता को कोई साक्ष्य न हो, कम से कम 12 महीने बीत गए हों।
- (iv) आँख की अक्षीय लंबाई 26 एम एम से अधिक नहीं होनी चाहिए जैसा कि आई ओ एल मास्टर द्वारा मापा जाता है।
- (v) केरेटोरिफ्रेक्टिव सर्जरी के बाद कॉर्नियल पेचीमीटर से मापे जाने पर कॉर्निया की मोटाई 450 माइक्रोन से कम नहीं होनी चाहिए।

(ख) अनफिट

- (i) रिफ्रेक्टिव गलतियों के सुधार के लिए रेडियल केरेटोटॉमी सर्जरी।
- (ii) केरेटोरिफ्रेक्टिव सर्जरी के पहले उच्च रिफ्रेक्टिव त्रुटि (>6 डी) वाले उम्मीदवार।

150. मोतियाबिंद की सर्जरी - आई ओ एल इम्प्लांट के साथ अथवा इसके बिना मोतियाबिंद की सर्जरी करवाने वाले उम्मीदवार को अनफिट माना जाएगा।

151. अन्य क्षेत्र सर्जरी- उम्मीदवार ने इम्प्लांटेबल कोलामर लेस (आई सी एल) , ट्रेबेक्यूलेक्टोमी, ग्लूकोमा सर्जरी इम्प्लांट्स के साथ या बिना, राइबोफ्लेविन के साथ कार्निअल कॉलेजन क्रॉस-लिंगिंग, इंटेक्स, किसी भी प्रकार का इंटरा ऑक्यूलर इंजेक्शन, रेटिनल सर्जरी आदि करवाई है तो उसे अनफिट घोषित किया जाएगा।

ऑक्यूलर मांसपेशी संतुलन

152. भेंगे व्यक्ति को कमीशन प्रदान नहीं किया जाएगा।

153. वायुकर्मी के मामले में छुपे हुए भेंगेपन अथवा हीटीरोफोरिया का मूल्यांकन मुख्य रूप से फ्यूजन क्षमता के मूल्यांकन पर आधारित होगा। अच्छे फ्यूजन संवेदन से तनाव और थकान में भी दोनों आंखों की दृष्टि सुनिश्चित होती है।

(क) कन्वर्जेंस (जैसा कि आर ए एफ नियम पर मूल्यांकन किया जाता है)

(i) ऑब्जेक्टिव कन्वर्जेंस

(कक) 10 सेमी तक - योग्य

(कख) 10 सेमी से अधिक - अनफिट

- (ii) सब्जेक्टिव कन्वर्जेंस यह कन्वर्जेंस के दाब में द्विनेत्री विजन के अंतिम सिरों को दर्शाता है। यदि सब्जेक्टिव कन्वर्जेंस, ऑब्जेक्टिव कन्वर्जेंस की सीमा से अधिक 10 सेमी से ज्यादा होता है तो फ्यूजन क्षमता खराब होती है। यह विशेषतः तब होता है जब ऑब्जेक्टिव कन्वर्जेंस 10 सेमी और इससे अधिक होता है।

(ख) समंजन (अकॉमडेशन)— मायोप्स के मामले में करैक्टिव चश्मा ठीक से लगा कर ही समंजन (अकॉमडेशन) का मूल्यांकन किया जाएगा। विभिन्न आयु वर्गों में समंजन (अकॉमडेशन) के स्वीकार्य मान सारणी 1 में दिए गए हैं।

सारणी -1 समंजन (अकॉमडेशन) मान - आयुवार

आयु (वर्षों में)	17-20	21-25	26-30	31-35	36-40	41-45
समंजन (सेमी में)	10-11	11-12	12.5-13.5	14-16	16-18.5	18.5-27

154. नेत्र (ऑक्यूलर) मांसपेशी संतुलन, गत्यात्मक होता है और एकाग्रता, चिंता, थकान, हाइपॉक्सिया, ड्रग और मदिरा के कारण बदलता रहता है। उपर्युक्त जांच को अंतिम मूल्यांकन के लिए साथ में देखा जाएगा। नेत्र (ऑक्यूलर) मांसपेशी संतुलन के मूल्यांकन के मानक इस अध्याय के परिशिष्ट 'च' में दिए गए हैं।

155. मीडिया (कॉर्निया, लेंस, विट्रियस) अथवा फंडूज में पाई गई कोई क्लिनिकल जांच परिणाम जो कि पैथोलॉजिकल प्रवृत्ति की हो और जिसके बढ़ने की संभावना हो, वह अस्वीकार्यता का कारण होगा। यह जांच स्लिट लैंप और माइड्रियासिस के तहत ऑफथेल्मोस्कोपी द्वारा की जाएगी।

परिशिष्ट 'ग'

{संदर्भ नेत्रविज्ञान (Ophthalmology) मानक का पैरा 146(टी)}

रतौंधी (Night Blindness) से संबंधित प्रमाणपत्र

नाम, आद्याक्षर सहित

बैच सं० चेस्ट सं०.....

मैं एतद्वारा प्रमाणित करता हूँ कि मेरे परिवार में रतौंधी के कोई मामला नहीं है, और मुझे रतौंधी नहीं है।

दिनांक:

(उम्मीदवार के हस्ताक्षर)

प्रतिहस्ताक्षरित

(चिकित्सा अफसर का नाम)

परिशिष्ट 'घ'

{संदर्भ नेत्रविज्ञान (Ophthalmology) मानक का पैरा 147}

आरंभिक प्रवेश के समय पुरुष/महिला अभ्यर्थियों का दृष्टि मानक

क्रम सं०	चिकित्सा श्रेणी	शाखा	रिफ्रेक्टिव त्रुटि की अधिकतम सीमाएं	अधिकतम सुधार की सीमाओं के साथ दृष्टि की तीक्ष्णता	रंगबोधक दृष्टि(कलर विजन)
1	ए 1 जी 1	एफ (पी), डब्ल्यू एस ओ सहित एन	हाइपरमेट्रोपिया: +1.5 डी स्फेरिकल मेनिफेस्ट	एक आंख में 6/6 और दूसरी में 6/9, केवल	सी पी-1

		डी ए और ए एफ ए में उड़ान शाखा कैडेट	मायोपिया: शून्य एस्टिमेटिज़म: +0.75 डी सिलिण्डरिकल (+1.5 डी अधिकतम) रेटिनोस्कोपिक मायोपिया: शून्य	हाइपरमेट्रोपिया के लिए 6/6 सुधारयोग्य	
2.	ए4जी1	भारतीय वायु सेना की ग्राउंड ड्यूटी शाखाओं(ए ई (एल), प्रशा. शाखा, संभारिकी) में 10+2/एनडीए प्रवेश	हाइपरमेट्रोपिया:+2.5 डी स्फेरिकल मायोपिया: -2.5 डी स्फेरिकल एस्टिमेटिज़म: +/-2.0 डी सिलिण्डरिकल	सुधार योग्य नहीं वी ए 6/36 एवं 6/36 सर्वश्रेष्ठ सुधार वी ए 6/6 एवं 6/6	सी पी II

नोट:-

- 1: क्रम सं 01 और 2 में दिए गए कार्मिकों के लिए नेत्र (ऑक्युलर) मांसपेशी संतुलन इस अध्याय के परिशिष्ट 'च' के अनुरूप होना चाहिए।
- 2: एन डी ए के एयर विंग कैडेटों और ए एफ ए के फ्लाइट कैडेटों एफ (पी) के दृष्टि मानक ए1जी1एफ (पी) मानक (परिशिष्ट घ के क्रम संख्या 1) के अनुरूप होना चाहिए।
- 3: उपर्युक्त स्फेरिकल सुधार कारकों को विशिष्ट एस्टिमेटिक सुधार कारक में शामिल किया जाएगा। विशिष्ट दृष्टि तीक्ष्णता मानक तक न्यूनतम सुधार कारक को स्वीकार किया जा सकता है।

परिशिष्ट 'च'

(संदर्भ पैरा 154)

फ्लाईंग ड्यूटियों के लिए ऑक्युलर मसल्स बैलेंस के मानक

क्रम सं	जांच	फिट
1.	06 मीटर पर माडोक्स रॉड टेस्ट	एक्सो -06 प्रिज्म डी इसो -06 प्रिज्म डी हाइपर-01 प्रिज्म डी हाइपो-01 प्रिज्म डी
2.	33 सेमी. पर माडोक्स रॉड टेस्ट	एक्सो-16 प्रिज्म डी इसो-06 प्रिज्म डी हाइपर-01 प्रिज्म डी हाइपो-01 प्रिज्म डी
3.	टीएनओ टेस्ट या टीटूमस फ्लाय टेस्ट	सभी बीएसवी ग्रेड
4.	कनवर्जेंस	10 सेमी. तक
5.	दूर और निकट के लिए कवर टेस्ट	लेटेंट डाइवर्जेंस/कनवर्जेंस रिकवरी रेपिड एवं पूर्ण

हिमोपोएटिक सिस्टम

156. एनिमिया(पुरुषों में <13g/dL और महिलाओं में <11.5g/dL) के सभी मामलों में एसएमवी के दौरान अनफिट घोषित किया जाएगा।

157. ऐसे सभी अभ्यार्थी जिन्हें अनुवांशिक हेमोलाइटिक एनिमिया (लाल रक्त कणिकाओं का झिल्लियों में दोष अथवा रेड सेल एन्जाइम की कमियों के कारण) और हिमोग्लोबिनोपैथीय(सिकल सेल रोग, बेटा-थैलसिमिया: मेजर, इंटरमीडिया, माइनर, ट्रेट और अल्फा थैलसिमिया इत्यादि) है उन्हें सर्विस के लिए अनफिट माना जाएगा।

158. हिमोफिलिया या वान विलेब्रैंड के रोग की हिस्ट्री वाले उम्मीदवारों को अनफिट घोषित किया जाएगा। परप्यूरा(रक्तचित्ता) के क्लीनिकल साक्ष्य वाले अथवा थंब्रोसाइटोपिनिया साक्ष्य वाले सभी अभ्यर्थियों को सर्विस के लिए अनफिट माना जाएगा। परप्यूरा सिम्प्लेक्स (सिंपल ईजी ब्रुसिंग) के मामले में, स्वस्थ महिला में सुसाध्य डिसऑर्डर दिखने पर इसे स्वीकार्य किया जा सकता है।

159. मोनोसाइटोसिस – पूर्ण मोनोसाइट की गणना 1000/सीयूएमएम से अधिक अथवा कुल डब्ल्यूबीसी गणना की 10% के बराबर अथवा इससे अधिक को अनफिट समझा जाएगा।

160. ईओसिनोफिलिया - पूर्ण ईओसिनोफिलिया की गणना 500/सीयूएमएम के बराबर अथवा इससे अधिक को अनफिट समझा जाएगा।

161. पुरुषों में 16.5जी/डीएल और महिलाओं में 16जी/डीएल से अधिक हीमोग्लोबिन को पौलिसाइथेमिया माना जाएगा और उन्हें अनफिट समझा जाएगा।

डेंटल फिटनेस स्टैंडर्ड

162. दंत संबंधी मानक (डेंटल स्टैंडर्ड) (क) उम्मीदवार के न्यूनतम 14 डेंटल प्वाइंट होने चाहिए और ऊपरी जबड़े में मौजूद निम्नलिखित दांत निचले जबड़े के परस्पर दांत के साथ अच्छी तरह से कार्य करने की स्थिति में होने चाहिए।

(i) छह एंटीरियर के कोई चार

(ii) दस पोस्टीरियर के कोई छह

(ख) उपर्युक्त दंत संबंधी मानकों का अनुपालन किया जाएगा और उम्मीदवार जिसका दंत संबंधी मानक निर्धारित मानकों की पुष्टि नहीं करता है उसे अस्वीकृत किया जाएगा।

163. अतिरिक्त ओरल जांच

(क) चेहरे की पूरी जांच – किसी आसाइमेट्री अथवा सॉफ्ट/ हार्ड टिशू डिफेक्ट/ स्कार्स अथवा जबड़े की कोई इनसिपिट पैथोलॉजिकल स्थिति संदिग्ध है, तो यह अस्वीकृति का कारण होगी।

(ख) क्रियात्मक जांच

(i) टेम्पोमानडिब्यूलर ज्वाइंट (टी एम जे) टेंडर नेस और/अथवा क्लिकिंग के लिए टी एम जे को दोतरफा रूप से स्पर्श करके देखा जाएगा। उम्मीदवार जिनमें रोग सूचक क्लिकिंग और/अथवा टेंडरनेस है अथवा ज्यादा खोलने पर टी एम जे हटाहुआ होतो है उसे अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

(ii) मुंह खोलना:- इन्सिसल किनारों पर 30 एम एम से कम मुख खुलना, यह अस्वीकृति का कारण होगा।

164. विशेष परिस्थितियों में दंत प्वाइंट्स (बिंदुओं) के निर्धारण हेतु दिशा-निर्देश

(क) दंत केरिस (क्षरण)- दंत केरिस (क्षरण) वाले दंत जिन्हें रोका न जा सका हो अथवा दंत शिखर से टूटे हुए दंत, जिनकी पल्प (मज्जा) दिखायी देती हो, रेजिड्युअल रूट स्टम्पस हो, एसेंसिस (विद्रधि) वाले दंत और/अथवा केविटी दंत को दंत बिंदुओं के निर्धारण (अवार्ड) हेतु नहीं गिना जाएगा।

(ख) रेस्टोरेशनस:- ऐसे दंत जिनका रेस्टोरेशन हुआ हो, जो टेढे-मेढे/टूटे हुए/बदरंग दिखायी देते हों, उनका दंत बिंदु निर्धारण नहीं किया जाएगा। दंत जिनका रेस्टोरेशन अनुपयुक्त सामग्री से किया गया हो, अस्थायी अथवा टूटा-फूटा रेस्टोरेशन हो और जिनकी संदेह युक्त न्यूनतम सुस्वस्थता हो अथवा पैरि-एपिकल पैथोलॉजी वाले दंत प्वाइंट्स निर्धारण हेतु नहीं गिना जाएगा।

(ग) लूज टीथ (ढीले दांत)—लूज/मोबाइल दंत जिनमें नैदानिक (रोग विषयक) रूप से मोबिलिटी दिखाई देती हो, उन्हें दंत बिंदु निर्धारण के लिए नहीं गिना जाएगा। पीरियोडोंटली स्पिलिंटिड दंत को डेंटल प्वाइंट्स प्रदान करने हेतु नहीं गिना जाएगा।

(घ) रिटेड डेसिड्युअस दंत—रिटेड डेसिड्युअस दंत को डेंटल प्वाइंट्स निर्धारण हेतु नहीं गिना जाएगा।

(च) आकृति-मूलक दोष (मोरफोलॉजिकल डिफेक्ट). यदि दांतों में आकृति-मूलक दोष होने के कारण उनसे ठीक से चबाना संभव नहीं हो पाता है तो उन्हें डेंटल प्वाइंट नहीं दिये जाएंगे।

(छ) पीरियोडांशियम.

- (i) जिन दांतों के डेंटल प्वाइंट गिने जा रहे हैं, उनके मसूड़े स्वस्थ होने चाहिए, यानी कि गुलाबी रंग के, मजबूती से कसे हुए और दांतों को सुदृढ़ता से पकड़े हुए होने चाहिए। कैल्कुलस नहीं नज़र आना चाहिए।
- (ii) जिन दांतों में लोकलाइज़्ड पीरियोडांटाइटिस (सूजे हुए, लाल या संक्रामित मसूड़े या उनमें नज़र आती हुई कैल्कुलस) होगी तो उन्हें डेंटल प्वाइंट नहीं दिये जाएंगे।
- (iii) गंभीर पीरियोडांटल रोगों (जनरल कैल्कुलस, अत्यधिक सूजे हुए और लाल रंग के मसूड़े-निःस्राव के साथ या बिना) वाले उम्मीदवारों को अस्वीकार कर दिया जाएगा। यदि पीरियोडांटल रोग गंभीर नहीं है तथा दांत अन्यथा स्वस्थ हैं और दंत चिकित्सक के अनुसार एक्सट्रैक्शन छोड़कर अन्य सामान्य पीरियोडांटल चिकित्सा द्वारा उन्हें ठीक किया जा सकता है तो उम्मीदवार को स्वीकार किया जा सकता है।

(ज) मैलोकलूजन. मैलोकलूजन के कारण जिन उम्मीदवारों की चबाने की क्षमता व उच्चारण प्रभावित हो, उन्हें चयनित नहीं किया जाएगा। ओपन बाइट वाले दांतों को डेंटल प्वाइंट नहीं दिये जाएंगे क्योंकि ऐसा माना जाता है कि वे फंक्शनल एपोज़िशन में नहीं हैं। ओपन बाइट, रिवर्स ओवरजेट या नज़र आते हुए मैलोकलूजन से पीड़ित उम्मीदवारों को अस्वीकार कर दिया जाएगा। हालांकि यदि दंत चिकित्सक के अनुसार दांतों के मैलोकलूजन से उम्मीदवार के ठीक रूप से चबाने, उच्चारण, दांतों के स्वास्थ्य की देखभाल या सामान्य पोषण या कार्यों के प्रभावी निष्पादन में कोई समस्या नहीं उत्पन्न हो रही है तो उसे स्वस्थ घोषित किया जाएगा। मैलोकलूजन का मूल्यांकन करने में निम्नलिखित मानकों को संज्ञान में लिया जाना चाहिए:-

- (i) एज टु एज बाइट. एज टु एज बाइट को फंक्शनल एपोज़िशन समझा जाएगा।
- (ii) एंटीरियर ओपन बाइट. एंटीरियर ओपन बाइट को सम्बन्धित दांतों में फंक्शनल एपोज़िशन की कमी माना जाना चाहिए।
- (iii) क्रास बाइट. क्रास बाइट वाले दांत फंक्शनल ओक्लूजन में हो सकते हैं और यदि ऐसा है तो उन्हें अंक प्रदान किये जा सकते हैं।
- (iv) ट्रॉमैटिक बाइट. जो आगे के दांत एक गहरी टकराने वाली बाइट से तालु पर क्षतिकारक काट लगा रहे हैं, उन्हें अंक नहीं दिये जाएंगे।

(झ) सख्त एवं नर्म टिशु. गाल, होठों, तालु, जीभ और जीभ के नीचे के हिस्से के नर्म टिशुओं और मैक्सिला/मैंडीब्यूलर बोनी अप्रेटस को सूजन, रंग के बदलाव, अल्सर, चोट के निशान, सफ़ेद धब्बों, उपम्यूकस फाइब्रोसिस आदि के लिए जांचा जाना चाहिए। संभवतः घातक क्षतियां, अस्वीकृति का कारण रहेंगी। मुख खोलने की बाध्यता के साथ या बिना उप-म्यूकस फाइब्रोसिस का चिकित्सकीय निदान, अस्वीकृति का कारण रहेगा। हड्डियों की क्षतियों को उनकी विकृति-संबंधी/शारीरिक प्रकृति के लिए जांचा जाएगा और उन पर तदनुसार टिप्पणी की जाएगी। किसी भी सख्त या नर्म टिशु की क्षति के चलते अस्वीकार किया जाएगा।

(त) ऑर्थोडॉन्टिक यंत्र. स्थिर ऑर्थोडॉन्टिक्स, लिंगुअल रीटेंरों को पीरियोडांटस स्पलिट नहीं माना जाएगा एवं इन रीटेंरों में शामिल दांतों को दंत स्वस्थता के लिए अंक प्रदान किये जाएंगे। जो

उम्मीदवार जड़े हुए (स्थिर) या हट सकने वाले आर्थोडांटिक यंत्र पहने होंगे, उन्हें अस्वस्थ घोषित कर दिया जाएगा।

(थ) डेंटल इम्प्लांट्स. इम्प्लांट्स और इम्प्लांट-सपोर्टिड प्रोस्थेसिस को कोई डेंटल प्वाइंट नहीं प्रदान किये जाएंगे। यदि पूर्व-सैनिक पुनः नामांकन हेतु आवेदन करते हैं तो डेंटल प्रॉस्थेसिस हटाने के लिए अंक प्रदान किये जाएंगे।

(द) स्थिर आंशिक डेंचर (एफ पी डी)/इम्प्लांट सपोर्टिड एफ पी डी. एफ पी डी को मज़बूती, सामने वाले दांतों के लिए फंक्शनल एपोज़ीशन एवं अबटमेंट्स के पीरियोडांटल स्वास्थ्य के लिए चिकित्सकीय एवं रेडियो रूप से जांचा जाएगा। यदि सभी मानक संतुष्ट करते हैं तो प्राकृतिक दांत (अबटमेंट्स) के लिए डेंटल अंक प्रदान किये जाएंगे।

नोट:- किसी भी निकालने लायक/स्थिर या इम्प्लांट जन्य प्रॉस्थेसिस की स्थिति में प्राकृतिक दांत/दांतों को डेंटल अंक प्रदान किये जाएंगे।

165. किसी उम्मीदवार को अनफिट घोषित करने हेतु मानदण्ड :-

(क) दांतों की स्वच्छता. स्पष्ट दिखने वाला कैल्कुलस, पीरियोडांटल पॉकिटों और/अथवा मसूड़ों से रक्त स्राव के रूप में दांतों के खराब स्वास्थ्य की स्थिति के चलते उम्मीदवार को अनफिट घोषित कर दिया जाएगा।

(ख) मैक्सिलो-फेशियल सर्जरी/मैक्सिलोफेशियल ट्रामा के बाद रिपोर्ट करने वाले उम्मीदवार. कॉस्मेटिक या पोस्ट-ट्रॉमैटिक मैक्सिलोफेशियल सर्जरी/ट्रॉमा से गुज़रने वाले उम्मीदवार, सर्जरी/चोट की तारीख से कम से कम 24 हफ्तों तक अनफिट रहेंगे। उसके बाद यदि कोई विकृति/क्रियात्मक कमी बाकी नहीं है तो उन्हें बताए गए मानकों के आधार पर मूल्यांकित किया जाएगा।

(ग) पायरिया की सामान्य क्रियात्मक विकृतियों के उच्च स्तर से प्रभावित डेंटल आर्चिस, एक्यूट अल्सरेटिव जिंजिवाइटिस एवं जबड़ों या दांतों की कुल असामान्यता या अनेक केरीज़ या सेप्टिक दांतों वाले पात्रों को अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

महिला उम्मीदवारों का मूल्यांकन

166. इतिहास. सामान्य चिकित्सकीय इतिहास के साथ-साथ मासिक धर्म व प्रसूति संबंधी विस्तृत इतिहास भी पूछकर लिखा जाना चाहिए। यदि मासिक धर्म, प्रसूती या पेल्विस संबंधी असामान्यता बताई जाती है तो स्त्री-रोग विशेषज्ञ की राय ली जानी चाहिए।

167. सामान्य चिकित्सकीय एवं शल्य मानक

(क) स्तन में किसी भी गांठ के चलते अस्वीकार किया जाएगा। स्तन में फाइब्रोएडिनोमा के मामलों को सफलता से सर्जिकल रूप से निकाल देने पर सर्जरी विशेषज्ञ की राय एवं एक सामान्य हिस्टोपैथोलॉजिकल रिपोर्ट लेकर फिट माना जाएगा।

(ख) गैलेक्टोरिया को अस्वस्थता माना जाएगा। जांच/उपचार के बाद मामले के गुणों एवं ए एम बी के दौरान संबंधित विशेषज्ञ की राय के आधार पर फिट होने के बारे में विचार किया जा सकता है।

(ग) एस एम बी के दौरान अमेज़िया, पॉलिमेज़िया एवं पॉलिथीलिया (अतिरिक्त निपल) को अनफिट माना जाएगा। पॉलिमेज़िया/पॉलिथीलिया के ऑपरेशन वाले मामलों को ऑपरेशन के 12 सप्ताह बाद ही फिट माना जाएगा यदि सर्जरी का घाव पूरी तरह से ठीक हो गया हो और ऑपरेशन के बाद कोई समस्याएं न उत्पन्न हुई हों।

168. स्त्री रोग विषयक जांच. बाह्य जननांगों की किसी भी असामान्यता को प्रत्येक मामले के गुणों के आधार पर संज्ञान में लिया जाएगा।

(क) निम्नलिखित स्थितियां स्वीकार्य हैं:-

- (i) सर्विक्स का जन्मजात इन्ट्राइटस तक बढ़े होना।
- (ii) मासिक धर्म आर्कुएट प्रकार की जन्मजात गर्भाशय की असामान्यता

(ख) निम्नलिखित स्थितियों के चलते अस्वीकार किया जाएगा:-

- (i) मासिक धर्म न होने पर अस्वीकार किया जाएगा। ऐसे उम्मीदवारों की जांच की जाएगी और ए एम बी के दौरान जांच के बाद गुणों के आधार पर फिट होना तय किया जाएगा।
- (ii) मासिक धर्म के दौरान अत्यधिक रक्त स्राव और/अथवा अत्यंत कष्ट होना।
- (iii) स्ट्रेस युरिनरी इनकांटेनेंस
- (iv) सर्विक्स का जन्म से बड़ा होना या पूर्ण प्रोलैप्स जो कि करेक्टिव सर्जरी के बाद भी इन्ट्राइटस के बाहर आ जाता है। (गर्भाशय का पूरा प्रोलैप्स, अस्वीकृति का कारण होगा। सर्जिकल करेक्शन के बाद छोटे स्तर पर प्रोलैप्स को गुणों के आधार पर फिटनेस के लिए संज्ञान में लिया जा सकता है।)
- (v) गंभीर या जीर्ण पेल्विक संक्रमण, एंडोमीट्रियोसिस एवं अडीनोमायोसिस।
- (vi) लिंग भेद की असामान्यताएं।
- (vii) अत्यधिक अतिरोमता, विशेषतः बाल उगने के पौरुष लक्षणों के साथ।

(ग) जो स्त्री रोग संबंधी स्थिति यहां नहीं दी गई है, वह प्रत्येक मामले के गुणों के आधार पर स्त्री-रोग विशेषज्ञ द्वारा संज्ञान में ली जाएगी।

गर्भधारण

169. वर्तमान में गर्भवती होने के कारण अस्वीकार कर दिया जाएगा। गर्भावस्था के बाद जिस न्यूनतम अवधि के बाद उम्मीदवार का अपील के लिए पुनरावलोकन किया जाएगा, वह इस प्रकार है:-

- (क) सामान्य प्रसव. बिना किसी जटिलता के हुए सामान्य प्रसव के 24 हफ्तों बाद।
- (ख) एम टी पी/गर्भपात. न्यूनतम 4 सप्ताह से लेकर 12 सप्ताह तक।
- (ग) सिज़ेरियन सेक्शन. बिना किसी जटिलता सिज़ेरियन ऑपरेशन द्वारा हुए प्रसव के 52 हफ्तों बाद।

170. उसके बाद व्यक्ति को स्त्री-रोग विशेषज्ञ द्वारा जांचा जाएगा एवं उसके स्वास्थ्य के संबंध में उसका मूल्यांकन किया जाएगा। जिन शुरुआती मामलों में छः महीनों से अधिक समय बीत चुका है, उन मामलों में उम्मीदवार को वर्तमान विनियमों के मुताबिक पूरी चिकित्सकीय जांच को दोहराना होगा।

171. महिला उम्मीदवारों के लिए निचले उदर एवं पेल्विस की अल्ट्रासोनोग्राफी. यह वर्तमान आदेशों के अनुसार किया जाएगा।

(क) फिट.

- (i) अकेले छोटे फाइब्राइड वाला अलाक्षणिक गर्भाशय (व्यास में 03 सेंटीमीटर या उससे कम)।
- (ii) व्यास में 06 सेंटीमीटर से कम यूनीलोक्यूलर क्लियर गर्भाशय की रसौली।
- (iii) सर्विक्स का जन्मजात लम्बा होना (जो कि इन्ट्राइटस तक हो)।

- (iv) आर्कुएट यूट्रस प्रकार की जन्मजात गर्भाशय की असामान्यता।
- (v) पाउच ऑफ डगलस में कम-से-कम तरल पदार्थ।

(ख) अनफिट.

- (i) जिन उम्मीदवारों के पाउच ऑफ डगलस में तरल पदार्थ के साथ इंटर्नल एकोज़ भी हों।
- (ii) **गर्भाशय.** गर्भाशय का न होना, या आर्कुएट यूट्रस छोड़कर अन्य कोई भी जन्मजात संरचनात्मक असामान्यता।

(iii) फाइब्राइड्स.

(कक) दो से अधिक संख्या वाले अनेक फाइब्राइड, जिनमें से बड़ा वाला आकार में 15 एम एम से बड़ा न हो।

(कख) 03 सेंटीमीटर से अधिक आकार का एकल फाइब्राइड

(कग) एंडोमीट्रियल कैविटी को विकृत करने वाला कोई फाइब्राइड

(iv) एडीनोमायोसिस

(v) एडनेक्सा.

(कक) 06 सेंटीमीटर या उससे अधिक आकार की सामान्य अंडाशय की रसौली।

(कख) किसी भी आकार की जटिल अंडाशय की रसौली।

(कग) एण्डोमीट्रियोसिस

(कघ) हाइड्रोसैलर्पिक्स

(ग) अपील चिकित्सकीय बोर्ड/पुनरावलोकन चिकित्सकीय बोर्ड के दौरान अनफिट उम्मीदवारों की विशेष एवं विस्तृत चिकित्सकीय जांच की जाएगी। विशेष परिस्थितियों के लिए फिटनेस का निर्णय निम्नलिखित रूप से किया जाएगा:-

(i) इंटर्नल एको के साथ पी ओ डी में तरल पदार्थ का टी एल सी, डी एल सी एवं सी-रिएक्टिव प्रोटीन से मूल्यांकन किया जाएगा। वरिष्ठ सलाहकार (स्त्री रोग एवं प्रसूती विशेषज्ञ) फिटनेस पर अपनी राय देगा।

(ii) एण्डोमीट्रियम 15 एम एम से अधिक मोटा हो या एण्डोमीट्रियल कैविटी में रैसिडुअल एकोजनिक शैडो हों। वरिष्ठ सलाहकार (स्त्री रोग एवं प्रसूती विशेषज्ञ) फिटनेस पर अपनी राय देगा।

172. लैप्रोस्कोपिक सर्जरी या लैपरोटॉमी के बाद चिकित्सकीय फिटनेस. सिस्टेक्टॉमी या मायोक्टॉमी करवाने के बाद रिपोर्ट करने वाले उम्मीदवारों को फिट माना जाएगा, यदि वह अलाक्षणिक हैं, पेल्विस का अल्ट्रासाउंड सामान्य है, हटाए गए टिशु की हिस्टोपैथॉलजी रिपोर्ट में बिनाइन पैथॉलजी प्रकट होती है और पर ऑपरेशन से पता चलता है कि एण्डोमीट्रियोसिस नहीं है। लैप्रोस्कोपी सर्जरी के बाद फिटनेस तभी मानी जाएगी जब घाव पूरी तरह भर जाएगा। सिज़ेरियन सेक्शन एवं लैपरोटॉमी के मामलों में ऑपरेशन के एक वर्ष बाद उम्मीदवार को फिट माना जाएगा।

परिशिष्ट-III

सेवा से संबंधित संक्षिप्त विवरण

1. किसी उम्मीदवार के अकादमी में भर्ती होने से पूर्व उसके माता-पिता या संरक्षक को निम्नलिखित प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे:-

(क) इस आशय का प्रमाणपत्र कि वह यह अच्छी तरह समझता है कि उसके पुत्र या आश्रित को किसी प्रशिक्षण के दौरान या उसके कारण कोई चोट लगने या ऊपर निर्दिष्ट किसी कारण से या अन्यथा हुई चोट

का इलाज करने के लिए आवश्यक किसी शल्य चिकित्सा या एनेस्थीसिया की दवाओं के परिणामस्वरूप उसमें कोई शारीरिक दिव्यांगता जाने या उसकी मृत्यु हो जाने पर उसे या उसके पुत्र या आश्रित को सरकार से किसी मुआवजे या अन्य प्रकार की सहायता का दावा करने का हक नहीं होगा।

(ख) इस आशय का बंधपत्र कि, यदि उम्मीदवार को राष्ट्रीय रक्षा अकादमी से इस आधार पर बर्खास्त या निकाला या वापस किया गया कि उसने उक्त राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रवेश लेने के लिए अपने आवेदन-पत्र में जानबूझ कर गलत विवरण दिया अथवा तथ्यात्मक जानकारी को छिपाया अथवा यदि वह उक्त राष्ट्रीय रक्षा अकादमी से स्वैच्छिक रूप से इस्तीफा देता है अथवा किसी ऐसे कारण से जो कैडेट के नियंत्रण में है वह अपने प्रशिक्षण की निर्धारित अवधि पूरी नहीं करता अथवा वह कैडेट, ऊपर बताए गए अनुसार कमीशन दिए जाने पर उसे स्वीकार नहीं करता तो गारंटीकर्ता तथा कैडेट संयुक्त रूप से तथा अलग-अलग सरकार को तत्काल वह नकद राशि देने के लिए बाध्य होंगे जो सरकार नियत करेगी। किंतु यह राशि सरकार द्वारा कैडेट के प्रशिक्षण के दौरान उस पर खर्च की गई राशि तथा कैडेट द्वारा सरकार से प्राप्त किए गए वेतन तथा भत्ते सहित सारी राशि से अधिक नहीं होगा जिस पर ब्याज भी लगेगा और इसकी दर सरकार द्वारा दिए गए ऋण पर लगने वाली ब्याज दर, जो उस समय लागू है, के समान होंगी।

2. आवास, पुस्तकें, वर्दी, भोजन व्यवस्था तथा चिकित्सा उपचार सहित प्रशिक्षण का खर्च सरकार द्वारा वहन किया जाएगा। तथापि, कैडेट के माता-पिता या संरक्षक को उनके जेब खर्च व अन्य निजी खर्च का वहन करना होगा। सामान्यतः यह व्यय 3,000.00 रुपये प्रति माह से अधिक नहीं होने चाहिए। यदि किसी कैडेट के माता-पिता या संरक्षक इस व्यय को भी पूरी तरह या आंशिक रूप से वहन करने की स्थिति में नहीं हैं, तो ऐसे कैडेटों के माता-पिता या संरक्षक जिनकी मासिक आय 21,000/- रुपये प्रति माह से कम है, के मामले में सरकार द्वारा प्रशिक्षण की अवधि के दौरान 1,000.00 रुपये प्रति माह की वित्तीय सहायता प्रदान की जा सकती है। जिन कैडेट्स के माता-पिता या संरक्षक की मासिक आय 21,000/- रुपये प्रति माह से अधिक है, वे वित्तीय सहायता के पात्र नहीं होंगे। यदि एक से अधिक पुत्र/आश्रित एनडीए, आईएमए, ओटीए तथा नौसेना और वायुसेना की समकक्ष प्रशिक्षण स्थापना में साथ-साथ प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं तो वे दोनों ही वित्तीय सहायता के लिए पात्र होंगे।

यदि किसी उम्मीदवार के माता-पिता/अभिभावक सरकार से वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए इच्छुक हों तो वे राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में उनके पुत्र/आश्रित के अंतिम रूप से चुने जाने के बाद तत्काल अपने जिले के जिला मजिस्ट्रेट के माध्यम से एक आवेदन प्रस्तुत करेंगे, जो उस आवेदन को अपनी संस्तुतियों के साथ कमांडेंट, राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड्कवासला, पुणे - 411023 को भेज देंगे।

3. अकादमी में प्रशिक्षण के लिए अंतिम रूप से चुने गये उम्मीदवारों को वहां पहुँचने पर कमांडेंट, राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के पास निम्नलिखित राशि जमा करनी होगी:—

(क)		प्रतिमाह 3000.00 रुपये की दर से पांच माह का पाकेट भत्ता
(ख)	कपड़ों एवं उपस्कर की मदों के लिए (में कपड़ों एवं उपस्कर की मदों के लिए राशि जॉइनिंग इंस्ट्रक्शन में सूचित की जायेगी)	
(ग)	सेना समूह बीमा निधि	रुपये 7200.00
(घ)	जवाइनिंग के समय अपेक्षित कपड़ों की मदें (उम्मीदवारों के लिए कपड़ों एवं उपस्कर की मदों के लिए लागत की सूचना जॉइनिंग इंस्ट्रक्शन में दी जायेगी)	
(च)	पहले सेमेस्टर के दौरान होने वाले आनुषंगिक व्यय	रुपये 13176.00
	योग (ख और (घ)की राशि शामिल नहीं है जो कि बाद में सूचित की जायेगी)	रुपये 35376.00

यदि उम्मीदवारों को दी जाने वाली वित्तीय सहायता की मंजूरी मिल जाती है तो ऊपर उल्लिखित राशि में से निम्नलिखित राशि वापिस लौटा दी जाएगी:-

(क) पॉकेट मनी भत्ता @ 1000.00 रुपये प्रति माह

(ख) कपड़ों एवं उपस्कर की मदों के लिए

(ज्वॉइन करने के समय लाया गया)

4. राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में निम्नलिखित छात्रवृत्तियां/वित्तीय सहायता उपलब्ध हैं:

(1) परशुराम भाऊ पटवर्धन छात्रवृत्ति: यह छात्रवृत्ति पासिंग आउट पाठ्यक्रम के अंतर्गत अकादमिक क्षेत्र में समग्रतः प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले कैडेट को प्रदान की जाती है। एकबारगी छात्रवृत्ति की राशि 5000/- रु है।

(2) कर्नल कैडल फ्रैंक मेमोरियल छात्रवृत्ति: यह 4800 रुपये प्रति वर्ष की छात्रवृत्ति उस मराठा कैडेट को दी जाएगी जो भूतपूर्व सैनिक का पुत्र हो। यह छात्रवृत्ति सरकार से प्राप्त होने वाली किसी वित्तीय सहायता के अतिरिक्त होती है।

(3) असम सरकार छात्रवृत्ति: दो छात्रवृत्तियां असम के कैडेटों को प्रदान की जाएंगी। प्रत्येक छात्रवृत्ति 30 रु. प्रति मास की रहेगी तथा जब तक छात्र राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में रहेगा उसे मिलती रहेगी। यह छात्रवृत्ति असम के दो सर्वोत्तम कैडेटों को उनके माता-पिता की आय पर ध्यान दिए बिना प्रदान की जाएगी। जिन कैडेटों को यह छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी, वे सरकार की ओर से कोई अन्य वित्तीय सहायता प्राप्त करने का हकदार नहीं होंगे।

(4) उत्तर प्रदेश सरकार प्रोत्साहन योजना— उत्तर प्रदेश के माननीय राज्यपाल के अधीन उत्तर प्रदेश सैनिक पुनर्वास निधि नामक एक ट्रस्ट ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी / भारतीय सैन्य अकादमी अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी / वायुसेना अकादमी/नौसेना अकादमी/महिला प्रवेश में ज्वॉइन करने वाले उन राष्ट्रीय कैडेटों के लिये एक प्रोत्साहन योजना शुरू की है जो उत्तर प्रदेश के जेसीओ रैंक तक के पूर्व सैनिकों उनकी विधवाओं के आश्रित हैं, और उत्तर प्रदेश के निवासी हैं। इसमें विशेष प्रोत्साहन के रूप में प्रति उम्मीदवार 50,000/- रु के अनुदान का प्रावधान है।

(5) केरल सरकार छात्रवृत्ति — सभी पुरुष / महिला कैडेटों के लिंग के बावजूद और बिना किसी पूर्व शर्त के केरल राज्य के सभी कैडेट को अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी / राष्ट्रीय रक्षा अकादमी / भारतीय सैन्य अकादमी / नौसेना अकादमी/ वायुसेना अकादमी / सशस्त्र बल मेडिकल कॉलेज / राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज स्कूलों में प्रवेश मिलने पर केवल रु 2,00,000/- की सांत्वना राशि दी जाएगी। और जिन्हें सैन्य, नौसेना और वायुसेना नर्सिंग स्कूलों में प्रवेश मिलेगा, उन्हें रु 1,00,000/- की सांत्वना राशि दी जाएगी।

(6) बिहारी लाल मंदाकिनी पुरस्कार: 500 रुपये का नकद पुरस्कार सर्वोत्तम बंगाली लड़के को अकादमी द्वारा आयोजित प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए मिलता है। आवेदन पत्र कमांडेंट, राष्ट्रीय रक्षा अकादमी से मिलते हैं।

(7) उड़ीसा सरकार छात्रवृत्तियां: यह छात्रवृत्तियां—एक थलसेना, एक नौसेना तथा एक वायुसेना के कैडेट के लिए 80 रु. प्रति मास के हिसाब से उड़ीसा सरकार द्वारा उन कैडेटों को दी जाएंगी जो उड़ीसा राज्य के स्थायी निवासी हैं। इनमें से दो छात्रवृत्तियां उन कैडेटों की योग्यता तथा आय के साधन के आधार पर दी जाएंगी जिनके माता-पिता या अभिभावक की आय रु. 5000 प्रति वर्ष से अधिक न हो तथा तीसरी छात्रवृत्ति माता-पिता या अभिभावकों की आय को ध्यान में रखे बिना सर्वोत्तम कैडेट को दी जाएगी।

क्रम. सं.	राज्य सरकार	राशि	पात्रता
8	पश्चिम बंगाल प्रारंभिक आय प्रति सत्र एकमुश्त अनुदान छात्रवृत्ति आय समूह सारणी निम्न—प्रति माह 9000/- रुपए तक मध्य--9001/- रुपए से 18000/- प्रति माह उच्च--18000/- रुपए	निम्न मध्य उच्च रु. 5000/- रु. 3,750/- रु. 2500/- रु. 1800/- रु. 1350/- रु. 900/-	(i) कैडेट भारतीय नागरिक होना चाहिए और कैडेट और/अथवा उसके माता-पिता पश्चिम बंगाल राज्य के स्थायी निवासी होने चाहिए (ii) कैडेट को मैरिट पर प्राप्त होने वाली छात्रवृत्ति अथवा वजीफे के सिवाए भारत सरकार और/अथवा राज्य सरकार अथवा किसी अन्य प्राधिकरण से कोई अन्य वित्तीय सहायता/अनुदान प्राप्त नहीं होता है।
09	गोवा	1000/- रुपए प्रति माह प्रशिक्षण की अवधि के दौरान, (अधिकतम 24 माह	(i) कैडेट के माता-पिता/ अभिभावक की आय की सीमा 15,000/- रुपए प्रति माह (1,80,000/- रुपए प्रति वर्ष) से अधिक नहीं

		अथवा पाठ्यक्रम की अवधि के दौरान, जो भी कम हो) और 12000/- रुपए का एकबारगी परिधान भत्ता।	होनी चाहिए। (ii) अ.जा./अ.ज.जा./अ.पि.व. से संबंधित कैडेटों की आय सीमा 37,500/- रुपए प्रति माह (4,50,000/- रुपए प्रति वर्ष) से अधिक नहीं होनी चाहिए। (iii) वे किसी भी अन्य स्रोत से वित्तीय सहायता/निःशुल्क प्रशिक्षण प्राप्त न कर रहे हों।
10	नागालैंड	1,00,000/- रुपए एकबारगी भुगतान	नागालैंड राज्य का अधिवासी होना चाहिए।
11	मणिपुर	1,00,000/- रुपए एकबारगी भुगतान	मणिपुर राज्य का अधिवासी होना चाहिए।
12	अरुणाचल प्रदेश	छात्रवृत्ति 1000/- रुपए प्रति माह एकबारगी वर्दी भत्ता 12,000/- रुपए	अरुणाचल प्रदेश राज्य का अधिवासी होना चाहिए।
13	गुजरात	छात्रवृत्ति 6000/- रुपए प्रति वर्ष	गुजरात के सेवारत/भूतपूर्व मूल/अधिवासी सैनिक (भूतपूर्व/सेवारत अधिकारी सहित) के आश्रित को
14	उत्तराखंड (क) उत्तराखंड के अधिवासी एनडीए कैडेटों हेतु 250/- रु. प्रतिमाह की जेब खर्च राशि कैडेटों के पिता/संरक्षक को प्रदान की जाती है (पूर्व-सैनिक/विधवा के मामले में संबंधित जिला सैनिक कल्याण कार्यालय के माध्यम से)। (ख) उत्तराखंड के अधिवासी एनडीए कैडेटों के पिता/संरक्षक को उच्चतर शिक्षा निदेशालय, हलद्वानी के माध्यम से 50,000/- रु. का नकद पुरस्कार प्रदान किया जाता है।		
15	पंजाब	1,00,000/- रुपए एकबारगी भुगतान	पंजाब राज्य का अधिवासी होना चाहिए।
16	राज्य सरकार सिक्किम	सभी अधिकारी प्रवेश योजनाओं के लिए रु.1,50,000/-	सभी अधिकारी प्रवेश योजनाओं के लिए सिक्किम के सफल उम्मीदवारों हेतु पुरस्कार
17	फ्लाईंग अफसर अनुज नांचल स्मारक छात्रवृत्ति- छोटे सत्र में सभी क्षेत्रों में प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले वायुसेना कैडेट को 1500/- रु. (एकबारगी भुगतान)।		

(18) **हिमाचल प्रदेश सरकार छात्रवृत्ति:** हिमाचल प्रदेश के कैडेटों को 4 छात्रवृत्तियां प्रदान की जाएंगी। प्रशिक्षण के प्रथम दो वर्षों के लिए प्रत्येक छात्रवृत्ति के लिए 30 रुपये प्रतिमास तथा प्रशिक्षण के तीसरे वर्ष के लिए 48 रुपये प्रतिमास मिलेगी। यह छात्रवृत्ति उन कैडेटों को मिलेगी जिनके माता-पिता की मासिक आय 500 रुपये प्रतिमास से कम होगी। जो कैडेट सरकार से वित्तीय सहायता ले रहा हो वह छात्रवृत्ति के लिए हकदार नहीं होगा।

(19) **तमिलनाडु सरकार की छात्रवृत्ति:** तमिलनाडु सरकार ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रति पाठ्यक्रम रु. 30 प्रतिमास की एक छात्रवृत्ति तथा साथ में रु. 400 परिधान भत्ता (कैडेट के प्रशिक्षण की पूरी अवधि के दौरान केवल एक बार) देना शुरू किया है जो उस कैडेट को दिया जाएगा जो तमिलनाडु राज्य का हो तथा जिसके अभिभावक/संरक्षक की मासिक आय 500 रु. से अधिक न हो। पात्र कैडेट अपना आवेदन कमांडेंट, राष्ट्रीय रक्षा अकादमी को वहां पहुंचने पर प्रस्तुत कर सकते हैं।

इसके अलावा, तमिलनाडु सरकार के अंतर्गत कार्यरत भूतपूर्व सैनिक कल्याण निदेशालय, चेन्नई ने स्थायी कमीशन अधिकारी के रूप में एनडीए/आईएमए/नौसेना या वायुसेना अकादमी में ज्वाइन करने वाले भूतपूर्व

सैनिकों के पात्र बच्चों को 1,00,000/-रु(केवल एक लाख रुपये)का एकमुश्त अनुदान (one time grant) मंजूर किया है।

(20) कर्नाटक सरकार की छात्रवृत्तियां- कर्नाटक सरकार ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रवेश पाने वाले कर्नाटक राज्य के कैडेटों को छात्रवृत्तियां प्रदान की हैं। छात्रवृत्ति की राशि 1,500/-रु.(एक हजार पाँच सौ रुपए) प्रतिमाह और प्रथम सत्र में परिधान भत्ते की राशि-18,000/-रु. (अठारह हजार रुपए) प्रति वर्ष होगी।

(21) एलबर्ट एक्का छात्रवृत्ति: बिहार सरकार ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में योग्यता क्रम के आधार पर 50/-रु.प्रतिमास की दर से 25 छात्रवृत्तियां और राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में छः सत्र की पूरी समयावधि के लिए परिधान तथा उपस्कर के लिए 650/-रु. देना शुरू किया है। जिस कैडेट को उपर्युक्त योग्यता छात्रवृत्ति मिलती है वह सरकार से किसी अन्य छात्रवृत्ति या वित्तीय सहायता का पात्र नहीं होगा। पात्र कैडेट राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में आने पर कमांडेंट को आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

(22) फ्लाईंग अफसर डीवी पिंटू मेमोरियल छात्रवृत्ति: ग्रुप कैप्टन एम. वशिष्ठ ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में योग्यता क्रम में प्रथम तीन स्थान पाने वाले कैडेटों को पहला सेमेस्टर पूरा करने पर दूसरे सत्र के समाप्त होने तक, एक सत्र के लिए 125/- रु. प्रतिमाह की दर से तीन छात्रवृत्तियां प्रारंभ की हैं। सरकारी वित्तीय सहायता प्राप्त करने वाले कैडेट उपर्युक्त छात्रवृत्ति पाने के लिए पात्र नहीं होंगे। पात्र कैडेट प्रशिक्षण स्थल पर पहुंचने के बाद कमांडेंट, राष्ट्रीय रक्षा अकादमी को अपना आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकते हैं।

(23) महाराष्ट्र राज्य के भूतपूर्व सैनिकों के आश्रितों को वित्तीय सहायता

महाराष्ट्र के भूतपूर्व सैन्य अफसरों/सैनिकों के जो आश्रित एनडीए में कैडेट के तौर पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं, उन्हें एकमुश्त प्रोत्साहन के रूप में 50,000/- रुपए दिए जाएंगे।

कैडेटों के माता-पिता/संरक्षकों को अकादमी से प्राप्त प्रमाण-पत्र के साथ अपना आवेदन पत्र संबंधित जिला सैनिक कल्याण कार्यालय में प्रस्तुत करना होगा। छात्रवृत्तियों पर लागू निबंधन और शर्तें कमांडेंट, राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खडकवासला, पुणे - 411023 से प्राप्त की जा सकती हैं।

(24) एनडीए में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हरियाणा के अधिवासी उम्मीदवारों को वित्तीय सहायता।

हरियाणा राज्य सरकार ने एनडीए/आईएमए/ओटीए तथा राष्ट्रीय स्तर की अन्य रक्षा अकादमियों में सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा करने वाले हरियाणा राज्य के अधिवासी प्रत्येक व्यक्ति को 1,00,000/- रुपए (एक लाख रुपए) के नकद पुरस्कार की घोषणा की है।

(25) एनडीए में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे संघ शासित क्षेत्र चंडीगढ़ के अधिवासी कैडेटों को प्रोत्साहन।

चंडीगढ़ प्रशासन ने उन कैडेटों को 1,00,000/- रुपए (एक लाख रुपए) की एकमुश्त प्रोत्साहन राशि प्रदान करने हेतु योजना प्रारंभ की है जो संघ शासित क्षेत्र चंडीगढ़ के निवासी हैं तथा जिन्होंने एनडीए में प्रवेश लिया है।

(26) राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के लिए छात्रवृत्ति/अनुदान

राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे जो कैडेट राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के निवासी हैं उन्हें मासिक अनुदान 2000/- रु मिलेगा। एक प्रमाणिक निवासी का मतलब उन कैडेटों से होगा जिनका राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में शामिल होने के समय दस्तावेजों में दर्ज स्थायी घर का पता राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली का है, (और इसमें एनसीआर शामिल नहीं हैं) इसके लिए निवास प्रमाण (आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, उनके माता पिता के सेवा रिकॉर्ड आदि) की एक प्रति साथ लगानी होगी।

प्रशिक्षण:

5. तीनों सेनाओं, अर्थात् थलसेना, नौसेना और वायुसेना के लिए चयनित उम्मीदवारों को राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए), जो कि अंतर-सेवा संस्थान है, में 3 वर्ष की अवधि का अकादमिक और शारीरिक, दोनों प्रकार का प्रारंभिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। पहले ढाई वर्षों के दौरान दिया जाने वाला प्रशिक्षण तीनों स्कंधों के उम्मीदवारों के लिए समान है। पास आउट होने वाले सभी उम्मीदवारों को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा निम्नानुसार डिग्रियां प्रदान की जाएंगी :-

(क) थलसेना कैडेट - बी.एससी./ बी.एससी. (कंप्यूटर)/ बी.ए.

(ख) नौसेना कैडेट - बी.टेक. डिग्री*

(ग) वायुसेना कैडेट - बी.टेक. डिग्री*/बी एस सी/बी एस सी (कम्प्यूटर)

*नोट: बी.एससी./ बी.एससी. (कंप्यूटर)/ बी.ए. पाठ्यक्रम वाले सभी कैडेटों को एनडीए में अकादमिक, शारीरिक तथा सेनासंबंधी प्रशिक्षण पूरा कर लेने पर डिग्री प्रदान की जाएगी। बीटेक पाठ्यक्रम में शामिल सभी कैडेटों को बीटेक की डिग्री संबंधित कमीशन-पूर्व प्रशिक्षण अकादमी/संस्थान/पोत/विमान में प्रशिक्षण के उपरांत प्रदान की जाएगी।

नौसेना अकादमी के लिए चयनित उम्मीदवारों को भारतीय नौसेना अकादमी, एजिमाला में 4 वर्ष की अवधि के लिए अकादमिक तथा शारीरिक दोनों प्रकार का प्रारंभिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। 10+2 कैडेट प्रवेश योजना के कैडेटों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा करने पर बी. टेक डिग्री प्रदान की जाएगी।

6. राष्ट्रीय रक्षा अकादमी से पास होने के बाद थलसेना कैडेट भारतीय सैन्य अकादमी, देहरादून में, नौसेना कैडेट, भारतीय नौसेना अकादमी, एजिमाला में और वायुसेना कैडेट (और ग्राउंड ड्यूटी Non-Tech शाखाएं), वायुसेना अकादमी, हैदराबाद में जाएंगे एवम वायुसेना कैडेट ग्राउंड ड्यूटी Tech शाखा वायुसेना तकनीकी कालेज, बेंगलुरु में जाएंगे।

7. भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए) के सेना कैडेटों को जेंटलमैन/लेडी कैडेट कहा जाता है। इन्हें एक वर्ष की अवधि के लिए कड़ा सैन्य प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है, जिसका उद्देश्य इन कैडेटों को इन्फैन्ट्री सब-यूनिटों का नेतृत्व करने हेतु सक्षम अधिकारी बनाना है। प्रशिक्षण सफलता पूर्वक पूरा करने के बाद जेंटलमैन/लेडी कैडेटों को चिकित्सीय दृष्टि से योग्य "शेप-वन" होने पर लेफ्टिनेंट के पद पर स्थायी कमीशन प्रदान किया जाता है।

8. (क) नौसेना कैडेटों के राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में पास होने पर उन्हें नौसेना की कार्यकारी शाखा के लिए चुना जाता है और, भारतीय नौसेना अकादमी एजिमाला में एक वर्ष की अवधि के लिए और प्रशिक्षण दिया जाता है जिसे सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद उन्हें सब लेफ्टिनेंट के रैंक में पदोन्नत किया जाता है।

(ख) नौसेना अकादमी के लिए 10+2 कैडेट प्रवेश योजना के तहत चुने गए उम्मीदवारों को नौसेना की आवश्यकताओं के अनुसार अप्लाइड इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्प्युनिकेशन इंजीनियरिंग (कार्यकारी शाखा के लिए), मैकेनिकल इंजीनियरिंग (नेवल आर्किटेक्ट स्पेशलाइजेशन सहित इंजीनियरिंग शाखा के लिए) अथवा इलेक्ट्रॉनिक्स व कम्प्युनिकेशन इंजीनियरिंग (इलेक्ट्रिकल शाखा के लिए) में चार वर्षों के बी. टेक पाठ्यक्रम के लिए कैडेट के रूप में प्रवेश दिया जाएगा। इस पाठ्यक्रम के पूरा होने के बाद जवाहर लाल नेहरू विश्वविधालय (जे एन यू) द्वारा बी. टेक डिग्री प्रदान की जाएगी।

9. (क) वायुसेना उड़ान शाखा के कैडेटों को डेढ़ वर्ष तक उड़ान का प्रशिक्षण दिया जाता है। उन्हें एक वर्ष का मूलभूत (पायलट) प्रशिक्षण पूरा होने पर उन्हें फ्लाईंग अफसर के रैंक में छ माह का अस्थायी कमीशन (परिवीक्षा पर) प्रदान किया जाता है। इसके बाद लगभग छह माह की अवधि का उड़ान प्रशिक्षण कन्वर्जन पाठ्यक्रम सफलता पूर्वक पूरा करने वाले अधिकारियों को स्थायी कमीशन दिया जाता है।

(ख) वायुसेना की ग्राउंड ड्यूटी शाखा के कैडेटों को AFA में छ: माह का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद फ्लाईंग अफसर के रैंक में स्थायी कमीशन (परिवीक्षा पर) प्रदान किया जाता है। लगभग छ: माह की परिवीक्षा अवधि पूरी होने पर स्थायी कमीशन की पुष्टि की जाती है।

तीनों सेनाओं की शर्तें:

10. सेना अधिकारी एवं वायुसेना व नौसेना के समकक्ष रैंक

(क) कैडेट प्रशिक्षण के लिए नियत वेतन(स्टाइपेंड) :-

सेना अकादमियों में प्रशिक्षण की संपूर्ण अवधि, अर्थात् भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए) में प्रशिक्षण की अवधि के दौरान, पुरुष/महिला कैडेटों को दिया जाने वाला वेतन	56,100/- रु. प्रतिमाह* (पे लेवल 10 में आरंभिक वेतन)
--	--

- सफलतापूर्वक कमीशन प्रदान किए जाने के उपरांत, कमीशन प्राप्त अधिकारी का पे लेवल 10 के प्रथम सेल में निर्धारित किया जाएगा और प्रशिक्षण की अवधि को कमीशन प्राप्त सेवा की अवधि नहीं माना जाएगा। प्रशिक्षण अवधि के दौरान यथालागू देय भत्तों की बकाया राशि का भुगतान कैडेटों को किया जाएगा।

(ख) वेतन

(i)

रैंक	पे लेवल (रु. में)
लेफ्टिनेंट से मेजर	लेफ्टिनेंट-लेवल10 (56,100-1,77,500) कैप्टन -लेवल10 बी(61,300- 1,93,900) मेजर -लेवल11 (69,400-2,07,200)
लेफ्टिनेंट कर्नल से मेजर जनरल	लेफ्टिनेंट कर्नल -लेवल12 ए(1,21,200-2,12,400) कर्नल-लेवल13 (1,30,600-2,15,900) ब्रिगेडियर -लेवल13 ए(1,39,600-2,17,600) मेजर जनरल - लेवल14 (1,44,200-2,18,200)
लेफ्टिनेंट जनरल (एच ए जी वेतनमान)	लेवल15 (1,82,200-2,24,100)
(लेफ्टिनेंट जनरल एच ए जी+ वेतनमान)	लेवल16(2,05,400-2,24,400)
सह सेनाध्यक्ष/ सेना कमांडर/ लेफ्टिनेंट जनरल(एनएफएसजी)	लेवल17(2,25,000/-)(नियत)
सेनाध्यक्ष	लेवल18(2,50,000/-)(नियत)

(ii) अधिकारियों को दिया जाने वाला सैन्य सेवा वेतन(एमएसपी) निम्नानुसार है:-

लेफ्टिनेंट से ब्रिगेडियर रैंक के अधिकारियों को दिया जाने वाला सैन्य सेवा वेतन (एम एस पी)	15,500/- रु. प्रतिमाह नियत
--	----------------------------

(iii) 7 वें केन्द्रीय वेतन आयोग द्वारा जोखिम एवं कठिनाई भत्ता शुरू किया गया है, जिसके अंतर्गत किसी भी कर्मचारी को उस क्षेत्र के जोखिम एवं कठिनाई के अनुसार भत्ता मिलता है, जहां वह कार्यरत है।

(iv) [अन्य भत्ते]:-

महंगाई भत्ता	उन्हीं दरों और शर्तों पर देय होगा जो समय-समय पर सिविलियन कार्मिकों के मामले में लागू हैं
पैरा भत्ता	13,125/- प्रति माह
पैरा रिज़र्व भत्ता	3,281/- प्रति माह
पैरा जंप प्रशिक्षक भत्ता	13,125/- प्रति माह
परियोजना भत्ता	4,250/- प्रति माह
विशेष बल भत्ता	31,250/- प्रति माह
तकनीकी भत्ता (स्तर-I)	3,000/- प्रति माह
तकनीकी भत्ता (स्तर-II)	4.500/- प्रति माह

(v) वर्दी भत्ता 25,000/- रु. प्रतिवर्ष।

(vi) राशन सामग्री: फील्ड और शांति क्षेत्र में

(vii) परिवहन भत्ता (TPTA)

पे-लेवल	अधिक परिवहन भत्ते वाले शहर (रु. प्रति माह)	अन्य स्थान (रु. प्रति माह)
अधिकारी	7200 रु. + उस पर महंगाई भत्ता	3600 रु. + उस पर महंगाई भत्ता

(viii) संतान शिक्षा भत्ता - केवल पहले दो जीवित बच्चों के लिए 2813/- रु. प्रतिमाह प्रति बच्चा। संतान शिक्षा भत्ता नर्सरी से कक्षा 12 तक के लिए देय होगा।

(ix) छात्रावास की सब्सिडी केवल पहले दो जीवित बच्चों के लिए 8438/- रु. प्रतिमाह प्रति बच्चा। छात्रावास की सब्सिडी नर्सरी से कक्षा 12 तक के लिए देय होगा।

(x) सैन्य प्रशिक्षण के कारण उत्पन्न हुई अथवा बदतर हुई स्थिति के चलते चिकित्सा आधार पर अक्षम होने अथवा कैडेट (सीधी भर्ती) की मृत्यु हो जाने पर कैडेट (सीधी भर्ती)/निकटतम संबंधियों को निम्नानुसार आर्थिक राशि प्रदान की जाएगी :

(I) दिव्यांगता के मामले में

(i) रु० 9000/- प्रतिमाह की दर से मासिक अनुग्रह राशि।

(ii) दिव्यांगता की अवधि के दौरान 100% दिव्यांगता के लिए रु० 16,200/- प्रतिमाह की दर से दिव्यांगता अनुग्रह राशि अतिरिक्त रूप से देय होगी जो कि दिव्यांगता की डिग्री 100% से कम होने पर समानुपातिक रूप से कम कर दी जाएगी। दिव्यांगता की डिग्री 20% से कम होने की स्थिति में कोई दिव्यांगता राशि देय नहीं होगी।

(iii) दिव्यांगता चिकित्सा बोर्ड (आई वी एम) की सिफारिश पर 100% दिव्यांगता के लिए रु० 6,750/- प्रतिमाह की दर से स्थाई परिचारक भत्ता(सीएए)।

(II) मृत्यु के मामले में

(i) निकटतम संबंधियों को 12.5 रु० लाख की अनुग्रह राशि

(ii) निकटतम संबंधियों को 9,000 रु० प्रतिमाह की दर से अनुग्रह राशि

नोट: 1 कैडेटों (सीधी भर्ती)/ निकटतम संबंधियों को अनुग्रह राशि पूर्णतः अनुग्रह आधार पर स्वीकृत की जाएगी और इसे किसी भी उद्देश्य के लिए पेंशन नहीं माना जाएगा।

2 मासिक अनुग्रह राशि के साथ-साथ अनुग्रह दिव्यांगता राशि पर लागू दरों के अनुसार महंगाई भत्ता प्रदान किया जाएगा।

11. (क) सेना सामूहिक बीमा फंड 3 साल के लिए प्री-कमीशन प्रशिक्षण ज्वाइनिंग की तारीख से कैडेट्स द्वारा रुपया 7,200/- (समय-समय पर संशोधन के अधीन) के वापस न होने वाले एकमुश्त प्रीमियम के भुगतान पर 15 लाख रुपये का बीमा कवर प्रदान करता है। यदि किसी कैडेट को निर्वासित किया जाता है तो उससे निर्वासित अवधि के लिये 1355/- रु० (समय-समय पर संशोधन के अधीन) की दर से अतिरिक्त प्रीमियम देना होगा। दिव्यांगता के कारण जिन्हें दिव्यांगता चिकित्सा बोर्ड द्वारा बाहर कर दिया जाता है और जो किसी प्रकार की पेंशन के हकदार नहीं हैं, उन्हें 100% दिव्यांगता के लिए 15 लाख रुपए प्रदान किए जाएंगे। दिव्यांगता के लिए इसे समानुपातिक रूप से कम करके तीन लाख तक कर दिया जाएगा। तथापि, 20% से कम दिव्यांगता के लिए प्रशिक्षण के पहले दो वर्ष के लिए केवल रु० 50,000/- का अनुग्रह अनुदान और प्रशिक्षण के तीसरे वर्ष के दौरान रु० 1,00,000/- का अनुग्रह अनुदान दिया जाएगा। मदिरापान, नशे की लत तथा भर्ती से पहले हुए रोगों से उत्पन्न दिव्यांगता के लिए दिव्यांगता लाभ और अनुग्रह अनुदान देय नहीं होंगे। इसके अतिरिक्त, अनुशासनिक आधार पर निकले गए, अवांछनीय के तौर पर निष्कासित अथवा स्वेच्छा से अकादमी छोड़ने वाले कैडेट भी दिव्यांगता लाभ और अनुग्रह अनुदान के लिए पात्र नहीं होंगे। इस योजना में कोई बचत घटक नहीं है।

(ख) भारतीय सैन्य अकादमी में स्टाइपेंड प्राप्त कर रहे जेंटलमैन/लेडी कैडेटों का नियमित सेना के अधिकारियों पर यथा लागू एक करोड़ रुपए का बीमा प्रदान किया जाता है। मासिक एजीआईएफ अंशदान पीसीडीए (ओ), पुणे द्वारा सीधे काट ली जाएगी। दिव्यांगता के कारण जिन्हें दिव्यांगता चिकित्सा बोर्ड द्वारा भारतीय सैन्य अकादमी से बाहर कर दिया जाता है, और जो किसी प्रकार की पेंशन के हकदार नहीं हैं, उन्हें 100% दिव्यांगता के लिए 25 लाख रुपए प्रदान किये जायेंगे। 20% दिव्यांगता के लिए इसे समानुपातिक रूप से कम करके 5 लाख रु० दिया जाएगा। तथापि, 20% से कम दिव्यांगता के लिए केवल 50,000/-रु० का अनुग्रह अनुदान दिया जाएगा। मदिरापान, नशे की लत तथा भर्ती से पहले हुए रोगों से उत्पन्न दिव्यांगता

के लिए दिव्यांगता लाभ और अनुग्रह अनुदान देय नहीं होंगे। इसके अतिरिक्त, अनुशासनिक आधार पर निकले गए, अवांछनीय के रूप में निष्कासित अथवा स्वेच्छा से अकादमी छोड़ने वाले जेंटलमैन/लेडी कैडेट भी दिव्यांगता लाभ और अनुग्रह अनुदान के लिए पात्र नहीं होंगे।

13. प्रोन्नति के अवसर:

क्रम सं.	सेना	नौसेना	वायुसेना	स्थायी पदोन्नति के लिए अपेक्षित न्यूनतम संगणनीय कमीशन प्राप्त सेवा
1	2	3	4	5
(क)	लेफ्टिनेंट	सब लेफ्टिनेंट	फ्लाईंग आफिसर	कमीशन प्राप्त होने पर
(ख)	कैप्टन	लेफ्टिनेंट	फ्लाइट लेफ्टिनेंट	02 वर्ष
(ग)	मेजर	लेफ्टिनेंट कमांडर	स्क्वाड्रन लीडर	06 वर्ष
(घ)	लेफ्टिनेंट कर्नल	कमांडर	विंग कमांडर	13 वर्ष
(च)	कर्नल (चयन)	कैप्टन (चयन)	ग्रुप कैप्टन (चयन)	चयन होने पर
(छ)	कर्नल (टाइम स्केल)	कैप्टन (टाइम स्केल)	ग्रुप कैप्टन (टाइम स्केल)	26 वर्ष
(ज)	ब्रिगेडियर	कमोडोर	एअर कमोडोर	चयन होने पर
(झ)	मेजर जनरल	रियर एडमिरल	एअर वाइस मार्शल	
(ट)	लेफ्टिनेंट जनरल	वाइस एडमिरल	एअर मार्शल	
(ठ)	जनरल	एडमिरल	एअर चीफ मार्शल	

14. सेवा निवृत्ति पर प्रदान किए जाने वाले लाभ

पेंशन, उपदान और कैजुअल्टी पेंशन संबंधी लाभ समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार स्वीकार्य होंगे।

15. छुट्टी

समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार छुट्टी स्वीकार्य होगी।

MINISTRY OF DEFENCE

NOTIFICATION

New Delhi, the 11th December, 2024

RULES

No.B/155/Rtg(NDAEntry) 17(2)/2024 -DMA(AG-II):—The rules for the Competitive Examination viz National Defence Academy & Naval Academy Examination (I), 2025 to be held by Union Public Service Commission on 13th April, 2025 for admission to the Army, Navy and Air Force wings of the NDA for the 155th Course and for the 117th Indian Naval Academy Course (INAC) commencing from 1st Jan 2026 are published.

The date of holding the examination as mentioned above is liable to be changed at the discretion of the Commission.

The approximate number of vacancies to be filled on the results of this examination will be as under:—

National Defence Academy:	Army	208 (including 10 for female candidates)
	Navy	42 (including 06 for female candidates)
	Air Force	(i) Flying – 92 (including 02 for female candidates)
		(ii) Ground Duties (Tech) – 18 (including 02 for female candidates)
		(iii) Ground Duties (Non Tech) – 10 (including 02 for

		female candidates)
Naval Academy (10+2 Cadet Entry Scheme):		36 (including 05 for female candidates)
Total		406 (including 27 for female candidates)

The number of vacancies given in the Commission's Examination Notice is provisional and may be changed depending on the availability of training capacity of National Defence Academy and Indian Naval Academy.

A candidate shall be required to mandatorily indicate order of preferences only for those services for which he/she is interested to be allocated to, in the online application. No request for addition/alteration in the preferences/order of preferences once submitted in the online application by a candidate will be entertained after the expiry of a time period, if any, as may be indicated by the Commission, at its discretion, in its Notice for the Examination.

2. CONDITIONS OF ELIGIBILITY:

(a) Nationality: A candidate must be unmarried male/female and must be :

- (i) a citizen of India, or
- (ii) a subject of Nepal, or
- (iii) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka and East African Countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania, Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia or Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (ii) and (iii) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Certificate of eligibility will not, however, be necessary in the case of candidates who are Gorkha subjects of Nepal.

(b) Age Limits, Sex and Marital Status:

Only unmarried male/female candidates born not earlier than **02nd July, 2006** and not later than **01st July, 2009** are eligible.

The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University which must be certified by the proper authority of the University or in the Secondary School Examination or an equivalent examination certificates. These certificates are required to be submitted only after the declaration of the result of the written part of the examination. No other document relating to age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, service records and the like will be accepted. The expression Matriculation/ Secondary School Examination Certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

NOTE 1: Candidates should note that only the date of birth as recorded in the Matriculation/Secondary School Examination Certificate available or an equivalent certificate on the date of submission of applications will be accepted by the Commission and no subsequent request for its change will be considered or granted.

NOTE 2: Candidates should also note that once a date of birth has been claimed by them in the One time Registration Module/Online application form and entered in the records of the Commission for the purpose of admission to an Examination, no change will be allowed subsequently or at any subsequent examination on any ground whatsoever.

NOTE 3: The candidates should exercise due care while entering their date of birth in the respective column of the Online Application Form for the Examination. If on verification at any subsequent stage any variation is found in their date of birth from the one entered in their Matriculation or equivalent Examination certificate, disciplinary action will be taken against them by the Commission under the Rules.

NOTE 4: The candidates should also note that no addition/deletion/any changes are allowed in online application form in the NDA & NA Examination in any circumstances once it is submitted and after the expiry of time period, if any, as may be indicated by the Commission, at its discretion, in its Notice for the Examination.

NOTE 5: Candidates must undertake not to marry until they complete their full training. A candidate who marries subsequent to the date of his application though successful at this or any subsequent Examination will not be selected for training. A candidate who marries during training shall be discharged and will be liable to refund all expenditure incurred on him/her by the Government.

(c) Educational Qualifications:

(i) For Army Wing of National Defence Academy :—12th Class pass of the 10+2 pattern of School Education or equivalent examination conducted by a State Education Board or a University.

(ii) For Air Force and Naval Wings of National Defence Academy and for the 10+2 Cadet Entry Scheme at the Indian Naval Academy :—12th Class pass with Physics, Chemistry and Mathematics of the 10+2 pattern of School Education or equivalent conducted by a State Education Board or a University.

Candidates who are appearing in the 12th Class under the 10+2 pattern of School Education or equivalent examination can also apply for this examination.

Such candidates who qualify the SSB interview but could not produce Matriculation/10+2 or equivalent certificate in original at the time of SSB interview should forward duly self attested Photocopies to 'Directorate General of Recruiting, Army HQ, West Block.III, R.K. Puram, New Delhi-110066' and for Naval Academy candidates to 'Naval Headquarters, DMPR, OI&R Section, Room No. 204, 'C' Wing, Sena Bhavan, New Delhi-110011' by **15th December 2025** failing which their candidature will be cancelled. All other candidates who have produced their Matriculation and 10+2 pass or equivalent certificates in original at the time of attending the SSB interview and have got the same verified by the SSB authorities are not required to submit the same to Army HQ or Naval HQ as the case may be. Certificates in original issued by the Principals of the Institutions are also acceptable in cases where Boards/Universities have not yet issued certificates. Certified true copies/photostat copies of such certificates will not be accepted.

In exceptional cases the Commission may treat a candidate, who does not possess any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that the candidate possesses qualifications, the standard of which in the opinion of the Commission, justifies his/her admission to the examination.

NOTE 1: Candidates appearing in the 11th class exam are not eligible for this examination.

NOTE 2: Those candidates who have yet to qualify in the 12th class or equivalent examination and are allowed to appear in the UPSC Examination should note that this is only a special concession given to them. They are required to submit proof of passing the 12th class or equivalent examination by the prescribed date (**i.e.15th December 2025**) and no request for extending this date will be entertained on the grounds of late conduct of Board/University Examination, delay in declaration of results or any other ground whatsoever.

NOTE 3: One Time Registration (OTR) and Online Application Form (OAF):

A candidate who is willing to apply for National Defence Academy and Naval Academy Examination shall be required to apply on-line and submit the requisite information and supporting documents towards various claims, such as date of birth, educational qualification, etc. as may be sought by the Commission alongwith the Online Application Form. The failure to provide the required information/documents alongwith the Online Application Form or within the correction-window, if any, provided by the Commission will entail cancellation of candidature for the examination.

NOTE 4 : Candidates who are debarred by the Ministry of Defence from holding any type of commission in the Defence Services shall not be eligible for admission to the examination and if admitted, their candidature will be cancelled.

NOTE 5: Those candidates, who have failed CPSS/PABT earlier, are now eligible for Air Force in Ground Duty branches if they fill their willingness in the Online Application Form available at the Commission's website.

(d) Physical Standards:

Candidates must be physically fit according to physical standards for admission to **National Defence Academy and Naval Academy Examination (I), 2025** as per guidelines given in the Appendix-II.

(e) A candidate who has resigned or withdrawn on disciplinary grounds from any of the training academies of Armed Forces is not eligible to apply.

3. FEE

Candidates (excepting SC/ST/female candidates, wards of JCOs/NCOs/ORs specified in the Commission's Notice) must pay the fee as prescribed in the Commission's Examination Notice.

The wards of serving/ex-Junior Commissioned Officers/Non-Commissioned Officers/Other Ranks of Army and equivalent ranks in the Indian Navy/Indian Air Force are also not required to pay the prescribed fee if they are studying in Military School (formerly known as King George's School)/Sainik School run by Sainik Schools Society.

A certificate of eligibility for fee exemption is required to be obtained by all such candidates from the Principals concerned individually and produced for verification at the time of SSB Test/Interview by the candidates who are declared qualified for the SSB Test/Interview.

4. All candidates whether already in Government Service including candidates serving in the Armed Forces, Sailors (including boys and artificers apprentices) of the Indian Navy, Cadets of Rashtriya Indian Military College (previously known as Sainik School, Dehradun), Students of Rashtriya Military Schools (formerly known as Military Schools) and Sainik Schools run by Sainik Schools Society, Government owned industrial undertakings or other similar organizations or in private employment should apply online direct to the Commission.

5. Persons already in Government Service, whether in permanent or temporary capacity or as work charged employees other than casual or daily rated employees or those serving under the Public Enterprises; (b) Candidates serving in the Armed Forces, Sailors (including boys and artificers apprentices) of the Indian Navy; and (c) Cadets of Rashtriya Indian Military College (previously known as Sainik School, Dehra Dun), Students of Military Schools formerly known as King George's Schools and Sainik Schools run by Sainik Schools Society are required to inform

their Head of Office/Department, Commanding Officer, Principals of College/School concerned, as the case may be, in writing that they have applied for this examination.

Note: Candidates should note that in case a communication is received by the Commission from their employer/authority concerned withholding permission to the candidates applying for/appearing at the examination, their applications will be liable to be rejected/candidature will be liable to be cancelled.

6. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of candidate for admission to the examination shall be final.

The candidate applying for the examination should ensure that they fulfil all the eligibility conditions for admission to the examination. Their admission to the all the stages of the examination will be purely provisional subject to their satisfying the prescribed eligibility conditions. If on verification at any time before or after any stage of the examination, it is found that they do not fulfil any of the eligibility conditions their candidature will be cancelled by the Commission.

7. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission for the examination.

8. All the candidates who have successfully qualified in the written examination are required to register themselves online on Directorate General of Recruiting website www.joinindianarmy.nic.in. with the same E-mail ID as provided to UPSC while filling UPSC online application. Candidates must ensure that their e-mail Ids given in their online applications are valid and active. These candidates would then be allotted Selection Centres through the aforesaid website. In case of any problems/queries, candidates should contact Directorate General of Recruiting on the telephone numbers given on their website or through feedback / query module after logging on to their profile.

CANDIDATES WHO HAVE PASSED WRITTEN TEST ARE NOT REQUIRED TO SUBMIT THEIR ORIGINAL CERTIFICATE OF AGE AND EDUCATIONAL QUALIFICATION EITHER TO DIRECTORATE GENERAL OF RECRUITING, ARMY HQ, WEST BLOCK-III, RK PURAM, NEW DELHI-110066 OR TO NAVAL HEADQUARTERS, DMPR, OI&R SECTION, 'C' WING, SENA BHAWAN, NEW DELHI-110011.

ALL CANDIDATES CALLED FOR INTERVIEW MUST CARRY THEIR ORIGINAL MATRICULATION CERTIFICATE OR EQUIVALENT EXAMINATION CERTIFICATE TO THE SERVICES SELECTION BOARD (SSB). ORIGINALS WILL HAVE TO BE PRODUCED BY THE CANDIDATES WHO QUALIFY AT THE SSB INTERVIEW SOON AFTER THE INTERVIEW. THE ORIGINALS WILL BE RETURNED AFTER VERIFICATION. THOSE CANDIDATES WHO HAVE ALREADY PASSED 10+2 EXAMINATION MUST CARRY THEIR ORIGINAL 10+2 PASS CERTIFICATE OR MARKS SHEET FOR THE SSB INTERVIEW.

IF ANY OF THEIR CLAIMS IS FOUND TO BE INCORRECT THEY MAY RENDER THEMSELVES LIABLE TO DISCIPLINARY ACTION BY THE COMMISSION IN TERMS OF THE FOLLOWING PROVISIONS:

9. (1) If any of their claims is found to be incorrect/false/fraud/fabricated they may render themselves liable to disciplinary action by the Commission in terms of the following provisions:

A candidate who is or has been declared by the Commission or respective service HQ to be guilty of:-

(a) Obtaining support for candidature by the following means, namely:—

- (i) offering illegal gratification to; or
- (ii) applying pressure on; or

- (iii) blackmailing, or threatening to blackmail any person connected with the conduct of the examination; or
- (b) impersonation; or
- (c) procuring impersonation by any person; or
- (d) submitting fabricated/incorrect documents or documents which have been tampered with; or
- (e) uploading irrelevant or incorrect photos/signature in the application form in place of actual photo/signature.
- (f) making statements which are incorrect or false or suppressing material information; or
- (g) resorting to the following means in connection with the candidature for the examination, namely :—
 - (i) obtaining copy of question paper through improper means;
 - (ii) finding out the particulars of the persons connected with secret work relating to the examination;
 - (iii) influencing the examiners; or
- (h) being in possession of or using unfair means during the examination; or
- (i) writing obscene matter or drawing obscene sketches or irrelevant matter in the scripts; or
- (j) misbehaving in the examination hall including tearing of the scripts, provoking fellow examinees to boycott examination, creating a disorderly scene and the like; or
- (k) harassing, threatening or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examination; or
- (l) being in possession of or using any mobile phone (even in switched-off mode) pager or any other incriminating material (notes on e-admit cards, papers, erasers etc.) or any electronic equipment or programmable device or storage media like pen drive, smart watches/digital watches etc. or camera or bluetooth devices or IT gadgets, any other equipment or related accessories (either in working or switched-off mode) capable of being used as a communication device during the examination; or
- (m) violating any of the instructions issued to candidates along with their admission certificates permitting them to take the examination; or
- (n) attempting to commit or, as the case may be, abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses; in addition to being liable to criminal prosecution, shall be disqualified by the Commission from the Examination held under these Rules, and /or shall be liable to be debarred either permanently or for a specified period:-
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government from any employment under them; And shall be liable to face disciplinary action under the appropriate rules if already in service under Government.
- (o) Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after:—
 - (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as the candidate may wish to make in that behalf; and
 - (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate within the period allowed for the purpose, into consideration.

9. (2) Any person who is found by the Commission or respective service HQ to be guilty of colluding with a candidate (s) in committing or abetting the commission of any of the misdeeds listed at Clauses (a) to (m) above render himself/herself liable to action in terms of the Clause (n).

10. TRAVELLING ALLOWANCE:

Candidates appearing for SSB interview for the first time for a particular type of Commission i.e. Permanent or Short Service, shall be entitled for AC III Tier to and fro railway fare or bus fare including reservation cum sleeper charges within the Indian limits. Candidates who apply again for the same type of Commission will not be entitled to travelling allowance on any subsequent occasion.

11. CORRESPONDENCE WITH THE ARMY/NAVY/AIR FORCE HEADQUARTERS:

All Communications to the ARMY/NAVY/AIR HEADQUARTERS should invariably contain the following particulars.

1. Name and year of the examination.
2. Registration ID (RID).
3. Roll Number (if received).
4. Name of candidate (in full and in block letters).
5. Postal Address as given in the application.

N.B. (i) : Communications not containing the above particulars may not be attended to.

N.B. (ii) : If a letter/communication is received from a candidate after an examination has been held and it does not give his full name and roll number, it will be ignored and no action will be taken thereon. Candidates recommended by the Commission for interview by the Services Selection Board who have changed their addresses subsequent to the submission of their applications for the examination should immediately after announcement of the result of the written part of the examination notify the changed address also to:—

For candidates with Army as first choice—Army Headquarters, A.G's Branch, RTG (NDA Entry), West Block-III, Wing-1, R. K. Puram, New Delhi-110066, Phone No. 26175473.

For candidates with Navy/Naval Academy as first choice— Naval Headquarters, Directorate of Manpower & Recruitment, OI&R Section, R. No. 204, 'C' Wing, Sena Bhawan, New Delhi-110011, Phone No. 23010097/23011282.

For candidates with Air Force as first choice Dte of Personnel(Officers), Air Headquarters, (VB) Room No 838. 'A' Block, Defence Offices Complex, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi-110001 Phone No. 23010231 Extn 7645/7646/7610.

FAILURE TO COMPLY WITH THIS INSTRUCTION WILL DEPRIVE THE CANDIDATE OF ANY CLAIM TO CONSIDERATION IN THE EVENT OF HIS/HER NOT RECEIVING THE SUMMONS LETTER FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD.

AFTER HAVING CLEARED THE WRITTEN EXAMINATION THE CANDIDATES SHOULD LOG ON TO THE FOLLOWING WEBSITES FOR THEIR SSB CENTRE & DATE OF INTERVIEW:-

www.joinindianarmy.nic.in

www.joinindiannavy.gov.in

The candidates with Air Force as first choice are also to register on **www.joinindianarmy.nic.in** for **AFSB and date selection.**

Candidates whose names have been recommended for interview by the Services Selection Board should address enquiries or requests, if any, relating to their interview or visit website of respective service headquarters after 20 days from the announcement of written results as follows:—

For candidates with Army as first choice—Army Headquarters, AG's Branch, RTG (NDA Entry), West Block-III, Wing-1, R.K. Puram, New Delhi – 110 066, Phone No. 20862673 or www.joinindianarmy.nic.in

For candidates with Navy/Naval Academy as first choice— Naval Headquarters, Directorate of Manpower & Recruitment, O.I. & R. Section, Room No. 204, 'C' Wing, Sena Bhavan, New Delhi-110011, Phone No. 23011282/23010151 Email: officer@navy.gov.in or www.joinindiannavy.gov.in

For candidates with Air Force as first choice— Dte of Personnel (Officers), Air Headquarters, (VB) Room No 838. 'A' Block, Defence Offices Complex, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi-110001 Phone No. 23010231 Extn 7645/7646/7610.

Candidates are required to report for SSB interview on the date intimated to them in the call up letter for interview. Requests for postponing interview will only be considered in exceptional circumstances and that too if it is administratively convenient for which Army Headquarters will be the sole deciding authority. Such requests should be addressed to the Administrative Officer of the Selection Centre from where the call letter for interview has been received. No action will be taken on letters received by Army/Navy/Air HQs. SSB interview for the candidates qualified in the written examination will be held during the months of **July 2025 to September 2025** or as suitable to Recruiting Directorate. For all queries regarding Merit list, joining instructions and any other relevant information regarding selection process, please visit website www.joinindianarmy.nic.in.

12. ANNOUNCEMENT OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION, INTERVIEW OF QUALIFIED CANDIDATES, ANNOUNCEMENT OF FINAL RESULTS AND ADMISSION TO THE TRAINING COURSES OF THE FINALLY QUALIFIED CANDIDATES:

The Union Public Service Commission shall prepare a list of candidates who obtain the minimum qualifying marks in the written examination as fixed by the Commission at their discretion. Such candidates shall appear before a Services Selection Board for Intelligence and Personality Test where candidates for the Army/Navy wings of the NDA and 10+2 Cadet Entry Scheme of Indian Naval Academy will be assessed on Officers Potentiality and those for the Air Force in addition to the above will have to qualify Computerised Pilot Selection System (CPSS). Candidates with Air Force as one of the choice would also undergo CPSS if they qualify SSB and are willing.

13. TWO-STAGE SELECTION PROCEDURE

Two-stage selection procedure based on Psychological Aptitude Test and Intelligence Test has been introduced at Selection Centres/Air Force Selection Boards/Naval Selection Boards. All the candidates will be put to stage-one test on first day of reporting at Selection Centres/Air Force Selection Boards/Naval Selection Boards. Only those candidates who qualify at stage one will be admitted to the second stage/remaining tests. Those candidates who qualify stage II will be required to submit the Original Certificates along with one photocopy each of: (i) Original Matriculation pass certificate or equivalent in support of date of birth, (ii) Original 10+2 pass certificate or equivalent in support of educational qualification.

Candidates who appear before the Services Selection Board and undergo the test there, will do so at their own risk and will not be entitled to claim any compensation or other relief from Government in respect of any injury which they may sustain in the course of or as a result of any of the tests given to them at the Services Selection Board whether due to the negligence of any person or otherwise. Parents or guardians of the candidates will be required to sign a certificate to this effect.

To be acceptable, candidates for the Army/Navy/Naval Academy and Air Force should secure the minimum qualifying marks separately in (i) Written examination as fixed by the Commission at their discretion and (ii) Officer Potentiality Test as fixed by the Services Selection Board at their discretion. Over and above candidates for the Air Force, and all the SSB qualified candidates as per their willingness, eligibility and preference for flying branch of Air Force, should separately qualify the CPSS.

Subject to these conditions the qualified candidates will then be placed in a single combined list on the basis of total marks secured by them in the Written Examination and the Services Selection Board Tests. The final allocation/selection for admission to the Army, Navy, Air Force of the National Defence Academy and 10+2 Cadet Entry Scheme of Indian Naval Academy will be made upto the number of vacancies available subject to eligibility, medical fitness and merit-cum-preference of the candidates. The candidates who are eligible to be admitted to multiple Services/Courses will be considered for allocation/selection with reference to their order or preferences and in the

event of their final allocation/ selection to one Service/Course, they will not be considered for admission to other remaining Services/Courses.

N.B.: EVERY CANDIDATE FOR THE FLYING BRANCH OF AIR FORCE IS GIVEN COMPUTERISED PILOT SELECTION SYSTEM (CPSS) (PILOT APTITUDE TEST) ONLY ONCE. THE GRADES SECURED BY HIM/HER AT THE FIRST TEST WILL THEREFORE HOLD GOOD FOR EVERY SUBSEQUENT INTERVIEW HE HAS WITH THE AIR FORCE SELECTION BOARD. A CANDIDATE WHO FAILS IN THE CPSS CANNOT APPLY FOR ADMISSION TO THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY EXAMINATION FOR THE FLYING BRANCH OF AIR FORCE WING OR GENERAL DUTIES (PILOT) BRANCH OR NAVAL AIR ARM.

Candidates who have been given the Computerised Pilot Selection System (CPSS) for any previous N.D.A. course should submit their application for this examination for the Air Force Wing only if they have been notified as having qualified in CPSS. In case a candidate has failed in CPSS/not tested for CPSS for being HWG, the candidate would be considered for Ground Duty branch of IAF, Navy, Army and NAVAC as per his choices.

The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission at their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

Success in the examination confers no right of admission to the Academy. A candidate must satisfy the appointing authority that he/she is suitable in all respects for admission to the Academy.

14. DISQUALIFICATION FOR ADMISSION TO THE TRAINING COURSE:

Candidates who were admitted to an earlier course at the National Defence Academy, or to the 10 + 2 Cadet Entry Scheme of Indian Naval Academy but were removed there from for lack of officer-like qualities or on disciplinary grounds will not be admitted to the Academy.

Candidates who were previously withdrawn from the National Defence Academy or Indian Naval Academy on medical grounds or left the above Academy voluntarily are however, eligible for admission to the Academy provided they satisfy the medical and other prescribed conditions.

15. The details regarding (a) the scheme and syllabus of the examination, (b) Physical standards for admission to the National Defence Academy and Naval Academy and (c) Brief particulars of the service etc., for candidates joining the National Defence Academy and Naval Academy are given in Appendices I, II and III respectively.

Maj. Gen. GS CHOUDHRY, Jt. Secy. (Army & TA)

APPENDIX-I

(The Scheme and Syllabus of Examination)

A. SCHEME OF EXAMINATION

1. The subjects of the written examination, the time allowed and the maximum marks allotted to each subject will be as follows:—

Subject	Code	Duration	Maximum Marks
Mathematics	01	2½ Hours	300
General Ability Test	02	2½ Hours	600
	Total		900
SSB Test/Interview:			900

2. THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. THE QUESTION PAPERS (TEST BOOKLETS) OF MATHEMATICS AND PART “B” OF GENERAL ABILITY TEST WILL BE SET BILINGUALLY IN HINDI AS WELL AS ENGLISH.
3. In the question papers, wherever necessary, questions involving the metric system of Weights and Measures only will be set.
4. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write answers for them.
5. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects at the examination.
6. The candidates are not permitted to use calculator or Mathematical or logarithmic table for answering objective type papers (Test Booklets). They should not therefore, bring the same inside the Examination Hall.

B. SYLLABUS OF THE EXAMINATION

PAPER-I MATHEMATICS (Code No. 01) (Maximum Marks-300)

1. ALGEBRA

Concept of set, operations on sets, Venn diagrams. De Morgan laws, Cartesian product, relation, equivalence relation.

Representation of real numbers on a line. Complex numbers— basic properties, modulus, argument, cube roots of unity. Binary system of numbers. Conversion of a number in decimal system to binary system and vice-versa. Arithmetic, Geometric and Harmonic progressions. Quadratic equations with real coefficients. Solution of linear inequations of two variables by graphs. Permutation and Combination. Binomial theorem and its applications. Logarithms and their applications.

2. MATRICES AND DETERMINANTS:

Types of matrices, operations on matrices. Determinant of a matrix, basic properties of determinants. Adjoint and inverse of a square matrix, Applications-Solution of a system of linear equations in two or three unknowns by Cramer's rule and by Matrix Method.

3. TRIGONOMETRY:

Angles and their measures in degrees and in radians. Trigonometrical ratios. Trigonometric identities Sum and difference formulae. Multiple and Sub-multiple angles. Inverse trigonometric functions. Applications-Height and distance, properties of triangles.

4. ANALYTICAL GEOMETRY OF TWO AND THREE DIMENSIONS:

Rectangular Cartesian Coordinate system. Distance formula. Equation of a line in various forms. Angle between two lines. Distance of a point from a line. Equation of a circle in standard and in general form. Standard forms of parabola, ellipse and hyperbola. Eccentricity and axis of a conic. Point in a three dimensional space, distance between two points. Direction Cosines and direction ratios. Equation two points. Direction Cosines and direction ratios. Equation of a plane and a line in various forms. Angle between two lines and angle between two planes. Equation of a sphere.

5. DIFFERENTIAL CALCULUS:

Concept of a real valued function—domain, range and graph of a function. Composite functions, one to one, onto and inverse functions. Notion of limit, Standard limits—examples. Continuity of functions—examples, algebraic operations on continuous functions. Derivative of function at a point, geometrical and physical interpretation of a derivative—applications. Derivatives of sum, product and quotient of functions, derivative of a function with respect

to another function, derivative of a composite function. Second order derivatives. Increasing and decreasing functions. Application of derivatives in problems of maxima and minima.

6. **INTEGRAL CALCULUS AND DIFFERENTIAL EQUATIONS:**

Integration as inverse of differentiation, integration by substitution and by parts, standard integrals involving algebraic expressions, trigonometric, exponential and hyperbolic functions. Evaluation of definite integrals—determination of areas of plane regions bounded by curves— applications.

Definition of order and degree of a differential equation, formation of a differential equation by examples. General and particular solution of a differential equations, solution of first order and first degree differential equations of various types—examples. Application in problems of growth and decay.

7. **VECTOR ALGEBRA:**

Vectors in two and three dimensions, magnitude and direction of a vector. Unit and null vectors, addition of vectors, scalar multiplication of a vector, scalar product or dot product of two vectors. Vector product or cross product of two vectors. Applications—work done by a force and moment of a force and in geometrical problems.

8. **STATISTICS AND PROBABILITY:**

Statistics: Classification of data, Frequency distribution, cumulative frequency distribution— examples. Graphical representation— Histogram, Pie Chart, frequency polygon— examples. Measures of Central tendency— Mean, median and mode. Variance and standard deviation— determination and comparison. Correlation and regression.

Probability : Random experiment, outcomes and associated sample space, events, mutually exclusive and exhaustive events, impossible and certain events. Union and Intersection of events. Complementary, elementary and composite events. Definition of probability—classical and statistical—examples. Elementary theorems on probability—simple problems. Conditional probability, Bayes' theorem—simple problems. Random variable as function on a sample space. Binomial distribution, examples of random experiments giving rise to Binomial distribution.

PAPER-II

GENERAL ABILITY TEST

(Code No. 02)

(Maximum Marks—600)

Part 'A'—ENGLISH

(Maximum Marks—200)

The question paper in English will be designed to test the candidate's understanding of English and workman like use of words. The syllabus covers various aspects like : Grammar and usage, vocabulary, comprehension and cohesion in extended text to test the candidate's proficiency in English.

Part 'B'—GENERAL KNOWLEDGE

(Maximum Marks—400)

The question paper on General Knowledge will broadly cover the subjects : Physics, Chemistry, General Science, Social Studies, Geography and Current Events.

The syllabus given below is designed to indicate the scope of these subjects included in this paper. The topics mentioned are not to be regarded as exhaustive and questions on topics of similar nature not specifically mentioned in the syllabus may also be asked. Candidate's answers are expected to show their knowledge and intelligent understanding of the subject.

Section 'A' (Physics)

Physical Properties and States of Matter, Mass, Weight, Volume, Density and Specific Gravity, Principle of Archimedes, Pressure Barometer.

Motion of objects, Velocity and Acceleration, Newton's Laws of Motion, Force and Momentum, Parallelogram of Forces, Stability and Equilibrium of bodies, Gravitation, elementary ideas of work, Power and Energy.

Effects of Heat, Measurement of Temperature and Heat, change of State and Latent Heat, Modes of transference of Heat.

Sound waves and their properties, Simple musical instruments.

Rectilinear propagation of Light, Reflection and refraction. Spherical mirrors and Lenses, Human Eye.

Natural and Artificial Magnets, Properties of a Magnet, Earth as a Magnet.

Static and Current Electricity, conductors and Non-conductors, Ohm's Law, Simple Electrical Circuits, Heating, Lighting and Magnetic effects of Current, Measurement of Electrical Power, Primary and Secondary Cells, Use of X-Rays.

General Principles in the working of the following:

Simple Pendulum, Simple Pulleys, Siphon, Levers, Balloon, Pumps, Hydrometer, Pressure Cooker, Thermos Flask, Gramophone, Telegraphs, Telephone, Periscope, Telescope, Microscope, Mariner's Compass; Lightning Conductors, Safety Fuses.

Section 'B' (Chemistry)

Physical and Chemical changes. Elements, Mixtures and Compounds, Symbols, Formulae and simple Chemical Equations, Law of Chemical Combination (excluding problems). Properties of Air and Water.

Preparation and Properties of Hydrogen, Oxygen, Nitrogen and Carbondioxide, Oxidation and Reduction.

Acids, bases and salts.

Carbon—different forms.

Fertilizers—Natural and Artificial.

Material used in the preparation of substances like Soap, Glass, Ink, Paper, Cement, Paints, Safety Matches and Gun-Powder

Elementary ideas about the structure of Atom, Atomic Equivalent and Molecular Weights, Valency.

Section 'C' (General Science)

Difference between the living and non-living.

Basis of Life—Cells, Protoplasm and Tissues.

Growth and Reproduction in Plants and Animals.

Elementary knowledge of Human Body and its important organs.

Common Epidemics, their causes and prevention.

Food—Source of Energy for man. Constituents of food, Balanced Diet.

The Solar System—Meteors and Comets, Eclipses.

Achievements of Eminent Scientists.

Section 'D' (History, Freedom Movement etc.)

A broad survey of Indian History, with emphasis on Culture and Civilisation.

Freedom Movement in India.

Elementary study of Indian Constitution and Administration.

Elementary knowledge of Five Year Plans of India.

Panchayati Raj, Co-operatives and Community Development.

Bhoodan, Sarvodaya, National Integration and Welfare State, Basic Teachings of Mahatma Gandhi.

Forces shaping the modern world; Renaissance, Exploration and Discovery; War of American Independence. French Revolution, Industrial Revolution and Russian Revolution. Impact of Science and Technology on Society. Concept of one World, United Nations, Panchsheel, Democracy, Socialism and Communism. Role of India in the present world.

Section 'E' (Geography)

The Earth, its shape and size. Latitudes and Longitudes, Concept of time. International Date Line. Movements of Earth and their effects.

Origin of Earth. Rocks and their classification; Weathering—Mechanical and Chemical, Earthquakes and Volcanoes.

Ocean Currents and Tides.

Atmosphere and its composition; Temperature and Atmospheric Pressure, Planetary Winds, Cyclones and Anti-cyclones; Humidity; Condensation and Precipitation; Types of Climate, Major Natural regions of the World.

Regional Geography of India—Climate, Natural vegetation. Mineral and Power resources; location and distribution of agricultural and Industrial activities.

Important Sea ports and main sea, land and air routes of India. Main items of Imports and Exports of India.

Section 'F' (Current Events)

Knowledge of Important events that have happened in India in the recent years. Current important world events.

Prominent personalities—both Indian and International including those connected with cultural activities and sports.

NOTE :

Out of maximum marks assigned to part 'B' of this paper, questions on Sections 'A', 'B', 'C', 'D', 'E' and 'F' will carry approximately 25%, 15%, 10%, 20%, 20% and 10% weightages respectively.

Intelligence and Personality Test

The SSB procedure consists of two stage Selection process - stage I and stage II. Only those candidates who clear the stage I are permitted to appear for stage II. The details are :

(a) Stage I comprises of Officer Intelligence Rating (OIR) tests are Picture Perception and Description Test (PP&DT). The candidates will be shortlisted based on combination of performance in OIR Test and PP&DT.

(b) Stage II Comprises of Interview, Group Testing Officer Tasks, Psychology Tests and the Conference. These tests are conducted over 4 days. The details of these tests are given on the website www.joinindianarmy.nic.in.

The personality of a candidate is assessed by three different assessors viz. The Interviewing Officer (IO), Group Testing Officer (GTO) and the Psychologist. There are no separate weightage for each test. The marks are allotted by assessors only after taking into consideration the performance of the candidate holistically in all the tests. In addition, marks for Conference are also allotted based on the initial performance of the Candidate in the three techniques and decision of the Board. All these have equal weightage.

The various tests of IO, GTO and Psych are designed to bring out the presence/absence of Officer Like Qualities and their trainability in a candidate. Accordingly candidates are Recommended or Not Recommended at the SSB.

APPENDIX-II**GUIDELINES FOR PHYSICAL STANDARDS FOR ADMISSION TO THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY.**

NOTE: CANDIDATES MUST BE PHYSICALLY AND MENTALLY FIT ACCORDING TO THE PRESCRIBED PHYSICAL STANDARDS. MEDICAL FITNESS CRITERIA GIVEN BELOW ARE AS PER EXISTING GUIDELINES AS ON DATE OF PUBLICATION AND THESE GUIDELINES ARE SUBJECT TO REVISION.

A NUMBER OF QUALIFIED CANDIDATES ARE REJECTED SUBSEQUENTLY ON MEDICAL GROUNDS. CANDIDATES ARE THEREFORE ADVISED IN THEIR OWN INTEREST TO GET THEMSELVES MEDICALLY EXAMINED BEFORE SUBMITTING THEIR APPLICATIONS TO AVOID DISAPPOINTMENT AT THE FINAL STAGE.

1. Candidates are also advised to rectify minor defects/ailments in order to speed up finalisation of medical examination conducted at the Military Hospital after being recommended at the SSB.

2. Few of such commonly found defects/ailments are listed below:

- (a) Wax (Ears)
- (b) Deviated Nasal Septum
- (c) Hydrocele/Phimosis
- (d) Overweight/Underweight
- (e) Under Sized Chest
- (f) Piles
- (g) Gynaecomastia
- (h) Tonsillitis
- (i) Varicocele

NOTE: Permanent body tattoos are only permitted on inner face of forearm i.e. from inside of elbow to the wrist and on the reverse side of palm/back (dorsal) side of hand/Permanent body tattoos on any other part of the body are not acceptable and candidates will be barred from further selection. Tribes with tattoo marks on the face or body as per their existing custom and traditions will be permitted on a case to case basis. Command Selection Centre will be competent authority for clearing such cases.

3. Civilian candidates appearing for all types of commission in the Armed Forces will be entitled to out-patients treatment from service sources at public expense for injuries sustained or diseases contracted during the course of their examination by the Selection Board. They will also be entitled to in-patient treatment at public expense in the Officer's ward of a hospital provided—

- (a) the injury is sustained during the tests or,
- (b) the disease is contracted during the course of the examination by selection board and there is no suitable accommodation in local civil hospital or it is impracticable to remove the patient to the civil hospital; or,
- (c) the medical board requires the candidate's admission for observation.

NOTE: They are not entitled to special nursing.

4. Medical Procedure

A candidate recommended by the Services Selection Board will undergo a medical examination by a Board of Service Medical Officers. Only those candidates will be admitted to the academy who are declared fit by the Medical Board. The proceedings of the Medical Board are confidential and will not be divulged to anyone. However, the candidates declared unfit will be intimated by the President of the Medical Board and the procedure for request for an Appeal Medical Board will also be intimated to the candidate.

5. Candidates declared unfit during Appeal Medical Board will be intimated about the provision of Review Medical Board.

6. Medical Standards and procedure for Army, Navy and Air Force (Flying Branch and Ground Duty Branch) are given in Annexure 'A'. Annexure 'B' and Annexure 'C' respectively, which is also available at following websites:-

(i) For Officers Entry into Army Medical Standards and Procedure of Medical Examination at www.joinindianarmy.nic.in

(ii) For Officers Entry for Air Force (flying & Ground duty branches) Medical Standards and Procedure of Medical Examination at www.careerindianairforce.cdac.in

(iii) For Officers Entry for Navy: Medical Standards and Medical Examination at www.joinindiannavy.gov.in

Note: The proceedings of the Medical Board are confidential will not be divulged to anyone. Directorate General of Recruiting has no role to play in any Medical Boards and procedure advised by the competent medical authorities will be strictly adhered.

MEDICAL EXAMINATION OF FEMALE CANDIDATES

1. General methods and principles of medical examination of female candidates will be the same as for male candidates. However, special points pertaining to Medical Examination of female candidates are given in succeeding paragraphs.

2. A detailed menstrual, gynaecological and obstetric history in the form of a questionnaire is to be obtained from the candidate.

3. A detailed physical and systemic examination will be carried out of the candidate and she should be examined by a Lady Medical Officer or a Lady Gynecologist only.

4. The examination must include the following inspections:-

(a) External genitalia.

(b) Hernial orifices and the perineum.

(c) Any evidence of stress urinary incontinence or genital prolapsed outside introitus.

(d) Evidence of lump breast and galactorrhoea

5. In all unmarried female candidates, speculum or per vaginal examination will not be carried out.

6. Ultrasound scan of the abdomen and pelvis is mandatory in all female candidates during the initial Medical Examination.
7. Any abnormality of external genitalia will be considered on merits of each case. Significant hirsutism especially with male pattern of hair growth along with radiological evidence of PCOS, will be a cause for rejection.
8. Following conditions will entail female candidates being declared unfit:
- (a) Primary or secondary amenorrhoea
 - (b) Severe Menorrhagia or/ and severe dysmenorrhea.
 - (c) Stress urinary incontinence
 - (d) Congenital elongation of cervix or prolapsed which comes outside the introitus even after corrective surgery.
 - (e) **Pregnancy**. Pregnancy will be a cause of rejection for NDA entry.
 - (f) Complex ovarian cyst of any size.
 - (g) Simple ovarian cyst more than six cm.
 - (h) Endometriosis and Adenomyosis.
 - (i) Submucous fibroid of any size.
 - (j) Broad ligament or cervical fibroid of any size causing pressure over ureter.
 - (k) Single fibroid uterus more than three cm in diameter; fibroids more than two in number (each fibroid not more than fifteen mm in diameter) or fibroids causing distortion of endometrial cavity.
 - (l) Congenital uterine anomalies except arcuate uterus.
 - (m) Acute or chronic pelvic infection.
 - (n) Disorders of sexual differentiation.
 - (o) Any other condition will be considered on merits of each case by the Gynaecologist.
9. Following conditions will be declared as **FIT**:-
- (a) Unilocular clear ovarian cyst up to six cm.
 - (b) Minimal fluid in pouch of Douglas.
10. **Medical fitness after laparoscopic surgery or laparotomy**. Candidates reporting after undergoing cystectomy or myomectomy will be accepted as fit if she is asymptomatic, ultrasound pelvis is normal, histopathology of tissues removed is benign and per operative findings are not suggestive of endometriosis. Fitness will be considered twelve weeks after laparoscopic surgery and when the wound has healed fully. Candidate will be considered FIT after laparotomy one year after the surgical procedure.

Annexure -A

MEDICAL STANDARDS AND PROCEDURE OF MEDICAL EXAMINATION
FOR OFFICER ENTRIES INTO ARMY

1. Introduction:

(a) The primary responsibility of the Armed Forces is defending territorial integrity of the nation. For this purpose Armed Forces should always be prepared for war. Armed Forces personnel undergo rigorous training in preparation for war. Armed Forces also assist civil authorities if required whenever the need arises like in the case of disasters. To carry out such tasks Armed Forces requires candidates with robust mental and physical health. Such candidates should also be capable of withstanding rigorous stress and strain of service conditions to perform their military duties in adverse terrain and uncongenial climate incl sea and air, in remote areas, in austere conditions with no medical facilities. A medically unfit individual due to disease/disability can not only drain precious resources but can also jeopardize lives of other members of the team during operations. Therefore only medically fit candidates are selected who emerge fit to be trained for war.

(b) The Armed Forces Medical Services are responsible for ensuring selection of '**Medically Fit**' individuals into the Armed Forces.

(c) All Armed Forces personnel regardless of occupational specialty, unit assignment, age or gender should have a basic level of general '**Medical fitness**' when inducted into service. This basic level of fitness can then be used as a benchmark to train personnel for further physically demanding occupational specialties or unit assignments. This will enhance deployable combat readiness.

(d) Medical examinations are carried out meticulously by Armed Forces Medical Services Medical Officers. These Medical Officers are well oriented to specific working conditions of Armed Forces after undergoing basic military training. Medical examinations are finalized by the Board of Medical Officers. **The decision of the Medical Board is final. In case of any doubt about any disease/disability/injury/genetic disorder etc noticed during enrolment/ commissioning, the benefit of doubt will be given to State.**

Medical Standards.

2. Medical standards described in the following paragraphs are general guidelines. They are not exhaustive in view of the vast knowledge of disease. These standards are subject to change with advancement in the scientific knowledge and change in working conditions of Armed Forces due to introduction of new eqpt/trades. Such changes will be promulgated from time to time by policy letters by competent authorities. Medical Officers, Spl Medical Officers and Medical Boards will take appropriate decisions based on following guidelines and principles.

3. **To be deemed 'Medically fit', a candidate must be in good physical and mental health and free from any disease/syndrome/disability likely to interfere with the efficient performance of military duties in any terrain, climate, season incl sea and air, in remote areas, in austere conditions with no medical aid. Candidate also should be free of medical conditions which require frequent visit to medical facilities and use of any aid / drugs.**

(a) It will, however, be ensured that candidate is in good health. There should be no evidence of weak constitution, imperfect development of any system, any congenital deformities/ diseases/syndrome or malformation.

(b) No swelling/s including tumours/cyst/swollen lymph node/s anywhere on the body. No sinus/es or fistula/e anywhere on the body.

(c) No hyper or hypo pigmentation or any other disease/syndrome/disability of the skin.

(d) No hernia anywhere on the body.

(e) No scars which can impair the functioning and cause significant disfigurement.

(f) No arterio-venous malformation anywhere in/on the body.

- (g) No malformation of the head and face including asymmetry, deformity from fracture or depression of the bones of the skull; or scars indicating old operative interference and malformation like sinuses and fistulae etc.
 - (h) No impairment of vision including colour perception and field of vision.
 - (j) No hearing impairment, deformities/disabilities in ears vestibule-cochlear system.
 - (k) No impediment of speech due to any aetiology.
 - (l) No disease/disability/ congenital anomaly/syndrome of the bones or cartilages of the nose, or palate, nasal polyps or disease of the naso-Pharynx, uvula and accessory sinuses. There should be no nasal deformity and no features of chronic tonsillitis.
 - (m) No disease /syndrome/disability of the throat, palate tonsils or gums or any disease or injury affecting the normal function of either mandibular joint.
 - (n) No disease /syndrome/disability of the heart and blood vessels incl congenital, genetic, organic incl hypertension, and conduction disorders.
 - (o) No evidence of pulmonary tuberculosis or previous history of this disease or any other disease/syndrome/disability chronic disease of the lungs and chest including allergies/immunological conditions, connective tissue disorders, musculoskeletal deformities of chest.
 - (p) No disease of the digestive system including any abnormality of the liver, pancreas incl endocrinal, congenital, hereditary or genetic diseases /syndromes and disabilities.
 - (q) No diseases/syndrome/disability of any endocrinal system, reticuloendothelial system.
 - (r) No diseases/ syndrome/ disability of genito-urinary system including malformations, atrophy/hypertrophy of any organ or gland.
 - (s) No active, latent or congenital venereal disease.
 - (t) No history or evidence of mental disease, epilepsy, incontinence of urine or enuresis.
 - (u) No disease/deformity/syndrome of musculo-skeletal system and joints incl skull, spine and limbs.
 - (v) There is no congenital or hereditary disease/ syndrome/disability.
4. Psychological examinations will be carried out during SSB selection procedure. However, any abnormal traits noticed during medical examination will be a cause for rejection.
5. Based on the above mentioned guidelines usual medical conditions which lead to rejection are:-
- (a) Musculo-skeletal deformities of spine, chest and pelvis, limbs e.g. scoliosis, torticollis, kyphosis, deformities of vertebrae, ribs, sternum, clavicle, other bones of skeleton, mal-united fractures, deformed limbs, fingers, toes and congenital deformities of spine.
 - (b) Deformities of Limbs: Deformed limbs, toes and fingers, deformed joints like cubitus valgus, cubitus varus, knock knees, bow legs, hyper mobile joints, amputated toes or fingers and shortened limbs.
 - (c) Vision and eye: Myopia, hypermetropia, astigmatism, lesions of cornea, lens, retina, squint and ptosis.

- (d) Hearing, ears, nose and throat: Sub standard hearing capability, lesions of pinna, tympanic membranes, middle ear, deviated nasal septum, and congenital abnormalities of lips, palate, peri-auricular sinuses and lymphadenitis/ adenopathy of neck. Hearing capacity should be 610 cm for Conversational Voice and Forced Whispering for each ear.
- (e) Dental conditions:-
- (i) Incipient pathological conditions of the jaws, which are known to be progressive or recurrent.
 - (ii) Significant jaw discrepancies between upper and lower jaw which may hamper efficient mastication and/or speech will be a cause for rejection.
 - (iii) Symptomatic Temporo-Mandibular Joint clicking and tenderness. A mouth opening of less than 30 mm measured at the incisal edges, Dislocation of the TMJ on wide opening.
 - (iv) All potentially cancerous conditions.
 - (v) Clinical diagnosis for sub mucous fibrosis with or without restriction of mouth opening.
 - (vi) Poor oral health status in the form of gross visible calculus, periodontal pockets and/or bleeding from gums.
 - (vii) Loose teeth: More than two mobile teeth will render the candidate unfit.
 - (viii) Cosmetic or post-traumatic maxillofacial surgery/trauma will be UNFIT for at least 24 weeks from the date of surgery/injury whichever is later.
 - (ix) If malocclusion of teeth is hampering efficient mastication, maintenance of oral hygiene or general nutrition or performance of duties efficiently.
- (f) Chest: Tuberculosis, or evidence of tuberculosis, lesions of lungs, heart, musculo skeletal lesions of chest wall.
- (g) Abdomen and genitor-urinary system: Hernia, un-descended testis, varicocele, organomegaly, solitary kidney, horseshoe kidney & cysts in the kidney/liver, Gall bladder stones, renal and ureteric stones, lesions/deformities of urogenital organs, piles, sinuses and lymphadenitis/pathy.
- (h) Nervous system: Tremors, speech impediment and imbalance.
- (j) Skin: Vitiligo, haemangiomas, warts, corns, dermatitis, skin infections growths and hyperhydrosis.

6. **Height and Weight Standards for Female Candidates joining NDA (Army):**

Age (yrs)	Minimum weight for all ages	Age: 17 to 20 yrs	Age: 20 +01 day-30 yrs	Age : 30 + 01 Day- 40 yrs	Age: Above 40 yrs
Height (cm)	Weight (Kg)	Weight (Kg)	Weight (Kg)	Weight (Kg)	Weight (Kg)
140	35.3	43.1	45.1	47.0	49.0
141	35.8	43.7	45.7	47.7	49.7
142	36.3	44.4	46.4	48.4	50.4
143	36.8	45.0	47.0	49.1	51.1
144	37.3	45.6	47.7	49.8	51.8
145	37.8	46.3	48.4	50.5	52.6
146	38.4	46.9	49.0	51.2	53.3
147	38.9	47.5	49.7	51.9	54.0

148	39.4	48.2	50.4	52.6	54.8
149	40.0	48.8	51.1	53.3	55.5
150	40.5	49.5	51.8	54.0	56.3
151	41.0	50.2	52.4	54.7	57.0
152	41.6	50.8	53.1	55.4	57.8
153	42.1	51.5	53.8	56.2	58.5
154	42.7	52.2	54.5	56.9	59.3
155	43.2	52.9	55.3	57.7	60.1
156	43.8	53.5	56.0	58.4	60.8
157	44.4	54.2	56.7	59.2	61.6
158	44.9	54.9	57.4	59.9	62.4
159	45.5	55.6	58.1	60.7	63.2
160	46.1	56.3	58.9	61.4	64.0
161	46.7	57.0	59.6	62.2	64.8
162	47.2	57.7	60.4	63.0	65.6
163	47.8	58.5	61.1	63.8	66.4

- (a) The minimum height required for entry into the Armed Forces for female Candidates is 152 cm. Gorkhas and candidates belonging to Hills of North Eastern region of India, Garhwal and Kumaon will be accepted with a minimum height of 148 cm. An allowance for growth of 02 cm will be made for candidates below 18 yrs at the time of examination. The minimum height requirement for the Flying Branch is 163 cm. Flying Branch also requires other anthropometric standards like sitting height, leg length and thigh length.
- (b) Weight for height charts given below is for all categories of personnel. This chart is prepared based on the BMI. The chart specifies the minimum acceptable weight that candidates of a particular height must have. Weights below the minimum specified will not be acceptable in any case. The maximum acceptable weight of height has been specified in age wise categories. Weights higher than the acceptable limit will be acceptable only in the case of candidates with documented evidence of body building, wrestling, and boxing at the National level. In such cases the following criteria will have to be met.
- Body Mass Index should be below 25.
 - Waist Hip ratio should be below 0.9 for male and 0.8 for female.
 - Waist Circumference should be less than 90 cm for male and 80 cm for female.
 - All biochemical metabolic parameters should be within normal limits.

Note: The height and weight for candidates below 17 years will be followed as per guidelines by 'Indian Academy of Paediatrics growth charts for height, weight and BMI for 05 Years to 16 Years old children' amended from time to time.

7. **Height and Weight Standards for Male Candidates joining NDA (Army):** Height requirement varies as per the stream of entry. Weight should be proportionate to height as per the chart given below:-

Age (yrs)	Minimum weight for all ages	Age: 17 to 20 yrs	Age: 20+01 day - 30 yrs	Age: 30 + 01 day - 40 yrs	Age: Above 40 yrs
Height (cm)	Weight (Kg)	Weight (Kg)	Weight (Kg)	Weight (Kg)	Weight (Kg)
140	35.3	43.1	45.1	47.0	49.0
141	35.8	43.7	45.7	47.7	49.7
142	36.3	44.4	46.4	48.4	50.4
143	36.8	45.0	47.0	49.1	51.1
144	37.3	45.6	47.7	49.8	51.8
145	37.8	46.3	48.4	50.5	52.6
146	38.4	46.9	49.0	51.2	53.3
147	38.9	47.5	49.7	51.9	54.0
148	39.4	48.2	50.4	52.6	54.8
149	40.0	48.8	51.1	53.3	55.5

150	40.5	49.5	51.8	54.0	56.3
151	41.0	50.2	52.4	54.7	57.0
152	41.6	50.8	53.1	55.4	57.8
153	42.1	51.5	53.8	56.2	58.5
154	42.7	52.2	54.5	56.9	59.3
155	43.2	52.9	55.3	57.7	60.1
156	43.8	53.5	56.0	58.4	60.8
157	44.4	54.2	56.7	59.2	61.6
158	44.9	54.9	57.4	59.9	62.4
159	45.5	55.6	58.1	60.7	63.2
160	46.1	56.3	58.9	61.4	64.0
161	46.7	57.0	59.6	62.2	64.8
162	47.2	57.7	60.4	63.0	65.6
163	47.8	58.5	61.1	63.8	66.4
164	48.4	59.2	61.9	64.6	67.2
165	49.0	59.9	62.6	65.3	68.1
166	49.6	60.6	63.4	66.1	68.9
167	50.2	61.4	64.1	66.9	69.7
168	50.8	62.1	64.9	67.7	70.6
169	51.4	62.8	65.7	68.5	71.4
170	52.0	63.6	66.5	69.4	72.3
171	52.6	64.3	67.3	70.2	73.1
172	53.3	65.1	68.0	71.0	74.0
173	53.9	65.8	68.8	71.8	74.8
174	54.5	66.6	69.6	72.7	75.7
175	55.1	67.4	70.4	73.5	76.6
176	55.8	68.1	71.2	74.3	77.4
177	56.4	68.9	72.1	75.2	78.3
178	57.0	69.7	72.9	76.0	79.2
179	57.7	70.5	73.7	76.9	80.1
180	58.3	71.3	74.5	77.8	81.0
181	59.0	72.1	75.4	78.6	81.9
182	59.6	72.9	76.2	79.5	82.8
183	60.3	73.7	77.0	80.4	83.7
184	60.9	74.5	77.9	81.3	84.6
185	61.6	75.3	78.7	82.1	85.6
186	62.3	76.1	79.6	83.0	86.5
187	62.9	76.9	80.4	83.9	87.4
188	63.6	77.8	81.3	84.8	88.4
189	64.3	78.6	82.2	85.7	89.3
190	65.0	79.4	83.0	86.6	90.3
191	65.7	80.3	83.9	87.6	91.2
192	66.4	81.1	84.8	88.5	92.2
193	67.0	81.9	85.7	89.4	93.1
194	67.7	82.8	86.6	90.3	94.1
195	68.4	83.7	87.5	91.3	95.1
196	69.1	84.5	88.4	92.2	96.0
197	69.9	85.4	89.3	93.1	97.0
198	70.6	86.2	90.2	94.1	98.0
199	71.3	87.1	91.1	95.0	99.0
200	72.0	88.0	92.0	96.0	100.0
201	72.7	88.9	92.9	97.0	101.0
202	73.4	89.8	93.8	97.9	102.0
203	74.2	90.7	94.8	98.9	103.0
204	74.9	91.6	95.7	99.9	104.0
205	75.6	92.5	96.7	100.9	105.1
206	76.4	93.4	97.6	101.8	106.1
207	77.1	94.3	98.6	102.8	107.1
208	77.9	95.2	99.5	103.8	108.2

209	78.6	96.1	100.5	104.8	109.2
210	79.4	97.0	101.4	105.8	110.3

(a) Weight for height charts given above is for all categories of personnel. This chart is prepared based on the BMI. The chart specifies the minimum acceptable weight that candidates of a particular height must have. Weights below the minimum specified will not be acceptable in any case. The maximum acceptable weight of height has been specified in age wise categories. Weights higher than the acceptable limit will be acceptable only in the case of candidates with documented evidence of body building, wrestling, and boxing at the National level. In such cases the following criteria will have to be met.

- (a) Body Mass Index should be below 25.
- (i) Waist Hip ratio should be below 0.9 for males and 0.8 for females.
- (ii) Waist Circumference should be less than 90 cm for males and 80 cm for females.
- (iv) All biochemical metabolic parameters should be within normal limits.

Note: The height and weight for candidates below 17 years will be followed as per guidelines by 'Indian Academy of Paediatrics growth charts for height, weight and BMI for 05 Years to 16 Years old children' amended from time to time.

(b) The minimum height required for male/female candidates for entry into the Armed Forces is 157 cm or as decided by the respective recruiting agency. Gorkhas and candidates belonging to Hills of North Eastern region of India. Garhwal and Kumaon, will be accepted with a minimum height of 152 cm.

Note : An allowance for growth of 02 cm will be made for both male and female candidates below 18 yrs of age at the time of examination. The minimum height requirement for the Flying Branch is 163 cm. Anthropometric standards like sitting height, leg length and thigh length are also required by the Flying Branch.

8. Following investigations will be carried out for all officer entries and for pre-commission training academies. However examining medical officer/ medical board may ask for any other investigation deemed fit.

- (a) Complete haemogram
- (b) Urine RE
- (c) Chest X-ray
- (d) USG abdomen and Pelvis.

9. Certain standards vary depending on age and type entry viz stds for vision as follows:-

Parameter	Standards : 10+2 entries, NDA(Army), TES and equivalent	Graduate & equivalent entries: CDSE, IMA, OTA, UES, NCC, TGC & equivalent	Post graduate & equivalent entries: JAG, AEC, APS, RVC, TA, AMC, ADC, SL & equivalent
Uncorrected vision(max allowed)	6/36 & 6/36	6/60 & 6/60	3/60 & 3/60
BCVA	Rt 6/6 & Lt 6/6	Rt 6/6 & Lt 6/6	Rt 6/6 & Lt 6/6
Myopia	≤ -2.5 D Sph (including max astigmatism $\leq \pm 2.0$ D Cyl)	≤ -3.50 D Sph (including max astigmatism $\leq \pm 2.0$ D Cyl)	≤ -5.50 D Sph (including max astigmatism $\leq \pm 2.0$ D Cyl)
Hypermetropia	$\leq +2.5$ D Sph, (including max astigmatism $\leq \pm 2.0$ D Cyl)	$\leq +3.50$ D Sph (including max astigmatism $\leq \pm 2.0$ D Cyl)	$\leq +3.50$ D Sph (including max astigmatism $\leq \pm 2.0$ D Cyl)
Lasik/equivalent surgery	Not permitted	Permitted *	Permitted*
Colour perception	CP-II	CP-II	CP-II

***LASIK or Equivalent kerato-refractive procedure**

- (a) Any candidate who has undergone any kerato-refractive procedure will have a certificate/operative notes from the medical centre where he/she has undergone the procedure, specifying the date and type of surgery.

Note: Absence of such a certificate will necessitate the Ophthalmologist to make a decision to reject the candidate with specific endorsement of “Unfit due to undocumented Visual Acuity corrective procedure”.

- (b) In order to be made FIT, the following criteria will have to be met:

- (i) Age more than 20 yrs at the time of surgery
- (ii) Minimum 12 months post LASIK
- (iii) Central corneal thickness equal to or more than 450 μ
- (iv) Axial length by IOL Master equal to or less than 26 mm
- (v) Residual refraction of less than or equal to ± 1.0 D incl cylinder, (provided acceptable in the category applied for).
- (vi) Normal healthy retina.
- (vii) Corneal topography and ectasia markers can also be included as addl criteria.

Candidates who have undergone radial keratotomy are permanently unfit

10. Form to be used for med board proceedings is AFMSF-2A.

11. Procedure of Medical Examination Board: Medical Examination Board for selection for officers and pre-commissioning training academies are convened at designated Armed Forces Medical Services Hospitals near Service Selection Boards (SSB). These Medical Boards are termed as ‘Special Medical Board’ (SMB). Candidates who clear SSB interview are referred to Armed Forces Medical Services Hospital with identification documents. Staff Surgeon of Hospital will identify the candidate, guide the candidate to fill the relevant portions of the AFMSF-2, organize investigations and examination by Medical, Surgical, Eye, ENT, Dental specialists. Female candidates are examined by Gynaecology Specialist also. After examination by Specialists, the candidate is brought before Medical Board. Medical Board once satisfied with findings of Specialists will declare fitness of candidate. If any candidate is declared ‘Unfit’ by SMB, such candidates can request for ‘Appeal Medical Board’ (AMB). Detailed procedure for AMB will be provided by President SMB.

12. Miscellaneous aspects:

- (a) Clinical methods of examinations are laid down by O/O DGAFMS.
- (b) Female candidates will be examined by female medical officers and specialists. In case of non availability they will be examined by Medical Officer in the presence of female attendant.
- (c) Fitness following surgery: Candidates may be declared fit after surgery. However, there should not be any complication; scar should be healthy, well healed and attained required tensile strength. The candidate shall be considered fit after 01 year of open/laparoscopic surgeries for hernia and twelve weeks of laparoscopic abdominal surgery for cholecystectomy. For any other surgery, fitness shall be considered only after 12 weeks of the laparoscopic surgery and 12 months after an open surgery. Candidate shall be unfit for any surgeries for injuries, ligament tear, and meniscus tear of any joint, irrespective of duration of surgery.

Annexure B

MEDICAL STANDARDS AND PROCEDURE OF MEDICAL EXAMINATION FOR
OFFICER ENTRIES INTO NAVY

PROCEDURE ON CONDUCT OF MEDICAL BOARDS

1. A candidate recommended by the Services Selection Board (SSB) will undergo a medical examination (Special Medical Board) by a Board of Service Medical Officers. Only those candidates, who are declared fit by the Medical Board, will be admitted to the Academy. However, the President of the Medical Board will intimate the candidates declared unfit of their results and the procedure for an Appeal Medical Board (AMB) to be completed in a Command Hospital or equivalent within 42 days of Special Medical Board.

2. Candidates who are declared unfit by the Appeal Medical Board (AMB) may request for Review Medical board (RMB) within one day of completion of Appeal Medical Board. The President AMB will intimate about the procedure of challenging the findings of AMB. The candidates will also be intimated that sanction for holding of Review Medical Board (RMB) will be granted at the discretion of DGAFMS based on the merit of the case and that RMB is not a matter of right. The candidate should address the request for RMB if he/ she so desires to DMPR, Integrated Headquarters Ministry of Defence (Navy), Sena Bhawan, Rajaji Marg, New Delhi – 110011 and a copy of the same is handed over to the President of AMB. O/o DGAFMS will inform the date and place (Delhi and Pune only) where the candidate will appear for a RMB.

3. The following investigations will be carried out mandatorily during Special Medical Board. However, Medical Officer / Medical Board examining a candidate may ask for any other investigation as required or indicated :-

- (a) Complete Haemogram
- (b) Urine RE/ME
- (c) X Ray chest PA view
- (d) USG abdomen & pelvis
- (e) Liver Function Tests
- (f) Renal Function Tests
- (g) X Ray Lumbosacral spine, Anterior-Posterior and Lateral views
- (h) Electrocardiogram(ECG)

PHYSICAL STANDARDS FOR OFFICERS (MALE/ FEMALE) ON ENTRY

4. The candidate must be physically fit according to the prescribed physical standards.

(a) The candidate must be in good physical and mental health and free from any disease/ disability which is likely to interfere with the efficient performance of duties both ashore and afloat, under peace as well as war conditions in any part of the world.

(b) There should be no evidence of weak constitution, bodily defects or underweight. The candidate should not be overweight or obese.

5. **Weight**

Height-Weight Chart : Navy

Height in Mtrs	Up to 17 yrs		17 yrs + 1 day to 18 yrs		18 yrs + 1 day to 20 yrs		20 yrs + 1 day to 30 yrs		Above 30 yrs	
	Minimum Weight in Kg	Maximum Weight in Kg	Minimum Weight in Kg	Maximum Weight in Kg	Minimum Weight in Kg	Maximum Weight in Kg	Minimum Weight in Kg	Maximum Weight in Kg	Minimum Weight in Kg	Maximum Weight in Kg
1.47	37	45	40	45	40	48	40	50	40	52
1.48	37	46	41	46	41	48	41	50	41	53
1.49	38	47	41	47	41	49	41	51	41	53
1.5	38	47	42	47	42	50	42	52	42	54
1.51	39	48	42	48	42	50	42	52	42	55
1.52	39	49	43	49	43	51	43	53	43	55
1.53	40	49	43	49	43	51	43	54	43	56
1.54	40	50	44	50	44	52	44	55	44	57
1.55	41	50	44	50	44	53	44	55	44	58
1.56	41	51	45	51	45	54	45	56	45	58
1.57	42	52	46	52	46	54	46	57	46	59
1.58	42	52	46	52	46	55	46	57	46	60
1.59	43	53	47	53	47	56	47	58	47	61

1.6	44	54	47	54	47	56	47	59	47	61
1.61	44	54	48	54	48	57	48	60	48	62
1.62	45	55	49	55	49	58	49	60	49	63
1.63	45	56	49	56	49	58	49	61	49	64
1.64	46	56	50	56	50	59	50	62	50	65
1.65	46	57	50	57	50	60	50	63	50	65
1.66	47	58	51	58	51	61	51	63	51	66
1.67	47	59	52	59	52	61	52	64	52	67
1.68	48	59	52	59	52	62	52	65	52	68
1.69	49	60	53	60	53	63	53	66	53	69
1.7	49	61	53	61	53	64	53	66	53	69
1.71	50	61	54	61	54	64	54	67	54	70
1.72	50	62	55	62	55	65	55	68	55	71
1.73	51	63	55	63	55	66	55	69	55	72
1.74	51	64	56	64	56	67	56	70	56	73
1.75	52	64	57	64	57	67	57	70	57	74
1.76	53	65	57	65	57	68	57	71	57	74
1.77	53	66	58	66	58	69	58	72	58	75
1.78	54	67	59	67	59	70	59	73	59	76
1.79	54	67	59	67	59	70	59	74	59	77
1.8	55	68	60	68	60	71	60	75	60	78
1.81	56	69	61	69	61	72	61	75	61	79
1.82	56	70	61	70	61	73	61	76	61	79
1.83	57	70	62	70	62	74	62	77	62	80
1.84	58	71	63	71	63	74	63	78	63	81
1.85	58	72	63	72	63	75	63	79	63	82
1.86	59	73	64	73	64	76	64	80	64	83
1.87	59	73	65	73	65	77	65	80	65	84
1.88	60	74	65	74	65	78	65	81	65	85
1.89	61	75	66	75	66	79	66	82	66	86
1.9	61	76	67	76	67	79	67	83	67	87
1.91	62	77	67	77	67	80	67	84	67	88
1.92	63	77	68	77	68	81	68	85	68	88
1.93	63	78	69	78	69	82	69	86	69	89
1.94	64	79	70	79	70	83	70	87	70	90
1.95	65	80	70	80	70	84	70	87	70	91

Notes for Male Candidates:-

- (a) The minimum and maximum weight for height will be standard for all categories of personnel. Candidates with weight below the minimum specified will not be accepted.
- (b) Male candidates with weight higher than specified will be acceptable only in exceptional circumstances in case of candidates with documented evidence of body building, wrestling, boxing or muscular build. In such cases, the following criteria are to be met:-
 - (i) Body Mass Index should not be more than 25.
 - (ii) Waist : Hip Ratio less than 0.9.
 - (iii) All biochemical parameters such as blood sugar Fasting and Post Prandial, blood urea, creatinine, cholesterol, HbA1C%, etc are within normal limits.
- (c) The fitness can only be given by a Medical Specialist.
- (d) The minimum acceptable height is 157 cms. However, relaxation in height is permissible to candidates holding domicile of areas as mentioned below and talented sports male candidates:

Sl No.	Category	Minimum Height for Male Candidates
(i)	Tribals from Ladhakh Region	155 Cm
(ii)	Andaman & Nicobar, Lakshdweep and Minicoy Islands	155 Cm
(iii)	Gorkhas, Nepali, Assamese, Garhwali, Kumaoni and Uttarakhand	152 Cm
(iv)	Bhutan, Sikkim & North East Region	152 Cm
(v)	Extra talented sports candidates	155 Cm

Notes for Female Candidates:-

(a) The minimum and maximum weight for height will be standard for all categories of personnel. Candidates with weight below the minimum specified will not be accepted.

(b) Candidates with weight higher than specified will be acceptable only in exceptional circumstances in case of candidates with documented evidence of body building, Wrestling, boxing or muscular build. In such cases, the following criteria are to be met :

- (i) Body Mass Index should not be more than 25.
- (ii) Waist : Hip Ratio less than 0.8 for female.
- (iii) All biochemical parameters such as blood sugar Fasting and Post Prandial, blood urea, creatinine, cholesterol, HbA1C%, etc are within normal limits.

(c) The fitness can only be given by a Medical Specialist.

(d) The minimum acceptable height for female Candidates is 152 cms. However, relaxation in height is permissible to candidates holding domicile of areas as mentioned below:

Srl No.	Category	Minimum Height for Female Candidates
(i)	Tribals from Ladhakh Region	150 Cm
(ii)	Andaman & Nicobar, Lakshdweep and Minicoy Islands	150 Cm
(iii)	Gorkhas, Nepali, Assamese, Garhwali, Kumaoni and Uttarakhand	147 Cm
(iv)	Bhutan, Sikkim & North East Region	147 Cm

(e) The above relaxation in height will not be applicable to candidates seeking entry as officers into the Navy in Pilot/ Observer specialisations of the Executive branch.

6. During the medical examination of candidates, the following principal points will be ensured:-

- (a) The candidate is sufficiently intelligent, although the responsibility on this point rests with the Enrolling Officer. The Medical Officer will bring to the Enrolling Officer's notice any deficiency he/she may observe during the examination.
- (b) The hearing is good and that there is no sign of any disease of ear, nose or throat.
- (c) Vision in either eye is up to the required standard. His/ her eyes are bright, clear and with no obvious squint or abnormality. Movements of eye balls should be full and free in all directions.
- (d) Speech is without impediment.
- (e) There is no glandular swelling.
- (f) Chest is well formed and that his/her heart and lungs are sound.

- (g) Limbs of the candidates are well formed and fully developed.
- (h) There is no evidence of hernia of any degree or form.
- (j) There is free and perfect action of all the joints.
- (k) Feet and toes are well formed.
- (l) Absence of any congenital malformation or defects.
- (m) He/she does not bear traces of previous acute or chronic disease pointing to an impaired constitution.
- (n) Presence of sufficient number of sound teeth for efficient mastication.
- (p) Absence of any disease of the Genito-Urinary tract.

The candidates very often do not give family history of disease because of ignorance. At times deliberate attempt is made for concealment of disease for fear of rejection. In all these cases Recruiting Medical Officer should state in concerned Para of AFMSF-2A, if there is any relevant history of Fits, Leprosy, Epilepsy or Tuberculosis. It is, however, essential to make a thorough clinical examination of candidates for any signs of organic disease/physical deformity. Recruiting Medical Officer should either reject the candidate or endorse the disease in respective column, if it is of acceptable nature.

7. Major defects for rejection are as under:-

- (a) Weak constitution, imperfect development, congenital malformation, muscular wasting.

Note:- Muscular wasting is to be judged entirely by its effect on function.

- (b) Malformation of the head including deformity from fracture or depression of the bones of the skull.

(c) **Assessment of Scoliosis.** Idiopathic Scoliosis upto 10 degrees for Lumbar Spine and 15 degrees of Dorsal Spine will be acceptable provided.

- (i) Individual is asymptomatic.
- (ii) No history of trauma to spine.
- (iii) No chest asymmetry/shoulder imbalance or pelvic obliquity in the lumbar spine.
- (iv) There is no neurological deficit.
- (v) No congenital anomaly of the spine.
- (vi) There is absence of syndromic features.
- (vii) ECG is normal.
- (viii) No deformity exists on full flexion of the spine.
- (ix) No restriction of range of movements.
- (x) No organic defect causing structural abnormality.

- (d) Skeletal deformity either hereditary or acquired and disease or impairment of function of bones or joints.

Note:- Rudimentary cervical rib causing no signs or symptoms is acceptable.

- (e) Asymmetry of torso or limbs, abnormality of locomotion including amputation.
- (f) Deformity of feet and toes.

(i) **Hyperextensible Finger Joints.** All candidates shall be thoroughly examined for hyper-extensible finger joints. Any extension of fingers bending backwards beyond 90 degrees shall be considered hyper-extensible and considered unfit. Other joints like Knee, Elbow, Spine and Thumb

shall also be examined carefully for features of hyper laxity/ hypermobility. Although the individual may not show features of hyper laxity in other joints, isolated presentation of hyper extensibility of finger joints shall be considered unfit because of the various ailments that may manifest later if such candidates are subjected to strenuous physical training as mentioned above.

(ii) **Mallet Finger**. Loss of extensor mechanism at the distal inter-phalangeal joint leads to Mallet finger. Chronic mallet deformity can lead to secondary changes in the PIP and MCP joint which can result in compromised hand function. Normal range of movement at DIP joints is 0-80 degree and PIP joint is 0-90 degrees in both flexion and extension. In Mallet finger, candidate is unable to extend/ straighten distal phalanx of fingers completely.

(aa) Candidates with mild condition i.e., less than 10 degrees of extension lag without any evidence of trauma, pressure symptoms and any functional deficit should be declared Fit.

(ab) Candidates with fixed deformity of fingers will be declared Unfit.

(iii) **Polydactyly**. Can be assessed for fitness 12 weeks post-op. Can be declared fit if there is no bony abnormality (X-Ray), wound is well healed and scar is supple and there is no evidence of neuroma or clinical examination.

(iv) **SimpleSyndactyly**. Can be assessed for fitness 12 weeks post op. Can be declared fit if there is no bony abnormality (X-Ray), wound is well healed and scar is supple and webspace is satisfactory.

(v) **Complex Syndactyly**. Unfit

(vi) **Polymazia**. Candidates to be considered fit after 12 weeks of post operative period if there is no post operative complication with a well healed surgical wound and no residual disease.

(vii) **Hyperostosis FrontalisInterna**. Will be considered fit in the absence of any other metabolic abnormality.

(g) **Healed Fractures**.

(i) All intra-articular fractures especially of major joints (Shoulder, elbow, wrist, hip, knee and ankle) with or without surgery, with or without implant shall be considered unfit.

(ii) All extra-articular with post-operative implant insitu shall be considered unfit and will be considered for fitness after minimum of 12 weeks of implant removal.

(iii) Nine (09) months will be the minimum duration for considering evaluation following extra-articular injuries of all long bones (both upper and lower limbs) post injury which have been managed conservatively. Individual will be considered fit if there is:-

(aa) No evidence of mal-alignment/mal-union.

(ab) No neuro-vascular deficit.

(ac) No soft tissue loss.

(ad) No functional deficit.

(ae) No evidence of osteomyelitis/sequestra formation.

(h) **CubitusRecurvatum**. >10 degrees is Unfit

(j) **Cubitus Valgus**.

(i) **Measurement of Carrying Angle**. The carrying angle at the elbow is assessed conventionally with the elbow in full extension using a protractor goniometer to measure the axes from the surface margin of the arm and forearm. However, variations in the development of the soft tissues in the arm and forearm generally lead to inconsistencies in the measured results. So far, there is no uniform method to measure the carrying angle of the elbow. However, measuring the carrying

angle of the elbow through identification of bony landmarks on the acromion, medial and lateral epicondyles of the humerus, and the distal radial and ulnar styloid processes is recommended. Carrying angle is measured by a manual goniometer with two drawing axes of the arm and forearm. The axis of the arm is defined by the lateral border of the cranial surface of the acromion to the midpoint of the lateral and medial epicondyles of the humerus. The axis of the forearm is defined by the midpoint of the lateral and medial epicondyles of the humerus to the midpoint of the distal radial and ulnar styloid processes.

(ii) Cubitus valgus should be primarily a clinical diagnosis. The suggested indications to perform a radiographic evaluation include:-

- (aa) History of trauma
- (ab) Scar around elbow
- (ac) Asymmetry of angles
- (ad) Distal neurovascular deficit
- (ae) Restricted range of motion
- (af) If deemed necessary by Orthopaedic Surgeon

(k) **Hyperextension at Elbow Joint.** Individuals can have naturally hyperextended elbow. This condition is not a medical problem, but can be a cause of fracture or chronic pain especially considering the stress and strains military population is involved in. Also, the inability to return the elbow to within 10 degrees of the neutral position is impairment in the activities of daily living.

- (i) Measurement modality. Measured using a Goniometer
- (ii) Normal elbow extension is 0 degrees. Up to 10 degrees of hyperextension is within normal limits if the patient has no history of trauma to the joint. Anyone with hyperextension more than 10 degree should be unfit.

8. *Eye.*

- (a) Deformity or morbid condition of the eye or eyelids that is liable for aggravation or recurrence.
- (b) Manifest squint of any degree.
- (c) Active trachoma or its complication or sequelae.
- (d) Visual acuity below prescribed standards.

Notes:-

1. Visual standards for NDA/ NA entry are as follows :-

Criteria	NDA/ NA
Uncorrected Vision	6/12 6/12
Corrected Vision	6/6 6/6
Limits of Myopia	-1.0 D Sph
Limits of Hypermetropia	+2.0 D Sph
Astigmatism (within limits of myopia and hypermetropia)	± 1.0 D Cyl
Binocular Vision	III
Colour Perception	CP Pass*

* CP defect will be assessed by only Ishihara test during SMB. However, Anomaloscope to be used during AMB/RMB for confirmation, as application.

2. **Kerato Refractive Surgery.** Keratometry will be performed for candidates at SMB for detecting undeclared refracto-corrective procedures like PRK/LASIK/SMILE, etc. Values for the same will be endorsed in SMB. Candidates who have undergone any Refractory Surgery (PRK/LASIK/SMILE) can be considered fit in all branches (except submarine, diving and MARCO cadre) subject to the following conditions:-

- (a) Surgery should not have been carried out before 20 yrs of age.
- (b) Uncomplicated surgery at least 12 months before examination (Certificate mentioning the type of refractive surgery, date of surgery and pre-operative refractive error from concerned eye centre is to be produced by the candidate at the time of recruitment medical examination).
- (c) **Post LASIK Standards.** Candidate will be considered Fit if Axial Length by IOL Master is equal to or less than 26 mm by IOL Master or A Scan and Central Corneal Thickness by Pachymeter equal to or more than 450 microns.
- (d) Residual refraction less than or equal to ± 1.0 D Sph or Cyl, provided within the permissible limit for the category applied for. However, for Pilot and Observer entries, the residual refraction should be nil.
- (e) Pre-operative refractive error not more than ± 6.0 D
- (f) Normal retinal examination.

3. Kerato-Refractory Surgery (PRK, LASIK, SMILE) is not acceptable for special cadres such as submarine, diving and MARCO. *Candidates who have undergone Radial Keratotomy are permanently unfit for all branches.*

4. **Ptosis.** Candidate will be considered fit post-operative provided there is no recurrence one year after surgery, visual axis is clear with normal visual fields and upper eyelid is 02 mm below the superior limbus. Candidates, who have not undergone surgery for the condition, would be considered fit if they meet any of the following criteria:-

- (a) Mild ptosis
- (b) Clear visual axis
- (c) Normal visual field
- (d) No sign of aberrant degeneration/ head tilt

5. **Exotropia.** Unfit

6. **Anisocoria.** If size difference between the pupils is >01 mm, candidate will be considered unfit.

7. **Heterochromia Iridum.** Unfit

8. **Sphincter Tears.** Can be considered fit if size difference between pupils is <0.1 mm, pupillary reflexes are brisk with no observed pathology in cornea, lens or retina.
9. **Pseudophakia.** Unfit
10. **Lenticular Opacities.** Any lenticular opacity causing visual deterioration, or is in the visual axis or is present in an area of 0.7 mm around the pupils, which may cause glare phenomenon, should be considered Unfit. The propensity of the opacities not to increase in size or number should also be a consideration when deciding fitness. Small stationary lenticular opacities in the periphery like congenital blue dot cataract, not affecting the visual axis/ visual field may be considered by specialist (Should be less than 10 in number and central area of 0.4 mm to be clear).
11. **Optic Nerve Drusen.** Unfit
12. **High Cup Disc Ratio.** Candidates will be declared unfit if any of the following conditions exist:-
 - (i) Inner eye symmetry in cup disc ratio is >0.2 .
 - (ii) Retinal Nerve Fibre Layer defect seen by RNFL analysis on OCT.
 - (iii) Visual field defect by Visual Field Analyser.
13. **Keratoconus.** Unfit
14. **Lattice.**
 - (a) The following lattice degenerations will render a candidate Unfit:-
 - (i) Single circumferential lattice extending more than two clock hours in either or both eyes.
 - (ii) Two circumferential lattices each more than one clock hour in extent in either or both eyes.
 - (iii) Radial lattices.
 - (iv) Any lattice with atrophic hole/ flap tears (Unlasered).
 - (v) Lattice degenerations posterior to equator.
 - (b) Candidates with lattice degeneration will be considered Fit under the following conditions:-
 - (i) Single circumferential lattice without holes of less than two clock hours in either or both eyes.
 - (ii) Two circumferential lattices without holes each being less than one clock hour in extent in either or both eyes.
 - (iii) Post Laser delimitation single circumferential lattice, without holes/ flap tear, less than two clock hours extent in either or both eyes.
 - (iv) Post Laser delimitation two circumferential lattices, without holes/flap tear, each being less than one clock hour extent in either or both eyes.

9. ***Ear, Nose and Throat.***

- (a) ***Ear.*** History or recurrent ear ache, tinnitus or vertigo, impairment of hearing, disease of the external meatus including atresia, exostosis or neoplasm which prevent a thorough examination of the drum, unhealed

perforation of the tympanic membrane, aural discharge or sign of acute or chronic suppurative otitis media, evidence of radical or modified radical mastoid operation.

Notes:-

1. A candidate should be able to hear forced whisper at a distance of 610 cms with each ear separately with back to the examiner.

2. **Otitis Media.** Current Otitis Media of any type will entail rejection. Evidence of healed chronic otitis media in the form of tympanosclerosis/ scarred tympanic membrane affecting less than 50% of Pars Tensa of tympanic membrane will be assessed by ENT Specialist and will be acceptable if Pure Tone Audiometry (PTA) and Tympanometry are normal. All cases of Tympanoplasty and Myringoplasty/Myringotomy for choronic Otitis Media will entail permanent rejection.

(i) The fwg conditions would render a candidate Unfit:-

(aa) Residual perforation

(ab) Residual hearing loss on Free Field Hearing and/or PTA

(ac) Any other type of tympanoplasty (other than Type 1 Tympanoplasty) or middle ear surgery (including ossiculoplasty, stapedotomy, canal wall down mastoidectomy, atticotomy, attico-antroostomy, etc)

(ad) Any implanted hearing device (eg. cochlear implant, bone conduction implant, middle ear implants etc)

(b) **Bony Growth of External Auditory Canal.** Any candidate with clinically evident bony growth of external auditory canal like exostosis, osteoma, fibrous dysplasia etc. will be declared Unfit. Assessment of operated cases will be done after minimum period of 4 weeks. Post-surgery histopathology report and HRCT temporal bone will be mandatory. If the histo-pathological report is suggestive of a neoplasia or HRCT temporal bone is suggestive of partial removal or deep extension it would entail rejection.

(c) **Nose.** Disease of the bones or cartilages of the nose, marked nasal allergy, nasal polyps, atrophic rhinitis, disease of the accessory sinuses and nasopharynx.

Septal Perforation. Nasal septal perforation can be anterior cartilaginous or posterior bony perforation. Any septal perforation greater than 01 cm in the greatest dimension is a ground for rejection. A septal perforation which is associated with nasal deformity, nasal crusting, epistaxis and granulation irrespective of the size is a ground for rejection.

(i) **Nasal Polyposis.** It is also known as Chronic Rhinosinusitis with polyposis (CRSwNP). Nasal polyposis is mostly associated with allergy, asthma, sensitivity to NSAIDs and infection i.e. bacterial and fungal. Most of these patients have high chances of recurrence and require long term management with nasal/ oral steroids and are unfit for extremes of climate and temperature conditions. Any individual detected to have nasal polyposis on examination or with history of having undergone surgery for nasal polyposis will be rejected.

(c) **Throat.** Disease of throat palate, tongue, tonsils, gums and disease or injury affecting the normal function of either mandibular joints.

Note:- Simple hypertrophy of the tonsils without associated history of attacks of tonsillitis is acceptable.

- (d) ***Disease of the larynx and impediment of speech.*** Voice should be normal. Candidates with pronounced stammer will not be accepted.

10. ***Dental Condition.*** It should be ensured that a sufficient number of natural and sound teeth are present for efficient mastication.

- (a) A candidate must have a minimum of 14 dental points to be acceptable in order to assess the dental condition of an individual. Dental points less than 14 are a cause of rejection. The dental points are allotted as under for teeth in good opposition with corresponding teeth in the other jaw:-

- (i) Central incisor, lateral incisor, canine, 1st Premolar, 2nd Premolar and under developed third molar with 1 point each.
- (ii) 1st molar and 2nd molar and fully developed 3rd molar with 2 points each.
- (iii) When all 32 teeth are present, there will be a total count of 22 or 20 points according to whether the third molars are well developed or not.

- (b) The following teeth in good functional apposition must be present in each jaw:-

- (i) Any 4 of the 6 anteriors.
- (ii) Any 6 of the 10 posteriors.

All these teeth must be sound/ repairable.

- (c) Candidates suffering from severe pyorrhea will be rejected. Where the state of pyorrhea is such that in the opinion of the Dental Officer, it can be cured without extraction of teeth, the candidates may be accepted. A note about the affected teeth is to be inserted by the Medical/ Dental Officer in the medical documents.

- (d) Artificial dentures are not to be included while counting the dental points.

11. ***Neck.***

- (a) Enlarged glands, tubercular or due to other diseases in the neck or other parts of the body.

Note:- Scars of operations for the removal of tubercular glands are not a cause for rejection provided there has been no active disease within the preceding five years and the chest is clinically and radiologically clear.

- (b) Disease of the thyroid gland.

- (c) **Chest.** The following are criteria for rejection:-

- (aa) Deformity of chest, congenital or acquired.
- (ab) Expansion less than 5 cms.
- (ac) Significant bilateral/ unilateral Gynaecomastia in males. Can be evaluated for fitness 12 weeks post-op. Candidates to be considered fit after 12 weeks post operative period if:

- (ad) There is a well healed surgical wound with no residual disease.
- (ae) No post operative complication.
- (af) Surgical scar should be sufficiently matured and unlikely to cause any problems during military training,
- (ag) Normal general physical examination.
- (ah) Endocrine workup is normal.

12. ***Skin and Sexually Transmitted Infection (STI).***

- (a) Skin disease unless temporary or trivial.
- (b) Scars which by their extent or position cause or are likely to cause disability/ or marked disfigurement.
- (c) Hyperhydrosis - Palmar, plantar or axillary.
- (d) Congenital, active or latent sexually transmitted diseases.

Note:- In cases with old healed scar over the groin or penis/ vagina suggestive of past STI, blood will be tested for STI (Including HIV) to exclude latent Sexually Transmitted Disease.

13. ***Respiratory System.***

- (a) History of chronic cough or Bronchial Asthma.
- (b) Evidence of Pulmonary Tuberculosis.
- (b) Evidence of diseases of bronchi, lungs or pleurae detected on radiological examination of the chest will disqualify the candidate.

Note:- An X-Ray examination of the chest will be carried out under following circumstances:-

- (i) On entry into the service as a cadet or direct entry.
- (ii) At the time of grant of permanent commission in case of short service commissioned officer.

14. ***Cardio-Vascular System.***

- (a) Functional or organic disease of the heart or blood vessels, presence of murmurs or clicks on auscultation.
- (b) Tachycardia (Pulse Rate persistently over 96/min at rest), bradycardia (Pulse Rate persistently below 40/ min at rest), any abnormality of peripheral pulses.
- (c) **Blood Pressure.** Candidate with Blood Pressure consistently greater than 140/90mm Hg will be rejected. All such candidates shall undergo a 24 hour Ambulatory Blood Pressure Monitoring (24h ABPM) to differentiate between white coat hypertension and persistent hypertension. Wherever feasible, candidates will be evaluated by a Cardiologist at AMB. Those with normal 24h ABPM and without any target organ damage can be considered fit after evaluation by a cardiologist.
- (c) **Electrocardiogram (ECG).** Any ECG abnormality detected at SMB will be a ground for rejection. Such candidates will be evaluated by a cardiologist during AMB with echocardiography for structural abnormality and stress test if deemed necessary. Benign ECG abnormalities like incomplete RBBB, T wave inversion in inferior leads, T inversion in V1-V3 (persistent juvenile pattern), LVH by voltage criteria (due to

thin chest wall) may exist without any structural heart disease. Echocardiography should be performed in all such cases to rule out an underlying structural heart disease and opinion of Senior Adviser (Medicine)/ Cardiologist should be obtained. If echocardiography and stress tests (if indicated) are normal, the individual can be considered fit.

15. ***Abdomen.***

(a) Evidence of any disease of the gastro-intestinal tract, enlargement of liver, gall bladder or spleen, tenderness on abdominal palpation, evidence/ history of peptic ulcer or previous history of extensive abdominal surgery. All officer entry candidates are to be subjected to the Ultra Sound Examination of the abdominal and pelvic organs for detecting any abnormalities of the internal organs.

(b) Hyperbilirubinemia of any nature is Unfit except for Unconjugated Hyperbilirubinemia where genetic studies confirm Gilbert's Syndrome as the etiological factor meeting criteria fulfilled below:-

- (i) Unconjugated Hyperbilirubinemia with Total Serum Bili rubin < 3mg/dl, normal transaminases, PT/INR and albumin.
- (ii) HBs Ag and Anti HCA should be negative.
- (iii) No abnormality on PBS, Reticulocyte count, lactate dehydrogenase levels, (LDH), Vit B12 and Hb electrophoresis.
- (iv) Normal Ultrasonogram of the liver and FIBROSCAN.
- (v) Diagnosis of Gilbert's Syndrome by genetic analysis of UGT1A1 gene.

(c) **Post-op Assessment.** Post-op duration for assessment of fitness in common conditions:-

- (i) **Hernia.** Those who have been operated for hernia may be declared fit provided:-
 - (aa) 24 weeks have elapsed since the operation for Anterior Abdominal Wall hernia. Documentary proof to this effect is to be produced by the candidate.
 - (ab) General tone of the abdominal musculature is good.
 - (ac) There has been no recurrence of hernia or any complication connected with the operation.
- (ii) **Other Conditions.** Those who have been operated for below mentioned conditions may be declared fit provided:-
 - (aa) Open Cholecystectomy. 24 weeks (In the absence of Incisional Hernia)
 - (ab) Laparoscopic Cholecystectomy. 08 weeks (Normal LFT, Normal histopathology)
 - (ac) Appendectomy.

(i) **Laparoscopic Appendectomy** will be assessed for post operative fitness after a minimum period of 04 weeks. Candidates will be considered fit if:-

- (aa) Post site scars have healed well.
- (ab) Scars are supple.
- (ac) Histo-pathological report of acute appendicitis is available.
- (ad) USG confirmation of absence of port site incisional hernia.

(ii) **Open Appendectomy with muscle split approach** will be assessed for post op fitness after a minimum period **12 weeks**. Candidates will be considered fit if:-

- (aa) Wound has healed well.
- (ab) Scar is supple and non tender.
- (ac) Histo-pathological report of acute appendicitis is available.
- (ad) USG confirmation of absence of surgical site incisional hernia.

(iii) **Open Appendectomy with muscle cut approach** will be assessed for post op fitness after a minimum period **06 months**. Candidates will be considered fit if:-

- (aa) Wound has healed well.
- (ab) Scar is supple and non tender.
- (ac) Histo-pathological report of acute appendicitis is available.
- (ad) USG confirmation of absence of surgical site incisional.

(ad) Pilonidal Sinus. 12 weeks

(ae) Fistula-in-Ano, Anal Fissure and Grade IV Hemorrhoids. 12 weeks post-op with satisfactory treatment and recovery.

(af) Hydrocele and Varicocele. 08 weeks post-op with satisfactory treatment and recovery.

(ag) Urachal cyst. 08 weeks post-op with satisfactory treatment and absence of any remnant.

(d) Agenesis of Gall Bladder. Will be considered fit in the absence of any other abnormality of the biliary tract. MRCP will be done for all such cases.

16. *Genito-Urinary System.*

- (a) Any evidence of disease of genital organs.
- (b) Bilateral undescended testis, unilateral undescended testis retained in the inguinal canal or at the external abdominal ring unless corrected by operation.

Note:- Absence of one testis is not a cause for rejection unless the testis has been removed on account of disease or its absence has affected the physical or mental health of the candidate.

- (c) Disease or malformation of the kidneys or urethra.
- (d) Incontinence of urine and nocturnal enuresis.
- (e) Any abnormality on examination of urine including albuminuria or glycosuria.
- (f) The following are criteria for rejection:-

- (i) Renal Calculi. Irrespective of size, numbers, obstructive or non-obstructive. History of renal calculi (History or radiological evidence) will render a candidate Unfit.

- (ii) Calycecdasis
- (iii) Bladder Diverticulum
- (iv) Simple Renal Cyst. > 1.5 Cm

17. ***Central Nervous System.***

- (a) Organic disease of Central Nervous System.
- (b) Tremors.
- (c) Candidates with history of fits and recurrent attacks of headache/ migraine will not be accepted.

18. ***Psychiatric Disorders.*** History or evidence of mental disease or nervous instability in the candidate or his family.

19. **Lab Investigation (Hematology).**

- (a) **Polycythemia.** Hemoglobin more than 16.5g/dL in males and more than 16g/dL in females will be considered as Polycythemia and deemed Unfit.
- (b) **Monocytosis.** Absolute monocyte counts greater than 1000/cu mm or more than or equal to 10% of total WBC counts is to be deemed Unfit.
- (c) **Eosinophilia.** Absolute eosinophil counts greater than or equal to 500/ cu mm is deemed Unfit.

20. **Women Candidates.** They should not be pregnant and should also be free from gynaecological disorders such as primary or secondary Amenorrhea/ Dysmenorrhoea/ Menorrhagia etc. All women candidates are to be subjected to Ultra Sound Examination of the abdominal and pelvic organs for detecting any abnormalities of the internal organs.

21. **Acceptable Defects on Entry.** Candidates for the Navy with the following minor defects may be accepted. These defects are however to be noted in the medical forms on entry.

- (a) Knock Knees with a separation of less than 5 cm at the internal malleoli.
- (b) Mild curvature of legs not affecting walking or running. Intercondylar distance should not be over 7 cm.
- (c) Mild stammering not affecting expression.
- (d) Mild degree of varicocele.
- (e) Mild degree of varicose veins.

Note:- Remedial operations wherever required are to be performed prior to entry. No guarantee is given about ultimate acceptance and it should be clearly understood by a candidate that the decision whether an operation is desirable or necessary is one to be made by their private medical advisor. The Government will accept no liability regarding the result of operation or any expenses incurred.

- (f) Any other slight defect which produces no functional disability and which in the opinion of medical officer/ medical board will not interfere with the individual's efficiency as an officer or sailor.

MEDICAL STANDARDS FOR NDA (AIR FORCE)
(FLYING & GROUND DUTY BRANCHES)

GENERAL INSTRUCTIONS

1. In this section, standardized guidelines for the physical assessment of candidates for commissioning through NDA into flying and ground duty branches in the IAF are elaborated. The purpose of these guidelines is to lay down uniform physical standards and to ensure that the candidates are free of health conditions that may hamper or limit their performance in the respective branch. The guidelines enumerated in this section are meant to be applied in conjunction with the standard methods of clinical examination.

2. All candidates during their induction should meet the basic physical fitness standards which will enable them to proficiently undergo the training and the subsequent service in varied climatic and work environments. A candidate will not be assessed physically fit unless the complete examination shows that he/ she is physically and mentally capable of withstanding the severe physical and mental strain for prolonged periods. The requirements of medical fitness are essentially the same for all branches, except for aircrew in whom the parameters for visual acuity, anthropometry and certain other physical standards are more stringent.

3. The medical standards spelt out pertain to initial entry medical standards. Continuation of medical fitness during training will be assessed during the period medical examinations held at NDA/AFA prior to commissioning. They are not exhaustive, in view of the vast spectrum of diseases. These standards are subject to change with the advancement in the scientific knowledge and change in working conditions of Armed Forces.

4. **Laboratory and Radiological Investigations for Special Medical Board**

- (a) **Hematology:** Complete Haemogram (Haemoglobin estimation, Total Leucocyte Count with Differential Leucocyte Count, Platelet Count).
- (b) Hb Electrophoresis will be carried out in candidates for commissioning to exclude Haemoglobinopathies.
- (c) **Biochemistry:** Liver function test (LFT), Renal Function Test (RFT), Blood glucose estimation (Fasting and two hours after 75g anhydrous glucose/82.5g glucose monohydrate loading), Lipid profile.
- (d) Urine Routine Examination (RE) and Microscopic Examination (ME).
- (e) ECG
- (f) Radiology:-
 - (i) Radiograph Chest PA view in all candidates.
 - (ii) Radiograph Lumbosacral Spine: AP and Lateral views in all candidates.
 - (iii) In addition to the above radiographs, Cervical Spine – AP and Lateral views, Dorsal Spine – AP and Lateral views will be carried out in all candidates being assessed **for flying duties**.
 - (iv) USG Abdomen and Pelvis.
 - (v) Any other additional investigation deemed necessary will be conducted during the Appeal stage.

General Physical Assessment

5 Every candidate, to be fit for the Air Force, must conform to the minimum standards laid down in the succeeding paragraphs. The physical parameters should fall within the acceptable ranges and should be proportionate.

Ref public grievance from Col Kiran Kumar Raju. Pl ref the fwg:- (a) Court ORder in r/o above named offr is being implemented. Case file has been fwd to PIFA (Q and M) for concurrence on the audit rpt given by PCDA (O). (b) Post concurrence, the case file shall be fwd for AGs sanction, post which the charged expenditure sanction shall be issued. 2. It may be seen from the conduct of the officer that despite knowing the present status of his case for relief through Court of law, he has sought the status another mode i.e CPGRAM portal at the instance when his case is already in process at this office in compliance of court order. 3. Remedy through court of law including filing of execution petition (to comply with the court order) and seeking redressal of grievance through PG portal are two different issues and under the guise of redressal of grievance through PG portal. It is not desirable for an offr to misuse the provns to citizens by GoI and Adm Authorities have consistently discouraged the misuse of parallel process to seek info wrt redressal of grievance as it hampers judicial and adm efficiency including wastage of time in replying such queries. 6. The residual effects of old fractures/ injuries are to be assessed for any functional limitation. If there is no effect on function, the candidate can be assessed fit. Following categories should be meticulously assessed:

- (a) **Spine injuries.** Cases of old fractures of spine are unfit. Any residual deformity of spine or compression of a vertebra will be cause for rejection.
- (b) **Nerve injuries.** Injuries involving the trunks of the larger nerves, resulting in loss of function, or neuroma formation, which causes pain significant tingling, indicate unsuitability for employment in flying duties.
- (c) **Keloids.** The presence of large or multiple keloids will be a cause for rejection.
- (d) **Surgical Scars.** Minor well-healed scars for e.g. as resulting from any superficial surgery do not, per se, indicate unsuitability for employment. Extensive scarring of a limb or torso that may cause functional limitation or unsightly appearance should be considered unfit.
- (e) **Birth Marks.** Abnormal pigmentation in the form of hypo or hyper-pigmentation is not acceptable. Localized, congenital mole/ naevus, however, is acceptable provided its size is <10 cm. Congenital multiple naevi or vascular tumours that interfere with function or are exposed to constant irritation are not acceptable.
- (f) **Subcutaneous Swellings.** Lipoma will be considered fit unless the lipoma is causing significant disfigurement/ functional impairment due to the size/ location. Neurofibroma, if single will be considered fit. Multiple neurofibromas associated with significant *Café-au-lait* spots (more than 1.5 cm size or more than one in number) will be considered unfit.
- (g) **Cervical Rib.** Cervical rib without any neuro-vascular compromise will be accepted. Meticulous clinical examination to rule out neuro-vascular compromise should be performed in such cases. This should be documented in the Medical Board proceedings.
- (h) **Cranio-facial Deformities.** Asymmetry of the face and head or uncorrected deformities of skull, face or mandible which will interfere with proper fitting of oxygen mask, helmet or military headgear will be considered unfit. Major deformities even after corrective surgery will be considered unfit.
- (j) **History relating to Operations.** A candidate who has undergone an abdominal operation involving extensive surgical intervention or partial/ total excision of any organ is, as a rule, unfit for service. Operation involving the cranial vault with any residual bony defect will be unfit. Major thoracic operations will make the candidate unfit.

Measurements and Physique

7. **Chest Shape and Circumference.** The shape of the chest is as important as its actual measurement. The chest should be well proportioned and well developed. Any chest deformity likely to interfere with physical exertion during training and performance of military duties or adversely impact military bearing or are associated with any cardio-pulmonary or musculoskeletal anomaly are to be considered unfit. Minimum recommended chest circumference for Candidates is 77 cm. The chest expansion should be at least 05 cm for all candidates. For the purpose of documentation, any decimal fraction lower than 0.5 cm will be ignored, 0.5 cm will be recorded as such and 0.6 cm and above will be recorded as 1 cm.

8. **Height.**

- (a) **Ground Duty Branches.** The minimum height for entry into ground duty branches is as follows:-

- (i) Male – 157 cm.
- (ii) Female – 152 cm.

Note 1:- In case of candidates of Lakshadweep ethnicity, the minimum acceptable height is reduced by 02 cm (155 cm for male and 150 cm for female). For Gorkhas and individual belonging to North-Eastern regions of India and hilly regions of Uttarakhand, the minimum acceptable height will be 05 cm less (152 cm for male and 147 cm for female).

Note 2:- Candidates of North East and Hilly states ethnicity includes Gorkhas, Kumaonis, Garhwalis, Assamese and those belonging to the states of Nagaland, Manipur, Mizoram, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Tripura, Sikkim and hilly areas of Uttarakhand.

(b) **Flying Duty Branches.** The minimum height (both male and female) for entry into flying duty branches is as follows:-

- (i) Pilots, Flight Test Engineers (FTE) and WSO of Su-30 MKI – **162 cm.**
- (ii) Officers and airmen who apply for aircrew duties, other than F (P), FTE duties and WSO of Su-30 MKI – **157 cm.**

9. **Height, Sitting Height, Leg Length and Thigh Length for Male Candidates.**

(a) Minimum height for Flying Branch will be 162.5 cm. Acceptable measurements of leg length, thigh length and sitting height for such aircrew will be as under: -

(i)	Sitting height	Minimum	81.5 cm
		Maximum	96.0 cm
(ii)	Leg Length	Minimum	99.0 cm
		Maximum	120.0 cm
(iii)	Thigh Length	Maximum	64.0 cm

10. **Body Weight Parameters**

(a) The acceptable weight range for candidates is given at Appendix A (Male candidates) and Appendix B (Female candidates) to this chapter. Candidates outside the given weight range for their age and height will not be acceptable.

Appendix A

(Refer para 8 & 10)

WEIGHT FOR HEIGHT CHART: MALES (AT ENTRY)

Height (cm)	Minimum Weight (Kg)	Maximum Weight (Kg)		
		Age at last birthday Below 20 yrs	Age at last birthday 20 to 25 yrs	Age at last birthday Above 25 yrs
152	40	53	55	58
153	40	54	56	59
154	40	55	57	59
155	41	55	58	60
156	41	56	58	61

157	42	57	59	62
158	42	57	60	62
159	43	58	61	63
160	44	59	61	64
161	44	60	62	65
162	45	60	63	66
163	45	61	64	66
164	46	62	65	67
165	46	63	65	68
166	47	63	66	69
167	47	64	67	70
168	48	65	68	71
169	49	66	69	71
170	49	66	69	72
171	50	67	70	73
172	50	68	71	74
173	51	69	72	75
174	51	70	73	76
175	52	70	74	77
176	53	71	74	77
177	53	72	75	78
178	54	73	76	79
179	54	74	77	80
180	55	75	78	81
181	56	75	79	82
182	56	76	79	83
183	57	77	80	84
184	58	78	81	85
185	58	79	82	86
186	59	80	83	86
187	59	80	84	87
188	60	81	85	88
189	61	82	86	89
190	61	83	87	90
191	62	84	88	91
192	63	85	88	92
193	63	86	89	93
194	64	87	90	94
195	65	87	91	95
196	65	88	92	96
197	66	89	93	97
198	67	90	94	98
199	67	91	95	99
200	68	92	96	100

Appendix B

(Refer para 8 &10)

WEIGHT FOR HEIGHT CHART: FEMALES (AT ENTRY)

Height (cm)	Minimum Weight (Kg)	Maximum Weight (Kg)		
		Age at last birthday Below 20 yrs	Age at last birthday 20 to 25 yrs	Age at last birthday Above 25 yrs
147	37	45	48	51
148	37	46	48	51
149	37	47	49	52
150	37	47	50	53
151	37	48	50	54
152	37	49	51	54
153	37	49	51	55

154	38	50	52	56
155	38	50	53	56
156	39	51	54	57
157	39	52	54	58
158	40	52	55	59
159	40	53	56	59
160	41	54	56	60
161	41	54	57	61
162	42	55	58	62
163	43	56	58	62
164	43	56	59	63
165	44	57	60	64
166	44	58	61	65
167	45	59	61	66
168	45	59	62	66
169	46	60	63	67
170	46	61	64	68
171	47	61	64	69
172	47	62	65	70
173	48	63	66	70
174	48	64	67	71
175	49	64	67	72
176	50	65	68	73
177	50	66	69	74
178	51	67	70	74
179	51	67	70	75
180	52	68	71	76
181	52	69	72	77
182	53	70	73	78
183	54	70	74	79
184	54	71	74	80
185	55	72	75	80
186	55	73	76	81
187	56	73	77	82
188	57	74	78	83
189	57	75	79	84
190	58	76	79	85
191	58	77	80	86
192	59	77	81	87
193	60	78	82	88
194	60	79	83	88
195	61	80	84	89

CARDIOVASCULAR SYSTEM

11. Pulse. Persistent sinus tachycardia (> 100 bpm) as well as persistent sinus bradycardia (< 60 bpm) are unfit. In case bradycardia is considered to be physiological, the candidate can be declared fit after evaluation by Medical specialist/cardiologist.

12. Blood pressure. An individual with systolic blood pressure greater than or equal to 140 mmHg and/or diastolic blood pressure greater than or equal to 90 mmHg shall be rejected.

13. Cardiac Murmurs. Evidence of organic cardiovascular disease will be cause for rejection. Diastolic murmurs are invariably organic. Short systolic murmurs of ejection systolic nature and not associated with thrill and which diminish on standing, especially if associated with a normal ECG and chest radiograph, are most often functional.

14. **ECG.** Any ECG abnormality detected at SMB/Recruitment Medical Examination will be a ground for rejection. Benign ECG abnormalities like incomplete RBBB, T wave inversion in inferior leads, T inversion in V1 to V3 (persistent juvenile pattern), LVH by voltage criteria (due to thin chest wall) may exist without any structural heart disease. Echocardiography should be performed in all such cases to rule out an underlying structural heart disease and opinion of Senior Advisor (Medicine)/Cardiologist should be obtained.

15. **Congenital Cardiac Anomalies.** All congenital cardiac anomalies will be declared unfit.

16. **Cardiac surgery and interventions.** Candidates with history of cardiac surgery/ intervention in the past will be considered unfit.

RESPIRATORY SYSTEM

17. **Pulmonary Tuberculosis.** Any residual scarring in pulmonary parenchyma or pleura, as evidenced by a demonstrable opacity on chest radiogram will be a ground for rejection. Old treated cases with no significant residual abnormality can be accepted if the diagnosis and treatment was completed more than two years earlier.

18. **Pleurisy with Effusion.** Any evidence of pleural thickening will be a cause for rejection. At the time of appeal, these cases will be subjected to detailed evaluation with appropriate investigations by Pulmonologist/Medical Specialist.

19. **Bronchitis.** History of repeated attacks of cough/wheezing/bronchitis may be manifestations of chronic bronchitis or other chronic pathology of the respiratory tract. Such cases will be assessed unfit and will be subjected to detailed evaluation with appropriate investigations at the time of appeal by Pulmonologist/Medical Specialist.

20. **Bronchial Asthma.** History of repeated attacks of bronchial asthma/wheezing/ allergic rhinitis will be a cause for rejection.

21. **Radiographs of the Chest.** Definite radiological evidence of disease of the lungs, mediastinum and pleurae are criteria for declaring the candidate unfit.

22. **Thoracic Surgery.** Candidate with history of any major surgery of the thorax will be considered unfit.

GASTROINTESTINAL SYSTEM

23. **Head to toe examination.** Presence of any sign of liver cell failure (e.g. loss of hair, parotidomegaly, spider naevi, gynaecomastia, testicular atrophy, flapping tremors etc) and any evidence of malabsorption (pallor, nail and skin changes, angular cheilitis, pedal edema) will entail rejection.

24. **Gastro-Duodenal Disabilities.** Any past surgical procedure involving partial or total loss of an organ (other than vestigial organs/gall bladder) will entail rejection.

25. **Diseases of the Liver.** If past history of jaundice is noted or any abnormality of the liver function is suspected, full investigation is required for assessment. Candidates suffering from viral hepatitis or any other form of jaundice will be rejected. Such candidates can be declared fit after a minimum period of 6 months has elapsed provided there is full clinical recovery; HBV and HCV status are both negative and liver functions are within normal limits. History of recurrent jaundice and hyperbilirubinemia of any nature is unfit.

26. Disease of the Spleen. Candidates who have undergone partial/ total splenectomy are unfit, irrespective of the cause for operation.

27. Hernia. Any abdominal wall hernia is unfit. A candidate with a well-healed surgical scar, after 24 weeks of either open or laparoscopic repair, is considered fit provided there is no evidence of recurrence and the abdominal wall musculature is good.

28. Abdominal Surgery. A candidate with well-healed scar post conventional abdominal surgery (except appendicectomy through right iliac fossa incision, refer par 3.5.9 (b)) will be considered fit after 24 weeks provided there is no potential for any recurrence of the underlying pathology, no evidence of incisional hernia and the condition of the abdominal wall musculature is good.

29. Anorectal Conditions. The examiner should do a digital rectal examination and rule out haemorrhoids, sentinel piles, anal skin tags, fissures, sinuses, fistulae, prolapsed rectal mass or polyps.

(a) **Fit.**

(i) After rectal surgery for polyps, haemorrhoids, fissure, fistula, ulcer or pilonidal sinus, provided there is no residual/recurrent disease.

(aa) Anal Fissure, Hemorrhoids: After 12 weeks of surgery.

(ab) Pilonidal Sinus: After 12 weeks of surgery.

(b) **Unfit.**

(i) Rectal prolapse even after surgical correction.

(ii) Active anal fissure/External Skin tags.

(iii) Hemorrhoids (external or internal).

(iv) Anal Fistula.

(v) Anal or rectal polyp.

(vi) Anal stricture.

(vii) Fecal incontinence.

30 Ultrasonography of Abdomen

(a) **Liver**

Fit

(i) Normal echo-anatomy of the liver, CBD, IHBR, portal and hepatic veins with liver span not exceeding 15 cm in the mid-clavicular line.

(ii) Solitary simple cyst (thin wall, anechoic) upto 2.5 cm diameter provided that the LFT is normal and hydatid serology is negative.

(iii) Hepatic calcifications to be considered fit if solitary and less than 1 cm with no evidence of active disease like tuberculosis, sarcoidosis, hydatid disease or liver abscess based on relevant clinical examinations and appropriate investigations.

Unfit.

(i) Hepatomegaly more than 15 cm in mid-clavicular line.

- (ii) Fatty liver.
- (aa) Grade 1 Fatty liver with abnormal LFT.
- (ab) Grade 2 and 3 Fatty Liver.
- (iii) Solitary cyst > 2.5 cm.
- (iv) Solitary cyst of any size with thick walls, septations, papillary projections, calcifications and debris.
- (v) Multiple hepatic calcifications or cluster greater than 01 cm.
- (vi) Multiple hepatic cysts of any size.
- (vii) Any haemangioma irrespective of the size and location.
- (viii) Portal vein thrombosis.
- (ix) Evidence of portal hypertension (Portal Vein >13 mm, collaterals, ascites).

31 **Gall Bladder**

(a) **Fit**

- (i) Normal echo-anatomy of the gall bladder.
- (ii) **Post laparoscopic Cholecystectomy**. 08 (Normal LFT, normal histopathology).
- (iii) **Post Operative Cholecystectomy**. 24 weeks, provided LFT and histopathology are within normal limits and in the absence of incisional hernia as confirmed on USG Abdomen.

(b) **Unfit**

- (i) Cholelithiasis or biliary sludge.
- (ii) Choledocolithiasis.
- (iii) Polyp of any size and number.
- (iv) Choledochal cyst.
- (v) Gall bladder mass.
- (vi) Gall bladder wall thickness > 05 mm.
- (vii) Septate gall bladder.
- (viii) Persistently contracted gall bladder on repeat USG.
- (ix) Incomplete Cholecystectomy.

(c) **Non-visualized Gall Bladder on USG**. Will be considered unfit. They will be considered fit during appeal, if agenesis of gall bladder is confirmed on Magnetic Resonance Cholangio-Pancreatography (MRCP), in the absence of any other abnormality of the biliary tract.

32 **Spleen**

(a) **Unfit**

- (i) Spleen more than 13 cm in longitudinal axis (or if clinically palpable).
- (ii) Any Space Occupying Lesion in the spleen.
- (iii) Asplenia.

- (iv) Candidates who have undergone partial/ total splenectomy are unfit, irrespective of the cause of operation.

33 **Pancreas**

(a) **Unfit**

- (i) Spleen more than 13 cm in longitudinal axis (or if clinically palpable).
- (ii) Any space occupying lesion in the spleen.
- (iii) Asplenia.
- (iv) Candidates who have undergone partial/total splenectomy are unfit, irrespective of the cause of operation.

34 **Peritoneal Cavity**

(a) **Unfit**

- (i) Ascites.
- (ii) Solitary mesenteric or retroperitoneal lymph node >1 cm. (Singular retroperitoneal LN <1 cm and normal in architecture may be considered fit).
- (iii) Two or more lymph nodes of any size.
- (iv) Any mass or cyst.

35 Major Abdominal Vasculature (Aorta/ IVC). Any structural abnormality, focal ectasia, aneurysm and calcification will be considered as unfit.

36 **Appendectomy.**

(a) **Laparoscopic Appendectomy** will be assessed for post-operative fitness after a minimum period of four weeks. Candidate will be considered fit if:-

- (i) Post-operative site scars have healed well.
- (ii) Scars are supple.
- (iii) Histopathological report of acute appendicitis is available.
- (iv) UCG confirmation of absence of port site incisional hernia.

(b) **Open Appendectomy** with muscle split approach will be assessed for Post-op –fitness after a minimum period of **12 weeks**. Candidates will be considered fit if:-

- (i) Wound has healed well.
- (ii) Scar is supple and non-tender.
- (iii) Histopathological report of appendix is available.
- (iv) USG confirmation of absence of surgical site incisional hernia.

UROGENITAL SYSTEM

The fitness criteria to be followed are as follows:-

37. Undescended testis (UDT)/Orchidectomy.**(a) Unfit.**

- (i) If the testis cannot be palpated (unilateral or bilateral) even after examination of the candidate in squatting position.
- (ii) Bilateral orchidectomy due to any cause such as trauma, torsion or infection is unfit.

(b) Fit.

- (i) Operatively corrected UDT at least four weeks after surgery, provided after surgical correction, the testis is normal in location and the wound has healed well.
- (ii) Unilateral orchidectomy for benign cause, provided other testis is normal in size, fixation and location.

38. Atrophic Testis.**(a) Unfit. Bilateral atrophied testis.****(b) Fit. Unilateral atrophic testis for benign cause, provided other testis is normal in size, fixation and location.****39 Varicocele****(i) Unfit – All grades of current varicocele.****(ii) Fit – Post-operative cases of varicocele with no residual varicocele and no post operative complication or testicular atrophy after 08 weeks of surgery.****40 Hydrocele****(i) Unfit – Current hydrocele on any side.****(ii) Fit – Operated cases of hydrocele may be made fit after 08 weeks of surgery, if there are no post-op complications and wound has healed well.****41 Epididymal Cyst/ Mass, Spermatocele****(i) Unfit – Current presence of cyst / mass.****(ii) Fit – Post operative cases, where wound has healed well, there is no recurrence and only when benign on histopathology report.****42 Epididymitis/ Orchitis****(i) Unfit – Presence of current orchitis or epididymitis/ tuberculosis.****(ii) Fit – After treatment, provided the condition has resolved completely.****43 Epispadias/ Hypospadias****(i) Unfit – All are unfit, except glanular variety of hypospadias and epispadias, which is acceptable.****(ii) Fit – Post-operative cases at least 08 weeks after successful surgery, provided recovery is complete and there are no complications.****44 Penile Amputation. Any amputation will make the candidate unfit.****45 Phimosis**

- (i) Unfit – Current phimosis, if tight enough to interfere with local hygiene and voiding and/ or associated with Balanitis Xerotica Obliterans.
- (ii) Fit – Operated cases will be considered fit after 04 weeks of surgery, provided wound is fully healed and no post-op complications are seen.

46 Meatal Stenosis

- (i) Unfit – Current disease, if small enough to interfere with voiding.
- (ii) Fit – Mild disease not interfering with voiding and post-operative cases after a period of 04 weeks of surgery with adequately healed wound and no post op complications.

47. Stricture Urethra, Urethral Fistula. Any history of / current cases or post-op cases are unfit.

48. Sex reassignment surgery/ Intersex condition. Unfit

49. Nephrectomy. All cases, irrespective of the type of surgery (Simple/ radical/ donor/ partial/ RFA/ cryo-ablation) are unfit.

50. Renal Transplant Recipients. Unfit

51. Urachal Cyst :08 Weeks (To be declared fit in the absence of any remnant)

52. Cases of Bladder diverticulum will be declared as Unfit.

53 Urine Examination

- (a) Proteinuria. Proteinuria will be a cause for rejection, unless it proves to be orthostatic.
- (b) Glycosuria. When glycosuria is detected, a blood sugar examination (fasting and after 75 g glucose) and glycosylated Hb is to be carried out, and fitness decided as per results. Renal glycosuria is not a cause for rejection.
- (c) Urinary Infections. When the candidate has history or evidence of urinary infection it will entail full renal investigation. Persistent evidence of urinary infection will entail rejection.
- (d) Haematuria. Candidates with history of haematuria will be subjected to full renal investigation.

54 Glomerulonephritis.

- (a) Acute. In this condition there is a high rate of recovery in the acute phase, particularly in childhood. A candidate who has made a complete recovery and has no proteinuria may be assessed fit, after a minimum period of one year after full recovery.
- (b) Chronic. Candidate with chronic glomerulonephritis will be rejected.

55 Renal Calculi. Irrespective of size, numbers, obstructive or non-obstructive, history of renal calculi (history or radiological evidence) will render a candidate Unfit.

56 Sexual Transmitted Diseases and Human Immuno Deficiency Virus (HIV). Seropositive HIV status and/ or evidence of STD will entail rejection.

57 Ultrasonography of the Abdomen - Urogenital System

58 **Kidneys, ureters and urinary bladder**

(a) **Unfit**

- (i) Congenital structural abnormalities of kidneys or urinary tract
 - (aa) Unilateral renal agenesis.
 - (ab) Unilateral or bilateral hypoplastic/ contracted kidney of size less than 08 cm.
 - (ac) Malrotation of kidney.
 - (ad) Horseshoe kidney.
 - (ae) Ptosed kidney.
 - (af) Crossed fused/ ectopic kidney.
- (ii) Simple single renal cyst of more than 1.5 cm size in one kidney.
- (iii) Complex cyst/ polycystic disease/ multiple or bilateral cysts.
- (iv) Renal/ ureteric/ vesical mass.
- (v) Hydronephrosis or Hydroureteronephrosis.
- (vi) Calculi - Renal/ Ureteric/ Vesical.
- (vii) Calyectasis.

(b) **Fit –**

- (i) Solitary, unilateral, simple renal cyst <1.5 cm provided the cyst is peripherally located, round/ oval, with thin smooth wall and no loculations, with posterior enhancement, no debris, no septa and no solid component.

ENDOCRINE SYSTEM

59. Any history suggestive of endocrine disorders will be a cause for rejection.

60. Clinical Examination. Any clinical evidence of endocrine disease will be unfit.

61. All cases of thyroid swelling are unfit. Fitness of such cases will be decided during appeal medical board after evaluation with appropriate investigations.

62. Candidates detected to have Diabetes Mellitus will be rejected. A candidate with a family history of Diabetes Mellitus will be subjected to blood sugar (Fasting and after two hours of 75 g of anhydrous / 82.5 g monohydrate Glucose load) and HbA1c evaluation, which will be recorded.

DERMATOLOGICAL SYSTEM

63. **Relevant History and Examination.** Candidates who give history of sexual exposure to a Commercial Sex Worker (CSW) and have evidence of healed penile sore in the form of a scar must be declared permanently unfit, even in absence of an overt STD, as these candidates are likely 'repeaters' with similar indulgent promiscuous behavior.

64. **Assessment of Diseases of the Skin.** Acute non-exanthematous and non-communicable diseases, which ordinarily run a temporary course, need not be a cause of rejection. Diseases of a trivial nature, and those, which do not interfere with general health or cause incapacity, do not entail rejection.
65. Certain skin conditions are apt to become active and incapacitating under tropical conditions. An individual is unsuitable for service if he has a definite history or signs of chronic or recurrent skin disease. Some of such conditions are described below:-
66. **Palmoplantar Hyperhydrosis.** Some amount of Palmoplantar Hyperhydrosis is physiological, considering the situation that recruits face during medical examination. However, candidates with significant Palmoplantar Hyperhydrosis should be considered unfit.
67. **Acne vulgaris** Mild (Grade I) acne consisting of few comedones or papules, localized only to the face may be acceptable. However, moderate to severe degree of acne (nodulocystic type with or without keloidal scarring) or involving the back should be considered unfit.
68. **Palmoplantar Keratoderma** Any degree of palmoplantar keratoderma manifesting with hyperkeratotic and fissured skin over the palms, soles and heels should be considered unfit.
69. **Ichthyosis vulgaris** Ichthyosis involving the upper and lower limbs, with evident dry, scaly, fissured skin should be considered unfit. Mild xerosis (dry skin) could be considered fit.
70. Candidates having any keloid should be considered unfit.
71. Clinically evident onychomycosis of finger and toe-nails should be declared unfit, especially if associated with nail dystrophy. Mild degree of distal discoloration involving single nail without any dystrophy may be acceptable.
72. Giant congenital melanocytic naevi, greater than 10 cm should be considered unfit, as there is a malignant potential in such large sized naevi.
73. Single corns/ Warts/ Callosities will be considered fit, three months after successful treatment and no recurrence. However, candidates with multiple warts/ corns/ callosities on palms and soles or diffuse palmoplantar mosaic warts, large callosities on pressure areas of palms and soles should be rejected.
74. Psoriasis is a chronic skin condition known to relapse and/or recur and hence should be considered unfit.
75. **Vitiligo.** Those having vitiligo must be made unfit. On appeal, segmental vitiligo under the covered parts may be accepted.
76. A history of chronic or recurrent episodes of skin infections will be cause for rejection. Folliculitis or sycosis barbae from which there has been complete recovery may be considered fit.
77. Individuals who have chronic or frequently recurring episodes of a skin disease of a serious or incapacitating nature e.g. eczema are to be assessed as permanently unfit and rejected.
78. Any sign of Leprosy will be a cause for rejection. All peripheral nerves should be examined for any thickness of the nerves and any clinical evidence suggestive of leprosy is a ground for rejection.

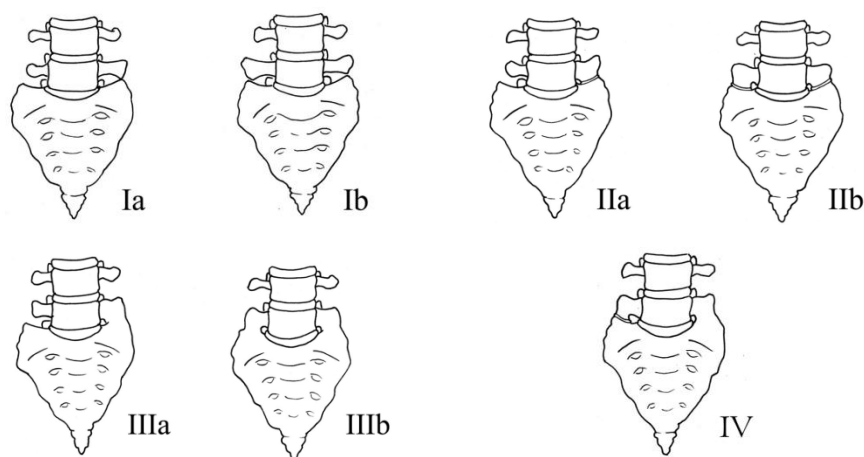
79. Naevus depigmentosus and Beckers naevus may be considered fit. Intradermal naevus, vascular naevi are to be made unfit.
80. Pityriasis Versicolor is to be made unfit. They can be made fit on appeal, if completely treated.
81. Any fungal infection of any part of the body will be unfit. They can be made fit on appeal, if completely treated.
82. Scrotal Eczema may be considered fit on recovery.
83. Canities (premature graying of hair) may be considered fit if mild in nature and no systemic association is seen.
84. Intertrigo may be considered fit on recovery.
85. All STDs are unfit.
86. Scabies may be considered fit only on recovery.
87. Alopecia areata single and small (<2 cm in diameter) lesion on scalp can be accepted. However if multiple, involving other areas or having scarring, the candidate should be rejected.
88. **Gynaecomastia:** Candidates to be considered fit after 12 weeks of post-operative period if: -
(a) There is a well healed surgical wound with no residual disease.
(b) No Post Operative complication.
(c) Surgical scar should be sufficiently matured and unlikely to cause any problems during military training.
(d) Normal general physical examination.
(e) Endocrine workup is normal
89. **Polymazia** Candidates to be considered fit after 12 weeks of Post-Operative period if there is no Post Operative complication with a well healed surgical wound and no residual disease.

MUSCULOSKELETAL SYSTEM AND PHYSICAL CAPACITY

90. **Spinal Conditions:** Past medical history of disease or injury of the spine or sacroiliac joints, either with or without objective signs, which has prevented the candidate from successfully following a physically active life, is a cause for rejection for commissioning. History of recurrent lumbago/ spinal fracture/ prolapsed intervertebral disc and surgical treatment for these conditions will entail rejection.
91. Clinical Examination. Normal thoracic kyphosis and cervical/ lumbar lordosis are barely noticeable and not associated with pain or restriction of movement.

- (a) If clinical examination reveals restriction of spine movements, deformities, tenderness of the spine or any gait abnormalities, it will be considered unfit.
- (b) Gross kyphosis, affecting military bearing/ restricts full range of spinal movements and/or expansion of chest is unfit.
- (c) Scoliosis is unfit, if deformity persists on full flexion of the spine, when associated with restricted range of spine movements or when due to an underlying pathological cause. When scoliosis is noticeable or any pathological condition of the spine is suspected, radiographic examination of the appropriate part of the spine needs to be carried out.
- (d) **Spina Bifida.** The following markers should be looked for, on clinical examination and corroborated with radiological evaluation:-
- Congenital defects overlying the spine eg, hypertrichosis, skin dimpling, haemangioma, pigmented naevus or dermal sinus.
 - Presence of lipoma over spine.
 - Palpable spina bifida.
 - Abnormal findings on neurological examination.

92. Castellvi Classification for Lumbosacral Transitional Vertebra (LSTV).



Castellvi Classification for LSTV

- (a) **Type I.** Enlarged and dysplastic transverse process (at least 19 mm in width in craniocaudal dimension).
- Ia.** Unilateral.
 - Ib.** Bilateral.
- (b) **Type II.** Pseudoarticulation of the transverse process and sacrum with incomplete lumbarisation/sacralisation (enlargement of the transverse process with pseudoarthrosis).
- IIa.** Unilateral.
 - IIb.** Bilateral.

(c) **Type III.** Transverse process fuses with the sacrum and there is complete lumbarisation or sacralisation (enlarged transverse process with complete fusion).

(i) **III a.** Unilateral.

(ii) **III b.** Bilateral.

(d) **Type IV.** Type II on one side and type III on the contralateral side.

93. Spinal Conditions Unfit for Air Force Duties (Both Flying and Ground Duties)

(a) **Congenital/Developmental Anomalies.**

(i) Wedge Vertebra.

(ii) Hemivertebra.

(iii) Anterior Central Defect.

(iv) Cervical Ribs (Unilateral/Bilateral) with demonstrable neurological or circulatory deficit.

(v) Spina Bifida. All types are unfit except in sacrum and LV5 (if completely sacralised).

(vi) Loss of Cervical Lordosis with neurological deficit.

(vii) Assessment of Scoliosis. Idiopathic scoliosis upto 10 degrees for Lumbar Spine and 15 degrees for Dorsal Spine will be acceptable provided:-

(aa) Individual is asymptomatic.

(ab) No history of trauma to spine.

(ac) No chest asymmetry/shoulder imbalance or pelvic obliquity in the lumbar spine.

(ad) There is no neurological deficit.

(ae) No congenital anomaly of the spine.

(af) There is absence of syndromic features.

(ag) ECG is normal.

(ah) No deformity exists on full flexion of the spine.

(aj) No restriction of range of movements

(ak) No organic defect causing structural abnormality.

(vii) Atlanto-occipital and Atlanto-axial anomalies.

(ix) Incomplete block vertebra at any level.

(x) Complete block vertebra **at more than one level.** (Single level is acceptable. Annotation is to be made in AFMSF-2).

(xi) **Lumbosacral Transitional Vertebra (LSTV).** Unilateral sacralisation or lumbarisation (complete or incomplete) and Bilateral incomplete sacralisation or lumbarisation (LSTV- Castellvi Type II a and b, III a and IV).

Bilateral Complete Sacralisation of LV5 and Bilateral Complete Lumbarisation of SV1, LSTV Castellvi Type III b, Type I a and b are acceptable (Annotation is to be made in AFMSF-2).

(xii) Spondylolysis/Spondylolisthesis.

- (xiii) Intervertebral Disc Prolapse.
- (xiv) Schmorl's Nodes at more than one level.

(b) **Traumatic Conditions**

- (i) Spondylolysis/ Spondylolisthesis
- (ii) Compression fracture of vertebra
- (iii) Intervertebral Disc Prolapse
- (iv) Schmorl's Nodes at more than one level

(c) **Infective**

- (i) Tuberculosis and other Granulomatous disease of spine (old or active)
- (ii) Infective Spondylitis

(d) **Autoimmune**

- (i) Rheumatoid Arthritis and allied disorders
- (ii) Ankylosing spondylitis
- (iii) Other rheumatological disorders of spine e.g Polymyositis, SLE and Vasculitis

(e) **Degenerative**

- (i) Spondylosis
- (ii) Degenerative Joint Disorders
- (iii) Degenerative Disc Disease
- (iv) Osteoarthritis/ osteoarthritis
- (v) Scheuerman's Disease (Adolescent Kyphosis)

(f) **Any other spinal abnormality, if so considered by the specialist.**

CONDITIONS AFFECTING THE ASSESSMENT OF UPPER LIMBS

94. Amputations and Deformities of Upper limbs. Deformities of the upper limbs or their parts will be cause for rejection. Candidate with an amputation of a limb or any part of limb including fingers will not be accepted for entry.

95. Fingers and Hands. Deformities and limitations to movements will be considered unfit.

- (a) **Polydactyly.** Can be declared fit 12 weeks post- operative, if there is no bony abnormality on radiograph, wound is well healed, scar is supple and there is no evidence of neuroma on clinical examination.

- (b) **Simple Syndactyly.** Can be declared fit 12 weeks post-operative, if there is no bony abnormality on radiograph, wound is healed, scar is supple and webspace is satisfactory.
- (c) **Complex syndactyly.** Unfit.
- (d) **Hyperextensible finger joints.** All candidates shall be thoroughly examined for hyperextensible finger joints. Any extension of fingers bending backwards beyond 90 degrees shall be considered hyperextensible and considered unfit. Other joints like knee, elbow, spine and thumb shall also be examined carefully for features of hyper-laxity/hypermobility. Although the individual may not show features of hyperlaxity in other joints, isolated presentation of hyperextensibility of finger joints shall be considered unfit because of the various ailments that may manifest later, if such candidates are subjected to strenuous physical training.
- (e) **Mallet Finger.** Loss of extensor mechanism at the distal interphalangeal joint leads to Mallet finger. Chronic mallet deformity can lead to secondary changes in the proximal inter-phalangeal (PIP) and metacarpo-phalangeal (MCP) joint which can result in compromised hand function. Normal range of movement at distal inter-phalangeal (DIP) joints is 0-80 degree and PIP joint is 0-90 degree in both flexion and extension. In Mallet finger, the candidate is unable to extend/straighten distal phalanx of fingers completely.
 - (i) Candidates with mild condition ie, less than 10 degree of extension lag without any evidence of trauma, pressure symptoms and any functional deficit must be declared fit.
 - (ii) Candidates with fixed deformity of fingers will be declared unfit.

96. Wrist. Painless limitation of movement of the wrist will be assessed according to the degree of stiffness. Loss of dorsiflexion is more serious than loss of palmar flexion.

97. Elbow. Slight limitation of movement does not bar acceptance provided functional capacity is adequate. Ankylosis will entail rejection. Cubitus Valgus is said to be present when the carrying angle (angle between arm and forearm in anatomical posture) is exaggerated. In absence of functional disability and obvious cause like a fracture mal-union, fibrosis or the like, a carrying angle of upto 15° in male and 18° in female candidates would be made fit.

98. Hyperextension at elbow joint: Individuals can have naturally hyperextended elbow. This condition is not a medical problem, but can be a cause of fracture or chronic pain especially considering the stress and strains military population is involved in. Also, the inability to return the elbow to within 10 degrees of the neutral position is impairment in the activities of daily living.

- (a) Measurement modality: Measured using a goniometer
- (b) Recommendation: Normal elbow extension is 0 degrees. Up to 10 degrees of hyperextension is within normal limits if the patient has no history of trauma to the joint. Anyone with hyperextension more than 10 degrees should be unfit.

99. Cubitus Varus of > 5 degree will be unfit.

100. Cubitus Recurvatum: Cubitus recurvatum > 10 degrees is unfit

101. Shoulder Girdle. History of recurrent dislocation of shoulder with or without corrective surgery will be unfit.

102. Clavicle. Non-union of an old fracture clavicle will entail rejection. Mal-united clavicle fracture without loss of function and without obvious deformity are acceptable.

CONDITIONS AFFECTING THE ASSESSMENT OF LOWER LIMBS

103 Hallux valgus with angle >20 degrees and first-second metatarsal angle of >10 degrees is unfit. Hallux valgus of any degree with bunion, corns or callosities is unfit.

104 Hallux rigidus is unfit for service.

105 Isolated single flexible mild hammer toe without symptoms may be accepted. Fixed (rigid) deformity or hammer toe associated with corns, callosities, mallet toes or hyperextension at meta-tarso-phalangeal joint (claw toe deformity) are to be rejected.

106 Loss of any digits/ toes entails rejection.

107 Extra digits will entail rejection if there is bony continuity with adjacent digits. Cases of syndactyly will be rejected.

108 Pes Planus (Flat feet)

(a) If the arches of the feet reappear on standing on toes, if the candidate can skip and run well on the toes and if the feet are supple, mobile and painless, the candidate is acceptable.

(b) Rigid or fixed flat feet, gross flat feet, with planovalgus, eversion of heel, cannot balance himself/herself on toes, cannot skip on the forefoot, tender painful tarsal joints, prominent head of talus will be considered unfit. Restriction of the movements of the foot will also be a cause for rejection. Rigidity of the foot, whatever may be the shape of the foot, is a cause for rejection.

109 Pes Cavus and Talipes (Club Foot). Mild degree of idiopathic pes cavus without any functional limitation is acceptable. Moderate and severe pes cavus and pes cavus due to organic disease will entail rejection. All cases of Talipes (Club Foot) will be rejected.

110 Ankle Joints. Any significant limitation of movement following previous injuries will not be accepted. Functional evaluation with imaging should be carried out wherever necessary.

111 Knee Joint. Any ligamentous laxity is not accepted. Candidates who have undergone ACL reconstruction surgery are to be considered unfit.

112 Genu valgum (knock knee) with intermalleolar distance > 5 cm in males and > 8 cm in females will be unfit.

113 Genu varum (bow legs) with intercondylar distance >7 cm will be considered unfit.

114 Genu Recurvatum. If the hyperextension of the knee is within 10 degrees and is unaccompanied by any other deformity, the candidate should be accepted as fit.

115 True lesions of the hip joint or early signs of arthritis will entail rejection.

Healed Fractures

116. Intra-Articular Fractures. All intra-articular fractures especially of major joints (shoulder, elbow, wrist, hip, knee and ankle) with or without surgery, with or without implant shall be considered unfit.

117. Extra-Articular Fractures.

(a) All extra-articular fractures with post-operative implant in-situ shall be considered unfit and will be considered for fitness after minimum of 12 weeks of implant removal.

(b) Nine months will be the minimum duration for considering evaluation following extra-articular injuries of all long bones (both upper and lower limbs) post injury which have been managed conservatively. Individual will be considered fit if there is:-

- (i) No evidence of mal-alignment/mal-union.
- (ii) No neuro-vascular deficit.
- (iii) No soft tissue loss.
- (iv) No functional deficit.
- (v) No evidence of osteomyelitis/sequestra formation.

118. Peripheral Vascular System

119. Varicose Veins. All cases with active varicose veins will be declared unfit. Post-op cases of varicose veins also remain unfit.

120. Arterial System. Current or history of abnormalities of the arteries and blood vessels e.g. aneurysms, arteritis and peripheral arterial disease will be considered unfit.

121. Lymphoedema. History of past/ current disease makes the candidate unfit.

CENTRAL NERVOUS SYSTEM

122. History of Mental Illness. A candidate giving a history of mental illness/psychological afflictions will be rejected.

123. Family History of Psychological Disorders. When a history of nervous breakdown, mental disease, or suicide of a near relative is obtained, a careful investigation of the personal past history from a psychological point of view is to be obtained. Any evidence of even the slightest psychological instability in the personal history or present condition must entail rejection.

124. Family History of Epilepsy. If a history of epilepsy is obtained in a near relative, then the candidate must be made unfit and subjected to a detailed evaluation with appropriate investigations at the time of appeal.

125. Severe or 'Throbbing' Headache and Migraine. A candidate with migraine, which was severe enough to make him/her consult a doctor, will be a cause for rejection. Even a single attack of migraine with visual disturbance or Migrainous epilepsy is to be made unfit.

126. Fits and Convulsions. History of epilepsy in a candidate is a cause for rejection. Seizures may masquerade as 'faints' and therefore the frequency and the conditions under which 'faints' took place must be elicited. Such attacks will be made unfit, whatever their apparent nature. An isolated fainting attack calls for enquiry into all the attendant factors to distinguish between syncope and seizures. Complex partial seizures, are criteria for making the candidate unfit.

127. Heat stroke. History of repeated attacks of heat stroke, hyperpyrexia or heat exhaustion bars employment for Air Force duties, as it is an evidence of a faulty heat regulating mechanism. A single severe attack of heat effects provided the history of exposure was severe, and no permanent sequelae were evident is, by itself, not a reason for rejecting the candidate.

128. Head Injury or Concussion. A history of severe head injury/fracture of the skull/ history of intracranial damage or any residual bony defect in the calvaria is a cause for rejection. Presence of burr holes will be cause for rejection.

129. Psychosis. All candidates who are suffering from psychosis are to be rejected. Drug dependence in any form will also be a cause for rejection.

130. Psychoneurosis. Mentally unstable and neurotic individuals are unfit for commissioning. Juvenile and adult delinquency, history of nervous breakdown or chronic ill-health are causes for rejection.

131. Organic Nervous Conditions. Any evident neurological deficit will call for rejection.

132. Tremors. Persistent tremors even after reassuring the candidate will be unfit. On appeal only pathological tremors will render the candidate unfit.

133. Stammering. Candidates with stammering will be declared unfit. Stammering will be made unfit, even if it is first detected during the time of appeal medical board.

134. Any history of mental disorder in the family or in the candidate himself/herself or signs of intellectual, emotional or conduct disorders or symptoms of psychosomatic disorders should be made unfit and subjected to detailed evaluation and appropriate investigations at the time of appeal by the psychiatrist.

135. Hyperstosis Frontalis Interna will be considered fit in the absence of any other metabolic abnormality.

EAR, NOSE AND THROAT

136. Nose and Para-nasal Sinuses.

(a) **External Deformity of Nose or Deviated Nasal Septum.**

- (i) Unfit - Gross external deformity of nose causing cosmetic deformity or obstruction to free breathing as a result of a marked septal deviation.
- (ii) On appeal - Post corrective surgery with residual mild deviation with adequate airway patency will be acceptable after four weeks post surgery.

(b) **Septal Perforation-** Unfit

- (i) On appeal - Any anterior septal perforation/posterior septal perforation > 01 cm in the greatest dimension is a ground for rejection. A septal perforation which is associated with nasal deformity, nasal crusting, epistaxis and granulation irrespective of the size is a ground for rejection.

(c) Atrophic rhinitis- Unfit.

(d) Any history/clinical evidence suggestive of allergic rhinitis/vasomotor rhinitis are to be declared Unfit

(e) Any infection of the para-nasal sinuses is to be declared Unfit. Such cases may be accepted following successful treatment at the Appeal Medical Board.

(f) **Nasal polyposis.** Unfit (treated or untreated).

137 Oral Cavity

(a) **Unfit**

- (i) Current/ operated cases of leukoplakia, erythroplakia, submucous fibrosis, ankyloglossia and oral carcinoma.
- (ii) Current oral ulcers/ growths and mucous retention cysts.
- (iii) Trismus due to any cause.
- (iv) Cleft palate, even after surgical correction.

(b) **Fit**

- (i) Completely healed oral ulcers after four weeks post-surgery with proven benign histopathology.
- (ii) Operated cases of mucus retention cyst with no recurrence and proven benign histology. Evaluation in these cases should be done after minimum 04 weeks post-surgery.
- (iii) Sub-mucous cleft of palate with or without bifid uvula not causing Eustachian tube dysfunction may be accepted by ENT specialist, provided PTA, tympanometry and speech are normal.

138 Pharynx and Larynx. The following conditions are unfit:-

- (a) Any ulcerative/ mass lesion of the pharynx.
- (b) Candidates in whom tonsillectomy is indicated. Such candidates may be accepted minimum 02 weeks after successful surgery provided there are no complications and histology is benign.
- (c) Cleft palate.
- (d) Any disabling condition of the pharynx or larynx causing persistent hoarseness or dysphonia.
- (e) Chronic laryngitis, vocal cord palsy, laryngeal polyps and growths.

139 Eustachian tube Dysfunction. Obstruction or insufficiency of Eustachian tube function will be a cause for rejection. Altitude chamber ear clearance test will be carried out before acceptance in in-service candidates.

140. Tinnitus. Unfit

141 Susceptibility to motion sickness. Specific enquiry should be made for any susceptibility to motion sickness. An endorsement to this effect should be made in AFMSF-2. Such cases will be fully evaluated and, if found susceptible to motion sickness, **they will be rejected for flying duties.** Any evidence of peripheral vestibular dysfunction due to any cause will entail rejection.

142 Hearing loss. The following are not acceptable:

- (a) Hearing acuity below 600 cm in CV or FW.
- (b) The audiometric loss greater than 20 db, in frequencies between 250 and 8000 Hz on PTA.

143 External Ear. The following defects of external ear should be declared unfit:

- (a) Gross deformity of pinna which may hamper wearing of uniform/ personal kit/ protective equipment, or which adversely impacts military bearing.
- (b) Cases of chronic otitis externa.
- (c) Any condition (ear wax, atresia/narrowing of external auditory meatus or neoplasm, exaggerated tortuosity of the canal, bony growth of external auditory canal) preventing a proper visualization of the tympanic membrane.
- (d) Granulation or polyp in external auditory canal.

144. Middle Ear. The following conditions of middle ear will entail rejection:-

- (a) **Otitis Media.** Current Otitis Media of any type will entail rejection. If evidence of healed chronic otitis media (in the form of tympanosclerosis/scarred tympanic membrane affecting only pars tensa part of tympanic membrane) and all operated cases of tympanoplasty/Myringotomy will be assessed by ENT specialist. They will be acceptable if Pure Tone Audiometry (PTA) and Tympanometry are normal. On appeal, a trial of decompression chamber may be carried out, if indicated, for aircrew, ATC/FC, submariners/divers.
- (b) Any type of TM perforation or healed perforation/retraction in pars flaccida of the tympanic membrane is unfit.
- (c) Marked retraction or restriction in TM mobility on pneumatic otoscopy.
- (d) Tympanometry showing patterns other than Type 'A' tympanogram.
- (e) Any implanted hearing devices eg, cochlear implants, bone-anchored hearing aids etc.
- (f) After middle ear surgeries viz, stapedectomy, ossiculoplasty, any type of mastoidectomy.

145 Miscellaneous Ear Conditions. The following ear conditions will entail rejection:-

- (a) Otosclerosis.
- (b) Meniere's disease.
- (c) Vestibular dysfunction including nystagmus of vestibular origin.
- (d) Bell's palsy following ear infection.

Ophthalmic System

146. Clinical Examination findings.

- (a) Candidates, who are wearing spectacles or found to have defective vision, should be properly assessed. All cases of squint are unfit.
- (b) **Ptosis.**
- (i) Candidates, who meet the following criteria are **Fit**.
- (aa) Mild ptosis.
- (ab) Clear visual axis.
- (ac) Normal visual field.
- (ad) No sign of aberrant degeneration/head tilt /Horner's Syndrome.
- (ii) Rest all cases - **Unfit**
- (iii) On appeal - Candidates who have undergone surgical correction may be considered fit provided one year has elapsed post-surgery with no recurrence, the above-mentioned criteria are met and upper eyelid is not more than 02 mm below the superior limbus.
- (c) **Exotropia.** Unfit.
- (d) **Anisocoria.** If size difference between the pupils is >01 mm, candidate will be considered unfit.
- (e) **Heterochromia irides.** Unfit
- (f) **Sphincter tears.** Can be considered fit, if size difference between pupils is <01 mm, pupillary reflexes are brisk with no observed pathology in cornea, lens or retina.
- (g) **Pseudophakia.** Unfit
- (h) **Blepharitis.** Candidates with blepharitis, particularly with loss of eyelashes, must be rejected.

- (j) **Ectropion/Entropion.** These cases are to be made unfit. On appeal, mild ectropion and entropion which in the opinion of ophthalmologist will not hamper day to day functioning in any way, may be made fit.
- (k) **Pterygium.** All cases of pterygium are to be made unfit. On appeal, regressive non-vascularised pterygium occupying ≤ 1.5 mm of the peripheral cornea may be made fit by Eye Specialist after measurement on a slit lamp.
- (l) **Nystagmus.** All cases of nystagmus are to be made unfit except for physiological nystagmus.
- (m) Naso-lacrymal duct occlusion producing epiphora or a mucocele entails rejection.
- (n) Active Uveitis (iritis, cyclitis and choroiditis) will be grounds for rejection. Candidates giving a history of this condition should be made unfit.
- (o) **Cornea.**
- (i) **Unfit**
 - (aa) Corneal scars/opacities
 - (ab) Any candidate with progressive corneal disorders viz, Corneal dystrophies, Keratoconus, Keratoglobus, any corneal degenerations.
 - (ac) Any active corneal disorder.
 - (ii) On appeal corneal scars are acceptable if it does not interfere with vision.
- (p) **Lenticular opacities.** – Unfit

On appeal

- (i) **Unfit-** Any lenticular opacity that is causing visual deterioration or is in the visual axis or central area of 04 mm around the pupils is unfit. The propensity of the opacities not to increase in size or number should also be considered.
 - (ii) **Fit -** Small stationary lenticular opacities in the periphery like congenital blue dot cataract, not affecting the visual axis/visual field (should be less than 10 in number and central area of 04 mm should be clear).
- (q) **Optic Nerve Drusen.** Unfit.
- (r) **High Cup - Disc ratio.** Unfit, if any of the following conditions exist:-
- (i) Inter-Eye asymmetry in cup disc ratio > 0.2 .
 - (ii) Retinal Nerve fibre Layer (RNFL) defect seen by RNFL analysis on Optical Coherence Tomography (OCT).
 - (iii) Visual Field defect detected by Visual Field Analyser.
- (s) Migraine with visual symptoms are not a strictly ocular problem and should be assessed in accordance with para 124.
- (t) As tests for night blindness are not routinely performed, a certificate to the effect that the individual does not suffer from night blindness will be obtained in every case. Certificate should be as per **Appendix C** to this chapter. A proven case of night-blindness is unfit.
- (u) Restriction of movements of the eyeball in any direction and undue depression/prominence of the eyeball are unfit.
- (v) **Retinal lesions.** A small healed chorio-retinal scar in the retinal periphery not affecting the vision and not associated with any other complications will be considered fit. Similarly, a small lattice in periphery with no other complications will be made fit. **Any lesion in the central fundus will be made unfit.**
- (w) **Lattice degeneration.**
- (i) The following lattice degeneration will render a candidate unfit:-

- (aa) Single circumferential lattice extending more than two clock hours in either or both eyes.
- (ab) Two circumferential lattices, each more than one clock hour in extent in either or both eyes.
- (ac) Radial lattices.
- (ad) Any lattice with atrophic hole/flap tears (Unlasered).
- (ae) Lattice degeneration posterior to equator.

(ii) Candidates with lattice degeneration will be considered fit under the following conditions:-

- (aa) Single circumferential lattice without holes of less than two clock hours in either or both eyes.
- (ab) Two circumferential lattices without holes each being less than one clock hour in extent in either or both eyes.
- (ac) Post-laser delimitation, single circumferential lattice, without holes/flap tear, less than two clock hours extent in either or both eyes.
- (ad) Post-laser delimitation, two circumferential lattices, without holes/flap tear, each being less than one clock hour extent in either or both eyes.

(x) **Keratoconus.** Keratoconus is unfit.

147. Visual Acuity/Colour Vision. The visual acuity and colour vision requirements are detailed in **Appendix 'D'** to this notification. Those who do not meet these requirements are to be rejected.

148. Myopia.

- (a) Unfit, if outside the prescribed visual limits.
- (b) Unfit even if the corrected visual acuity is within the acceptable limits when:-
 - (i) There is a strong family history of high myopia, and that the visual defect is recent onset.
 - (ii) If physical growth is still expected.
 - (iii) If the fundus appearance is suggestive of progressive myopia.

149. Refractive Surgeries. The disposal of candidates who have undergone Keratorefractive Surgeries (PRK, LASIK, Femto LASIK, SMILE or equivalent procedures) for commissioning in the Air Force in all branches is as follows :-

- (a) **Fit**
 - (i) Candidates for IAF meeting the visual requirements for the branch as laid down in Appendix D to para **146**. Residual refraction after such procedure should not be more than +/- 1.0 D Sph or Cyl for branches where correctable refractive errors are permitted.
 - (ii) Keratorefractive Surgery must not have been carried out before the age of 20 years.
 - (iii) At least 12 months must have elapsed post uncomplicated stable Keratorefractive Surgery with no history or evidence of any complication.
 - (iv) The axial length of the eye must not be more than 26 mm as measured by IOL master.

- (v) The post Keratorefractive Surgery corneal thickness as measured by a corneal Pachymeter must not be less than 450 microns.

(b) **Unfit**

- (i) Radial Keratotomy (RK) surgery for correction of refractive errors
- (ii) Individuals with high refractive errors (> 6 D) prior to Keratorefractive Surgery.

150. Cataract Surgeries. Candidates having undergone cataract surgery with or without IOL implants will be declared unfit.

151. Other Eye Surgeries. Candidates having undergone any invasive surgeries viz, Implantable Collamer Lens (ICL), Trabeculectomy, Glaucoma surgeries with or without implants, Corneal Collagen Crosslinking with Riboflavin (C3R), INTACS, any intra ocular injections, retinal surgeries etc, will be declared unfit.

OCULAR MUSCLE BALANCE

152. Individuals with manifest squint are not acceptable for commissioning.

153. The assessment of latent squint or heterophoria in the case of aircrew will be mainly based on the assessment of the fusion capacity. A strong fusion sense ensures the maintenance of binocular vision in the face of stress and fatigue. Hence, it is the main criterion for acceptability.

(a) **Convergence (as assessed on RAF rule)**

(i) **Objective Convergence.**

- (aa) Up to 10 cm- Fit.
- (ab) More than 10 cm - Unfit.

(ii) **Subjective Convergence (SC).** This indicates the end point of binocular vision under the stress of convergence. If the subjective convergence is more than 10 cm beyond the limit of objective convergence, the fusion capacity is poor. This is specially so when the objective convergence is 10 cm and above.

(b) **Accommodation.** In the case of myopes, accommodation should be assessed with corrective glasses in position. The acceptable values for accommodation in various age groups are given in Table 1.

Table 1 -Accommodation Values – Age wise

Age in Yrs	17-20	21-25	26-30	31-35	36-40	41-45
Accommodation (in cm)	10-11	11-12	12.5-13.5	14-16	16-18.5	18.5-27

154. Ocular muscle balance is dynamic and varies with concentration, anxiety, fatigue, hypoxia, drugs and alcohol. The above tests should be considered together for the final assessment. Standards for assessment of Ocular Muscle Balance are detailed in Appendix E to this chapter.

155 Any clinical findings in the media (cornea, lens, vitreous) or fundus, which is of pathological nature and likely to progress will be a cause for rejection. This examination will be done by slit lamp and ophthalmoscopy under mydriasis.

Appendix 'C'

[Refers to para 2 (m) Ophthalmology standards]

CERTIFICATE REGARDING NIGHT BLINDNESS

Name with initials _____
Batch No. _____ Chest No _____

I hereby certify that to the best of my knowledge, there has not been any case of night blindness in our family, and I do not suffer from it.

Date:

(Signature of the candidate)

Countersigned by

(Name of Medical Officer)

Appendix 'D'

(para 3 above of Ophthalmology standards)

VISUAL STANDARDS FOR MALE/FEMALE CANDIDATES AT INITIAL ENTRY

Sl No.	Med Cat	Branch	Maximum Limits of Refractive Error	Visual Acuity (VA) with limits of maximum correction	Colour Vision
1	A1G1	F (P) including WSOs , Flying Branch Candidates at NDA and AFA	Hypermetropia: + 1.5D Sph Manifest Myopia: Nil Astigmatism: +0.75D Cyl (within +1.5 D Max) Retinoscopic myopia: Nil	6/6 in one eye and 6/9 in other, correctable to 6/6 only for Hypermetropia	CP-I
2.	A4G1	10+2/NDA Entry to Ground duty branches of IAF (AE(L), Adm, Lgs)	Hypermetropia: + 2.5D Sph Myopia: -2.5D Sph Astigmatism: +/- 2.0D Cyl	Uncorrected VA 6/36 & 6/36 Best Corrected VA 6/6 & 6/6	CP-II

Note 1: Ocular muscle balance for personnel covered in Sl. Nos. 1 and 2 should conform to Appendix D to this Chapter.

Note 2: Visual standards of Air Wing Candidates at NDA and Flt Cds of F (P) at AFA should conform to A1G1 F (P) standard (Sl. No. 1 of Appendix C)

Note 3: The Sph correction factors mentioned above will be inclusive of the specified astigmatic correction factor. A minimum correction factor upto the specified visual acuity standard can be accepted.

Appendix E

(Refer para 154)

STANDARD OF OCULAR MUSCLE BALANCE FOR FLYING DUTIES

Ser. No.	Test	Fit
1	Maddox Rod Test at 06 m	Exo - 06 Prism D Eso - 06 Prism D Hyper - 01 prism D Hypo - 01 prism D
2	Maddox Rod Test at 33 cm	Exo -16 Prism D Eso - 06 Prism D Hyper - 01 Prism D Hypo - 01 Prism D
3	TNO Test or Titmus Fly Test	All of BSV grades
4	Convergence	Up to 10 cm
5	Cover Test for Distance and Near	Latent divergence/convergence recovery rapid and complete

Haemopoietic System

156. All cases of anemia (<13 g/dL in males and <11.5 g/dL in females) will be declared unfit during SMB.

157. All candidates with evidence of hereditary haemolytic anaemias (due to red cell membrane defect or due to red cell enzyme deficiencies) and haemoglobinopathies (Sickle cell disease, Beta-Thalassaemia: Major, Intermedia, Minor, Trait and Alpha Thalassaemia etc) are to be considered unfit for service.

158. Candidates with history of haemophilia or von Willebrand's disease are to be declared unfit. Candidates with clinical evidence of purpura or evidence of thrombocytopenia are to be considered unfit. Cases of Purpura Simplex (simple easy bruising), a benign disorder seen in otherwise healthy women, may be accepted.

159. **Monocytosis.** Absolute monocyte counts greater than 1000/cumm or more than or equal to 10% of total WBC is to be deemed unfit.

160. **Eosinophilia.** Absolute eosinophil counts greater than or equal to 500/cumm is deemed unfit.

161. Haemoglobin more than 16.5 g/dL in males and more than 16 g/dL in females will be considered as Polycythemia and deemed Unfit.

Dental Fitness Standards**162. Dental Standards.**

(a) Candidate must have a total minimum of 14 dental points and the following teeth must be present in the upper jaw in good functional opposition with the corresponding teeth in the lower jaw.

(i) Any four of the six anterior.

(ii) Any six of the ten posterior.

(b) The above dental standards are to be followed and candidates who do not conform to the laid down standards will be rejected.

163. Extra Oral Examination.

- (a) **Gross Facial Examination.** Presence of any gross asymmetry or soft/hard tissue defects/scars or if any incipient pathological condition of the jaw is suspected, it will be a cause of rejection.
- (b) **Functional Examination.**
- (i) **Temporo-Mandibular Joint (TMJ).** TMJs will be bilaterally palpated for tenderness and/or clicking. Candidates with symptomatic clicking and/or tenderness or dislocation of the TMJ on wide opening will be rejected.
- (ii) **Mouth Opening.** A mouth opening of less than 30 mm measured at the incisal edges will be reason for rejection.

164. Guidelines for Awarding Dental Points in Special Situations.

- (a) **Dental caries.** Teeth with caries that have not been restored or teeth associated with broken down crowns, pulp exposure, residual root stumps, teeth with abscesses and/or sinuses will not be counted for award of dental points.
- (b) **Restorations.** Teeth having restorations that appear to be improper/broken/discolored will not be awarded dental points. Teeth restored by use of inappropriate materials, temporary or fractured restorations with doubtful marginal integrity or peri-apical pathology will not be awarded dental points.
- (c) **Loose Teeth.** Loose/mobile teeth with clinically demonstrable mobility will not be awarded dental points. Periodontally splinted teeth will not be counted for award of dental points.
- (d) **Retained Deciduous Teeth.** Retained deciduous teeth will not be awarded dental points.
- (e) **Morphological Defects.** Teeth with structural defects which compromise efficient mastication will not be awarded dental points.
- (f) **Periodontium.**
- (i) The condition of the gums, of the teeth included for counting dental points, should be healthy i.e. pink in colour, firm in consistency and firmly resting against the necks of the teeth. Visible calculus should not be present.
- (ii) Individual teeth with localized periodontitis (swollen, red or infected gums or those with visible calculus) will not be awarded dental points.
- (iii) Candidates with severe periodontal disease (generalized calculus, extensive swollen and red gums, with or without exudates), shall be rejected. If periodontal disease is not severe and the teeth are otherwise sound, the candidate may be accepted if in the opinion of the Dental Officer, he/she can be cured by simple periodontal therapy excluding extraction.
- (g) **Malocclusion.** Candidates with malocclusion affecting masticatory efficiency and phonetics shall not be selected. Teeth in open bite will not be awarded dental points as they are not considered to be in

functional apposition. Candidates having an open bite, reverse overjet or any visible malocclusion will be rejected. However, if in the opinion of the Dental Officer, the malocclusion of teeth is not hampering efficient mastication, phonetics, maintenance of oral hygiene or general nutrition or performance of duties efficiently, then candidates will be declared fit. The following criteria have to be considered in assessing malocclusion:-

- (i) **Edge to Edge Bite.** Edge to edge bite will be considered as functional apposition.
- (ii) **Anterior Open Bite.** Anterior open bite is to be taken as lack of functional opposition of involved teeth.
- (iii) **Cross Bite.** Teeth in cross bite may still be in functional occlusion and may be awarded points, if so.
- (iv) **Traumatic Bite.** Anterior teeth involved in a deep impinging bite which is causing traumatic indentations on the palate will not be counted for award of points.
- (h) **Hard and Soft tissues.** Soft tissues of cheek, lips, palate, tongue and sublingual region and maxilla/mandibular bony apparatus must be examined for any swelling, discoloration, ulcers, scars, white patches, sub mucous fibrosis etc. All potentially malignant lesions will be cause for rejection. Clinical diagnosis for sub-mucous fibrosis with or without restriction of mouth opening will be a cause of rejection. Bony lesion (s) will be assessed for their pathological/physiological nature and commented upon accordingly. Any hard or soft tissue lesion will be a cause of rejection.
- (j) **Orthodontic Appliances.** Fixed orthodontics lingual retainers will not be considered as periodontal splints and teeth included in these retainers will be awarded points for dental fitness. Candidates wearing fixed or removable orthodontic appliances will be declared unfit.
- (k) **Dental Implants.** Implants and Implant Supported Prosthesis will not be awarded any dental points. In the case of ex-serviceman applying for re-enrolment, dental points will be awarded for removal dental prosthesis.
- (l) **Fixed Partial Dentures (FPD)/Implant supported FPDs.** FPDs will be assessed clinically and radiologically for firmness, functional apposition to opposing teeth and periodontal health of the abutments. If all parameters are found satisfactory, dental points will be awarded for the natural tooth (abutments).

Note: - Any prosthesis, removable/fixed or implant borne, the natural tooth/teeth in that component will be awarded dental points.

165. The Following will be Criteria for Declaring a Candidate Unfit:-

- (a) **Oral Hygiene.** Poor oral health status in the form of gross visible calculus, periodontal pockets and/or bleeding from gums will render candidate unfit.
- (b) **Candidates Reporting Post Maxillo-Facial Surgery/Maxillofacial Trauma.** Candidates who undergo cosmetic or post-traumatic maxillofacial surgery/trauma will be UNFIT for at least 24 weeks from the date of surgery/injury whichever is later. After this period, if there is no residual deformity or functional deficit, they will be assessed as per the laid down criteria.

- (c) Candidate with dental arches affected by advanced stage of generalized active lesions of pyorrhoea, acute ulcerative gingivitis, and gross abnormality of the teeth or jaws or with numerous caries or septic teeth will be rejected.

Assessment of Women Candidates

166. History. Detailed menstrual and obstetric history, in addition to general medical history, must be taken and recorded. If a history of menstrual, obstetric or pelvic abnormality is given, an opinion of gynaecologist is to be obtained.

167. General Medical and Surgical Standards

- (a) Any lump in the breast will be a cause for rejection. Cases of fibroadenoma breast after successful surgical removal may be considered fit with the opinion of a surgical specialist and a normal histopathological report.
- (b) Galactorrhoea will be cause for unfitness. Fitness after investigation/ treatment may be considered based on merits of the case and opinion of the concerned specialist during AMB.
- (c) Amazia, Polymazia and Polythelia (Accessory nipple) will be considered unfit during SMB. Operated cases of Polymazia/Polythelia will be considered fit after 12 weeks of post-operative period after excision, if there is a well healed surgical wound and no post-operative complications.

168. Gynaecological Examination. Any abnormality of external genitalia will be considered on merits of each case.

- (a) Following conditions are acceptable:-
- (i) Congenital elongation of cervix which comes up to introitus.
 - (ii) Arcuate type of congenital uterine anomaly.
- (b) Following conditions will entail rejection:-
- (i) Amenorrhoea will be grounds for rejection. Such candidates will be investigated, and fitness will be considered on merits after examination and investigations during AMB.
 - (ii) Severe menorrhagia or/and severe dysmenorrhoea.
 - (iii) Stress urinary incontinence.
 - (iv) Congenital elongation of cervix or complete prolapse which comes outside the introitus even after corrective surgery. (Complete prolapse of uterus will be a cause for rejection. Minor degree, after surgical correction, may be considered for fitness on merits.)
 - (v) Acute or chronic pelvic infection, Endometriosis and Adenomyosis.
 - (vi) Disorders of sexual differentiation.
 - (vii) Significant hirsutism especially with male pattern of hair growth.
- (c) Any other gynaecological condition not covered above will be considered on merits of each case by Gynecologist.

Pregnancy

169. Current pregnancy would be a cause for rejection. The minimum period after which the candidate will be reviewed for appeal post pregnancy would be as follows:-

- (a) **Vaginal delivery.** 24 weeks after an uncomplicated vaginal delivery.
- (b) **MTP/Abortion.** Minimum four weeks and up to 12 weeks.
- (c) **Caesarean section.** 52 weeks after uncomplicated caesarean section delivery.

170. The individual would then be examined by the Gynaecologist and assessed regarding her fitness. In cases wherein more than six months have elapsed, after the initial medical examination, the candidate would be subjected to repeat complete medical examination as per the existing regulations.

171. **Ultrasonography of Lower Abdomen and Pelvis for Women Candidates.** This would be done as per existing orders: -

- (a) **Fit.**
 - (i) Single small fibroid uterus (03 cm or less in diameter) without symptoms.
 - (ii) Unilocular clear ovarian cyst less than 06 cm in diameter.
 - (iii) Congenital elongation of cervix (which comes up to introitus).
 - (iv) Arcuate uterus type of congenital uterine anomaly.
 - (v) Minimal fluid in Pouch of Douglas.
- (b) **Unfit.**
 - (i) Candidates with fluid in Pouch of Douglas with internal echoes.
 - (ii) **Uterus.** Absence of uterus or any congenital structural abnormality, except Arcuate uterus.
 - (iii) **Fibroids.**
 - (aa) Multiple fibroids more than two in number, with larger one > 15 mm in size.
 - (ab) Single fibroid larger than 03 cm in size.
 - (ac) Any fibroid causing distortion of endometrial cavity.
 - (iv) Adenomyosis.
 - (v) **Adnexa.**
 - (aa) Simple ovarian cyst 06 cm or more in size.
 - (ab) Complex ovarian cyst of any size.
 - (ac) Endometriosis.
 - (ad) Hydrosalpinx.

(c) During Appeal Medical Board/Review Medical Board, unfit candidates will be subjected to specific investigations and detailed clinical examination. Fitness for specific conditions will be decided as given below:-

(i) Fluid in POD with internal echoes will be assessed with TLC, DLC and C-Reactive Protein. Senior Adviser (Obs and Gynae) to opine on fitness.

(ii) Endometrial thickness > 15 mm or residual echogenic shadows in endometrial cavity. Senior Adviser (Obs and Gynae) to opine on fitness.

172. Medical Fitness after Laparoscopic Surgery or Laparotomy. Candidates reporting after undergoing cystectomy or myomectomy will be accepted as fit, if the candidate is asymptomatic, ultrasound pelvis is normal, histopathology report of removed tissue shows benign pathology and per operative findings are not suggestive of endometriosis. Fitness to be considered after laparoscopic surgery once the wound has healed fully. Candidate will be considered FIT after caesarean section and laparotomy after one year of the surgical procedure.

APPENDIX-III

(BRIEF PARTICULARS OF THE SERVICE ETC.)

1. Before a candidate joins the Academy, the parent or guardian will be required to sign :—

(a) A certificate to the effect that he fully understands that he/she or his/her son or ward shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which his son or ward may sustain in the course of or as a result of the training or where bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him/her for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.

(b) A bond to the effect that if, on account of his dismissal or discharge or withdrawal from National Defence Academy for knowingly furnishing false particulars or suppressing material information in his application for admission to the said National Defence Academy or in the event of his/her being voluntarily resigning from the said, National Defence Academy or for any reason not beyond the control of the cadet, he/she does not complete the prescribed period of training, or he/she, the cadet, does not accept a Commission if offered as conventated above, then the Guarantors and the cadet shall jointly and severally be liable to pay forthwith to Government in cash sums as the Government shall fix but not exceeding such expenses as shall have been incurred by the Government on account of the Cadet on his/her training and all the money received by the Cadets as pay and allowance from the Government together with interest on the said money calculated at the rate in force for Government loans.

2. The cost of training including accommodation, books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by the Government. Parents or guardians of cadets, will, however, be required to meet their pocket and other private expenses. Normally these expenses are not likely to exceed Rs. 3000.00 p.m. If in any case a cadet's parents or guardian is unable to meet wholly or partly even this expenditure financial assistance of Rs. 1000.00 p.m. for the period of training may be granted by the Government whose parents income is less than Rs. 21,000/- per month. Cadet whose parent's or guardian's income exceeds Rs. 21,000/- per month will not be liable for the assistance. If more than one son/ward simultaneously undergoing training at NDA, IMA, OTA and corresponding training establishment in the Navy and Air Force, then BOTH would be eligible for the financial assistance.

The parent/guardian of a candidate desirous of having financial assistance from the Government should immediately after his son/ward having been finally selected for training at the National Defence Academy submit an application through the District Magistrate of his District who will forward the application with his recommendation to the Commandant, National Defence Academy, Khadakwasla, Pune – 411023.

3. Candidates finally selected for training at the Academy will be required to deposit the following amount with the Commandant, National Defence Academy, on their arrival there :—

(a)	Pocket allowance for five months @ Rs. 3000.00 per month.	Rs. 15000.00
(b)	For items of clothing and equipment (Cost of clothing and equipment for candidates will be intimated subsequently at the	

	time of Joining Instructions)	
(c)	Army Group Insurance Fund	Rs. 7200.00
(d)	Clothing items required at the time of joining (Cost of clothing and equipment for candidates will be intimated subsequently at the time of Joining Instructions)	
(e)	Incidental Expenditure during 1st Semester	Rs. 13176.00
	Total (less Ser (b) & (d) to be added later)	Rs. 35376.00

Out of the amount mentioned above the following amount is refundable to the candidates in the event of financial aid being sanctioned to them:—

(a) Pocket Money Allowance @ Rs 1000.00 Per Month.

(b) For items of clothing and equipment

(Brought at the time of joining)

4. The following Scholarships/Financial Assistance are tenable at the National Defence Academy.

(1) **PARASHURAM BHAU PATWARDHAN SCHOLARSHIP**— This Scholarship is granted to cadets overall first in Academics of Passing out Course. One time scholarship amount is Rs. 5000/-.

(2) **COLONEL KENDAL FRANK MEMORIAL SCHOLARSHIP**— This scholarship is of the value of Rs. 4800.00 per annum and awarded to a MARATHA cadet who should be the son of an ex-serviceman. The scholarship is in addition to any financial assistance from the Government.

(3) **ASSAM GOVERNMENT SCHOLARSHIP**—Two scholarships will be awarded to the cadets from ASSAM. The value of each scholarship is Rs. 30.00 per mensem and is tenable for the duration of a cadet's stay at the National Defence Academy. The scholarships will be awarded to the two best cadets from ASSAM without any reference to the income of their parents. The cadets who are granted this scholarship will not be entitled to any other financial assistance from the Government.

(4) **UTTAR PRADESH GOVERNMENT INCENTIVE SCHEME**—Uttar Pradesh Sainik Punarvas Nidhi a Trust under Hon'ble Governor of Uttar Pradesh has started a incentive scheme for cadets joining NDA/IMA/OTA/AF Academy/Naval Academy/Female Entry who are wards of ex servicemen/widows upto JCO rank and are domicile of State of Uttar Pradesh in which there is a provision of ~~one time~~ grant of Rs 50,000/- for each cadet selected as a special incentive.

(5) **KERALA GOVERNMENT SCHOLARSHIPS**— All male/female cadets irrespective of gender and without any pre conditions to all Kerala state cadets who are admitted to OTA,NDA, IMA, Naval Academy, Air force Academy, Armed Forces Medical College, RIMC Schools, as a consolation shall be granted Rs 2,00,000/- only and those who get admission to Military, Naval and Air force Nursing Schools shall be granted as a consolation Rs 1,00,000/-.

(6) **BIHARI LAL MANDAKINI PRIZE**— This is cash prize of Rs. 500.00 available for the best BENGALI boy in each Course of the Academy. Application Forms are available with the Commandant, National Defence Academy.

(7) **ORISSA GOVERNMENT SCHOLARSHIPS**— These scholarships, one for the Army, one for the Navy and the other for the Air Force of the value of Rs. 80.00 each per month will be awarded by the Government of Orissa to the cadets who are permanent residents of the State of ORISSA. Two of these scholarships will be awarded on the basis of merit-cum-means of the cadets whose parent's or guardian's income does not exceed Rs. 5,000/- per annum and the other one will be given to the best cadet irrespective of his parent's or guardian's income.

S.No	State Government	Amount	Eligibility
(8)	West Bengal (i) The cadet must be *Income Initial Lump sum grant-parent must be Scholarship per semester	Low Middle High 5000/- 3750/ 2500/- 1800/- 1350/- 900/-	(i) The cadet must be Indian Citizen and the cadet and/or his of/or permanently domiciled in the State of West Bengal.
	Table Income group Low - up to Rs. 9000/-pm Middle - Rs. 9001/- to Rs. 18000/-pm High - Above 18000/-pm		(ii) The Cadet is not in receipt of any other financial assistance / grant from the Govt. of India and/or the State Government or any other authority excepting scholarship or stipend received on merit.
(9)	Goa Rs. 1000/- per month during the period of training (subject to a maximum of 24 months or duration of the course whichever is less) & one time outfit allowance of Rs. 12,000/-		(i) The income limit of the cadet's parent/guardian shall not exceed Rs. 15,000/- pm (Rs. 1,80,000/- per annum). (ii) The income limit of those belonging to SC/ST/OBC should not exceed Rs. 37,500/- per month (Rs. 4,50,000/- per annum). (iii) He should not be receiving financial assistance/ freeship from any other source.
(10)	Nagaland	Rs. 1,00,000/- onetime payment	Should be domicile of Nagaland State.
(11)	Manipur	Rs. 1,00,000/- onetime payment	Should be domicile of Manipur State.
(12)	Arunachal Pradesh	Scholarship Rs.1,000/- pm One time outfit Allowance Rs. 12,000/-	Should be domicile of Arunachal Pradesh State.
(13)	Gujarat	Scholarship Rs. 6,000/- per annum	To the ward of Serving/Ex-servicemen (incl Ex/Serving Officer) of Native/Domicile of Gujarat.
(14)	<u>Uttarakhand</u> (a) Pocket Money Rs. 250/- pm for NDA Cadets of Uttarakhand domicile is paid to father/guardian of cadets (Ex-Servicemen/Widow, through respective Zilla Sainik Kalyan Officers.) (b) Cash Award of Rs. 50,000/- for NDA Cadets of Uttarakhand domicile is paid to father/guardian of cadets through Directorate of Higher Education, Haldwani.		
(15)	Punjab	Rs. 1,00,000/-(one time payment)	Should be domicile of Punjab State.
(16)	State Govt. Sikkim	Rs.1.5 lakhs for all Offrs entry schemes	Award for successful candidates of Sikkim for all Officer'sentry schemes.
(17)	<u>Eg Officer Anuj Nanchal Memorial Scholarship.</u> (One time payment) to the first and second best all round Air Force cadets of VI th term amounting to Rs 1500/- and Rs 1000/- respectively.		

(18) **HIMACHAL PRADESH GOVERNMENT SCHOLARSHIP**— Four scholarships will be awarded to cadets from HIMACHAL PRADESH. The value of each scholarship is Rs. 30.00 per month during the first two years of training and Rs. 48.00 per month during the third year of training. These scholarships will be available to those cadets whose parent's income is below Rs. 500.00 per month. No cadet in receipt of financial assistance from the Government will be eligible for this scholarship.

(19) TAMIL NADU GOVERNMENT SCHOLARSHIP—The Government of Tamil Nadu has instituted at NDA one scholarship per course of the value of Rs. 30/- per month plus an outfit allowance of Rs. 400/- (one only during the entire period of cadet's training) to be awarded to a cadet belonging to the State of TAMIL NADU whose parent's/guardian's monthly income does not exceed Rs. 500/-. The application by an eligible cadet can be made to the Commandant, National Defence Academy on their arrival.

In addition to the existing Scholarships, Directorate of Ex-Servicemen Welfare, Chennai under Tamil Nadu Government has sanctioned a onetime grant of Rs.1,00,000/- (Rupees One Lakh Only) to the eligible children of Ex-Servicemen who join NDA/IMA/Naval or Air Force Academy as Permanent Commissioned Officers.

(20) KARNATAKA GOVERNMENT SCHOLARSHIPS— The Govt. of Karnataka has awarded scholarships to cadets from Karnataka State who join the National Defence Academy. The value of the scholarship shall be Rs.1,500/- (Rupees One Thousand Five Hundred only) per month and outfit allowance of in first term Rs.18,000/- per annum.

(21) ALBERT EKKA SCHOLARSHIP—The Government of Bihar has instituted at NDA 25 Merit Scholarships at Rs. 50/- per month for entire period of six terms at the NDA and Rs. 650/- one time towards clothing and equipment. The cadet awarded the above merit scholarship would not be eligible for any other scholarship or financial assistance from the Government. The application by an eligible cadet can be made to the Commandant, National Defence Academy on their arrival.

(22) FG OFFICER DV PINTOO MEMORIAL SCHOLARSHIP— Gp Capt. M Vashishta has instituted 3 scholarships of Rs. 125/- each per month at NDA for one term to be awarded to the first three cadets in the order of merit on completion of their first semester till end of second term. The cadets in receipt of Govt. Financial Assistance will not be eligible for the above scholarships. The application for eligible cadets can be made to the Commandant, NDA on arrival.

(23) FINANCIAL ASSISTANCE TO WARDS OF EX-SERVICEMEN—MAHARASHTRA STATE— The wards of Maharashtrian ex-service officers/men who are undergoing training as cadets at NDA will be given Rs. 50,000/- as one time incentive.

The parents/guardians of the wards should submit their applications to their respective Zilla Sainik Welfare Office along with the certificates obtained from the Academy. Terms and conditions governing these scholarships are obtainable from the Commandant, National Defence Academy, Khadakwasla, Pune – 411 023.

(24) AWARD OF FINANCIAL ASSISTANCE TO CANDIDATES OF HARYANA DOMICILE UNDER TRAINING AT NDA— The Haryana State Govt. has declared a cash award of Rs. 1,00,000/- (Rupees one lakh) to every individual who successfully completes the training at NDA/IMA/OTA and other Defence Academies of National Status and domicile of State of Haryana.

(25) INCENTIVE GRANT TO CADETS DOMICILE OF UT, CHANDIGARH UNDER TRAINING AT NDA— Chandigarh Administration has introduced the scheme for grant of one time incentive of Rs. 1,00,000/- (Rupees one lakh) to the cadets who are resident of UT, Chandigarh and joined NDA.

(26) SCHOLARSHIP/GRANT FOR NCT DELHI — The cadets undergoing training at NDA and who are bonafide residents of NCT Delhi will get a monthly grant of Rs 2000/-. A bonafide resident would mean those cadets whose permanent home address recorded in the documents at the time of joining NDA is that of

National Capital Territory of Delhi (and does not include NCR). This would be needed to be supported with a copy of the residence proof (Aadhaar Card, Voter Identity Card, Service Records of their parent etc.)

TRAINING

5. The selected candidates for the three services viz, Army, Navy and Air Force are given preliminary training both academic and physical for a period of 3 years at the National Defence Academy which is an Inter-Service Institution. The training during the first two and half years is common to the cadets of three wings. All the cadets on passing out will be awarded degrees from Jawaharlal Nehru University Delhi as under:-

(a)	Army Cadets	-	B.Sc/ B.Sc (Computer)/ B.A
(b)	Naval Cadets	-	B. Tech Degree*
(c)	Air Force Cadets	-	B. Tech Degree* /B.Sc/B.Sc (Computer)

Note* : All the cadets undergoing B.Sc/B.SC(Computer)/BA Degree programme shall be awarded the degree on the successful completion of Academics, Physical and Service Training at NDA. All the cadets undergoing B Tech programme shall be awarded the B.Tech degree on the subsequent Pre Commissioning Training Academies/ Institutions/ Ships/ Air Craft.

The selected candidates of the Naval Academy will be given preliminary training both academic and physical, for a period of 04 years at Indian Naval Academy, Ezhimala. The cadets of 10+2 Cadet Entry Scheme will be awarded a B. Tech Degree on successful completion of training.

6. On passing out from the National Defence Academy, Army Cadets go to the Indian Military Academy, Dehra Dun, Naval Cadets to Indian Naval Academy, Ezhimala and Air Force cadets and Ground Duty-Non Tech streams to Air Force Academy, Hyderabad and Air Force cadets of Ground Duty-Tech stream to Air Force Technical College, Bengaluru.

7. At the I.M.A, Army Cadets are known as Gentlemen/Lady Cadets and are given strenuous military training for a period of one year aimed at turning them into officer capable of leading infantry Sub-units. On successful completion of training Gentlemen/Lady Cadets are granted Permanent Commission in the rank of Lt subject to being medically fit in "SHAPE" one.

8. (a) The Naval cadets are selected for the Executive Branch of the Navy, on passing out from the National Defence Academy and are given further training at Indian Naval Academy, Ezhimala for a period of one year on successful completion of which they are promoted to the rank of Sub Lieutenants.

(b) Selected candidates for the Naval Academy under (10+2 Cadet Entry Scheme) will be inducted as Cadets for four year B.Tech course in Applied Electronics & Communication Engineering (for Executive Branch), Mechanical Engineering (for Engineering Branch including Naval Architect specialization) or Electronics & Communication Engineering (for Electrical Branch) as per Naval requirements. On completion of the course, B. Tech Degree will be awarded by Jawaharlal Nehru University (JNU).

9. (a) Air Force Flying Branch Cadets receive flying training for a period of one and a half years. On successful completion of one year of basic flying training (Pilots), they are granted Permanent Commission (on probation) in the rank of Flying Officer, for a period of six months. Permanent Commission is then confirmed in respect of those officers who successfully complete the flying training conversion course for pilots lasting for a period of approximately six months..

(b) Air Force Ground Duties Branch Cadets are granted Permanent Commission (on probation) in the rank of Flying Officer, for six months on successful completion of training at AFA. On successful completion of the probationary period of approximately six months, the Permanent Commission is then confirmed.

TERMS AND CONDITIONS OF SERVICES

10. Army Officers and equivalent ranks in Air Force and Navy

(a) **Fixed Stipend for Cadet Training:-**

Stipend to male/female Cadets during the entire duration of training in Service academies i.e. during training period at IMA.	Rs 56,100/-p.m.* (Starting pay in Level 10)
---	--

*On successful commissioning, the pay in the Pay matrix of the Officer commissioned shall be fixed in first Cell of Level 10 and the period of training shall not be treated as commissioned service and arrears on account of admissible allowances, as applicable, for the training period shall be paid to cadets.

(b) **Pay**

Rank	Pay Level (in Rs.)
Lt to Maj	Lt - Level 10 (56,100 – 1,77,500)/- Capt - Level 10 B (61,300-1,93,900)/- Maj - Level 11 (69,400 – 2,07,200)/-
Lt Col to Maj Gen	Lt Col - Level 12A (1,21,200 – 2,12,400)/- Col - Level 13 (1,30,600 – 2,15,900)/- Brig - Level 13A (1,39,600 – 2,17,600)/- Maj Gen - Level 14 (1,44,200 – 2,18,200)/-
Lt Gen (HAG Scale)	Level 15 (1,82,200 – 2,24,100)/-
Lt Gen (HAG+ Scale)	Level 16 (2,05,400 – 2,24,400)/-
VCOAS/Army Cdr/ Lt Gen (NFSG)	Level 17 (2,25,000/-) (fixed)
COAS	Level 18 (2,50,000/-) (fixed)

(ii) **MSP to the officer is as follows:-**

Military Service Pay(MSP) to the officers from the rank of Lt to Brig	Rs 15,500 p.m. fixed
---	----------------------

(iii) Risk and Hardship allowance has been introduced by the 7th CPC under which an indl gets his entitled allowance as per risk and hardship of the area where he/she is service.

(iv) **Other allowance:-**

Dearness Allowance	Admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the civilian personnel from time to time.
Para Allce	Rs 13,125/- pm
Para Reserve Allce	Rs 3,281/- pm
Para Jump Instructor Allce	Rs 13,125/- pm
Project Allce	Rs 4,250/- pm
Special Forces Allce	Rs 31,250/- pm
Technical Allce (Tier-I)	Rs 3,000/- pm
Technical Allce (Tier-II)	Rs 4,500/- pm

- (v) **Uniform allowance.** Rs 25,000/- per year.
- (vi) **Ration in Kind.** In peace and Field areas
- (vii) **Transport Allowance (TPTA)**

Pay Level	Higher TPTA Cities (Rs. Per month)	Other Places (Rs. Per month)
Officers	Rs. 7200+DA thereon	Rs. 3600+DA thereon

(viii) **Children Education Allowance.** Rs. 2813/- per month per child for two eldest surviving only. CEA is admissible from Nursery to 12th Class.

(ix) **Hostel Subsidy.** Rs. 8438/- per month per child for two eldest surviving only. Hostel Subsidy is admissible from Nursery to 12th Class.

(x) The following monetary benefits are available to the Cadets (Direct)/NoKs in the event of invalidment on medical grounds/death of a Cadet (Direct) due to causes attributable to or aggravated by military training:

(I) **IN CASE OF DISABLEMENT**

- (i) Monthly Ex-gratia amount of Rs. 9,000/- per month.
- (ii) Ex-gratia disability award @ Rs. 16200/- per month shall be payable in addition for 100% of disability during period of disablement subject to prorata reduction in case the degree of disablement is less than 100%. No disability award shall be payable in cases where the degree of disablement is less than 20%.
- (iii) Constant Attendant Allowance (CAA) @ Rs 6750/- per month for 100% disabled on the recommendation of Invaliding Medical Board (IBM).

(II) **IN CASE OF DEATH**

- (i) Ex-gratia amount of Rs. 12.5 lakhs to the NoK.
- (ii) Monthly Ex-gratia amount of Rs. 9000/- per month to the NoK.

Note: 1. The Ex-gratia awards to Cadets (Direct) / NoK, shall be sanctioned purely on ex-gratia basis and the same shall not be treated as pension for any purpose.

2. Dearness Relief at applicable rates shall be granted on monthly ex-gratia as well as ex-gratia disability award.

11. (a) Army Group Insurance Fund provides insurance cover of Rs.15 lakh on payment of one time non-refundable premium of Rs. 7,200/- (subject to revision from time to time) by cadets from the date of joining for pre-commission training i.e. for 3 years. If a cadet is relegated an additional premium of Rs. 1,355/- (subject to revision from time to time) per relegated term will be paid. For those who are invalidated out by IMB on account of disability and not entitled to any pension will be provided Rs.15 lakhs for 100 per cent disability. This will be proportionately

reduced to Rs 3 lakhs for 20 per cent. However, for less than 20 percent disability, only an Ex-Gratia Grant of Rs. 50,000/- for first two years of training and Rs. 1 lakh during the third year of training will be paid. Disability due to alcoholism, drug addiction and due to the diseases of pre-enrolment origin will not qualify for disability benefit and Ex-Gratia Grant. In addition, cadets withdrawn on disciplinary grounds, expelled as undesirable or leaving the Academy voluntarily will also not be eligible for disability benefits and Ex-Gratia. There is no saving component under the scheme.

(b) The Lady/Gentlemen Cadets during pre commission trg when in receipt of stipend are insured for Rs. One Cr as applicable to officers of the regular Army. Monthly AGIF subscription will be deducted directly by PCDA (O), Pune. **For those who are invalidated out by Invalidated Medical Board (IMB) on account of disability and not entitled to any pension will be provided Rs 25 lakh for 100 percent disability. This will be proportionately reduced to Rs 5 lakh for 20 percent disability.** However, for less than 20 percent disability, an ex-gratia grant of Rs. 50,000/- only will be paid. Disability due to alcoholism, drug addiction and due to the diseases of pre-enrolment origin will not qualify for disability benefit and Ex-Gratia Grant. In addition, Lady/Gentleman Cadets withdrawn on disciplinary grounds, expelled as an undesirable or leaving the Academy voluntarily will not be eligible for disability benefits and Ex-Gratia.

13. PROMOTIONAL AVENUES:

S.No.	Army	Navy	Air Force	Minimum Reckonable Commissioned Service required for Substantive Promotion
1.	2.	3.	4.	5.
(a)	Lieutenant	Sub Lieutenant	Flying Officer	On Commission
(b)	Captain	Lieutenant	Flight Lieutenant	02 Years
(c)	Major	Lt. Commander	Squadron Leader	06 years
(d)	Lieutenant Colonel	Commander	Wing Commander	13 years
(e)	Colonel (Selection)	Captain (Selection)	Group Captain (Selection)	On Selection
(f)	Colonel (Time Scale)	Captain (Time Scale)	Group Captain (Time Scale)	26 years
(g)	Brigadier	Commodore	Air Commodore	On Selection
(h)	Major General	Rear Admiral	Air Vice Marshal	On Selection
(i)	Lieutenant General	Vice Admiral	Air Marshal	On Selection
(j)	General	Admiral	Air Chief Marshal	On Selection

14. RETIREMENT BENEFITS

Pension, gratuity and casualty pensionary award will be admissible in accordance with the rules in force from time to time.

15. LEAVE

Leave will be admissible in accordance with the rules in force from time to time.